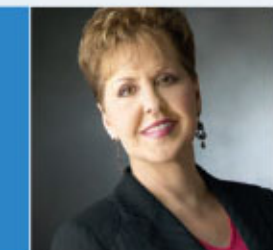


जाँयस मेयर

बीस लाख ले जादा बिके पुस्तक मन के लेखिका

दिमाग के युद्ध भूइया

दिमाग मं युद्ध ल जीतना



दिमाग के
युद्ध भूँइया

दिमाग के युद्ध भूँझया

तुंहर दिमाग मं युद्ध ल जीतना

जॉयस मेयर



JOYCE MEYER
MINISTRIES®

Nanakramguda, Hyderabad 500 008

If you purchase this book without a cover you should be aware that this book may have been stolen property and reported as “unsold and destroyed” to the publisher. In such case neither the author nor the publisher has received any payment for this “stripped book.”

Unless otherwise indicated, all Scripture quotations are taken from *The Amplified Bible* (AMP). *The Amplified Bible, Old Testament*, copyright ©1965, 1987 by the Zondervan Corporation. *The Amplified New Testament*, copyright © 1954, 1958, 1987 by The Lockman Foundation. Used by permission.

Scripture quotations marked NKJV are taken from *The New King James Version* of the Bible. Copyright © 1979, 1980, 1982 by Thomas Nelson, Inc., Publishers. Used by permission.

Scripture quotations marked NKJV are taken from the *King James Version* of the Bible.

Copyright © 2012 by Joyce Meyer Ministries - Asia

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, or stored in a database or retrieval system, without the prior written permission of Joyce Meyer Ministries - Asia.

Joyce Meyer Ministries - Asia
Nanakramguda, Hyderabad - 500 008
Phone: +91-40-2300 6777
Website: www.jmmindia.org

Battlefield of the Mind - *Chattisgarhi*
Winning the Battle in Your Mind

Printed at:
Caxton Offset Pvt. Ltd.
Hyderabad-500 004

समर्पण

दिमाग के युद्ध भूंइया ल मै अपन बडे बेटा डेविड ल समर्पण करना चाहत हंव ।

मै एला जानथंव कि तैं घलो मोर असन दिमाग मं संघर्ष मन ले जूझत रहिथस अउ मैं ये जानथंव कि तोर दिमाग (बुद्धी) के नवा हो जाय ले तैं विजय के अनुभो घलो पावत जावत हवस ।

डेविड मैं तोर ले परेम करथंव अउ मोला तोर उपर गर्व हवय । इही परकार लगे रह ।

विषय सूची

भाग I दिमाग के महत्व

प्रस्तावना	11
1 दिमाग एक युद्ध भूइया आय	15
2 एक महत्व भरे जरूरत	27
3 हिम्मत झन हारव	33
4 धीरे धीरे कर के	39
5 सकारात्मक बनव	45
6 दिमाग ल जकड़इय्या आतमामन	57
7 जोन तुमन सोचत हवव ओकर बारे मं सोचव	63

भाग II दिमाग के स्थितीमन

प्रस्तावना	73
8 मोर दिमाग सामान्य कब रहिथे?	77
9 एक आवारा या चंचल अउ अचरज भरे दिमाग	85
10 एक भ्रामक दिमाग	93
11 एक संदेही अउ अविश्वासी दिमाग	103
12 एक चिंतित अउ जिज्ञासु दिमाग	117
13 एक दोषी ठहरइया छिद्रान्वेशी अउ शंकालु दिमाग	131
14 एक निठल्ला दिमाग	147
15 मसीह के दिमाग	159

भाग III बंजर दिमाग के विचार धारा

प्रस्तावना	183
16 बंजर जीनगी के विचार धारा #1: “मोर भविष्य ह; मोर बीते समे अउ मोर आज के बरवत ले निश्चित होथे”	189

8 विषय सूची

- 17 बंजर जीनगी के विचार धारा #2: “मोर बदलामं कोनो अउ करय मैं जवाबदारी लेना नइ चाहंव।” 197
- 18 बंजर जीनगी के विचार धारा #3: “कृपया हर बात न सरल बना दीजिए कठिन बात मोर ले नइ हो सकय।” 207
- 19 बंजर जीनगी के विचार धारा #4: “मोर बस नइ चलय मोला कुड़कुडाय के दोष लगाय के अउ असंतोष जताय के आदत हवय।” 215
- 20 बंजर जीनगी के विचार धारा #5: “मोला इतिहार इन कराव, मैं जम्मो चीज तुरते पाय के लायक हंव।” 225
- 21 बंजर जीनगी के विचार धारा #6: “मारे बरताव गलत हो सकथे पर एमा मोर गलती नइ हे।” 235
- 22 बंजर जीनगी के विचार धारा #7: “मैं बहुत दुःखी हंव मोला उपर उपर तरस आथे काबर कि मोर जीनगी धिनौना हे।” 247
- 23 बंजर जीनगी के विचार धारा #8: “मैं पनमेसर के आशीष मन के अधिकारी नइ हंव काबर कि मैं लायक नइ हंव।” 255
- 24 बंजर जीनगी के विचार धारा #9: “जब हर मनखे मोर ले बढ़िया हालत मं हंवय त मैं जलस अउ इरषा कावर न करव?” 265
- 25 बंजर जीनगी के विचार धारा #10: “मैं एला अपन ढग ले करहूं या बिलकुल नइ करंव।” 275
- नोट्स 281
- सन्दर्भ सूची 283
- लेखिका के विषय में 284

भाग I

दिमाग के महत्व

प्रस्तावना

हमन कोन परकार ले सोच बिचार के महत्व ल ठीक ठाक बता सकथन जेकर ले नीतिवचन 23:7 के ठीक मतलब निकल सकय: **कावर कि जइसे ओ अपन मन में विचारथे वइसने वो खुद हवय...?**

जतना जादा मैं पनमेसर के सेवा करथंव अउ ओकर बचन के अध्ययन करथंव, उतने जादा मैं विचार मन के अउ शब्द मन के महत्व ल जान जाथंव। एकर बारे में अध्ययन करे मैं पाथंव कि पवितर आत्मा हमेशा मोर अगुवाई करथे।

मैं कहे हवं अउ मोला विश्वास हवय कि ये सच हे कि जब तक हमन ये पिरथी उपर हवन, तब तक हमन ल विचार मन के अउ शब्द मन के क्षेत्र मन में अध्ययन करे के जरूरत पड़ही। चाहे हमन कोनो विषय में कतना जानत होवन तभो हमला बहुत अकनं नवा बात सीखे बर मिलथे अउ जोन बात हमन पहिली ले जानथन ओला नवा किसम ले जाने के जरूरत पड़थे।

नीति वचन 23:7 के ठीक मतलब काय हवय? किंग जेम्स अनुवाद कहिथे, **जइसे वो अपन दिमाग में सोचथे, वइसने वो खुद हवय...** एक दुसर अनुवाद के अनुसार “एक मनखे जइसे अपन दिमाग में सोचथे, वो वइसने बन जाथे।”

जम्मो काम के अगुवा दिमाग आय। रोमियों 8:5 काबर की जोनमन संसारिक स्वभाव में जीनगी बिताथे उंकर बुद्धी संसारिक मनुष के इच्छा ल पूरा करें में टिके रहिथे।

“हमर काम हमर दिमाग के सीधा फल आय। अगर हमर दिमाग नकारात्मक हवय त हमर जीनगी घलो नकारात्मक ही होही। दुसर कुती, अगर हमन अपन दिमाग ल पनमेसर के बचन दुआरा नवा बना लेथन त रोमियों 12:2 के परतिज्ञा

काबर की हमर लड़ई के हथियार संसार के नई हे, पर किला मन ल गिराय बर, पनमेसर दुआरा ताकत मरे हवय त हमन कल्पना मन ल, अउ हर जम्मो ऊंचा बात न ल जोन पनमेसर के गियान के विरोध नं उठये, तहस नहस करथन अउ जम्मो मावना ल कैदी बनाके मसीह आज्ञा मनइय्या बनाथन।

2 कुरिन्थियो 10:4-5

12 दिमाग के युद्ध भूँझा

ल हमन अपन अनुभो दुआरा पनमेसर के बने, पसंद के, अउसिद्ध इच्छा ल अपन जीनगी मं जान लेवोन।

मैं ये किताब ल तीन भाग मं बांट दिये हंव। पहिला भाग बिचारमन के महत्व ल बताथे। मै तुंहर मन के हिरदे मं थे बात ल मजबूती से बइठा देना चाहथं कि जोन बिचार तुमन करत हव वो विचार मन ल सोचे के शुरू करे के जरूरत हवय।

बहुत मनरवे मन अपन जीनगी मं जोन समस्या मन ल अनुभो करथें ओ जम्मो समस्या मन उकरं सोचे के तरीका के कारण से ही होथे। सइतान जम्मो मन ल गलत ढंग ले सोचे बर मजबूर करथे, पर हमला ओकर उपर धियान नइ देना चाही। कोन बिचार पवितर आत्मा ल पंसद आथे अउ कोन पसंद नइ आवय, ये हमला सीखना है।

2 कुरिथियों 10:4,5 साफ बताये कि हमला पनमेसर के बचन ल बहुत जादा जानना चाही कि हमन मिलान कर सकन कि हमर दिमाग मं काय हे अउ पनमेसर के दिमाग मं काय हे: अइसना विचार जोन अपन ल पनमेसर के बचन ले उपर बतावत होवय हमला तुरते अइसन विचपर ल दूर करना हे आउ यीशु मसीह के कैद म लाना है। मैं पराथना करत हंव कि ये पुस्तक तुमन ल अइसना करे मं तुंहर सहायता करही।

दिमाग एक लडई के मैदान आय। ये बहुते जरूरी है, किहमन अपन बिचार अउ पनमेसर के विचार ल एक समान रखन। एकर बर हमला समे अउ अध्ययन दुनो के जरूरत पड़ही।

निराश होके छोडझन देवन, काबर कि थोर थोर करके तुमन बदलत जावत हवय। जतना जादा तुमन भलई वर अपन दिमांग ल बदलथव उतने जादा तुंहर जीनगी भलई बर बदलत जाही। जब तुमन अपन दिमाग ले अपन बर पनमेसर के भला योजना ल देखन लगथव, अउ फिर ओमा चलना घलो शुरू कर देहव।

प्रस्तावना

1

दिमाग एक युद्ध भूइंया आय

दिमाग एक युद्ध भूँइया आय

उपर लिखे पाठ मं हमन देखथन कि हमन एक लड़ई मं हवन। ये पद के अध्ययन ले हमला पता चलथे कि हमर लड़ई दुसर मनरवे मन ले नइ हे पर सइतान अउ ओकर शक्ति मन ले हवय। हमर ओ बइरी सइतान हमला अपन जाल अउ धोखा दुआरा हराय के कोशिश करथे।

काबर की हमर ये कुशती खून अउ गोशत ले नइ हे, पर परधन मन ले, अउ अधिकारी मनले, अउ ये संसार के अंधकार के अधिकारी मन ले, अउ दुष्टता के आत्मिक सेनामन ले हवय जोन आकाश मं हवय

इफिसियों 6:12

सइतान लबरा हे। यीशु ओकर बारे मं बताथे... **वो लबरा आय पर लबारी के बाप आय** (युहन्ना 8:44) ओ तुंहर ले अउ मोर ले लबारी मारथे। वो हमर ले, हमर बारे मं, दुसर के बारे मं, अउ हमर हालत मन के बारे मं बताथे जेमा सच नइ राहस। वो जम्मो लबारी ल एके बार मं नइ बतावय।

जो बहुते चालाकी के साथ हमर दिमाग मं गंदा बिचार, शंका गड़बड़ी, डर, तर्क, अउ दुसर गलत शिक्षा ल भरना शुरू करथे। ओ सावधन होके धीर लगहा काम करथे; काबर कि ये परकार के योजना बनाके काम करे मं बखत लगथे। सुरता रखिहव, ओकर कना लड़ई करे के एक नीति हवय। वो लम्बा समे ले हमर अध्ययन कर लिए हवय।

ओ जानथे कि हमला काय पसंद आये अउ काय नइ आवय वो हमर असुरक्षा, हमर कमजोरी मन ल अउ हमर डर ल जानथे। वो जानथे कि हमन कोन बात ले बहुते अस्थिर हो जाथन। वो हमला हराय बर कतको भी समे लगाय के इच्छा रखथे। सइतान के मजबूत गुण हे धीरज।

गढ़ मन ल तहस—नहस कर देना

काबर कि हमर लड़ई के हथियार संसार के नइ हे पर किला मन ल तहस नहस करे बर पनमेसर दुआर ताकत भरे हवय त हमन कल्पना

मन ल अउ जम्मो ऊंचा बात ल जोन पनमेसर के गियान के विरोध मं उठथे, तहस नहस करथन, अउ जम्मो भावना ल कैदी करके मसीह के आज्ञा मानने वाला बनाथन।

2 कुरिथियों 10:4-5

सइतान हमर दिमाग म अपन कपट रीति अउ धोखा दुआरा गढ़ बनाय के कोशिश करथे। ये गढ़ एक अइसना जगहा आय जिंहा हमन अपन गलत बिचार मन के दुआरा कैदी बन जाथन।

ये हिस्सा मं प्रेरित पौलुस हमला बताथे कि सइतान के ये गढ़ मन उंपर जीत पाय बर हमर कना हथियार हवय। ये हथियार मन के बारे मं हमन बाद मं अउ सीखबो, पर अभी हमन ये बात में धियान देवन कि हमन आत्मिक लड़ाई मं लगे हवन। पद 5 हमला साफ बताथे कि ये लड़ाई के भुंझ्यां जिंहा युद्ध लड़े जावत हवय कहां हवय।

ये पद के दुसर अनुवाद कहिथे कि कुतर्क ल तहस नहस करे बर हमला ये हथियार के उपयोग करना हवय। सइतान हमर ले तर्क करथे अपन शिक्षा अउ बिचार हमर आगु लाथे अउ ये जम्मो काम हमर दिमाग मं होवत रहिथे।

दिमाग युद्ध के भूँझा आय।

सार

अब तक हमन सीखे हवन कि:

1. हमन एक लड़ाई मं लगे हवन।
2. हमर बड़ी सइतान आय।
3. दिमाग युद्ध के भूँझा आय।
4. सइतान हमर दिमाग मं गढ़ बनाय बर बड़ चालबाजी ले काम करथे।
5. वो अपन लड़ाई के नीति अउ धोखा द्वारा अइसे करथे (ठीक से बनाय योजना अउ कपट दुआरा)।
6. ओला कोनो जल्दी नइ हे वो अपन काम पूरा करे बर पूरा बरवत लगाथे अब हमन ओकर योजना ल साफ तरीका से एक दृष्टांत दुआरा परखथन।

मरियम के बात

मरियम अउ ओकर मरद. सुखी विहाव के जीनगी नइ बितावत हवंय। उकर बीच हमेशा किट किट रहिथे। वो दुनो मन गुस्सा अउ कड़वापन अउ बदला ले के विचार ले भरे हवंय। उंकर दू ठन लइका हवंय जऊन मन घर के समस्या ले परभावित हवंय। ये झगड़ा ले उंकर स्कूल के काम मन मं अउ उंकर व्योहार मं साफ किसम ले देखे जा सकथे। जेकर परभाव ले एक लइका के पेट मं बयमारी हवय।

मरियम के समस्या ये हवय कि ओ जॉन ल घर के मुखिया के जगहा मं रखना नइ चाहय। ओ खुद मुखिया रहना चाहथे। जम्मो फइसला खुद करना चाहथे। पइसा कौड़ी के जम्मो काम अउ बच्चा मन ल अनुशासन घलो अपन हाथ म रखना चाहथे। अउ नौकरी करना चाहथे कि ओकर कना खुद के पइसा रहय। ओ अधिकार जताने वाली, कड़वा बोलने वाली, अउ अपन उपर भरोसा रखनेवाली औरत हवय।

तुमन सोचत होहव, “एकर जवाब हवय, ओला यीशु ल जाने के जरूरत हवय।” वो यीशु ल जानथे, मरियम 5 साल ले यीशु ल उद्धारकर्ता गरहन कर चुके हवय, तब जॉन ले ओकर विहाव होय 3 साल हो चुके रिहिस।

“काय तोर ये मतलब हवय कि यीशु ल उद्धार कर्ता गरहन करे के बाद मरियम मं कोनो बदलाव नइ आइस हवय?”

हां, बदलाव हवय। ओला विश्वास हवय कि ओ सरग जाही एकर बाद घलो ओकर गलत बरताव. ओला दोषी ठहराथे। अब ओकर कना एक अच्छा आशा हवय। यीशुल गरहन करे के पहली ओ बिन आशा के अउ दुःखी रिहिस पर अब ओ सिरिफ दुःखी हवय।

मरियम ल पता हे कि ओकर बरताव गलत हवय। वो बदलाव चाहथे को दु लोग मन ले सलाह ले हवय अउ अपन बर पराथना धलो करवाय हवय कि गुस्सा, फूट, कड़वापन, माफी नइ करे के आदत ले छुटकारा मिल सकय फिर ओमा बदलाव काबर नइ होइस?

एकर जवाब रोमियों 12:2 मं हवय: “अउ ये संसार असन इन बनव; पर तुंहर दिमाग के नवा हो जाय से तुंहर बरताव बदलत जाय, जेकर से तुमन पनमेसर के बने अउ पसंदवाला अउ सिद्ध इच्छा अनुभो ले मालुम, करत रहव।”

मरियम के दिमाग मं गढ़ हवय। सालो ले हवयं वो ये समझ नइ पावय कि वो उहां कइसे पहुंच गिस। वो समझथे ओला बगावत करइय्या, अधिकार जमइय्या: अउ चिढ चिढ़िन नइ होना चाही पर ओला समझ नइ आवय कि ओला अपन आदत ल बदले बर काय करना चाही। ओला लगथे कि ओ खास हालत मन मं झगरा कर बइठथे जेकर उपर ओकर बस नइ हवय।

मरियम के आदत मं ओकर कोनो बस नइ चलय काबर कि ओ अपन बिचार मन उपर अंकुश नइ लगावयं वो अपन विचार मन उपर अंकुश नइ लगावय काबर कि सइतान ओकर शुरूआती जीनगी मं, बचपना ले गढ़ बना दिये हवय।

सइतान अपन ठीक से बनाय योजना मन ल अउ धोखा ल ओकर भीतरी बचपना से ही डार दिये हवय। मरियम के जीनगी मं बचपना ले ही समस्या मन आना शुरू कर दिये रिहिन।

ओकर बाप जुलुम ढाने वाला रिहिस, जब मरियम नानक बच्ची रिहिस तब ले ओला बहुते मार, फटकार करत रिहिस। अगर ओ कोनो गलती करत रिहिसत वो बहुते गुस्सा जावत रिहिस। बहुत साल तक ओ अपन विवशता मं बाप के जुलुम सहत रिहिस। ओकर दाई बर घलो ब्योहर ओकर बने नइ—रिहिस। मरियम के भाई तो मानो कोनो गलती ही नइ करत रिहिस। अइसे लगथे कि ददा के दया ओकर उपर रिहिस काबर कि वो लड़का राहय।

जब मरियम 16 साल के होगिस त सइतान अपन लबारी ल ओकर दिमाग मं कुछ ये परकार बइठा दिस: “मरद मन सही मं अपन आप ल बहुत कुछ समझ थें ओ जम्मो मन एके समान होथें, तोला उकरं उपर विश्वास नइ करना चाही। ओमन तोला चोट पहुंचाहीं तोर ले फायदा उठाय के कोशिश करहीं। अगर तैं मरद रहितेस त तैं घलो अइसने कर सकतेस। तैं जोन चाहे कर सकतेस। तैं लोग मन ल आज्ञा दे सकतेस उंकर उपर अपन अधिकार दिखा सकतेस, उकरं साथ कोनो परकार के बरताव कर सकतेस, अउ कोनो भी तोर साथ कुछु नइ कर सकतिन (श्वास करके औरत अउ बेटी मन)।”

ये कारण मरियम अपन मन मं ठान लिस “जब मैं इहां ले चले जांहव, त कोनो मोर ले ये परकार के व्योहार नइ कर पाहीं।”

ओकर दिमाग के लड़ई के भुइरया मं सइतान ह युद्ध शुरू कर दिये रिहिस। ये दस साल मं मरियम के दिमाग मं ये बिचार सौ, हजार अउ एकर ले जादा बार ये बात आइस होही कि अगर मै बिहाव कर लुंहूं त मैं एक सुधर, शांत अउ बढ़िया घरवाली बन सकहूं। ये आय वो गडबड़ी भरे जीनगी जेमा मरियम

खुद ल पाथे। वो काय कर सकथे? अइसन हालतम हमर मे से कोनो भी काय कर सकथे?

बचन के हथियार

अगर तुमन मोर बचन मं बने रहिहव, त सच मं मोर चेला ठहिरहू अउ सचाई ल जानहू, अउ सचाई तुमन ल स्वतंत्र करही।

युहन्ना 8:31,32

इहां यीशु हमन ल बताथे कि कइसे हमन सइतान के लबारी उपर जीत पाय सकथन। हमर भीतरी जोन पनमेसर के सचाई हे ओकर बारे मं हमन जानन; अपन बिचार ल ओकर दुआरा नवा बनावन, फेर 2 कुरिन्थियो 10:4,5 मं बताय हथियार के उपयोग करके ओ गढ़मन ल अउ जम्मो बात मन ल जोन खुद ल पनमेसर ले ऊचा करथे, तहस नहस कर देना हे।

जम्मो हथियार पनमेसर के बचन आय जोन हमला, शिक्षा, टेप उपदेश, सेमीनार, अउ बचन के अध्ययन दुआर मिल जाथे। पर हमला पनमेसर के बचन मं बढ़ते रहना हे जब तक हमन पवित्र आत्मा के अंजोर मं ये बात ल समझ नइ लेवन। मरकुस 4:24 मं यीशु कहिथे, ... जोन नाप (अध्ययन अउ विचार के) ले तुमन नापथव ओकरे अनुसार तुहंर बर घटो नापे (गुण और गियान) जाही... मैं ये बात ल फेर दुहरावत हंव कि हमला पनमेसर के बचन के हथियार ल उपयोग करत रहना चाही।

दुसर, दू आत्मिक हथियार जोन हमर कना हवय वो आय परथना अउ परसंसा। परसंसा कोनो भी लड़ई के योजना के बनिस्बत जादा जल्दी सइतान ल हराथे, पर ये परसंसा हिरदे के भीतरी ले निकलना चाही केवल मुंह ले नई। परसंसा अउ पराथना दुनो मं बचन शामिल रहिथे। ओकर भलई अउ बचन दुआरा हमन पनमेसर परसंसा करथन।

पराथना, पनमेसर के दिमाग ले संबंध बनाना आय। एकर ले हमन पनमेसर कना आथन अउ अपन समस्या मन के हल करे बर पनमेसर ले सहायता मांगथन।

अगर हमन काम पूरा करइया पराथना के जीनगी चाहथन त हमला पनमेसर के साथ बढ़िया संबंध बनाय रखना पड़ही। तुमन ये बात जान लेबव कि ओ

20 दिमाग के युद्ध भूँझा

तोरले परेम करथे, ओ दया अउ तरस ले भरे हवय अउ ओ तोर सहायता करही। यीशु ल जान जावब। ओ तुंहर मितान आय। ओ तोर बर अपन परान दे हवय। पवितर आत्मा ल जान जावब। ओ सहायक के समान हमेशा तोर साथ हवय ओला अपन सहायता करन देवव।

अपन पराथना मन ल पनमेसर के बचन ले भरना सीखव। ओकर कना आय के आधार पनमेसर के बचन अउ हमर जरूरत ही आय।

वचन ल अलग अलग परकार ले उपयोग मं लाना ही हमर हथियार आय संसार के हथियार नोहय, ओमन आत्मिक हथियार आय। हमला आत्मिक हथियार के जरूरत हे काबर कि हमर ये लड़ाई आत्मिक हे पर खुद सइतान ले हवय यीशु ह घलो सइतान ल हराय बर बचन के उपयोग करे रिहिस (लूका 4:1-14) हर बार जब सइतान ओला लबारी बोलिस, यीशु के जबाब रिहिस, “लिखे हे” अउ बचन ल बतावत रिहिस।

जब मरियम ये बचन ल उपयोग करना सीख जाही त ओ अपन दिमाग मं बनाय गये सइतान के गढ मन ल गिराना शुरू कर दीही। वो सच ल पहचान जाही अउ सच ओला स्वतंत्र कर दीही। तब ओ जान जाही कि जम्मो मरद मन ओकर बाप असन नइ होवय। कुछ मन हो सकथे पर जम्मो नइ। ओकर मरद जॉन बइसना नइ हे। जॉन मरियम ले बहुत परेम करथे।

जॉन के बारे मं

अब हमन जॉन के बारे मं देखथो। ओकर कना घ्लो समस्या मन हवंय जोन मरियम अउ ओकर विहाव मं, घर मं अउ परिवार मं बाधा बनिस।

जॉनल अपन ल परिवार के मुखिया के असन बनाय रखना चाहीं। पनमेसर घलो ओला परिवार के याजक असन देखना चाहथे। जॉन के घलो नवा जनम हा गये हवय अउ ओ बने ढंग ले जानथे कि परिवार कइसे चलाय जाथे वो जानथे कि ओला अपन औरत ल घर, बच्चा अउ पइसा कौड़ी के काम मन ल चलाय के काम नइ देना चाही। ओ सब जानथे पर करय कुछु नही ओ अपन ल हारे हुए मानथे अउ अपन ल टी.वी. अउ खेलकूद के कार्यक्रम मं लगाय रखथे।

जॉन अपन जबावदारी से बचना चाहथे काबर कि ओला सामना करना पसंद नइ हे। वो निठल्ला बरताव अपनाथे ये सोच के कि “अगर मै ये हालत ल अइसने छोड़ देहंव त शायद हालत खुद ही ठीक हो जाही।” या कोनो

कदम उठाय बिन अपन ल गलती ले छुटकारा मान लेथे, ये बहाना करथे कि मै एकर बर पराथना करहूं। शक नइ हे कि पराथना करना बने बात आय, पर उंहां नइ जिहां हमन अपन जवाबदारी ले बचे बर एकर उपयोग करन लगथन।

अब मैं ये बात ल साफ बतावत हंव कि जॉन ल अपन घर के हालत ल बने ढंग ले लेना चाही त मोर मतलब ये नइ हे कि ओ अपन ल तानाशाह के असन बनावय अउ अपन अधिकार दिखावय। इफिसियों 5:25 हमला सिखाथे कि एक मरद ल अपन औरत ल वइसने परेम करना चाही जइसना मसीह अपन कलीसिया ले परेम करिस। जॉन ल अपन जबाबदारी निभाना चाही ये जबाबदारी के साथ अधिकार घलो आथे। ओला अपन औरत बर मजबूत बने रहना चाही—परेम भरे मजबूती। ओला मरियम ल ये विश्वास कराना चाही कि अगर ओ पनमेसर मं पूरा विश्वास करथे त ओला ये बात लगन लगही कि जम्मो मरद मन ओकर बाप असना नइ होवयं।

मरियम असन जॉन के दिमाग मं घलो कुछ अइसे जगहा हवय जेकर दुआरा सइतान ल मऊका मिल थे कि ओला अपन कैदी बनावय। जॉन के दिमाग मं घलो एक लड़ई होवत हवय। मरियम असन ओला घलो बचपन मं धिक्कारे गिस। ओकर दाई अधिकार जमइय्या बहुते कड़वा बोलने वाली रिहिस अउ जादा करके जॉन ल काहय जॉन तैं भोंदू हवस तैं अपन जीनगी मं कुछु नइ कर सकस।

जॉन अपन ल खुश करे के बहुत कोशिश करिस जइसे अउ लइका मन करथें। काबर कि वो अपन दाई के साथ पाय बर चाहय, पर जतना जादा कोशिश ओ करिस उता जादा गलती ओकर ले हो जावत रिहिस। बेढंगा काम ओकर आदत बन गिस इही कारण ओकर दाई हर बरवत ओला जोजवा भोंदू काहत राहय। जॉन अपन दाईल खुश रखे वर अतना जादा कोशिश करय कि काम करत समे हड़बड़ी मं समान हाथ ले गिर के टूट जावत रिहिस अउ काम ल बने ढंग ले नइ कर सकत रिहिस।

जोन लइका मन ल ओ मितान बनाय बर चाहत रिहिस ओमन ओला साथ मं नइ लेवत रिहिन। ये बात हमन के जीनगी मं कभु न कभु होवत रहिथे पर जॉन एकदम हताश हो गिस काबर के ओकर दाई के समर्थन पहिली ले नइ मिलिस

जब ओ अपन हाईस्कूल मं रिहिस तब घलो ओला एक टूरी दुआरा तुकाराय गिस जेला वो बहुते चाहत रिहिस, ओ दुसर टूरी ले परेम करन लगिस। ये

तमाम किसम के घटना मन के दुआरा सइतान ओकर दिमाग मं अपन गढ़ बना लिस। जान कना कोनो काम करे के साहस खतम होगिस। अउ ओ शरमाने वाला, डरपोक अउ शांत रहइय्या मनखे बन गिस।

जॉन एक नीचे किसम के साधारण असन मनखे बन गिस जोन कोनो परकार के काम करना पंसद नइ करत रिहिस जेकर ले ओकर अलग आदत बन गिस। ओ अइये सोचे लगिस कि “जोन कुछ तैं सोचथस ओला दुसर मन ल बताय ले कोनो मतलब नइ हवय कावर कि ओ तोर बात मं धियान नइ दीही। अगर तैं चाहथस कि लोग मन तोला पसंद करंय ता तोला उही करना चाही जेला ओ लोग मन चाहथें।”

कतनो बार, कोनो न कोनो समस्या मं ओ अपन बात बताय के कोशिश करिस पर ओला हर बेर हार मान लेना पड़िस। ये कारण वो ठान लिस कि वो अब कोशिश ही नइ करही।

“आखरी मं मोला तो हारना ही हवय त मैं फिजूल कोशिश ही या शुरूआत ही काबर करंव?” इही ओकर सोच बन गिस।

एकर जवाब काय हे?

परभु के आत्मा मोर उपर हवय, ये सति कि ओ कंगाल मन ल सुसमाचार सुनाय बर मोर अभिषेक करे हवय, अउ मोला ये सति भेजे हवय कि कैदी मन ल छुटकारा के अउ अंधवा मन ल आंखी पाय के सुसमाचार परचार करंव अउ कुचरे हुए मन ल छुडावंव अउ परभु के खुश रहे के साल के परचार करंव।

लूका 4:18,19

जॉन अउ मरियम के ये समस्या मन ल देख के ये सोचना कठिन बात नइ हे कि उंकर परिवार के जीनगी कइसे किसम के होही। सुरता करव मैं कहे रहेंव कि उंकर जीनगी मं बहुत परकार के झगरा-झंझट रिहिस। जादा करके झगटा झंझट ले लड़ई परदा नइ होवय। पर येकर ले घर मं गुस्सा के माहोल बनथे जेला हर मनखे जान लेथें पर ओकर ले निपटना नइ चाहंय। घर के जम्मो माहोल भयानक बन जाथे अउ इही सइतान ल बहुत पसंद आथे।

जान अउ परियम के लइका मन के अब काय होही? काय ओमन एला बने कर सकहीं? ओमन मसीही आंय-ये शरम के बात होही अगर उंकर विहाव,

परिवार ये परकार बरबाद हो जाही। सच मं ये उंकर मन उपर जबावदारी है। ये बारे मं फइसला ले बर ये पद जोन युहन्ना 8:31, 32 मं हवय उंकर सहायता कर सकथे। अगर ओमन पनमेसर के बचन के अय्ययन करत राहंय, त ओमन सतल चीन्हीं अउ ओ सत उपर काम करते हुए ओमन स्वतंत्र हो जाहीं। पर ओ दुनो मन ल पहिली खुद के सच्चाई के सामना करना हे अपन बीते जीनगी के सचाई ल चीन्हना हे जइसे पनमेसर उंकर उपर परगट करथे।

सच हमेशा बचन दुआर परगट होथे पर दुःख के बात ये हवय कि जादा कर लोगमन एला गरहन नइ करंय। अपन दुर्गुण मन के सामना करना अउ उंकर ले निपटना दुःख भरे काम आय। जादा करके लोग मन अपन गलत बरताव ल सही ठहराथें। ओमन अपन बीते समे के अनुसार ही चलथें, जेकर ले उंकर जीनगी मं एक नकारात्मक बरताव आ जाथे।

हमर बीते जीनगी हमला बता तो सकथे कि हम पीरा मं काबर हवन पर येला हमन अपन गुलामी के कारण नइ ठहराय सकन।

हर मनखे ल गुलामी के बंधनल छुटकारा करे बर यीशु अपन परतिज्ञा मन ल पूरा करे बर हमेशा तुंहर कना खड़े हवय। जीनगी के हर बात मं जीत के आखरी लइन तक ओ हमर साथ रहही अगर हमन ओकर साथ साथ चले के इच्छा रखन।

हल

तुमन कोनो अइसन परिक्षा मं नइ पड़े हव जाने मनखे के सहे ले बाहर हवय: अउ परमेसर सच्चा हे: ओ तुमन ल ताकत ले बाहर परिक्षा मं पड़न नइ दीही, पर परिक्षा के साथ निकासी घलो करही, कि तुमन सह सकव

1 कुरिन्थियों 10:13

मोला आशा हवय कि तुमन ये कहानी दुआरा समझ गये होहव कि सइतान कइसे ये समस्या मन दुआरा लाभ उठा के हमर जीनगी मं गढ़ मन ल बना थे, अउ कइसे हमर दिमाग के युद्ध के भुंइया मं युद्ध शुरू कर देथे। पर पनमेसर के धन्यवाद होवय कि ये गढ़ मन ल तहस नहस करे बर हमर कना आत्मिक हथियार हवय। पनमेसर हमला बिन सहायता के नई रखय। 1 कुरिन्थियों 10:13

24 दिमाग के युद्ध भूँइया

मं पनमेसर हमर ले परतिज्ञा करथे कि ओ हमला ताकत ले बाहर परिक्षा मं पड़न नइ देवय पर हर परिक्षा के साथ वो हमर निकासी घलो करही ।

हो सकथे हमर मे से कोनो जॉन या मरियम असन होवन । मोर विश्वास हवय कि हमन जादा करके ये हालात ले संबंध रखथन । उंकर असन समस्या, बरताव, अउ विचार मन मं होवन । हमर बाहरी बरताव हमर भीतरी जीनगी के छाया होथे । सइतान ये बने ढंग ले जानथे कि अगर ओ हमर दिमाग ल बस मं कर सकथे त हमर जम्मो काम मन उपर घलो अपन अंकुश लगा सकथे ।

हो सकथे तुंहर जीनगी मं घलो अइसना गढ़ होवय जेमन ल तोड़ ना जरूरी हवय । मोला आपल उत्साह दिला के ये कहना हवय कि “पनमेसर तु आप डहर हवय ।” अउ तुंहर दिमाग के युद्ध के भुंइंय्या मं युद्ध चलत हवय । पर बने समाचार ये हवय कि पनमेसर ये लड़ई मं तोर कुती हवय ।

प्रस्तावना

2

एक महत्व भरे जरूरत

एक महत्व भरे जरूरत

पवितर शास्तर के एक पद हमला बताथे कि ये कतका जरूरी हवय कि हमन ठीक ढंग ले सोच बिचार करन। बिचार मन मं ताकत होथे अउ नीतिवचन के लिखइया बताथे कि हमर बिचार मन मं काम के क्षमता रहिथे। हमर बिचार ये ठहराथे कि हमन कइसे हवन त येला हमन पहिली स्थान देवन कि हमन ठीक ढंग ले सोच बिचार करन।

काबर कि जइसना वो अपन दिमाग मं सोचथे, वइसने ओ खुद हवय।

नीतिवचन 23:7

ये बहुते जरूरी हवय कि हमर सोच पनमेसर के बचन के असनही रहना चाही।

तुमन सकारात्मक जीनगी अउ नकारात्मक दिमाग नइ रखे सकव।

संसार के दिमाग अउ आत्मा के दिमाग

“काबर कि संसारी मनखे के दिमाग मनुष के इच्छा उपर टिके होथे पर आत्मिक मनखे के दिमाग आत्मा के इच्छा मं टिके रहिथे।”

रोमियों 8:5

रोमियों के आठवां अध्याय हमला सिखाथे कि अगर हमन संसार बात मन उपर दिमाग टिकाथन तब हमन मनुष के इच्छा मं चलथन, अउ अगर आत्मा के बात मं दिमाग टिकाथन त हमन आत्मा के इच्छा मं चलथन।

येला दुसर परकार ले देखन: अगर हमन नकारात्मक, गलत अउ शारिरिक बिचार रखबो त हमन आत्मा दुआरा चलाय नइ जा सकन। अइसे लगथे कि एक विजयी—मसीही जीनगी बिताय बर पनमेसर के बिचार रखना बहुते जरूरी हे।

कभु—कभु अइसे बखत आये जब हम मनखे मन ओ जरूरी बात मन उपर धियान दे मं आलस करथन जेकर उपर धियान देना बहुत जरूरी हे। पर जब हमन ये जान जाथन कि अगर ये बारे मं अइसने ढील देबो त ओकर भयानक परिणाम हो ही त हमन ओकर बारे मं काम करन लगथन।

उदाहरण बर तुंहर बैक तुमन ल बताथे कि तुमन अपन खाता ले 850 रु. जादा निकाल लिए हव। त तुमन तुरते अपन ये समस्या के हल निकालना चाहहव। छानबीन करे के बाद तोला पता लगथे कि तुमन अपन बैंक खाता मं रुपया जमा नइ करे रहेव जेला तुमन सोचत रहेव कि तुमन जमा कर दिये हव। तु तुमन तुरते रुपया धर के बैंक कुती भागथव कि तुम कोनो समस्या मं न फंस जावव।

इही परकार तुमन घलो अपन बिचार ल नवा बना लेवव। अगर तुमन सालों से गलत ढंग ले बिचार करत हव त तुंहर जीनगी एक गड़बड़ी के जीनगी बन के रह जाही। तुमन ल ये समझना बहुत जरूरी हवय कि तुंहर जीनगी तब तक ठीक ठाक नइ हो सकय जब तक कि तुंहर दिमाग ठीक ठाक न हो जाय सइतान जोनं तुंहर दिमाग मं गढ बना लिए हवय ओला तोड़े बर तुमन ल सचेत रहना चाही अउ गम्भीर होना पड़ही। बचन, परशंसा, पराथना के हथियार मन के उपयोग करव।

आत्मा के दुआरा

न तो ताकत ले न शक्ति ले पर मोर आत्मा दुआरा... यहोवा के इही बचन हे।

जकर्याह 4:6

स्वतंत्रता पाय बर सबले बढ़िया तरीका हवय पनमेसर ले सहायता मांगना अऊ कई बार मांगना।

पराथना मं मांगना तुंहर कना एक हथियार आय। केवल ठाने के दुआरा तुमन कोनो हालात के हल नइ कर सकव। ठान लेना तो बने हे पर ये ठान लेना पवितर आत्मा के दुआरा होना चाही संसारी कोशिश के दुआरा नइ। पवितर आत्मा तुंहर सहायक आय—ओकर मदद लेवव, ओकर उपर भरोसा करव। तुमन केवल अपन ठाने के दुआरा हल नइ पाय सकव।

एक जरूरत

एक विश्वासी बर केवल इही सोचना जरूरी हवय। ये जरूरत वो चीज आय जेकर बिन हम जिंदा नइ रहे सकन जइसे जीनगी बर हिरदय के धड़कन अउ खून के दबाव जरूरी हवय; एकर बिन जीनगी नइ हे।

पराथना अउ बचन दुआरा पनमेसर के साथ व्यक्तिगत संगति रखना ये सचाई ल सालो पहिली पनमेसर मोर उपर परगट करे रिहिस। येला करे बर मोला खुद अपन आप ल अनुशासित करना पडत रिहिस जेकर ले मैं कठिनाई के सामना करत रहेंव तभे पनमेसर मोला बताइस कि ये जीनगी बर कतना जरूरी हे। जइसे मोर पिरथी के जीनगी कुछ जरूरी बात मन उपर निर्भर हवय उही परकर मोर आत्मिक जीनगी पनमेसर के साथ मं नियम के पाबंदी ले समे बिताय उपर निर्भर करथे। एक दफा जब मैं ये जान लिएव कि ओकर साथ संगति रखना कतना जरूरी हे तब मं एला अपन जीनगी मं पहिला स्थान दे दिएव।

इही परकार जब मैं ये जान गयेंव कि विजयी जीनगी जीये बर सही विचार करना कतका जरूरी हवय तब ले मैं अपन बिचार मन ल बहुत सावधानी ले गंभीर होके सोचन लगे हंव।

जइसना तुमन सोचथव वइसने ही तुमन हवव

अगर झाड़ ल बने कहव त ओकर फर ल घलो बने कहव, या झाड़ ल बेकार बुरा कहव त ओकर फर ल घलो बेकार बुरा कहव: काबर की झाड़ अपन फर ले ही पहिचाने जाथे।

मत्ती 12:33

बाइबिल कहिथे कि झाड़ अपन फर ले ही पहिचाने जाथे। हमर जीनगी म घलो ये सच हे। विचार मन मं फर लगथे। बने बिचार बने फर हमर जीनगी मं लाथे। बुरा बिचार बुरा फर जीनगी मं लाथे।

सही मं तुमन कोनो मनखे के ब्योहार देख के जान लेथव कि ओकर जीनगी मं कोन परकार के विचार मन के राज हवय। एक कोमल अउ दयावान के बिचार नीचे दर्जा के, दोष लगइया नइ होवय। उही परकार एक दुष्ट मनखे के बिचार बने अउ परेम भरे नइ होवय।

नीतिवचन 23:7 ल सुरता रखव अउ अपन जीनगी मं येमन ल उतार लेवव: जइसे वो अपन दिमाग मं सोचथे, वइसने हे ओ खुद हवय।

प्रस्तावना

3

हिम्मत झन हारव!

हिम्मत झन हारव!

तुंहर जीनगी के अउ दिमाग के हालत चाहे कतनो बुरा काबर न होवय। हिम्मत झन छोड़व। सइतान जोन जमीन तुंहर ले चोरा लिये हवय ओला फेर वापिस ले लेवव। जरूरत के अनुसार एक बार मं एक इंच कर कर के पूरा वापिस ले लव। अपन ताकत अनुसार नइ पर पनमेसर के अनुग्रह के आधीन होके अइसन करव कि पनमेसर के इच्छा के अनुसार तुमन ल एकर फर मिलय।

हमन बने काम करे मं साहस झन छोड़न काबर कि अगर हमन ढीला नइ होवो त ठीक बखत मं कटनी काटबो।

गलातियों 6:9

गलातियों 6:9 मं प्रेरित पौलुस हमन ल लगे रहे बर उत्साहित करत हे। छोड़ देवइया झन बनन हिम्मत छोड़इय्या आतमाझन रखन। परमेसर अइसे लोग मन ल खोजत हवय जोन ओकर साथ चले बर तइयार हवयं।

पूरा करव

जब तैं पानी मं होके जाबे, मै तोर संगे संग रहहूं अउ जब तैं नदिया मन मं होके चलबे त ओ तोला नइ डूबा सकही: जब तै आगी मं चलबे त तोला आंच नइ आही, अउ ओकर लपट तोला जला नइ सकही।

यशायाह 43:2

तुमन अपन जीनगी मं चाहे कइसना अनुभो काबर नइ करत होहव चाहे कइसना हालात के सामना काबर नइ करत होहव, मै तुमन ल उत्साह दिलावत हवंव कि लगे रहव अउ हिम्मत झन हारव!

हबक्कुक 3:19 के अनुसार पनमेसर हमर गोड़ ल हरिण मन असन बना देथे वो हमला ऊंचा स्थान मं चलाथे (डर ले एक जगहा मं खड़ा नइ रखय पर चलाथे)।

पनमेसर हमर साथ रहि के हमार आत्मिक उन्नति मं सहायता करथे अउ हमला ताकत दे थे अउ कठिन बखत मं हिम्मत नइ हारे बर हमला उत्साहित करथे।

हिम्मत हारना तो सरल हवय पर लगे रहेबर विश्वास के जरूरत पड़थे।

चुनाव तुमन ल करना हे

मै आज आकाश अउ पिस्थी दुनो ल तुंहर आगु ये बात के गवाह बनावत हंव कि मैं जीनगी अउ मिरतु आशीष अउ शाप ल तुंहर आगु रखे हंव: ये सति कि तैं जीनगी ल अपना ले कि तैं अउ तोर वंश दुनो जिंदा रहव।

व्यवस्था विवरण 30:19

हजारों परकार के बिचार हमर आगु रोज लाये जाये। विचार ल नवा बनाना होही कि ओ आत्मा के पीछू चलय संसारी मनुष के नइ। हमर संसारिक अउ शरीर मं टिके बुद्धी अतना जाता स्वतंत्र हो गये हवय कि हमला गलत ढंग ले सोचे बर कुछु भी कोशिश करना नइ पड़य।

दुसर कुती हमला हमेशा सही बिचार के ही चुनाव करना पड़ही।

जब हमन ये अनुभो करना शुरू कर देवन कि दिमाग के युद्ध बहुत कठिन हवय अउ हम एला नइ लड़ सकन, त हमला ये परकार के बिचार ल उखाड़ के फेंक देना चाही पर एकर उल्टा हमला ये सोचना चाही कि हमन ये लड़ई पूरा कर सकथन न केवल ये सोचना हे कि हमला ये सोचना हवय कि हमन लड़ई पूरा कर सकथन फिर ये फइसला घलो करना हे कि हमला लड़ई छोड़ नइ देना हवय। शक अउ डर मन के हमला ले घिरे हुए हमला एक मजबूत फइसला करना हे अउ बोलना हे “मैं कभु हिम्मत नइ हारहूं। पनमेसर मोर कुती हवय वो मोला परेम करथे अउ ओ मोर सहायता करत हवय।”

अपन जीनगी भर तुमन ल अउ मोला बहुत अकन चुनाव करना पड़ही। व्यवस्था विवरण 30:19 मं पनमेसर अपन लोग मन ल बताय रिहिस कि उकरं आगु जीनगी अउ भिरतु दुना रखे हे अउ ओमन ल जीवन चुने बर उसकाथे। अउ नीतिवचन 18:21 मं हमला ये बताय गये हवय की जीभ के बस मं जीनगी अउ मिरतु दुनो रहिथे अउ जोन ओला काम म लाना जानथे वो ओकर फर भोगही।

हमर विचार हमर शब्द बन जाथे ये सति ये बहुत जरूरी हवय कि हमन जीनगी देवइया बिचार के ही चुनाव करन। जब हमन आइसे करबो त सही शब्द ही हमर मुंह ले निकरही।

साहस इन छोड़व

जब लड़ई ह बिन अंत के मालुम होवन लगय अउ तुमन सोचन लगव कि ये लड़ई नइ लड़े सकन त ये सुरता रखव कि तुमन ल अपन ये संसारी अउ शरीर उपर टिके बुद्धी ल नवा बनाना हवय कि वइसनेहे सोचना। शुरू कर देवव जइसने पनमेसर सोचथे।

असंभो हवय? नइ।

कठिन हवय? हव।

थोडा सोचव तोर दल मं तोर कुती पनमेसर हवय मोला विश्वास हवय कि वो सबले बने कम्प्युटर प्रोग्रामर हवय (तुंहर दिमाग कंप्युटर असन हवय जेमा जम्मो जीनगी भर के समे के कचरा प्रोग्राम किये हुए हवय) पनमेसर तोर उपर काम करत हवय वो तोर बिचार ल अंकुश लगाही अगर तुमन ओला अइसे करे बर नेवता देहव। वो तुंहर बिचार ल नवा करत हवय। ओकर साथ केवल सहयोग करव अउ हियाब इन छोड़व।

आगु बढ़व अउअधिकार मं ले लेवव

हमर पनमेसर यहोवा, होरेब कना हमर ले कहे रिहिस कि तुम लोग मन ल ये पहाड कना राहत बड़ दिन होगे हवय। ये सति अब इहां ले आगु बढ़व, एमोरी मन के पहाड़ी देश ल अउ काय आराबा मं, काय पहाड़ मन मं, काय नीचे के देश मं, काय समुदर के तीर उपर, जतना लोग एमोरी मन कना रहिथे...

सुनव मैं ओ देश ल तुंहर आगु कर देवत हंव जोन देश के बारे मं यहोवा ह इब्राहिम, इसहाक, अउ याकूब तुंहर पुरखा ले कसम खाके कहे रिहिस कि मैं एला तुमन ल अउ तुंहर बाद तुंहर बंशज ल देहंव, ओला अब जाके अपन अधिकार मं कर लेवव।

व्यवस्था विवरण 1:2 मं मूसा इरमायली मन ल बताय रिहिस कि कनान (परतिज्ञा के भुंइयां) देश के सरहद तक पहुंचे के यात्रा अब केवल 11 दिन के हवय पर फिर भी उहां पहुंचे मं ओमन ल चालिस साल लग गे। फिर 6पद मं वो उंकरले कहिस “पनमेसर हमन ले ये काहत हवय तुमन ल ये पहाड़ कना रहत बहुते दिन हो गये हैं।”

काय तोला घलो ओ पहाड़ कना रहत अबड़ दिन हो गये हे? काय तुमन घलो ग्यारह दिन के यात्राल पूरा करे मं चालीस साल बिता दिये हव?

मोर खुद के जीनगी मं, मैं अब एकदम जाग गये हंव मोला अइसे लगथे कि मैं नइ जावत रहेंव। मैं बिन-विजय के मसीही रहेव। जॉन अउ मरियम असन मोर दिमाग मं घलो गलत धारणा अउ दिमागी गढ़ सालों के अन्तराल मं बन गये रिहिस। सइतान मोर से लबारी मारे रिहिस अउ मैं ओकर उपर विश्वास कर लिए रहेंव ये सति मैं धोखा मं जीयत रहेंव।

मैं घलो ये पहाड़ मं बहुत बखत ले रहेंव मैं घलो चालीस साल बिता दियेंव जब कि ये नानक यात्रा हो सकत रिहिस अगर मं पनमेसर के बचन के सचाई ल जान लेतेंव।

पनमेसर मोला ये दिखाइस कि इस्रायली जंगल मं भटकत रिहिन काबर कि उंकर बिचार भटकने वाला रिहिस—एक गलत ढंग ले सोचना जेहा ओमन ल कैदी बना लिए रिहिस। ये विषय ल हमन आगे अध्याय मं देखबो पर अभी मैं तुमन ल एक खास फइसला करे बर उत्साहित करत हंव कि तुमन अपन बिचार ल नवा करव अउ अपन बिचार के चुनाव सावधानी ले करव मन मं ठानलेलव कि साहस नइ छोड़िहव जब तक विजय नइ पा लेहव अउ अपन मिरास ल नइ पा लेहव।

प्रस्तावना

4

धीरे धीरे कर के

धीरे धीरे कर के

तुंहर बिचार धीरे धीरे नवा होही ये सति निराश झन होहव अगर तुमन ल ये लगथे कि बढना धीमा होवत हे।

परतिज्ञा के देश मं परवेश करे के पहिली पनमेसर इस्रायली मन ले कहे रिहिय कि ओ धीरे धीरे उंकर बइरी मन ल आगु ले निकालही नइ तो जंगली जानवर मन उंकर बीच मं अबड़ संख्या मं बढ नाही।

तोर पनमेसर यहोवा ओ जाति मन ल तोर आगुले धीरे धीरे निकाल दीही त तैं एकदम से उंकर खातमा नइ कर सकबे, नइ तो जंगली जानवर बढ के तुंहर हानि करहीं।

व्यवस्था विवरण 7:22

मैं विश्वास करथव कि घमंड ओ जानवर आय जो हमला खतम कर देथे अगर स्वतंत्रता हमला बहुते जल्दी मिल जाथे। सही मं ये बने होथे अगर एक बार मं मं एके क्षेत्र मं स्वतंत्रता पाय बर काम करन। ये परकार ले मिले स्वतंत्रता ल हमन जादा समझ पाबोन, तब हमन जान लेबोन कि ये सही मं पनमेसर के बरदान आय जेला हमन अपन सामर्थ दुआरा नइ पासकन।

स्वतंत्रता ले पहिले दुःख

अब पनमेसर जोन जम्मो अनुग्रह के दाता आय जोन तुमन ल मसीह मं अपन अनन्त महिमा बर बुलाय हवय तुंहर थोड़ी देर तक दुःख उठाय के बाद खुद ही तुमन ल सिद्ध अउ स्थिर अउ बलवान करही।

1 पतरस 5:10

हमला “थोड़ी देर तक” दुःख काबर उठाना हवय? मैं विश्वास कर थंव कि जोन घड़ी हमन जान लेथन कि हमर आगु जोन समस्या हे जब तक यीशु हमला छुड़ा नइ लेवय हमला दुःख मन के सामना करना हवय पर जब हमन स्वतंत्र हो जाथन तब हमला अउ भी जादा आनंद होथे। जब हमन खुद से कुछु करे के कोशिश करथन तब हमन असफल हो जाथन अउ जब हमन ये

महसूस करथन कि हमला ओकर इतिजार करना चाही, हमर हिरदे धन्यवाद अउ परशसा ले भर जाथे जब हो खड़ा होथे अउ हमर काम करथे जेला हमन खुद नइ कर सकन।

दण्ड के आज्ञा नइ

**ये सति अब जोन मसीह यीशु मं हवयं उंकर उपर दण्ड के आज्ञा नइ;
काबर कि ओमन शरीर के नइ पर आतमा के अनुसार चलथें।**

रोमियों 8:1

जब तुमन खराब बरवत ले गुजरत रहिथव त तुमन दोष भावना ल गरहन झन कख, जल्दी उठके खड़े हो जावव, धुरा झाड़व अउ दुबारा चलना शुरू करहू। जब एक छोटे लइका चलना सीखथे वो कइ बेर गिरथे फिर ओकर बाद वो ठीक से चलना सीख जाथे अउ खुश होथे। यद्यपि जब ओ गिरथे तब रोथे पर ओकर एक बात बने हवय कि ओ फिर खड़े हो जाथे अउ चले के फिर कोशिश करन लगथे।

हमर बिचार ल नवा होय ले रोके बर सइतान हर किसम के कोशिश करही। वो ये बहुत बने से जानथे कि एक बार अगर हमन सही विचार मन के चुनाव करना सीख जाबोन अउ बुरा विचार मन ल इंकार कर देबोन तब हमर उपर ले ओकर अंकुश खतम हो जाही ओ हमला रोके बर हमर उपर दोष लगाही अउ निराश करही।

जब दोष भावना हमर आगु आवय तब “बचन के हथियार” के उपयोग करव। रोमियों 8:1 के उदाहरण हे सइतान अउ तुमन खुद ल ये सुरता दिलावथ कि तुमन शरीर के अनुसार नइ चलव पर आतमा के अनुसार चलथव। शरीर के अनुसार चले के मतलब हे अपन उपर भरोसा रखना अतमा के अनुसार चले के मतलब हवय पनमेसर उपर भरोसा रखना।

जब तुमन असफल हो जावव (जोन तुमन होहव ही) एकर मतलब ये नइ हवय कि तुमन कमजोर हो गये हव। एकर मतलब ये हवय कि तुमन हर बात ठीक ढंग ले नइ करव। हम जम्मो ल ये सच जान लेना चाही कि हमन मं सामर्थ के साथ कमजोरी घलो हवय। अपन कमजोरी मन मं मसीह ल बलवंत होवन देवव।

मैं फिर बतावत हंव, दोषभावना स्वीकार झन करव तुमन पूरा विजयी होहव, पर एमा समे लगही काबर कि ये धीरे धीरे ही होही।

निराश झन होवव

हे मोर पराण तैं काबर गिरत जावत हवस? अउ तैं भीतरे ही भीतरे काबर व्याकुल हवस? पनमेसर उपर आशा लगाय रह; कावर कि मैं ओकर दर्शन ले उद्धार पाके फिर ओकर धन्यवाद करहूं।

भजन संहिता 42:5

निराशा आशा ल नाश करथे इही कारण सइतान हमेशा हमला निराश करे के कोशिश करथे। आशा बिन हमन हिम्मत छोड़ देथन अउ इही सइतान हमर ले चाहथे। बाइबिल हमला बेर बेर बताथे कि हमला निराश अउ साहस हीन नइ होना चाही। पनमेसर जानथे कि हमन कभु विजयी नइ हो सकबोन अगर हमन निराश हो जाथन ये सति वो हमला हमेशा उत्साहित करथे जब भी हमन कोनो काम करना शुरू करथन वो हमला कहिथे, “निराश झन हो।” पनमेसर चाहथे कि हमन उत्साहित होवन निराश नइ।

जब निराशा अउ दोष भावन तुमन ल घेरथे त तुमन अपन विचार जीनगी के जांच करव। कोन परकार के विचार तुमन सोचत हव काय ओमन ये तो नइ हे “मै ये नइ कर सकंव ये बहुत कठिन हे। मै सदा असफल होथंव। जम्मो वइसने रहिथे कुछु नइ बदलय। मोला निश्चय हवय कि दुसर लोग मन ल अपन मन नवा करे मं अतना समस्या मन के सामना करना नइ पड़त हो ही बने होही कि मैं ये छोड़ देवं मैं कोशिश कर करके थक गये हंव। मैं पराथना करथव पर अइसे लगथे कि पनमेसर मोर नइ सुनय। हो सकथे मोर काम करे के ढंग ले पनमेसर निराश हो गयेहो अउ इही कारण मोर पराथरना मन के जवाब नइ देवय।”

अगर तुंहर विचार घलो इही परकार के हवय त ताजूब नइ हे कि तुमन घलो उत्साह हीन हो जाहू अउ दोष के अधीन हो जाहू सुस्ता रखव तुमन वइसने ही बन जाथव जइसे तुमन सोचथव। उत्साहहीन विचार करे ले तुमन उत्साहहीन हो जाहू दोष वाले विचार सोचे ले तुमन दोष के अधीन हो जाहू। अपन विचार ल बदलव त तुमन स्वतंत्र हो जाहू।

नकारात्मक ढंग ले सोचे के बदला मं तुमन ये परकार सोचव “यद्यपि बात मन धीमा चलत हवंय पर पनमेसर के धन्यवाद होवय कि तभो ले मै उन्नति करत हंव। मोला निश्चय है कि मैं ठीक रास्ता मं हंव जोन मोला स्वतंत्रता कुती ले जाही। कल के दिन बहुत खराब रिहिस। मैं दिन भर गलत बिचार करे रहेंव। हे पिता मोला क्षमा कर दे अउ आगु बढे मं मोर सहायता कर।” मैं एक गलती करे रहेंव पर अब मैं ये गलती दुबारा नइ करंव। ये एक नवा दिन आय। पनमेसर तैं मोर ले परेम करथस। तोर दया हर सबेरे नवा होथे।

“मैं निराशा ल इंकार करथंव मैं दोष भावन ल इंकार करथंव। पवितर पिता बाइबिल बताथे कि तैं मोला दोषी झन ठहरा। तैं यीशु ल मोर स्थान म मरे बर भेजे हवस। मैं ठीक हो जाहूं—आज के दिन एक महान दिन होही। सही विचार ल चुने मं तैं मोर आज सहायता करे हवस।”

मोला निश्चय हवय कि ये परकार के सकारात्मक प्रसन्न विचार पनमेसर असन सोच तुमन मं जरूर ही विजय के अनुभो कराही।

हमन जम्मो बात तुरंत चाहथन। हमर भीतर धीरज के फर हवय पर हमन ओला बाहिर कर दिये हवन। हमला छुटकारा दे बर कभु कभु पनमेसर अपन पूरा समे लेथे। इतिजार के ये कठिन समे के उपयोग वो हमर विश्वास ल बढाय बर करथे। अउ धीरज ल अपन पूरा काम करन देव (याकूब 1:4) पनमेसर के सत्रे सिद्ध हवय। वो कभु देरी नइ करय।

इहां सोचे बर दुसर बढिया विचार हवय “मैं पनमेसर मं विश्वास करथंव मैं विश्वास कराव कि वो मोर अदर काम करत हवय चाहे जइसन भी अनुभो मैं करंव या हालात कइसनो भी दिखय। पनमेसर एक बने काम मोर अंदर शुरू करे हवय अउ ओ एला आखरी तक पहुंचाही।” फिलिप्पियों 2:13, 1:6)

ये परकार तुमन बचन के हथियार के उपयोग गढ मन ल गिराय बर कर सकथव। मैं तुंहर ले आग्रह करत हंव कि न केवल तुमन सही विचार करव पर जोर से चिल्ला के घलो येला स्वीकार करव

सुरता रखव तुमन ल पनमेसर धीरे धीरे छुड़ावत हवय ये सति निराश झन रहव अउ दोष के अनुभो झन करव अगर कोनो गलती होथे त।

आप अंदर मं धीरज रखव!

प्रस्तावना

5

सकारात्मक बनव

सकारात्मक बनव

सकारात्मक दिमाग सकारात्मक जीनगी बनाथे। नकारात्मक दिमाग नकारात्मक जीनगी बनाथे। सकारात्मक बिचार हमेशा विश्वास अउ आशा ले भरे होथे। नकारात्मक बिचार हमेशा डर अउ शंका ले भरे रहिथे।

जइसना तोर विश्वास हवय वैसनेहे तोर बर होवय...

मत्ती 8:13

कुछ लोग आशा करे ले डरथें काबर कि ओमन अपन जीनगी मं चोट खाय हंवय। बहुत बार ओमन निराशा के सामना कर चुके हंवय अउ अब ओमन ल लगथे कि ओमन एक अउ दुःख नइ झेल सकहीं। इही कारण ओमन आशा करना छोड़ दिये हवयं कि ओमन निराश झन होवयं।

ये सति आशाल अलग रखके चोट खाय ले बचे रहिथें। निराशा चोट पहुंचाथे। ये सति बहुत से लोग चोट खाय ले बचे बर आशा ल अस्वीकार कर देथें वो ये विश्वास करथें कि उंकर साथ कभी भी कुछु भी बने इन होही। ये परकार के बरताव दुआरा उंकर जीनगी के तौर तरीका नकारात्मक बन जाथे। हर बात नकारात्मक बन जाथे काबर कि उंकर बिचार नकारात्मक हवय। नीतिवचन 23:7 सुरता करव: **जइसना वो अपन दिमाग मं सोचथे वइसना ओ खुदे हवय।**

सालों पहिली ले मैं बहुत नकारात्मक रहेंव। मैं हमेशा कहे करंव कि अगर मैं दू सकारात्मक बिचार लगातार सोचहूं त मोर दिमाग परेशानी मं फंस जाही। मोर पूरा बिचार कुछ ये परकार रिहिस “अगर तुमन कोनो बने घटना के आशा नइ करहू त तुमन बिलकुल निराश नइ होहू जब वइसना नइ होही।”

मैं अपन जीनगी मं कतनो निराशा मन के सामना करे हंव—बहुते अकन गड़बड़ घटना मन मोर उपर आइस हवय—मैं ये विश्वास करे मं डर जावत रहें कि कुछु बने घलो हो सकथे। हर बात बर मोर नजरिया बहुत नकारात्मक रिहिस। जइसे मोर बिचार नकारात्मक रिहिस वइसे ही मोर बोली अउ मोर जीनगी घलो रिहिस। जब मैं बने ढंग ले बचन के अध्ययन करन लगेंव।

अउ पनमेसर मं भरोसा करन लगेंव त पहिली बात जोन मैं सीखेंव वो ये रिहिस कि मोला नकारात्मक बरताव ल छोड़ना पड़ही।

मती 8:13 मं यीशु हमला बताथे कि जइसना हमन विश्वास करथन वइसना हमर बर होही। जोन भी विश्वास मैं करत रहेंव वो जम्मो नकारात्मक रिहिस इही कारण बहुत अकन नकारात्मक बात मोर साथ घटिस।

येकर मतलब ये नइ हे कि मैं या तुमन केवल सोचे के दुआरा हर वो जिनिस् ल पा सकथव जेला हमन चाहथन। पनमेसर कना हमर जम्मो बर एक सिद्ध योजना हवय अउ हमन अपन विचार अउ शब्द मन के दुआरा ओला अपन बस मं नइ कर सकन। पर हमर सोच अउ बोली ओकर इच्छा अउ योजना के अनुसार होना चाही जोन वो हमर बर ठहरा रखे हवय।

अगर तुमन ल पता नइ हे कि पनमेसर के इच्छा तोर बर काय हवय त तुमन अइसे सोच सकथव, “मैं पनमेसर के योजना ल नइ जानंव पर मैं ये जानथंव कि ओ मोर ले परेम करथे। ओ जोन भी करही वो बने ही होही अउ मोला ओकर ले आशीष मिल ही।”

अपन जीनगी के बारे मं सकारात्मक ढंग ले सोचना शुरू कर देवव। हर हालात मं सकारात्मक रहे के कोशिश करव चाहे तुंहर जीनगी मं ये बखत कुछु बने इन होवत हवय परमेसर मं आज्ञा रखव कि वो अइसे हालात मं घलो कुछु भलई ले के आही जइसे वो अपन बचन म परतिज्ञा करे हवय।

जम्मो हालात भलई पइदा करथे

हम जानथन कि जोन लोग पनमेसर ले परेम करथें उंकर बर जम्मो हालात मिल के भलई पइदा करथे; याने कि उकरें बर जेमन ओकर इच्छा के अनुसार बुलाये हुए हवंय।

रोमियों 8:28

पवितर धरम शास्तर में नइ काहय कि जम्मो बात मन भला हवय पर ये कहिथे कि जम्मो बात मिल के भलई पइदा करथे।

मान लव तुमन बाजार जाय के योजना बनावत हव अउ तुमन मोटर कार मं बइठ जाथव पर ओ चालू नइ होवय। ये हालात ल तुमन दू तरीका ले देख सकथव। तुम कहि सकथव, “मैं जानत रहेंव ये कभु सफल नई हो सकही हर

बार जब मैं कुछु करे के सोचथंव त जम्मो गड़बड़ा जाथे। मोला पता रिहिस कि बाजार जाय के ये कार्यक्रम अचानक खतम हो जाही। मोर जम्मो योजना मन के साथ हमेशा अइसनेहे होथे।” या तुमन ये घलो कहि सकथव, “मैं बाजार जाना चाहतरहेंव पर अइसे लगथे कि मैं अभी नइ जा संकव। मैं थोरकन देरी मं चले जाहूं जब मोटर कार ठीक हो जाही। इही बीच में मैं ये विश्वास करथंव कि ये कार्यक्रम के बदलना मोर बर कुछु बने ही होही। हो सकथे कोनो कारण होवय कि आज मोला घरे मं रहे के जरूरत होवय; ये सति मैं अपन समें इहां अब आनन्द ले बितावत हंव।”

रोमियों 12:16 मं प्रेरित पौलुस हमला बताथे कि हमला लोग अउ चीज मन ले ताल मेल बनाय रखना चाही। येकर मतलब हे कि हमला सीखना हवय कि हमन ओ मनुष असन बन जावन जोन योजना मन ल बनाथे पर अगर योजना सफल नइ होवय त ओ कभु निराश नइ होवय।

अभी कुछु समे पहिली मोला ये नियम के ब्योहार करे के बने मऊका आइस। डेव अउ मैं फ्लोरिडा के लेकवर्थ मं रहेन। हमन तीन दिन ले उहां परभु के सेवा करत रहेन अउ अब हमन अपन सामाना बांधत रहेन कि समे मं हवाई अड्डा पंहुंच सकन। मैं चुस्त पैजामा, ब्लाउज, सपाट जूता पहिने के विचार करत रहेंव कि यात्रा आराम से पूरा कर सकंव।

मैं तइयारी शुरू करेव त मोला ओ चुस्त पैजामा नइ मिलिस मैं हर जगह दूढेंव आखरी मं वो अलमारी के एकदम नीचे मिलिस। वो हेंगर ले गिर गये रिहिस अउ एकदम मुचड़ गये रिहिस हमन अपन साथ आइरन घलो लाय रहेन मैं ओला प्रेस करके ठीक करना चाहेंव पर जब पहिर के देखेंव त बने नइ लगत रिहिस। अब मोर कना दुसर चुनाव रिहिस, ड्रेस अउ ओकर साथ एड़ी वाले जूती।

ये हालात मं मोला अनुभव होवत रिहिस कि मोर भावना मन गड़बड़ावत हवय। तुमन जानथव कि जब कोनो चीज बरवत पर नइ मिलय त भावना मन बदलन लगगी अउ हमर बरताव नकारात्मक हो जाथे। मैं तुरंत समझ गर्येंव कि मोर कना एक चुनाव हवय। मैं चिड़चिड़ा सकथंव काबर कि जइसे मैं योजना बनाय रहेंव उही परकार ये घटना मन नइ घटत रिहिस या मैं हालात ले बइठा सकथंव अउ अपन वापसी यात्रा के आनन्द ले सकथंव सकारात्मक मनरवे के साथ घलो ये हो सकथे कि जइसे वो सोचथे वइसे घटित नां होवय पर

सकारात्मक मनखे खुदल उही मं खुश रखथे चाहे जइसे काबर नइ भी होवय । नकारात्मक मनरवे कभु भी कोनो बात मं खुश नइ होवय ।

नकारात्मक मनखे कोनो ल बने नइ लगय वो जम्मो योजना बर आशाहीन बने रहिथे ओ एक कठिन मनखे लगथे । वो चिड़चिड़ाथे अउ दुसर मं दोष दूढथे । चाहे कतना ही बने बात काबर न होवत होवय ओ ओमा घलो अइसे कुछ खोज कर लेथे जोन जम्मो बर बाद मं समस्या बन जाथे ।

कोनो बखत मैं घलो ये नकारात्मक के चोटी मं रहेंव, मैं एक घर म गयेंव जोन नवा सजाय गये रिहिस, आस पास के सुंदर जिनिस् के परसंशा करे के बदला मैं उहां अइसे कोना दूढत रहेंव जिहा कुछु गंदगी मिल सकय दीवाल पेपर कुछु ढीला दिख जावय । अब मैं बहुत खुश हंव—कि यीशु मोला जीनगी के बने बात मन के आनंद उठाय बर स्वतंत्र कर दिस । अब मैं ये विश्वास करथंव कि विश्वास अउ आशा रखे ले खराब बात मन घलो बने बात मं बदइल जायें ।

अगर तुमन नकारात्मक मनखे हव त दोष भावना के अनुभो इन करव दोष भावना नकारात्मक होथे । मैं तुमन ल ये बात बांटत हंव जेकर ले तुमन खुदके नकारात्मक के समस्या ल जानेसकव अउ पनमेसर उपर विश्वास रखव जोन तुमन ल ये समस्या ले छुड़ाही ।

स्वतंत्रता के रद्दा उहें ले शुरू होथे जब हमन अपन समस्या के सामना करथन अउ ओकर ले डर के नइ भागन । मोला विश्वास हवय अगर तुमन एक नकारात्मक मनखे हव त एकर घलो एक कारण हवयं पर सुरता रखव बाइबिल के अनुसार मसीही होय के कारण अब तुमन एक नवा मनखे हव ।

एक नवा दिन

त अगर कोनो मसीह यीशु मं हवय त वो नवा सिरिष्ठी आय, पुराना बात मन मिट गिन हवय, देखव, ओ जम्मो मन नवा हो गये हवंय ।

2 कुरिन्थियों 5:17

जब तुमन एक नवा सिरिष्ठी बन गये हव अब तुमन ल वो जम्मो पुराना बात मन ल जोन यीशु मं तोर नवा जीनगी मं परभाव डालेथे, छोड देना चाही । यीशु मं नवा जीनगी पाके तुम एक नवा सिरिष्ठी बन गये हव । पनमेसर के बचन के अनुसार तुमन ल अपन दिमाग नवा करना हवय । तोर बर भला बात मन होही ।

आनंद करव आज एक नवा दिन हे ।

पवितर आतमा के काम

फिर भी मैं तुमन ल काहत हंव मोर जाना तुंहर बर बने हे काबर कि अगर मैं नइ त जाहूं सहायक तुंहर कना नइ आही, पर अगर मैं जाहूं त ओला तुंहर कना भेजहूं।

अउ ओ आके संसार ल पाप अउ धार्मिकता अउ नियाय के बारे मं कायल करही।

युहन्ना 16:7, 8

नकारात्मकता ले स्वतंत्र होय मं सबले कठिन भाग हवय सच के सामना करना अउ बोलना, मैं एक नकारात्मक मनखे हंव अउ मैं बदलना चाहथवं मैं खुद ल नइ बदल सकवं, पर मैं ये विश्वास करथवं कि पनमेसर मोला बदलही अगर मैं ओकर उपर विश्वास करहूं। मैं जानथवं एमा बरवत लगही अउ मैं निराश नइ होहूं। पनमेसर एक बने काम मोर भीतर शुरू कर दिये है अउ वो ओला अंजाम तक पहुंचाही (फिलिप्पियो 1:6)।

जब तुमन नकारात्मकता के अनुभव करव त पवितर आतमा ले कहव कि वो हर बार तुमन ल दोषी ठहराय। ये ओकर काम के एक भाग आय। युहना 16:7, 8 हमला सिखाथे कि पवितर आतमा हमला पाप, धार्मिकता अउ नियाय के बारे मं दोषी ठहराथे। जब तुम खुद ल दोषी मान लेथव त पनमेसर ले अपन बर मदद मांगव। अइसे इन सोचव कि तुम ये काम खुद कर सकथव ओकर उपर निर्भर रहव।

यद्यपि मैं बहुते जादा नकारात्मक रहेंव, पनमेसर मोला सिखाइस कि अगर मैं ओकर उपर विश्वास करहूं त वो मोला सकारात्मक बनाही। अपन दिमाग ल सकारात्मक रखे बर मोला बहुते जादा समस्या मन ल झेलना पड़त रिहिस। अब मोला नकारात्मकता बिलकुल पसंद नइ हे। ये ओ मनखे असन हवय जोन धुम्रपान करना छोड़थे त वो धुम्रपान करना सह नइ सकय। मैं घलो इही परकार के हो गये हंव। मैं घलो बहुत साल तक धुम्रमान करे हंव पर एला छोड़े के बाद अब मैं धुंवा के गंध सह नइ सकवं।

मैं सचाई के सामना करथवं अउ मैं तुमन ल घलो अइसे करे बर उत्साहित करत हवंव अगर तुमन बयमार हव त ये इन कहव कि “मैं विश्वास करत हंव कि पनमेसर मोला चंगाई देवत हवय।” पर तुमन ये कहि सकथव, “मैं बयमार

नइ हंव?” वे नइ कहना चाही, कि मोर हालत बिगड़त जावत हवय अउ लगथे कि मोला अस्पताल जाय बर पड़ही। एकर बदला तुमन ये कहि सकथव, “पनमेसर के चंगाई के सामर्थ मोर अंदर काम करत हवय, मैं विश्वास करत हंव कि मैं चंगा हो जाहूँ।”

हर बात संतुलन मं होना चाही। येकर मतलब ये नइ हवय कि तुमन अपन सकारात्मक ब्योहार के साथ थोडकन नकारात्मक ब्योहार घलो मिला लेवव, पर एकर मतलब ये हवय एक तइयार दिमाग रखव जेकर ले तुमन सकारात्मक अउ नकारात्मक दुना हालात के सामना कर सकव।

एक तइयार दिमाग

येमन तो थिस्सलुनीके के यहूदी मनले भला रिहिन अउ ओमन बड़ चाव के साथ बचन गरहन करिन, अउ रोज पवितर शास्तर मं दूढ़त रिहिन कि ये बात मन इही परकार हवंय कि नइ।

प्रेरितो के काम 17:11

बाइबिल हमला बताथे कि हमला एक तत्पर मन रखना हे येकर मतलब ये हवय कि पनमेसर के हमर बर जोन भी इच्छा हवय ओकर बर हमला अपन दिमाग खुला रखना चाही। उदाहरण एक जवान औरत जेला मैं जानथंव, एक टूटे हुए संबंध के दुःख झेलत रिहिस वो अउ जवान मनुष ये फइसला कर चुके रिहिन कि अभी ओमन विहाव नइ करंहीं अउ वोमन पराथना करत रिहिन कि काय हमन आपस मं मिलत रहन कि नई जवान औरत संबंध बनाय रखना चाहत रिहिस अउ सोचत रिहिस, विश्वास रखत रिहिस अउ आशा रखत रिहिस कि ओकर मंगेतर घलो अइसने ही सोचत होही।

मैं ओला सलाह दियेंव कि अगर बातमन वइसे नइ होहीं जइसे ओ चाहत हे ओंकर बर ओ अपन मन ल तैइयार रखंय। ओ कहिस “काय ये नकारात्मक नइ होही?”

“नइ बिलकुल नइ।”

नकारात्मक तो वो हवय जब हमन सोचन, “मोर जीनगी खतम हो गये हवय मोला अब कोनो नइ चाहही। मैं असफल हो गये हंव, ये सति मैं हमेशा बर बेकार हगे हंव।”

सकारात्मक मनखे अइसन कुछ नइ कहही, “मैं सच मं दुःखी हंव कि अइसे होइस पर मोला पनमेसर मं विश्वास हवय। मोला आशा हवय कि मैं अउ मोर साथी अभी भी मिल सकथे। मैं आशा करत हवं कि हमर संबंध एक बार अउ ठीक हो जाही, पर ये बात मन मं पनमेसर के सिद्ध इच्छा पूरा होवय। अगर ये जम्मो बात मन ये परकार नइ घटही जइसन मैं चाहथं तब घलो मैं जीहंव, काबर कि यीशु मोर अंदर जिंदा हे थोड़ देरी बर ये कठिन होही पर मोला पनमेसर मं विश्वास हवय कि आखरी मं जम्मो भला ही होही अइसे विश्वास हवय।”

ये परकार सकारात्मक होके एक तइयार दिमाग ले तुमन सचाई मन के सामना कर सकथव।

इही संतुलन आय।

आशा के बल

ओनिराशा मं घलो आशा रख के विश्वास करिस ये सति कि ओ बचन के अनुसार कि तोर वंश अइसन होही कि ओ बहुत अकन जाति मन के बाप हो।

अउ ओ जोन 100 साल के रिहिस, अपन मरे हुए असन शरीर अउ सारा के गरभ के मरे हुए समान हालत जान के घलो विश्वास मं कमजोर नई होइस।

अउन अविश्वासी बन के पनमेसर के परतिज्ञा उपर संदेह करिस पर विश्वास मं मजबूत होके पनमेसर के महिमा करिस।

रोमियों 4:18–20

डेव अउ मैं विश्वास करथन कि हमर सेवा मसीह के देह मं हर साल बढ़त जाही। हमन हमेशा जादा से जादा लोग मन के सहायता करना चाहथन। पर वे हम ये घलो जानथन कि अगर पनमेसर के कोनो दुसर योजना हवय अउ साल के आखिरी मं हमर कुछु भी बढ़ोतरी इन होइस तब हमन ये हालात ल अपन आनंद ल बस मं करे के आज्ञा कभु भी नइ देबोन।

हमन बहुत अकन चीज मन बर विश्वास करथन पर ये जम्मो ले अलग हमन कोनो के उपर विश्वास घलो करथन। अउ ओ “कोनो” यीशु आय। हमन जादा

करके ये नइ जानन कि काय होवैइय्या हवय। हमन केवल अतना जानथन कि एकर ले हमर बर हमेशा बने ही होही।

जतना जादा मैं अउ तुमन सकारात्मक बन जाथन उतने ही जादा हमन यीशु के साथ बहत रहिबो। पनमेसर जरूर ही सकारात्मक हवय अउ ओकर साथ बहे बर हमला सकारात्मक होना पड़ही।

तुंहर हालात मन बहुते जादा खराब हो सकथें। तुमन सोचत होहव “जॉयस अगर तैं मोर हालत ल जानतेच त तैं मोर सकारात्मक होय के बारे म आशा घलो नइ करतेस।”

मैं तुमन ल रोमियों 4:18–20 ल पढ़ बर उत्साहित करत हंव जिहां ये लिखे हे कि इब्राहीम अपन बुढ़वा शरीर के हालत अउ सारा के गरभ के मरे असन हालत मं बिचार करिस। शरीर के रूप मं कोनो भी आशा के किरण नइ रिहिस पर फिर भी ओला विश्वास मं आशा रिहिस।

इब्राहीम एक नकारात्मक हालत के प्रति बहुत सकारात्मक रिहिस।

इब्रानियों 6:19 हमला बताथे कि आशा परान के लंगर आय। आशा ओ बल आय जोन हमला परिक्षा के समे मं मजबूत रखथे। आशा कभु झन छोड़व। अगर तुमन आशा छोड़ देहव त तुहंर जीनगी गड़बड़ा जाही अगर तुहंर जीनगी गड़बड़ी मं हवय काबर कि तुंहर कना आशा नइ हे त आशा करना शुरू करव। झन डरव। मैं ये परतिज्ञा तो नइ करंव कि जइसे तुम न चाहहव वइसे ही घटित होही। मैं ये परतिज्ञा नइ कर सकव कि तुमन निराश नइ होहू। पर निराशा के समे मं घलो आशा कर सकथव अउ सकारात्मक बने रहव। तुमन खुद ल पनमेसर के आश्चर्यकर्म वाले क्षेत्र मं ले जावव।

अपन जीनगी मं आश्चर्यकर्म के आशा करव।

अच्छा चीज मन के आशा रखव!

पाय के आशा रखव

फिर भी यहोवा ये सति देरी करथे कि तुंहर उपर अनुग्रह करय, अउ ये सति ऊंचा उठही कि तुंहर उपर दया करय। काबर कि यहोवा नियायी

पनमेसर आय; कतना धन्य हवय वो जोन ओकर उपर आशा लगाय रखथे ।

यशयाह 30:18

पवितर शास्तर के ये भाग मोर प्यारा भाग बन गये हवय अगर तुम एकर उपर धियान करहू, त ये एक बड़ भारी आशा लाही । एमा पनमेसर काहत हवय कि ओ अइसे मनुष के खोज मं हवय जोन दयालु होवय, पर कड़वा सुझाव वाला अउ नकारात्मक दिमाग वाला मनखे नइ हो सकय । वो अइसे होही जोन चाहत होवय कि पनमेसर ओकर साथ भला करय ।

बुरा के आभास होना

“बुरा के आभास होना” काय आय?

एक बार सवेरे पनमेसर के बचन के अध्ययन करे के बाद मैं नहानी मं अपन बाल बनावत रहेंव त मोला अइसे लगिस कि मोर आस पास के वातावरण मं कुहु बुरा घटना होने वाला है । अइसना अनुभव मोर साथ कतनो बार हो चुके रिहिस । मैं पनमेसर ल पूछेव, “ये कइसना अनुभो आय जोन मोर साथ हमेशा रहिथे?”

“बुरा घटे के आभास,” वो उत्तर दिस ।

मोला पता नइ चलिस कि एकर मतलब काय हे न मैं कभु अइसना सुने रहेव थोड़ देर बाद मोला नीतिवचन 15:15 मं ये पद मिलिस **दुखिया के जम्मो दिन दुःख भरे रहिथे, पर जेकर मन परसन्न होथे वो मानो हमेशा भोज मं जाथे ।**

ओ समे मैं अनुभो करेंव कि बुरा के बिचार अउ आमास करे के दुआरा मोर जीनगी जादा कर दुःख भरे रिहिस । हव, मोर आगु कठिन हालात रिहिस; अउ अगर नइ घलो रिहिस तब घलो मैं दुखी रहेंव काबर कि मोर बिचार मोर दृष्टीकोण ल जहरीला बनावत रिहिस अउ मोर जीनगी के आनंद ल लूटत रिहिस ।

अपन जीभ ल बुरई ले दूरिहा रखव

काबर कि जोन कोनो जीनगी के इच्छा रखथे, अउ बने दिन देखना

चाहथे; वो अपन जीभ ल बुराई ले अउ अपन होठ मनल छल के बात करे ले रोके रहय ।

1 पतरस 3:10

ये पद हमला साफ बताथे कि जीनगी के आनन्द, बने दिन देखना एक सकारात्मक दिमाग अउ बोली रखना ये जम्मो आपस मं जुरे हुए हवयं ।

चाहे तुमन कतना भी नकारात्मक काबर न होवय अउ चाहे कतनो दिन ले अइसन होवव, मैं जानथं कि तुमन बदल सकथव काबर कि मैं बदल गये हंव । येमा समे लगिस अउ पवितर आतमा के बहुत अकन मदद मिलिस ।

तुंहर साथ धलो अइसनेहे होही ।

जोन भी होवय पर विश्वास रखव—अउ सकारात्मक बने रहव ।

प्रस्तावना

6

दिमाग ल जकडइय्या आतमामन

दिमाग ल जकड़इय्या आतमामन

एक बार मैं मनमेसर के साथ चलत अइसे जगहा मं पहुंच गयेंव जिहा बात मन उपर विश्वास करे मं मोला बहुत कठिनाई के सामना करना पड़त रिहिस जब कि पहले मैं उही बात मन उपर विश्वास करत रहेंव। मैं समझ नइ सकत रहेंव कि मोला काय हो गये हे। एकर परिणाम ये होइस कि मैं एकदम गड़बड़ा गयेंव। जतका जादा समे तक मैं ये गड़बड़ी मं रहेंव उतना जादा खराब दशा मं रहेव अब उतने जादा गड़बड़ावत गयेंव। मोर अंदर अविश्वास बहुते तेजी ले बढ़त रिहिस। मैं अपन बुलाहट के उपर सवाल उठावन लगेंव। मैं सोचेंव कि पनमेसर जोन दर्शन मोला अपन सेवा बर दिखाय हवय ओला मैं खोवत जावत हव मैं दुःखी होवत गयेंव (अविश्वास हमेशा दुःख लाथे)।

कोनो बात के चिंता झन करव पर हर बात मं तुंहर निवेदन पराथना अउ बिनती के दुआरा धन्यवाद के सागि पनमेसर के आगु रखे जावय।

तब पनमेसर के शांति जोन समझ ले एकदम बाहर हवय तुंहर बिचार मन ल मसीह यीशु मं सुरक्षित रखही।

फिलिप्पियो 4:6-7

दु दिन तक मैं लगातार ये शब्द मन ल अपन आतमा दुआरा सुनेंव “दिमाग ल जकड़इय्या आतमामन।” पहिली दिन तो मैं एकर उपर खास धियान नइ दियेंव। पर दुसर दिन चार पांच बार मैं “दिमाग ल जकड़इय्या आतमा मन मन” फेर सुनेंव।

मैं ओ जम्मो लोग दुआरा जेकर बीच मं मैं सेवा करे रहेंव, ये जानत रहेंव कि जादा विश्वासी मन अपन दिमाग के कारण समस्या मनल झेलथें। मैं सोचेंव कि पवितर आतमा ओ जकड़इय्या आतमामन के विरुद्ध मसीह के देह बर पराथना करे बर अगुवाई करत हवय। अउ मैं ओ आतमामन के विरुद्ध पराथना करन लगेंव, अभी पराथना करत कुछ देर होय रिहिस, मोला अइस लगिस मोर खुद के दिमाग मं एक भारी छुटकारा आ गिस। ये बड़ नाटक असन ढंग ले होय रिहिस।

दिमाग ल जकड़इया आतमामन ले छुटकारा

हर छुटकारा जोन पनमेसर मोला दिये हवय उन्नति करत हवय अउ ये पनमेसर के बचन उपर विश्वास करे के दुआरा होथे। युहनना 8:31,32 अउ भजन संहिता 107:20 मोर गवाही आय। युहन्ना 8:31,32 मं यीशु कहिये अगर तुमन मोर बचन मं बने रहिहव, त सत मं मोर चेला ठहरहव अउ सत लजानहू, अउ सत तुमन ल स्वतंत्र करही। भजन संहिता 107:20 पनमेसर के बारे मं ये कहिथे, **वो अपन वचन दुआरा बोमन ल चंगा करथे अउ जोन गड़हा मं वोमन परे हवय ओकर ले निकालथे।**

बहुत बेर मैं ये अनुभा करेवं अउ तुरंत जान लिएवं कि मोर दिमाग मं कुछ होय हवय। कुछ ही मिनट मं मैं ओ जम्मो बात मन मं फिर विश्वास करन लगेंव जोन बात मन उपर पराथना ले पहिले मोला बहुते जूझना पड़त रिहिस कि विश्वास कर सकंव।

मैं तुमन ल एक उदाहरण देवत हंवं दिमाग ल जकड़इया अतमा वाले सइतान के हमला के पहिली मैं विश्वास करते रहेंव कि पनमेसर के वचन अनुसार मोर जीनगी अउ मोर सेवा मं कोनो फरक ये सति नइ होना चाही कारण कि मैं फेन्टन मिसूरी के औरत आंव जेला कोनो नइ जानत रिहिन। (गलतियों 3:28)। जब पनमेसर चाहथे वो दरवाजा खोल देथे। जेला कोनो बंद नइ कर सकंय (प्रकाशित वाक्य 3:8) अउ मैं पूरा संसार मं छुटकारा के व्योहारिक संदेश ल जोन वो मोला दिये हवय सुनाहूं।

मैं विश्वास करत रहेंव कि मोला बने मऊका मिलही कि मैं रेडियो मं जम्मो देश ल सुसमाचार सुनाहूं। पवितर सास्तर दुआरा मैं जानत रहेंव कि पनमेसर कमजोर अउ मूरख चीज मन दुआरा बुद्धीमान मन ल बेकार ठहरा देथे (1 कुरिन्थियों 1:27)। मोला विश्वास रिहिस कि पनमेसर मोला बयमार मन ल चंगा करे बर उपयोग लाही। मोला विश्वास रिहिस हमर बच्चा मन सेवा बर उपयोग किये जाहीं। मैं विश्वास करत रहेंव ओ जम्मो अद्भुत चीज मन उपर जेला पनमेसर मोर हिरदय मं रख दिये रिहिस।

पर जब दिमाग ल जकड़इयारी आतमा मोर उपर हमला करिस त मोला अइसे लगिस कि मैं जम्मो कुछ जइसे भूल गये हंवंजकेर उपर मैं विश्वास करत रहेंव। मैं ये परकार सोचन लगेव, “हव, मैं सब कुछ पा गये हव। मैं ये सति अइसे विश्वास करत रहेंव काबर कि मैं अइसनेहे चाहत रहेंव, पर शायद

अइसे नइ होही।” पर जब आत्मा मन चले गिन त विश्वास करे के योग्यता फिर मोर अंदर आ गिस।

विश्वास करे के फइसला लेव

इही परकार ले आतमा (पवितर) घलो हमर कमजोरी मं मदद करथे काबर कि हमन नइ जानन, कि पराथना कइसे करना चाही, पर आत्मा खुद ही अइसे आहें भर भर के जोन वर्णन ले बाहर हवय हमर बर बिनती करथे।

रोमियों 8:26

मसीही के रूप में हमला विश्वास करे बर फइसला ले बर सीखे के जरूरत हवय। पनमेसर हमला ओ चीज मन बर विश्वास (आतमा के उत्पाद आय) देथे जेला हमन अधिकतर अपन दिमाग के अनुसार नइ पावन। हमर दिमाग हर चीज बर कब, कयों अउ कहां जानना चाहथे। जब पनमेसर दुआरा अइसे समझ नइ दिये जावय त दिमाग अइसे बात मन उपर विश्वास नइ करय जेला ओ समझ नइ सकय।

अधिकांश अइसे होथे कि एक विश्वासी अपन हिरदय (भीतरी मनुष्य) मं तो कोनो चीज के बारे मं जानथे पर ओकर दिमाग ओ विषय के बारे लडई शुरू कर देथे।

बहुत पहले मैं एक फइसला करे रहेंव कि जोन कुछ बचन कहिथे ओकर उपर विश्वास करहूं अउ रेहमा (प्रकाशित वचन) जेला पनमेसर मोर ले बात करके बोले हवय अउ मोर ले व्यक्तिगत रूप मं परतिज्ञा करे हवय ओकर उपर विश्वास करहूं, चाहे मैं ओकर बारे मं काबर, कब अउ कहां समझ नइ पाहंव या कोन परकार ले ये मोर जीनगी मं काम करही तब भी मैं ओकर उपर विश्वास रखहूं।

पर ये बात जेकर बर में लड़त रहेंव कुछ फरक रिहिस ये फइसला के बाहिर रिहिस। अउ दिमाग जकड़इया आतमा ले बंधे रिहिस अउ विश्वास नइ कर पावत रहेंव।

पनमेसर के धन्यवाद होवय कि ओ पवितर आतमा दुआरा मोला सिखाइस कि कोन परकार ले पराथना करना चाही, अउ ओकर सामर्थ मोला मिलिस हांलाकि मैं नइ जानत रहेंव कि मैं अपन बर पराथना करत रहेंव।

मोला निश्चय हवय कि ये समे तुमन ये पुस्तक ल पढत हव काबर कि तुंहर अगुवाई किये गये रिहिस। तुमन घलो ये बारेमं समस्या मन ळां झेलत होहू। अगर हव त मैं तुमन ल यीशु मसीह के नाव म पराथना करे बर उत्साहित करत हव। ओकर लहू के सामर्थ दुआरा दिमाग जकडने वाली आतमा हराय जाही। तुमन घलो जब भी ये बारे मं कठिनाइ मन के अनुभो करव इही परकार पराथना करव।

जब भी हमन आगु बढे के कोशिश करथन सइतान अपन तीर मन ल हमर उपर बरसाथे। अपन विश्वास के ढाल ल उठा लेवव अउ सुरता रखव याकूब 1:2-8 जोन हमला सिखाथे कि हमन परिक्षा मं पनमेसर ले बुद्धी मांग सकथन वो हमला बुद्धी दीही अउ हमला दिखाही कि हमन काय करन मोर साथ एक समस्या रिहिस मैं पहिली कभु अइसे तीर के सामन नइ करे रहेंव। पर पनमेसर मोला पराथना करना सिखाइस अउ मैं स्वतंत्र हो गयेंव।

आज तुंहर साथ घलो अइसने ही होही।

प्रस्तावना

7

जोन तुमन सोचत हवव
ओकर बारे मं सोचव

जोन तुमन सोचत हवव ओकर बारे मं सोचव

प्रस्तावना
7

पनमेसर के बचन हमन ल सिखाये कि हमन अपन समे ल कोन परकार के सोच करे मं बितायन।

मैं तोर उपदेश मन उपर धियान लगाहूं अउ तोर रस्ता मन कुती नजर रखहू।

भजन संहिता 119:15

भजन संहिता के लिखइय्या ह कहे हे कि ओ परमेसर के उपदेश मन उपर धियान लगाथे। एकर मतलब हवय कि पनमेसर के रस्ता मन उपर, ओकर उपदेश मन उपर अउ ओकर शिक्षा मन उपर सोचे अउ ओकर मनन करे मं वो अपन अधिक समे ल बिताथे भजन संहिता 1:3 कहिथे कि ओ मनखे जोन अइसे करथे वो के झाड़ असन हवय जोन बहत नदी के किनारे लगाय गये हवय। अउ अपन मोसम मं फरथे, अउ जेकर पत्ता मन कमु नइ मुरझावय। ये सति जोन कुछ ओ मनरखे करथे ओ सफल होथे।

पनमेसर के बचन के बारे मं बिचार करना बहुत लाभदायक है। जतना जादा समे कोनो मनखे बचन उपर धियान करे मं लगाथे उतना ही जादा बचन ले वो फसल काटथे।

सावधान रहव कि तुमन काय सोचथव!

सावधान रहव, कि काय सुनथव? जोन नाप (विचार अउ अध्ययन) ले तुमन नापथव (जोन सचाई तुमन सुनथव) ओकरे ले तुंहर बार भी नापे (गुण और बुद्धि) जाही, अउ तुमन ल जादा दिये जाही।

मरकुस 4:24

कतना अद्भुत बचन हवय! ये हमला बताथे कि जादा समे हमन पनमेसर के बचन ल पढ़े; सुने अउ बिचार करे मं लगाथन उतना ही जादा ओला करे बर हमला सामर्थ अउ योग्यता मिल जाये। जोन हमन पढ़े अउ सुने हवन ओला समझे बर उतने ही जादा गियान हमला मिल जाथे। येमा मूल बात ये हवय

कि जतना जादा हमन पनमेसर के बचन उपर धियान देबो उतने ही ज्यादा हमला ओकर ले मिलही।

ये परतिज्ञा उपर खास धियान देव कि सदगुण अउ गियान जोन हमला मिलथे वो ये बात उपर निर्भर हवय कि हमन पनमेसर के बचन के कतना अध्ययन अउ मनन करथन।

वाइन बाइबिल शब्द कोष कहिथे कि यूनानी भाषा के ड्यूनामिस जेकर मतलब हवय “ताकत” के अनुवाद सदगुण करे गये हवय। स्ट्रोंग बाइबिल के अनुसार ड्युनामिस के अनुवाद “योग्यता।” जादा लोग मन पनमेसर के बचन मं अतना गहराई तक नइ जावयं। एकर कारण ओमन के समझ नइ पावय कि ओमन शक्तिशाली मसीही के रूप मं जीनगी काबर नइ जी पावत हवयं।

सच ये हवय कि जादा लोग मन बचन के अध्ययन य उतना कोशिश नइ करंथ जतना करना चाही। ओमन बाहिर जाके दुसर लोग मन ले जादा सुनथे। ओमन परचार के टेप तो सुनथे अउ कभु कभु बाइबिल घलो पढ लेथें पर बचन ल जीनगी के हिस्सा बनाय बर पूरा पूरा समर्पित नइ हवयं; अउ न ही ये बारे मं कभु बिचार करंय।

शरीर मं आलसीपना होथे अउ जादा लोग मन कुछू नइ ले कुछु पाना चाहथे (बिन कोशिश के) ये काम सही मं ये तरीका ले नइ हो सकय मैं फिर कहत हंव कि एक मनखे ल बचन ले उही मिल ही जइसन ओ ओमा लगाय बर इच्छुक हवय।

बचन उपर धियान लगाव

कतना धन्य (आनंदित, भागवान, मालामाल, अउ जलश पइदा करे लायक) हे वो मनखे जोन दुष्ट मन के सलाह उपर नइ चलय अउ न पापी मन के रस्ता मं ठाढ़ होवय, अउ न ठिठोली करइय्या के दल मं बइठय। पर ओ तो यहोवा के व्यवस्था ले खुश रहिथे, अउ ओकर व्यवस्था उपर रात दिन धियान करत रहिथे।

भजन संहिता 1:1,2

वेबस्टर के अनुसार “धियान” शब्द के मतलब 1 चिंता करना योजना बनाना या दिमाग मं इच्छा करना—गंभीर विचार मन मं “डूब जाना” बाइबिल

के शब्द मन के शब्दकोष “वाइन” शब्दकोष कहिथे कि “धियान” के मतलब हवव “चिंता करना, अभ्यास करता, चिंतन करना, कल्पना करना काम करे के पहिली सोचना।” नीति वचन 4:20 कहिथे, **मोर बेटा मोर बचन ल धियान धर के सुन अउ अपन कान मोर बचन उपर लगा।** अगर हमन नीतिवचन 4:20 अउ शब्द “धियान” के परिभाषा ल मिलादेवन त मतलब निकल थे चिंतन करना, अभ्यास करना, अपन दिमाग मं गंभीर विचार करना। खास बात ये हवव कि अगर हमन वो करना चाहथन जोन पनमेसर के बचन कहिथे, व हमला ओकर उपर बिचार करे बर समे लगाना होही।

पुराना कहावत ल सुरता करव अभ्यास ले ही मनुष सिद्ध होथे? हमन अपन जीनगी के कोनो बात मं बिन अभ्यास के हुशियार नइ हो सकन, त काबर हमन मसीही जीनगी न फरक होय के आशा करथन?

धियान लगाय ले सफलता आथे

व्यवस्था के ये पुस्तक तोर चित ले कभु झन उतरय, इही में दिनरात धियान दिये रह, ये सति के जोन कुछ एमा लिखे हवव ओकर अनुसार करे के तैं चौकसी कर; काबर कि अइसे ही करे ले तोर जममो काम सफल होही, अउ तैं असरदार होबे।

यहोशु 1:8

अगर तुमन अपन काम मन मं सफल अउ मालामाल होना चाहथव त बाइबिन कहिथे कि तोला पनमेसर के बचन उपर दिन रात धियान देना चाही।

पनमेसर के बचन मं मनन करे मं तुमन कतना समे लगाथव? अगर तुमन अपन जीनगी के कोनो विषय मं समस्या मनल झेलत हव त ये सवाल के इमानदारी ले दिये गये जबाब ओकर कारण बताही कि काबर।

अपन जीनगी के अधिक साल मन मं मैं ओ बारे मं नइ सोचेंव कि मैं काय सोचत रहेंव। मैं केवल उही सोचेंव जोन मोर दिमाग मं आइस। मोला ये पता नइ रिहिस कि सइतान मोर दिमाग मं विचार डाल सकथे। मोर दिमाग मं या तो झूठ भरे हुए रिहिस जेला सइतान मोला बताय रिहिस या बेवकूफी भरे बात मन रिहिन जेकर उपर विचार करना अपन समे बरबाद करना रिहिस। सइतान मोर जीनगी ल काबू मं रखत रिहिस काबर कि वो मोर बिचार मन ल काबू म रखत रिहिस।

जोन तुमन सोचत हव ओकर उपर बिचार करव!

येमा हमन घलो जम्मो के जम्मो अपन शरीर के लालसा मं दिन वितावत रहेन अउ शरीर अउ दिमाग के इच्छा मन ल पूरा करत रहेन, अउ लोग मन असन स्वभाव ही से क्रोध के संतान रहेन।

इफिसियो 2:3

पौलुस हमला इहां चेतावनी देवत हे कि हमला शरीर के लालसा मं जीनगी नइ बिताना हे या दिमाग के इच्छा पूरा नइ करना है, शारिरिक दिमाग के बिचार नइ रखना हवय।

हांलाकि मैं एक मसीही रहेंव तब भी अपन विचार मन उपर काबू रखना नइ सीखे रहेंव अउ इही कारण मैं समस्या मन ले घिरे रहेंव। ओ चीज मन उपर सोचत राहेंव जेकर ले मोर मन व्यस्त रहय पर ओमन सकारात्मक परभाव नइ लावत रिहिन।

मोला अपन सोचे के तरीका ल बदले के जरूरत रिहिस।

एक बात जोन मोला परमेसर दिमाग के युद्ध भूँझा के बारे मं बताइस ओकर ले मोर जीनगी मं एक मोड़ आइस। वो कहिस, तैं काय सोचत हवस एकर बारे मं सोच। जब मैं अइसे करना शुरू करेंव त जल्दी मोला समझ आगिस कि मैं अपन जीनगी मं अतना जादा समस्या मन ले काबर घिरे रहेंव।

मोर दिमाग मं गड़बड़ी रिहिस।

मैं गलत चीजमन के बारे मं सोचत रहेंव।

मैं गिरजा जावत रहेंव अउ कई साल तक अइसे करत रहेंव पर जोन मैं सुनत रहेंव ओकर उपर कभु बिचार नइ करे रहेंव। ये एक कान ले आवत अउ दुसर कान ले निकल जावत रिहिस। मैं हर दिन पवितर शास्तर पढ़त रहेंव, पर जोन मैं पढ़त रहेंव ओकर उपर विचार नइ करत रहेंव। मैं बचन उपर धियान नइ देवत रहेंव। मैं जोन सुनत रहेंव ओकर उपर बिचार अउ मनन नइ करत रहेंव। ये कारण मोर अंदर गियान अउ सद्गुण के विकास नइ होवत रिहिस।

पनमेसर के काम मन उपर मनन करव

हे पनमेसर हमन तोर मंदिर अंदर तोर करुणा उपर धियान करे हवन।

भजन संहिता 48:9

दाऊद कतनो बार पनमेसर के अद्भुत काम मन उपर धियान करे बर कहिथे—पनमेसर के महान काम। ओ कहिथे कि ओ पनमेसर के नांव अउ ओकर करुणा अउ दुसर बात मन के बारे में सोचते रिहिस।

जब ओ उदासीन अनुभो करत रिहिस तब वो भजन संहिता 143:4—5 म लिखिस: मोर आतमा भीतर में व्याकुल होवत हवय मोर दिमाग परेशान हवय। मोला पुराना समे सुरता आधे, मैं तोर जम्मो अद्भुत काम मन उपर धियान करत हंव अउ तोर काम ल सोचत हंव।

पद मन मं हम देखथन कि दाऊद अपन व्याकुलता अउ उदासी के समस्या उपर धियान नई लगाइस पर एकर उल्टा बीते हुए दिन मन के बने समे ल सुरता करिस, पनमेसर के काम मन उपर मनन करिस। दुसर शब्द मं ओ बने बात मन उपर बिचार लगाइस अउ ये कारण ओकर व्याकुलता खतम हो गिस।

येला कमु इन भुलावव—तुंहर विजय मं तुंहर दिमाग के बड़ भारी सहयोग हवय मैं जानथंव कि हमर जीनगी मं विजय केवल पनमेसर के बचन ले अउ पवितर आतमा के सामर्थ के काम ले ही आथे। पर ये काम के बहुत बड़े हिस्सा हमला करना हे। पनमेसर अउ बचन के अनुसार सोच के हम अइसन कर सकथन। अगर हमन अइसे नइ करबो त हमन कभु विजयी नइ होबोन।

दिमाग के नवा हो जाय ले बदलत जावव

अउ ये संसार असन इन बनव, पर तुंहर दिमाग के नवा बन जाए ले तुंहर चाल चलन घलो बदलत जावय, जेकर ले तुमन पनमेसर के भला अउ पसंद वाले अउ सिद्ध इच्छा अनुभव ले मालुम करत रहव।

रोमियो 12:2

ये खंड मं प्रेरित पौलुस काहत हवय कि अगर हमन अपन जीनगी मं पनमेसर के भला. अउ सिद्ध इच्छा देखना चाहथन त हमला अपन दिमाग नवा

करना होही। कइसे नवा? पनमेसर के तरीका ले सोचे बर नवा। ये नवा तरीका ले सोचे के कारण हमन बदल जाबोन, जइसे पनमेसर हमर ले चाहथे। यीशु अपन मिरतु अउ जी उठे के दुआरा हमर बदल जाय के संभव होय के रस्ता खोल दिये हवय मन के नवा हो जाय के प्रक्रिया दुआरा ये बात हमर जीनगी मं सच बन जाथे।

गड़बड़ी ल हटाय बर मोला ये कहना हवय कि सही तरीका ले सोचे के उद्धार ले कोनो लेना देना नइ हे। उद्धार केवल यीशु के लहू कुरुस उपर ओकर मिरतु अउ ओकर जी उठे ले संबंध रखथे। बहुत लोग आज सरग मं होहीं काबर कि ओमन यीशु ल अपन उद्धार कर्ता करके गरहन करे हवंय। पर एमा के अधिक लोग मन विजय के अनुभो नइ करे होंही या पनमेसर उंकर जीनगी बर जोन बने योजना बनाय रिहिस ओकर आनंद नइ उठाय होही काबर कि ओमन अपन दिमाग ल ओकार बचन के अनुसार नवा नइ बनाइन।

कई सालों तक मैं घलो ओ मनुष मन मं एक रहेंव। मोर नवा जनम हो चुके रिहिस। मैं सरग जावत रहेंव। मैं गिरजा जावत रहेंव अउ एक धरम के पालन करत रहेंव पर मोर जीनगी मं विजय नइ रिहिस। एकर कारण ये रिहिस कि मैं गलत बात मन उपर विचार करत रहेंव।

ये बात मन उपर विचार करव

अंत मं, हे भाईमन, जोन जोन बात मन सच हवंय जोन जोन बात मन आदर लायक हवंय अउ जोन जोन बात मन ठीक हवंय अउ जोन जोन बात मन पवितर हवंय अउ जोन जोन बात मन सुहाना हवंय अउ जोन जोन बात मन मनभाऊ हवंय अंत मं जोन जोन सद्गुण अउ परसंसा के बात हवंय ओकरे उपर धियान लगाय करव।

फिलिप्पियों 4:8

कोन कोन बात मन उपर हमला विचार करना चाही। ये बारे मं बाइबिल हमला विस्तार से अगुवाई देथे आप पवितर शास्तर के ये बात मन ल देख सकथव बने बने बात मन के बारे मं अउ ओ चीज मन के बारे मं जेकर ले हमर उन्नति होथे, पतन नइ, सोचे के अगुवाई दिये गये हवय।

हमर विचार, हमर बरताव अउ हमर मनोवृत्ति उपर असर डालथे। हर एक बात जोन पनमेसर हमला बताथे हमर भलइ बर ही हवय। वो जानथे कि कोन

कोन बात ले हमला खुशी होही अउ कोन बात ले दुःख। जब एक मनखे बुरा विचार मन ले भरे होथे वो दुःखी होथे अड में अपन अनुभो ले सीखे हंव कि अगर कोनो मनखे दुःखी हवय त ओ दुसर मन ल घलो दुःखी कर देथे।

तुमन ल नियम से सूची बनाना चाही अउ खुद ले ये पूछना चाही “मैं काय सोचत हंव? कुछ समे तुमन अपन विचार के जीनगी के जांच करव।”

तुमन काय विचार करत हवव ये बारे मं सोचना बहुत कीमती हे काबर कि सइतान अधिकतर लोगमन ल धोखा देथे अउ ओ अइसन सोचन लगथे कि ओकर समस्या मन के अउ दुःख के कारण कुछु अउ हवय जबकि सही कारण कुछ अउ होथे। वो ये चाहथे ओमन ये परकार सोचय किन जोन ओकर आस पास होवत हवय ओकरे कारण वो दुःखी हवय पर जोन ओकर अंदर होवत हवय (उंकर विचार) ओकर कारण ओमन दुःखी हवंय।

कई सालों तक मैं अइसे विश्वास करत रहेंव कि अगर मैं दुःखी हंव त दुसर लोग मन के काम मन के कारण दुःखी हव। मैं अपन दुःख बर अपन मरद अउ बच्चा मन ल दोषी ठहरावत रहेंव। अगर ओमन अलग होतिन अउ वोमन मोर जरूरत उपर धियान देतिन, अगर ओमन घर के काम मन मं अउ जादा हाथ बटातिन त मैं जादा सुखी होतेंव। मैं अइसने ही सोचत रहेंव। फिर मैं सच के सामना करवें अउ जानेव कि एमा के कोनो बात मोला दुःखी नइ बनावंय अगर मैं ठीक विचार रखंव।

मोला आखरी मं एक बार अउ काहन देवव तुमन काय सोचत हवव ओकर बारे मं सोचव कि तुमन अपन समस्या मन ल समझ सकव अउ बहुत जल्दी अपन स्वतंत्रता के रस्ता मं चल सकव।

भाग II

दिमाग के स्थितीमन

प्रस्तावना

तुहर दिमाग के स्थिती कइसे हवय?

काय तुमन ये बात ल पहिचानेव कि दिमाग के स्थिती बदलत रहिथे? हो सकथे कोनो बखत तुमन शांत होथव अउ कभु चिंतित या तुमन कोना फइसला लिए होहव अउ एकर प्रति तुम निश्चित होथव पर बाद मं तुंहर दिमाग गड़बड़ी के दशा मं आ आ जाथे ओ बात मन बर जेकर बारे मं पहिली तुमन एकदम स्पष्ट अउ निश्चित रहेव।

...पर हमन मं मसीह के दिमाग हवय...

1 कुरिन्थियों 2:16

मोर जीनगी मं घलो कतनो बार अइसे समे आइस जब मैं ये बात मन के अनुभो करैव। कभु अइसे लगय कि बिना कोनो समस्या के मैं पनमेसर उपर विश्वास कर सकथंव फिर शंका अउ अविश्वास मोला कठोरता के साथ सतावंय।

“काबर कि आइसे लगथे कि दिमाग फरक फरक स्थिती मं हो सकथे मोला आश्चर्य लगत रिहिस कि कब मोर दिमाग सामान्य रहि पाही?” मैं ये जानना चाहत रहैव कि सामान्य रहना काय आय कि जब असामान्य विचार मोर कना आवंय त मैं तुरते ओकर ले निपटना सीख सकंव।

उदाहरण बार एक विश्वासी बर आलोचना करइय्या, संदेह भरे नियाय करइय्या, दिमाग असामान्य समझना चाही। यद्यपि मोर जीनगी के बड़े भाग मं ये मोर बर सामान्य रिहिस—अइसे होना नइ रिहिस। मैं एकर आदी हो गये रहैव मोर बिचार गलत रिहिस जेकर कारण मोर जीनगी मं बहुते अकन समस्या मन रिहिन मोला ये मालुम नइ रिहिम कि मोर सोच मं कोनो गलती रिहिस।

मैं ये नइ जानत रहैव कि मैं अपन विचार—जीनगी बर कुछु कर घलो सकथंव। मैं एक विश्वासी रहैव अउ कइ साल ले रहैव पर मोला अपन विचार जीनगी के बारे कुछु गियान नइ रिहिस याने एक विश्वासी दिमाग के सही स्थितिमन के बारे मं कुछु गियान नइ रिहिस

नवा जनम होय के साथ हमर दिमाग के नवा जनम नइ होवय येला नवा बनाना पड़थे (रोमियों 12:2) जइसना कि मैं कतनो बार कहे हंव कि मन के

नवा होना एक अइसे कार्य विधि आय जेमा समे लगथे। जब तुमन ये पुस्तक के अगला भाग पढहू अउ तुमनल जब ये पता चल जाही कि जादा समे तुंहर मन असामान्य रहिथे ओ मनखे बर जोन उद्धार पा चुके हवय तब तुमन बिलकुल परेशान झन होवव समस्या ल पहिचान लेना ही ओकर समाधान के पहला कदम लेथे।

कई साल पहिले मैं पनमेसर के साथ अपन रिस्ता के बारे में जादा गंभीर रहेंव अउ तब ही ओ मोला बताइस कि मोर समस्या मन के मूल मोर गलत ढंग ले सोचना ही हवय मोला शंका रिहिस कि जइसे येला रहना चाही काय कभु वइसे हो सकही—अउ अगर हो मी जाही त काय वइसने बहुत दिन तक रहे पाही?

मैं ये सोच के परेशान हो गयेंव कि मैं गलत विचार के नशा मं फंस गये हव। मैं ये गलत विचार मन ला हटाय के कोशिश करत रहेंव मगर फिर ओमन मोर दिमाग मं आ जावत रिहिन। पर थोड़ा थोड़ा करके मोला एकर ले छुटकारा अउ स्वतंत्रता मिल गिस। तुंहर दिमाग के नवा हो जाय के विरुद्ध सइतान आक्रामक रवैय्या अपनाही पर तुमन प्रार्थना अउ ये विषय के अध्ययन तब तक करत रहेंव जब तक तुमन विजय के अनुभो न करन लगव।

तुंहर दिमाग सामान्य कब रहिथे? काय येला जम्मो जगह घूमत रहिना चाही था तुमन जोन करत हव ओकरे उपर एला अपन धियान लगाय रखना चाही? काय तुमन परेशान अउ गड़बड़ दिमाग रखना चाहहव या शांत होके ओ तरफ अपन धियान लगाना चाह हू जेला तुमन अपन जीनगी मं देखना चाहथव। काय तुंहर दिमाग शंका अउ अविश्वास ले भरे होना चाही, काय तुमन ल चिंतित अउ डर भरे होना चाही। या पनमेसर के संतान होय के कारण अपन जम्मो चिंता ओकर उपर डाल देना चाही (1 पतरस 5:7)?

पनमेसर के बचन हमला सिखाथे कि हमर कना मसीह के दिमाग हवय। तुमन काय सोचथव ओकर दिमाग कइसे रिहिस जब ओ पिरथी उपर रिहिस — न सिरिफ पनमेसर के बेटा असन पर मनुष के बेटा असन घलो?

पराथना के साथ “दिमाग के युद्ध भूँड्या” के अगला भाग मं जावव। मोला विश्वास हवय कि एकर ले तुंहर आंखी खुल जाही अउ तुमन सामान्य अउ सामान्य दिमाग मन ल पहिचान कर सकहू जोन यीशु मसीह के चेला बर जरूरी हवय जोन विजय मं चले के फ़ैइसला कर चुके हवयं।

प्रस्तावना

8

मोर दिमाग सामान्य कब रहित्थे?

मोर दिमाग सामान्य कब रहित्थे?

इहां ये धियान देवव कि पौलुस पराथना करथे कि तुंहर अउ मोर “हिरदे के आंखी” खुल जावय जेकर ले हमला गियान मिल जावय। बहुत अध्ययन के बाद मैं हिरदे के आंखी ल दिमाग मानथंव।

मसीही के दिमाग ल कोन दशा मं होना चाही? दुसर शब्द मं एक विश्वासी के दिमाग के सामान्य स्थिती कैइसे होना चाही? ये सबाल के जवाब जाने बर हमला दिमाग अउ आतमा के फरक फरक काम मन ल देखना होही।

हमर परभु यीशु मसीह के पनमेसर जोन महिमा के पिता आय तुमन ल अपन पहिचान मं गियान अउ परकाश के आतमा देवय।

अउ तुंहर दिमाग के आंखी ज्योति ले भरपूर होवय कि तुमन जान लेवव कि ओकर बुलाय ले काय कुछ आशा होथे अउ पवितर लोग मन मं ओकर मिरास के धन काय कुछ हवय।

इफिसियों 1:17,18

पनमेसर के बचन के अनुसार दिमाग अउ आतमा एक साथ काम करथें एला मैं “दिमाग दुआरा आतमा के सहायता करे के” सिद्धांत कहित्थंव।

ये सिद्धांत ल बने ढंग ले समझे बर हम ये देखबोन कि एक विश्वासी के जीनगी मं ये कोन परकार ले काम करथे।

दिमाग—आत्मा के सिद्धांत

मनखेमन में से कोन कोनो मनखे के बात जानथे, केवल मनखे के आत्मा जोन ओमा हवय? वैसइसनेहे पनमेसर के बात मन ल कोनो नइ जानय केवल पनमेसर के आतमा।

1 कुरिन्थियों 2:11

जब एक मनुष यीशु मसीह ल गरहन करथे त पवितर आतमा ओमा बास करे बर आथे। बाइबिल हमला बताथे कि पवितर आतमा पनमेसर के दिमाग ल जानथे। जइसे कोनो मनखे के विचार मन ल केवल आतमा जोन ओकर

अंदर हवय जानथे वैइसनेहे पनमेसर के दिमाग ल केवल पनमेसर के आतमा ही जानथे।

काबर कि पवितर आतमा हमर अंदर वास करथे अउ काबर कि ओ पनमेसर के दिमाग ल जानथे ये सति ओकर मकसद ये हवय कि ओ हमला पनमेसर के गियान अउ ओकर परकाशन के बारे में बताथे। ये गियान अउ परकाशन हमर आत्मा ल मिल जाथे अउ हमर आतमा हमर हिरदे के आंखी ल खोल देथे जोन हमर दिमाग आय। ये सब पवितर आतमा करथे ये सति हमन ब्योहार के स्तर में समझ सकथन कि हमला आत्मिक रूप ले काय मिले हवय।

सामान्य या असामान्य?

विश्वासी होय के नाते हमन आत्मिक हवन अउ शारिरिक घलो हवन। शारिरिक, आत्मिक ल नइ समझे सकय। ये सति जरूरी हवय कि हमर दिमाग में परकाश आवय अउ हमन ये बात ल जान पावन कि हमर आत्मा में काय होवत हवय। पवितर आतमा हमला ये परकाश ल दे बर चाहथे, पर जादाकर दिमाग ओला समझ नइ पावय जेला आत्मा हमला बताना चाहथे। काबर कि दिमाग बहुत जादा व्यस्त रहिथे। बहुत जादा व्यस्त दिमाग असामान्य स्थिती में होथे। दिमाग जब आराम के स्थिती में होथे तब वो सामान्य दशा में होथे—खाली नइ पर आराम में।

दिमाग ल चिंता, डर, तर्क, परेशानी ले भरे नइ रहना चाही। येला शांत आनन्दमय, अचल, स्थिति में रहना चाही। जब हमन ये पुस्तक के दुसर भाग में जाबोन त दिमाग के कई असामान्य दशा मन ल देखबोन अउ हमन जानबो कि जम्मो अवस्था हर खुद के दिमाग के हवय।

ये समझना बहुते जरूरी हवय कि दिमाग ल सामान्य दशा में रखना जरूरी हवय जइसे कि ये अध्याय में बताय गये हवय। अपन दिमाग के स्थितीमन के येकर ले मिलान करव अउ तब तुमन समझ सकहूं कि पवितर आतमा दुआरा हमला कभु कभु अउ बहुत थोड़ा काबर दिये जाथे। अउ हमन काबर गियान अउ परकाशन के कभी महसूस करथन।

सुरता रखव कि पवितर आतमा एक विश्वासी के दिमाग ल परकाश देथे। पवित्र आत्मा पनमेसर के सूचना मन ल एक विश्वासी के आतमा तक पहुंचाथे अउ अगर ओकर दिमाग अउ आतमा एक दुसर के मदद करत हंवय त ये

ईश्वरीय गियान अउ सचाई के परकाशन मं हमन चल सकथन। पर अगर ओकर दिमाग जादा व्यस्त दशा मं हवय त हमन ये बात ल नइ जान पाबोन जोन पनमेसर ओकर आत्मा दुआरा हमला बताय के कोशिश करत हवय।

धीमा वाणी

ओ कहिस, निकर के यहोवा के आगु पहाड़ उपर ठाढ हो। अउ यहोवा नजदीक होके चलिस अउ यहोवा के आगु ले एक भारी तेज अघड़ ले पहाड़ फटन अउ चट्टान टूटन लगिस, तभो ले यहोवा वो अंधड़ मं नइ रिहिस; फिर अंधड़ के बाद भूईंझोल होइस, तबले यहोवा भूईंझोल मं नइ रिहिस।

फिर भूईंझोल के बाद आगी दिरिवस, तब ले यहोवा ओआगी मं नइ रिहिस; फिर आगी के बाद दबे हुए धीमा वाणी सुनइ पड़िस।

1 राजा 19:11,12

बहुत साल तक मैं पनमेसर ले पराथना करेवं कि पवित्तर आतमा दुआरा जोन मोर अंदर निवार करके, मोर उपर अपन सचाईल परकाशित करय। मैं जानत रहेवं कि ये पराथना बचन के अनुसार ठीक रिहिस। मोला बचन में विश्वास रिहिस अउ मोला मालुम रिहिस कि मैं जोन माग हूं वो मोला मिलही। तब ले जादा कर समे मोला अइये लगत रिहिस जइसे मैं एक “आत्मिकक मूरब्व” हंव। तब मैं ये सीखेवं कि पवित्तर आत्मा जोन कुछ भी मोर उपर परगट करना चाहत हवय ओला मैं गरहन नइ कर पावत रहेवं काबर कि मोर दिमाग बहुते जादा व्यस्त अउ घु मक्कड रिहिस।

विचार करव कि कोना कमरा म दू मनुष हवयं। एक मनुष दुसर ल धीमा आवाज मं कोना रहस्य बताय के कोशिश करत हवय अगर ओ कमरा तेज शोर ले भरे हुए हवय त वो वो संदेश ल नइ सुन पाही जब कि संदेश बोले जा चुके हवय जब तक ओ धियान से नइ सुनही वो वो संदेशल नइ सुन पाही।

पनमेसर के आत्मा अउ हमर आत्मा के बात करे के घटो इही तरीका हवय। पवित्र आत्मा कोमल बोली वाले हवय। अधिकतर समे वो इही परकार बात करथे जइसे भविष्यवक्ता ले बोले रिहिस—एक “धीमा वाणी” दुआरा। ये सति ये बहुत जरूरी हवय कि हमन अपन खुद ल ओ दशा मं रखना सीख जावन जोन दशा मं हमन ओर वाणी सुन सकन।

आतमा अउ दिमाग

त काय करना चाही? मैं आतमा (पवितर आत्मा जोन मोर अंदर हवय) ले घलो पराथना करहूँ अउ बुद्धी ले घलो पराथना करहूँ...

1 कुरिन्थियो 14:15

“दिमाग दुआरा आत्मा के मदद” सिंद्धात ल समझाए के सबले बढिया तरीका हे पराथना के बारे में सोचनं ये पद मं पौलुस प्रेरित कहे हवय कि वो आतमा अउ बुद्धि दुनो के दुआरा पराथना करथे।

मैं समझथंव कि पौलुस काय काहत हवय काबर कि मैं घलो अइसना करथंव। मैं अधिकतर आत्मा (अनजाने भाषा मं) मं पराथना करथंव थोड़ देर जब मैं ये परकार पराथना कर लेथंव तब मोर दिमाग मं बिचार आथे कि अब अगरेजी (मोर अपन भाषा) मं पराथना करंव। मैं विश्वास करथंव कि ये परकार दिमाग आत्मा के सहायता करथे। ओ दुनो मिल के काम करथें कि मोला पनमेसर के गिथान अउ बुद्धि मिल जावय कि मैं एला बने ढंग ले समझ जावंव।

कभु कभु एकर उल्टा घलो हो जाथे। कतनो बार अइसे होथे जब मैं पराथना करना चाहथंण अउ अपन ल पनमेसर के आगु रख देथंव। अगर मोर आतमा मं कोनो खास तनाव नइ हवय तब मैं अपन दिमाग ले पराथना करना शुरू करथंव! मैं हालात मन अउ कुछ बातमन बर जेमन ल मैं जानथंव पराथना करथंव। कभु कभु ये पराथना नीरस उबाउ मालुम पड़थे—मोर आत्मा डहर ले कुछु मदद नइ मिलय। मोला संघर्ष करना होथे ये सति मैं दुसर विषय मं चले जाथंव जेला मैं पहिले ले ही जानथंव।

मैं अइसने तब तक करते रहिथंव जब तक पवितर आतमा जोन मोर अंदर हवय मोर साथ कोनो विषय ल नइ ले लेवय। जब ओ अइसे करथे त मैं जान जाथंव कि अब वो ये विषय म पराथना करना चाहत हवय। ये परकार मोर दिमाग अउ मोर आत्मा मिल के काम करथें अउ एक दुसर के मदद करत पनमेसर के इच्छा ल पूरा करथें।

अन्यभाषा मन अउ ओकर मतलब

ये कारण जोन अन्य भाषा बोलय, त वो पराथना करय कि ओकर अनुवाद घलो कर सकय।

ये सति अगर मैं अन्य भाषा में प्रराथना करंव त मोर आतमा पराथना करथे, पर मोर बुद्धी काम नइ देवय (ये फर नइ लावय अउ कोनो ल लाभ नइ मिलय)।

1 कुरिन्थियो 14:13,14

दुसर उदाहरण जिंहा आतमा अउ दिमाग मिल के काम करथे वो हे अन्य भाषा में बोलना अउ ओकर अर्थ मतलब बताना।

जब मैं अन्य भाषा मन में बात करथंव मोर दिमाग फल रहित होथे जब तक पनमेसर मोला या कोनो ल ओकर मतलब बता नइ देवय जेला मैं बोलथंव समझ नइ दे देवय, अउ तब मोर दिमाग फल देवइय्या बन जाथे।

कृपया एला अपन दिमाग में बइठा लेवव कि भाषा मन अउ उकरं अनुवाद वरदान नोहय। संदेश ल शब्द शब्द उतार देना अनुवाद होथे जबकि व्याख्या में एक मनखे ओ गियान ल बताथे जोन दुसर मनखे ह कहे हवय पर व्याख्या करइय्या ओला अपन ढंग अउ अपन योग्यता अनुसार ओला बताथे।

इहां एक उदाहरण देवत हंव—बहन स्मिथ गिरजा में दुसर भाषा में संदेश देवत हवय। ये ओकर आत्मा ले आवत हवय पर न तो ओ अउ न ही कोनो दुसर मनखे जानय कि ओ काय काहत हवय। पनमेसर वो संदेश समझे के बुद्धि मोला दे दिस, पर एक सामान्य तरीका दुआरा। जब मैं विश्वास में आगु आयेंव अउ जोन बोले गये रिहिस ओकर व्याख्या करना शुरू करेंव तब मैं वो संदेश जम्मो ल समझा दियेंव। पर ये मोर विशेष ढंग ले बताय के दुआरा होइस।

आतमा में पराथना (दुसर भाषा में) करना अउ ओकर व्याख्या करना ये एक अद्भुत तरीका हे “दिमाग दुआरा आत्मा के मदद” सिद्धात ल समझे के आतमा जोन भी कहिथे दिमाग ल ओकर समझ दिये गये हे।

अब ये बात उपर विचार करन: अगर बहन स्मिथ दुसर भाषा में बोलथे अउ ओकर व्याख्या करे बर पनमेसर कोनो दुसर मनखे ल ढूढ़त हवय ओ मोर कना ले आगु बढ जाही अगर मोर दिमाग बहुते व्यस्त अउ घुमक्कड़ अवाराहवय अउ पनमेसर के बात ल नइ सुन पावत हवय। अगर ओ भोला मतलब बता घलो देवय मैं ओला गरहन नइ कर पाहंव।

जब मैं युवा रहेव अउ आत्मिक वरदान मन के बारे में सीखत रहेंव तब मैं भाषा मन में पराथना करत रहंव। कुछ समे बाद मैं अपन पराथना जीनगी

ले ऊब गयेंव। जब मैं पनमेसर ल ये बात के बारे में बताएंव त वो मोला ये बात सिखा इस अगर मैं ऊब गये हंव त ओ ये सति हे कि मैं जोन पराथना करथंव ओला समझंव नइ फिर भी मैं ये मानथंव कि जोन काहत हंव ओला मोला समझना जरूरी नइ हे पर ये परकार के पराथना असंतुलित होथे अउ फर देवइय्या नइ अगर मैं ओला नइ समझंव।

शांत अउ सजग दिमाग

जेकर दिमाग तोर उपर धीरज धरे हुए हवय ओकर तैं पूरा शांति के साथ रक्षा करथस, काबर कि ओ तोर उपर भरोसा रखथे।

यशायाह 26:3

मोला आशा हवय कि तुमन ये उदाहरण मन ल सफा सफा समझ गये होहू। कि तुंहर दिमाग अउ तुंहर आत्मा साथ मिलके काम करथें। ये सति ये बहुते जरूरी हवय तुंहर दिमाग सामान्य दशा में रहय। नइ तो ये आत्मा के सहायता नइ कर सकही।

सइतान ये सचाई ल बने परकार जानथे इही कारण वो दिमाग उपर हमला करथे अउ तुंहर दिमाग ल भरना चाहथे कि दिमाग स्वतंत्र झन रहे सकय अउ पवित्तर आतमा जो तुंहर खुद के आतमा दुआरा काम करथे ओकर बर तुंहर दिमाग हाजिर झन रहे सकय।

दिमाग ल शांत रखना जरूरी हवाय। जइसे कि यशायाह भविष्यवक्ता हमला बताथे जब दिमाग बने बात उपर सोचही तब ओ विश्राम पाही।

दिमाग ल सजग रहे के घलो जरूरत हवय ये असंमो बन जाथे जब एमा जम्मो बात मन भर जाथे जेला वो नइ चाहय।

एकर उपर बिचार करव: तुंहर दिमाग कतना समे तक सामान्य स्थिति में रहिथे?

प्रस्तावना

9

एक आवारा या चंचल
अउ अचरज भरे दिमाग

एक आवारा या चंचल अउ अचरज भरे दिमाग

प्रस्तावना 9

एकरे पहिलइय्या अध्याय मं हमन देखे रहेन कि जोन दिमाग जादा व्यस्त रहिथे वो असामान्य होथे। असामान्य दिमाग के दुसर स्थिति होथे, हर जगह अवारा घुमत रहना। दिमाग ल एकाग्र नइ कर पाय के योग्यता के मतलब मन उपर सइतान के हमला।

ये सति अपन अपन दिमाग के कनिहा बांध के।

1 पतरस 1:13

बहुत अकन मनखे मन सालों तक अपन दिमाग ल अइसने हे आवारा घूमन दिये हवय काबर कि बोमन अपन बिचार—जीनगी ल अनुशासन करे के सिद्धांत ल नइ अपनाइन हवय।

जोन लोग दिमाग ल एकाग्र नइ रखे सकय ओमन सोचथे कि उकरं दिमागी स्तर थोड़ा कमती हवय। पर अगर तुमन एकाग्र नइ हो पावव त वो ये सति कि तुमन अपन दिमाग ल सालों ले आजादी दे रखे हवव कि ओ जोन भी चाहथे करत रहिथे। बिटामीन बी के कमी से सति घलो लोग एकाग्र नइ रहे सकय। अगर ये बात हे त अपन खाना संतुलित रखव।

बहुते थके होना घलो एकाग्रता उपर असर डालथे। मैं पाय हव कि जब मैं जादा थके होथं त सइतान मोर दिमाग मं हमला के कोशिश करथे काबर कि ओ जानथे कि अइसे समे मं हमला जादा कठिनाई होही। सइतान चाहथे कि हमन सोचन कि हमर दिमागी स्तर कमती हवय ये कारण हमन कोनो भी अइसे काम नइ करबो जेकर ले ओकर बर समस्या खड़े होवय। वो चाहथे कि ओ जोन झूठ बोलय ओला हमन निष्कृत्य होय के कारण गरहन कर लेवन।

हमर एक बेटा ल बचपना मं एकाग्र होय मं कठिनाई होवत रिहिस। पढना ओकर बार कठिन रिहिस काबर कि एकाग्रता अउ समझे के योग्यता के चोली दामन के साथ हवय। बहुत अकन बच्चा अउ कुछ सियाना मन घलो समझ नइ सकय कि ओमन काय पढथे। उंकर आंखी तो पृष्ठल देखथे पर उंकर दिमाग समझे नइ सकय कि वोमन काय पढ़े हवय।

एकाग्रता के कमी के फर हे नइ समझ पाना। ये मोर खुद के भी अनुभो हवय। मैं बाइबिल या कोनो दुसर किताब के एक अध्याय पढ़ सकथं व फिर अचानक पता चलथे कि मोला कुछ सुरता नइ हे जोन मैं अभी पढे हवं व। मैं फिर पढना शुरू करथं व अउ ये जम्मो मोला नवा असन लगथे पहिले मोर आंरवी पृष्ठ के शब्द मन ल तो देखत रिहिस पर मोर दिमाग कहुं अउ भटकत रिहिस। काबर कि मैं जोन पढत रहें व ओकर उपर मोर दिमाग धियान नइ दे सकिस इही कारण जोन मैं पढत रहें व ओला मैं समझ नइ पायें व।

नइ समझ सके के समस्या के मूल कारण हवय आवारा घूमने वाला दिमाग एकर ले धियान एकाग्र करे मं कमी आ जाथे।

एक अवारा दिमाग

जब तैं पनमेसर के भवन मं जाबे त सावधान होके चलबे।

समोपदेशक 5:1

मोला विश्वास हवय कि सावधानी ले चले के मतलब हे “अपन संतुलन बना के रखना कि रस्ता मं ही रहव।” जोन हमन करत हवन वोही मं अपन दिमाग ल बनाय रखे ले हमन रस्ता ले नइ भटकबोन।

मोर मन घलो भटकने वाला रिहिस अउ अनुशासन दुआरा मैं ओला ट्रेनिग दियें व। ये सरल नइ रिहिस अउ कभु कभु वो वापस अपन पहली दशा मं आ जाथे। जब मैं कोनो योजना ल पूरा करे के कोशिश करत रहिथं व त अचानक मोला मालूम होथे कि मोर दिमाग कहुं अउ भटकत हवय अउ कोनो दुसर बात उपर सोचत हवय जेकर ये योजना ले कोनो रिस्ता नइ हे। एकदम पूरा एकाग्र चित तो मैं अभी तक नइ हो सके हं व, पर अतना तो मैं समझथं व कि अपन दिमाग ल एति वोति भटकन नइ देना कतना जरूरी हवय।

अचरज भरे (भटकत) शब्द के मतलब बेबस्टर शब्द कोष मं (1) बिन मकसद के घूमना (2) सीधा रस्ता छोड़ के टेढ़ा रस्ता मं जाना (3) बेमौसमी काम करना (4) अपन ल धुंधला रूप मं परगट करना या बोलना।

अगर तुमन मोर असन हवव, तुमन कोनो गिरजा म बइठे वक्ता के सदेश ल सुनत हव, आनंद लेवत हव जोन कुछ कहे जावत हवय ओकर लाभ उठावत हव तभे अचानक तुंहर दिमाग भटकना शुरू कर देथे। फिर कुछ देर बाद तुमन

“जाग” जाथव अउ तुमन ल पता चलथे कि जोन कुछु भी होवत हवय ओ तुमन ल कुछ सुरता नइ हवय। या शरीर तो गिरजा मं ही रिहिस पर तुंहर दिमाग बाजार मं खरीददारी करत रिहिस या घर के रसोई मं खाना पकावत रिहिस।

सुरता रखव? आतमिक लड़ई दिमाग के युद्ध भूमि मं चलत हवय। उंहे बइरी के हमला होथे। ओला अच्छा से मालुम हवय कि अगर कोनो मनरवे अपन दिमाग ल ओकर उपर नइ लगावय जोन ओला सिखाय जावत हवय त ओला गिरजा जाय ले कोनो फायदा नइ मिलही सइतान जानथे कि कोनो मनुष कोनो योजना ल पूरा करे बर अपन खुद ल अनुशासन मं नइ ला सकय अउ अपन दिमाग ल ओकर उपर नइ लगाव या जोन को करत हवय।

आपस मं बात करत समे घलो दिमाग भटके के घटना होथे। बहुत बार मोर मरद डेव मोर ले बात करत रहिथे अउ मैं सुनत रहिथं, फिर थोर देरी म मोला पता चलथे कि जोन वो कहत हवय ओला तो मैं सुन ही नइ पाएवं। काबर? काबर कि मै अपन दिमाग ल कोनो दुसर बात मं भटकन दे देंव। मोर शरीर तो उहाँ ठाढ़े रिहिस अउ ये लगत रिहिस कि मैं सुनत हवं पर मोर दिमाग दुआरा कुछु सुने नइ गिस।

बहुत साल तक जब भी अइसे होवत रिहिस मैं बहाना करत रहेंव कि जोन भी डेव कहे हवय मैं सब ल जानत हवं। अब मैं रूक जाथं अउ कहिथं, “काय तैं ओ सब कुछ ल फिर बोल सकथस? मै अपन दिमाग ल भटक जावन दियेंव अउ ये सति जोन तैं बोलें हवस ओला नइ सुन सकेंव।”

ये परकार मैं ये समस्या के सामना करथं, विजय पाय के एक ही रस्ता हवय कि समस्या मन के सामना किये जावय। ये विषय मं बइरी ले निपटे के अउ एक तरीका हवय—कैसेट टेप ले लाभा लेना जोन बहुत से गिरजा मं मिल जाथे।

अगर अभी तक तुमन अपन दिमाग ल अनुशासन मं रखना नइ सीखे हव कि जोन गिरजा मं कहे गये हे ओकर उपर धियान नइ देव त हर हप्ता के टेप खरीद लेवल अउ ओला अब तक सुनत रहव जब तक वो संदेश तुंहर समझ म न आ जावय।

सइतान छोड़ के चले जाही जब ओ देखही कि तुमन हिम्मत छोड़ने वाला नइ हवव।

सुरता रखव सइतान चाहथे कि तुमन सोचव कि तुंहर दिमाग मं कभी हवय – कि तुंहर अंदर कुछ गलती हवय। पर सच ये आय कि तुमन ल दिमाग ल अनुशासन मं रखे के जरूरत हवय। येला आबारा असन शहर भर इन घूमन देवव, जोन चाहे ओला करन इन देवव। आज ले ही “सावधान होके चलव” कि अपन दिमाग ओकर उपर ही लगाय रहव जोन तुमन करत हव। तुमन ल आदत बनाय के जरूरत पड़ही। पुराना आदत मन ल तोड़ के नवा आदत मन ल अपनाय बर हमेशा समे लगथे, पर आखरी मं ये बहुत कीमती सिद्ध होही।

एक अचरज भरे दिमाग

मैं तुमन ले सच कहत हंव कि जोन कोनो ये पहाड़ ले कहय कितैं उखड़ जा अउ समुंदर मं चले जा, अउ अपन दिमाग मं सुबहा इन रखय, पर विश्वास करय कि जोन मैं काहत हंव वो हो जाही, त ओकर बर वोही होही।

ये सति मैं तुमन ले कहत हंव कि जोन कुछ तुमन पराथना करके मांगव त पतिया लव कि वो तुमन ल मिल गये हवय, अउ वो तुंहर बर हो जाही।

मरकुस 11:23–24

मैं अधिकतर बहुत अकन बात बर कहत रहिथव “मोला अचरज हवय” उदाहरण बर।

“मोला अचरज (या जिज्ञासा) हवय जाने कल मौसम काय होही।”

“मोला अजरज हवय कि मै पार्टी मं काय पहिर के जावंव।”

“मोला अचरज (या जिज्ञासा) हवय कि मोर बैटा (डैनी) के रिपोर्ट कार्ड मं कोन से ग्रेड मिलही।”

“मोला अचरज (या कुतुहल हवय) कि सेमीनार मं कतना लोग आंही।”

“वंडर” (भटकना) अचरज के मतलब शब्द कोषम हवय “सुबहा के अनुभव” (संज्ञा रूप मं) अउ क्रिया रूप मं “संदेह ले भर जाना।”

मैं ये सीखे हंव कि अगर मैं केवल हर बखत कल्पना मन उपर अचरज करत रहंव त मोला ओतका बने नइ लगय जतका कि सकारात्मक काम करे

के बाद बने लगथे। डैनी ल कोन ग्रेड मिलही एक उपर अचरज (जिज्ञासा) के बदला मैं अइसन विश्वास कर सकथंव कि ओला बने ग्रेड मिलही। पार्टी मं मोला काम पहिनाना चाही एकर उपर अचरज करे के बदला मैं फइसला ले सकथव कि मोला काय पहिनना हे। कल के मौसम कइसे होही या कतना लोग मोर सभा मं आंही एमा अचरज (कुतुहल) के बदला मैं ये बात पनमेसर कुति मोड़ सकथंव ओकर उपर विश्वास करके कि वो जोन भी करही जम्मो ले भलई ही होही चाहे कुछ होवत रहय।

अचरज एक मनखे ल बिन फइसला के दशा मं छोड़ देथे फइसला नइ लेना गडबडी ल जनम देथे। अचरज, फइसला नइ लेना अउ गडबडी के कारण एक मनखे ल ओकर पराथना मन के जवाब पनमेसर कुति ले मिले मं बाधा होथे।

मरकुस 11:23,24 मं यीशु ये नइ कहिस “जोन भी तुमन पराथना मं मांगथव” (कौतुहल) अचरज करव शायद मिलजावय पर वो कहिथे, “जोन तुमन पराथना म मांगथव पतिया लेव कि तुमन ल मिल जाही—अउ तुमन ल मिल आथे।”

मसीही अउ विश्वासी होय के कारण हमला विश्वास करना हे – संदेह (अचरज) नइ।

प्रस्तावना

10

एक भ्रामक दिमाग

एक भ्रामक दिमाग

पर अगर तुमन में कोनो ल बुद्धि के कमी होवय त पनमेसर ले मांगय जोन बिन उलाहना दिये जम्मो ल उदारता से देथे, अउ ओला दिये जाही।

हमन ये पता लगा लिए हवन कि अचरज अउ भ्रम (गड़बड़) रिश्तेदार आंय। अचरज (स्पष्टता के विरुद्ध, सुबहा अउ गड़बड़ी पइदा करथे)।

याकूब 1:5-8 हमनल ये समझाव में मदद करथे कि कइसे भ्रम, अचरज अउ सुबहा उपर विजय पा सकथन अउ पनमेसर ले अपन जरूरत के चीज मन ल पा सकथन। मोर विचार में “दुचिता मनखे” गड़बड़ी के ही चित्र आय काबर कि ओ कभु फइसला नइ लेवय। जब ओ सोचथे कि वो फइसला कर लिए हवय तब अचरज सुबहा अउ गड़बड़ी ओकर दिमाग में आ जाथे जेकर ले वो दु दिमाग वाला असन बरताव करन लगथे। वो हर बात बार अनिश्चय के स्थिती में होथे।

मैं अपन अधिकतर जीनगी अइसने हे बिताय हंव काबर कि सइतान मोर विरुद्ध लड़ई छेड़ दिये रिहिस अउ ये मोला मालूम ही नइ रिहिस अउ मोर दिमाग एक युद्ध भूमि बन चुके रिहिस। मैं हर बात में एकदम गड़बड़ा गये रहेंव अउ मैं समझ नइ पायेंव कि अइसे काबर हवय।

पर विश्वास ले मांगय अउ कोना सुबहा इन करय काबर कि सुबहा करइय्या समंदर के लहरा असन होथे जोन हवा ले बहथे अउ उछलथे अइसन मनुष ये इन समझय कि मोला परभु ले कुछु मिल ही वो मनखे दुचिता हवय अउ अपन बात मन में चंचल हवयं।

याकूब 1:5-8

तर्क (बहस) गड़बड़ी ल जनम देथे

...हे कम विश्वासी मन, तुमन आपस में काबर विचार करथव।

मती 16:8

अभी तक हमन अचरज उपर बात करे हवन अब आगु के अध्याय मं हमन सुबहा: सुबहा के बारे मं चरचा करबोन अभी मैं भ्रम के बारे मं बात करना चाहहूँ।

परमेसर के लोग मन म एक बडे भाग भ्रम मं होथें। अइसे काबर? जइसे हमन देखे हवन कि एकर एक कारण हे अचरज करना। दुसर हे बहस जइसे हमन देखे हवन कि एकर एक कारण हे अचरज करना। दुसर हे बहस “कारण” शब्द के मतलब शब्दकोष मं लिखे हवय “ओ सच्चाई या प्रेरणा जेकर दुआरा कोनो घटना के बहस दुआरा मतलब निकल आवय संज्ञा अउ क्रिया के रूप मं तर्क दुआरा सोचना।”

याने जब एक मनखे कोनो बात के “काबर” खोजना चाहथे तब तर्क जनम लेथे। बहस दिमाग ल कोनो विषय या घटना मं या कोनो अवस्था के चारों मुड़ा घुमावत रहिथे जब तक कि दिमाग ओकर गहराई ल समझ झन लेवय। हमन कोनो कथन या कोनो शिक्षा उपर बहस करके ओर सचाईल पता लगा लेथन।

तर्क के कारण सइतान हमर ले पनमेसर के इच्छाल चोरा लेथे। पनमेसर हमला कोनो काम करे बर कहि सकथे। पर अगर कोनो मतलब नइ होवय ...अगर ओमा तर्क नइ होवय—त हमन ओकर अवहेलना करके परिक्षा मं पड़ सकथन। जब पनमेसर कोनो ल कुछु करे बर बोलथेत ओकर दिमाग ल जरूरी नइ हे कि हमेशा कोनो तर्क दिखाई देवय। आत्मा तो स्वीकार कर लेथे पर ओकर दिमाग अस्वीकार कर देथे खास कर जब वो नापंसद हो या ओमा खुद के बलिदान या पीड़ा शामिल होवय।

दिमाग मं तर्क झन करव केवल आतमा म आज्ञा मानव

पर शारिरिक मनुष पनमेसर के आत्मा के बात मन ल स्वीकार नइ करय काबर कि वोमन ओकर नजर मं मूरखता के बात आय, ओ ओला जान नइ सकय काबर कि ओकर जांच आत्मिक ढंग ले होथे।

1 कुरिन्थियों 2:14

इहां एक व्यवहारिक उदाहरण खुद मोर जोन दिमाग मं तर्क अउ आतमा मं आज्ञा मानना ल बने ढंग ले समझा सकथे। अइसे मैं आशा करत हंव।

एक बार सबेरे मैं अपन शहर कना एक हप्ता के सभा मं सेवा करे बर तइयार होवत रहेंव मैं ओ औरत के बारे मं सोचन लगेव जोन उहां सहायता

के सेवा ल बहुत ईमानदारी ले चलावत रिहिस। मोर हिरदे मं एक इच्छा होइस कि कोनो परकार ओला आशीष दिये जाय।

“ये जममो साल मं हे परभु, रूथ ऐन हम जम्मो बर आशीष के जरिया रिहिस, मैं ओला आशीष दे बर काय कर सकपंव।”

तुरंत मोर नजर अलमारी मं लटके एक नवा लाल ड्रेस रूप ऐन ल देबर काहत हवय। हालांकि मैं एला तीन महिना पहले खरीदे रहेंव पर मैं एला पहिरे नइ रहेंव। अभी तक वो उही थैली मं टंगे रिहिस मैं एला कभु नइ पहिरे रहेंव। मोला ये बहुत पसंद रिहिस पर जब कभु मैं एला पहिरे के सोचेंव मोर इच्छा ही नइ होइस कि एला पहिरंव।

सुरता करव, मैं कहे रहेव कि जब मोर नजर ओ नवा लाल ड्रेस म गिस, मैं जान गयेव कि मोला ये रूप ऐन ल देना चाही। वास्तव मं मैं एला देना इन चाहत रहेंव, तुरंत मैं अपन दिमाग मं तर्क करन लगेंव कि पनमेसर मोला ये लाल ड्रेस ल ओला दे बर नइ कह सकय काबर कि ये एकदम नवा रिहिस कभु पहिने नइ गये रिहिस, मंहगा घलो रिहिस—अउ मैं ओकर के मिलत जुलत लाल अउ स्लेटी रंग के बूंदे घलो खरीद लिए रहेव।

अगर मैं अपन शारिरिक दिमाग ल ये स्थान ले बाहिर ही रखतेंव अउ अपन आत्मा पनमेसर मं लगाय रहितेव त हर बात बने ढग ले हो गये रहितिस, पर हम मनुष मन तर्क दुआरा ओ काम ल नइ करन जोन पनमेसर हमन ल करे बर कहिथे अउ हमन खुद ल धोखा देथन कुछ देर में मैं ये जम्मो भूल गयेंव अउ अपन काम मं चल पड़ेंव। सार ये हवय कि मैं ये ड्रेस देना नइ चाहत रहेंव काबर कि ये नवा रिहिस अउ मोला पसंद रिहिस। मैं दिमाग मं तर्क करेंव कि ये इच्छा मनमेसर कुतिले नइ हे पर सइतान ये चीज ल मोर ले लेना चाहत हे जोन मोला पसंद हे।

कुछ हप्ता बाद उही जगहा पर दुसर घर मं सभा बर जाना रिहिस। पहिले असन रूत ऐन के नांव अइसे ही मोर दिमाग आइस मैं मैं ओकर बर पराथना करन लगेंव। मैं कहेव, “हे पिता, रूप ऐन हम जम्मो बर आशीष हवय मैं ओला आशीष देबर काय कर सकथंव?” तुरंत वो लाल ड्रेस देखेंव अउ मोर शरीर शिथिल अनुभो करन लगिस, काबर कि मोला वोही बात मन फिर सुरता आ गिस जेला मैं भुला चुके रहेंव।

ये बार मोला शरीर में शिथिलता के अनुभो नइ होइस: या तो मोला ये सब के सामना करना हे जोन पनमेसर बतावत हवय कि मोला काय करना हे उही परकार मैं करवं या मोला कहना होही, “मैं जानयव पनमेसर तैं मोला जोन बतावत हवस, पर मैं अइसन नइ करत हंव।” मैं पनमेसर ले बहुते परेम करथंय ये सति मैं ओ लाल ड्रेस के बारे में बात करना शुरू करेंव।

कुछ मिनिट में मै ये जान लिएं कि पहिले मैं पनमेसर के इच्छा के विरुद्ध अपन ढंग ले बहस करत रहेंव अउ एला करे बर केवल क्षण भर लगिस। मैं सोचे रहेव कि मैं पनमेसर के आवाज नइ सुने रहेंव काबर कि ड्रेस नवा रिहिसं पर मैं जानेव कि बाइबिन केवल पुराना चीज मन ल दे बर नइ काहय। ड्रेस नवारिहिस ये कारण एला देना मोर बर बलिदान असन रिहिस पर ऐन ऐक बर ये आशीष ले बढ के कहुं जादा रिहिस।

मैं अपन हिरदे परभु बर खोलेंव, वो मोला बताइस कि मैं वो ड्रेस रूथ ऐन बर ही खरीदे रहेंव, इही कारण रिहिए कि मैं वो ड्रेस नइ पहिर सके रहेंव। पनमेसर ओला आशीष दे बर मोला प्रतिनिधि असन उपयोग करिस। पर ओ ड्रेस के बारे में मोर अपन बिचार रिहिस अउ जब तक मैं वो विचार मन ल छोड़ नइ दियेंव तक तक मोला पनमेसर के अगुवाई नइ मिल सकिस।

ये घटना मोला सिखाइस कि कतना सरलता ले हमन अपन दिमाग के बात मन में फंस सकथन अउ तर्क दुआरा अपन ल पनमेसर के इच्छाले अलग कर लेथन। ये सति हमला तर्क ले बचे रहना चाही।

सुरता रखव 1 कुरिन्थियों 2:14 के अनुसार शारिरिक मनुष आत्मिक मनुष के बात मन ल नइ समझ पावय। मोर शारिरिक दिमाग (शारिरिक मनुष) नवा ड्रेस जेला मैं कभु नइ पहिर रहेंव ल दान करे के मतलब नइ समझ पाइस पर मोर आतमा (मोर आत्मिक मनुष) येला अच्छी तरह समझ गिस।

मोला आशा हवय कि ये उदाहरण तुमन ये बात ले बने ढंग ले समझ गये होहव अउ पनमेसर के इच्छा में चले में तुमन ल मदद मिलही।

(मैं जानथंव कि तुमन सोचत होहव कि मैं ओ ड्रेस लरूथ ऐन ल दे दिये रहेंव या नइ। हव, मैं वो ड्रेस दे दिये रहेंव अउ अब ओ हमर आफिस में काम करथे अउ अभी भी वो कभु कभु लाल ड्रेस पहिन के काम में आथे।)

वचन मं चलइय्या बनव!

पर बचन मं चलइय्या बनव अउ केवल सुनइय्या ही नइ जोन अपन खुद ल धोखा देथे।

याकूब 1:22

बचन जोन हमन ले कहिथे हमन बोला नइ करन काबर कि तर्क बीच मं आ जाथे अउ हमन वो बात मं विश्वास कर लेथन जोन सच नइ राहय अउ हमन धोखा खाथन। अगर हमन आतमा मं गवाही रखथन त हमन आगु बढ सकथन अउ अइसे कर सकथन। मैं ये जान गये हव कि पनमेसर ये चाहथे कि मैं ओकर आज्ञा मानव चाहे वहे मोला पसंद होवय था न होवय।

पनमेसर अपन बचन दुआरा हमर भीतरी मनुष ले बात करथि त हमला तर्क दुआरा खुद ले ये नइ पूछना चाही कि ये बात मं सचाई हवय या नइ जब पनमेसर हमर ले बात करथे त हमला ओकर उपर चलना हे तर्क नइ करना है।

पनमेसर उपर विश्वास करव न कि मनुष के तर्क उपर

तुमन अपन समझ के सहारा ज्ञान लेहव पर जम्मो दिमाग ले यहोवा उपर भरोसा रखिहव।

नीतिवचन 3:5

दुसर शब्द मं तर्क के सहारा मं ज्ञान रहहू। तर्क धोखा के दुआरी खोल देथे अउ भ्रम पइदा करथे।

एक बार मैं पनमेसर ले पूछेंव कि अतना जादा लोग भ्रम मं काबर हवय अउ ओ मोर ले कहिस “ओमन ले कह कि हर बात के कारण ढूँढना बंद कर देंवय तब ओमन भ्रमित नइ होही।” मैं जानेंव कि ये सही मं सच हवय तर्क अउ भ्रम साथ साथ चलथें।

तुमन अउ मैं कोनो बात के बिचार अपन हिरदे मं कर सकथन हमन पनमेसर के आगु ओला ला सकथन अउ देख सकथन कि ओकर इच्छा हमला दे के हवय पर जोन बखत हमन भ्रमित अनुभो करथन त हमन बहुत दूर निकल जाथन।

कई कारण ले तर्क खतरनाक हवय पर एक कारण हवय: हमन तर्क कर सकथन अउ कोनो बात के हल निकाल सकथन जोन हमला लगथे किये हवय। पर जोन हमन तर्क दुआरा सोचथन कि सही हवय वो गलत घलो हो सकथे।

मनुष के दिमाग तर्क, नियम अउ विवेक पसंद करथे। जोन वो समझते उही काम ल करथे। इही कारण ये हमर झुकाव हवय कि हमन अपन दिमाग के छोटे-छोटे खंड मं बात मन ल अच्छा ढंग ले डाल के रखथन अउ सोचथन “ये अइसे ही करना होही अउ जम्मो बात एमा बिलकुल ठीक परकार ले समा गये हवय।” हमन जान सकथन कि हमर दिमाग ये बात मन बर संतुष्ट हवय पर ये बिलकुल गलत हवय।

रोमियो 9:1 मं प्रेरित पौलुस कहे हवय, “मैं मसीह म सच कहत हंव, झूठ नइ बोलत हंव अउ मोर विवेक घलो पवितर आतमा मं गवाही देवत हवय। पौलुस जानत रिहिस कि ओ ठीक करत हवय, ये सति नइ कि तर्क ह कहिस कि वो ठीक हवय पर ये सति कि ओकर विवेक ह पवितर आतमा मं गवाही दिये रिहिस।”

जइसे कि हमन देखे हवन कि दिमाग काम करथे अउ कभु कभु आतमा ओकर मदद करथे। दिमाग अउ आतमा साथ साथ काम करथे। पर आतमा बढ़िया हवय ये सति दिमाग ले जादा आदर करना चाही।

अगर हमन अपन आत्मा म जान जाथन कि ये बात गलत हवय त हमला अपन तर्क ले ओला करे के अनुमति नइ देना चाही। इही परकार जब हमन जानथन की फलाना बात सही हवय त म हमला तर्क ले ओला नइ करे के अनुमति नइ देना चाही।

पनमेसर हमला समझ दिये हवय पर पनमेसर के साथ चले बर ओकर इच्छा ल माने बार ये जरूरी नइ हे कि हर बात ल हमन समझन। बहुत बार पनमेसर हमर विश्वास ल बढ़ारय बर हमर जीनगी मं सवाल रख देथे। बिन जवाब के सवाल हमर शारिरिक जीनगी ल कुरुस उपर चढ़ाथे। मनुष मन बर ये कठिन हवय कि ओ तर्क ल छोड़ देवय अउ केवल पनमेसर मं भरोसा रखय, पर जब एक बेर प्रक्रिया पूरा हो जाथे, तब दिमाग विश्राम पा जाथे।

व्यस्त काम धाम मं एक हवय तर्क जेमा दिमाग व्यस्त हो जाथे जोन हमन मं बने अउ खराब ल चुनने के योग्यता ल कम कर देथे। दिमाग के गियान अउ पनमेसर के गियान दुनो अलग हे।

मैं तुमन ल नइ जानंव पर मैं चाहथंव कि पनमेसर वो जम्मो बात मन ल मोर उपर ये परकार परगट करय कि मैं अपन आतमा म जान लेंवव कि जोन कुछु मोर उपर परगट किये गये हवय वो साच हवय। मैं समस्या के हल तर्क दुआरा नइ निकालना चाहंव। मैं अपन दिमाग अउ हिरदे मं शांति के अनुभो करना चाहथंव जोन ह पनमेसर उपर विश्वास रखे ले हो सकथे मनुष मन के सोच अउ गियान दुआरा नई।

मोला अउ तुमन ल अइसे स्थान मं बढ़ना चाही जिहां हमन ओला जान जावन जोन जम्मो कुछु जानथे चाहे हमन कुछु नइ जानत होवन।

मसीह ल छोड़ अउ कोनो बात ल नइ जाने के ठान लेवव

अउ हे भाई मन जब मैं पनमेसर के भेद सुनावत तुहंर काना आयेंव त बचन या गियान के बढ़ियापन के साथ नइ आयेंव। काबर मैं ये ठान लिए रहेव, कि तुंहर बीच मं यीशु मसीह अउ कुरुस उपर चढाये मसीह ल छोड़ के अउ कोनो बात ल नइ जानवं।

1 कुरिन्थियों 2:1,2

गियान अउ तर्क के बारे मं ये पौलुस के नजरिया रिहिस अउ मैं एला समझेंव अउ सराहेंव। मैं ये जान गर्येंव कि बहुत अकन बात मन के विषय मं मैं जातना कम जानथंव उतना जादा मैं खुश रहिथंव। कभु कभु हमन उतना जादा जान जाथन जोन हमला दुःखी बना देथे।

मैं हमेशा एक बहुत ही जिज्ञासा वाली रहे हवंव अउ अपन संतुष्टी बर हर बात जाने के कशिश करत रहेंव। पनमेसर मोला बताइस कि मोर भ्रम के कारण हे हर बखत मोर तर्क करे के आदत अउ इही कारण वो जम्मो कुछु गरहन नइ कर पायेंव जोन ओ मोला देना चाहत रिहिस। वो कहिस जॉयस, अपन ये मनुष के तर्क ल अपन ले दूर कर अगर तैं भला अउ बुरा मं भेद करना चाहथस।

मैं ये बात जानथंव कि जब मोला जम्मो बात के जवाब मालुम होवत रिहिस त मैं अपन ल सुरक्षित महसूस करत रहेंव। मैं अपन जीनगी मं कोनो परकार के कमजोरी नइ चाहत रहेंव। हर बात मं अपन नियंत्रण चाहत रहेंव अउ जब मैं ये बात मन ल नइ समझ पावत रहेंव त मोला लगत राहय कि येकर मन

उपर ले मोर नियंत्रण खतम हो गये हवय—मैं डर जावत रहेंव। पर मोर अंदर कुछ कमी रिहिस। मोर दिमाग मं शांति नइ रिहिस अउ तर्क करे के शक्ति घलो कमजोर होवत जावत रिहिस ये परकार के गलत दिमागी काम ले तुंहर बदन थक जाही ये तुमन ल पूरी तरह थका दीही।

पनमेसर मोला एला छोड़े बर कहिस, अउ मैं घलो हर वो मनखे ले जोन तर्क के नशा मं पड़े हवंय इही सलाह जोरदार ढगले देवत हंव। हव, मैं कहेंव तर्क के “नशा।” हमन गलत दिमागी नशा मं फंस सकथन, जइसे लोग मन नशीली दवा, शराब या धुम्रपान के नशा मं फंस जाथे। मोर उपर तर्क के नशा रिहिस अउ जब मैं छोड़ दिएंव तब मोला नशा छोड दे के लक्षण दिखना शुरू होइस। मैं खोय खोय असन डरे हुए महसूस करन लगेंव काबर कि भोला पता नइ रिहिस कि काय होवत हवय। मैं हताशी अनुभव करत रहेंव।

मैं अपन समे ल तर्क मं अतना जादा बिताय रहेव कि जब मैं तर्क छोड़ दिएंव त मोला खुद ल अपन दिमाग के साथ अभ्यस्त होना पड़िस जोन कि बहुत शांत हो गये रिहिस। कुछ समे तो मोला ये जम्मो कुछ निराशा उत्पन्न करइय्या लगिस पर अब मैं एकर ले परेम करन लगे हंव। अब मैं तर्क के दरद सह नइ सकंव।

पनमेसर नइ चाहय कि हमर दिमाग तर्क के दशा मं रहय काबर कि ये सामान्य दशा नोहय।

सावधान रहव जब तक मन मं तर्क भरे रहिथे त दिमाग सामान्य दशा मं नइ होवय। खास कर मसीही मन बर जेमन विजय जीनगी जीना चाहथें—विश्वासी जोन दिमाग के युद्धभूँड़या मं युद्ध ल जीतना चाहथें।

प्रस्तावना

11

एक संदेही अउ अविश्वासी दिमाग

एक संदेही अउ अविश्वासी दिमाग

हमन जादाकर संदेह अउ अविश्वास के बारे मं साथ साथ बात करथन जइसे कि वो दुनो मन एके होवयं वास्तव मं ये दुनो मन जुड़े हुए तो हवयं पर दुनो मन के मतलब अलग हवय।

नवा अउ पुराना नियम के “वाइन” के शब्दकोष “संदेह” के मतलब क्रिया के रूप मं ये बताथे “दो किसम के रस्ता, पक्का नइ हे कोन रस्ता चुनन ... ओ कम विश्वासी मन बर कहे गये रिहिस... चिंतित रहना दिमाग के भटकाव के दशा, आशा अउ डर के बीच डगमगाना”

दु यूनानी शब्द, जेमा के एक के अनुवाद अविश्वास अउ ओकर बारे मं “वाइन” शब्द कोष कहिथे “आज्ञा नइ मानना”

बइरी के ये दू ठन शक्तिशाली हथियार मन ल जब हमन देखथन तब जान जाथन कि संदेह एक मनखे ल दू ठन विचार मन के बीच मं डगमगा देखे जब अविश्वास आज्ञा नइ मानना आय।

मैं सोचथं कि अगर हमन ये पता लगालेवन कि सइतान कोन परकार हमर उपर हमला करेबर जावत हवय त एकर ळे हमला सहायता मिल सकथे। काय हमन संदेह या अविश्वास के सामना करत हवन?

संदेह

...तुमन कब तक दू बिचार मन के बीच म लटके रहिहव?

1 राजाओं 18:21

मैं एक कहानी सुने रहेंव वो ये संदेह उपर परकाश डालही एक मनुष रिहिस जोन बयमार रिहिस। चंगाई वाले पवित्र शास्त्र के बचन मन के उपयोग अपन

हे कम विश्वासी तैं हर काबर संदेह करेस?

मती 14:31

अउ ओ उंकर अविश्वास उपर अचरज करिस

मरकुस 6:6

शरीर उपर करत रिहिस अउ विश्वास करत रिहिस कि एकर ले वोला जल्दी चंगाई मिल जाही। जब ओ अइसे करत रिहिस ओ समे संदेह के विचार घलो हमला करत रिहिस।

जब ओ कठिन समे ले गुजर चुकिस अउ निराश होवन लगिस, पनमेसर ओकर आंखी आत्मिक संसार बर खोलिस। वो देखिस, सइतान ओकर ले झूठ बोलत रिहिस कि तोला चंगाइ नइ मिलही अउ ये पद मन ल माने ले छलो तोर काम सफल नइ होही। पर वो ये घलो देखिस कि जब भी वो वचन के पद बोलत रिहिस त एक तेज परकाश तलवार असन ओकर मुंह ले निकलय अउ सइतान पीछू कुति गिर जावत रिहिस।

जब पनमेसर ओला ये दर्शन दिखाइस अउ ओ मनुष समझ गिस कि बचन ल बोलत रहना कतना महत्व रखथे। ओ देखिस कि ओकर कना विश्वास रिहिस अउ इही कारण सइतान संदेह दुआरा ओकर उपर हमला करत रिहिस।

संदेह ल पनमेसर हमर अंदर नइ रखे हवय बाइबिल कहिथे कि पनमेसर हर एक मनुष ल परिमाण के अनुसार विश्वास दिये हवय (रोमियों 12:3) पनमेसर हमर हिरदे में विश्वास रखे हवय, पर सइतान संदेह के दुआरा हमर उपर आक्रमण करके ओ विश्वास ल खतम करे के कोशिश करथे।

संदेह ओ विचार मन के कारण आथे जोन पनमेसर के बचन के उलटा हवय। इही कारण ये बहुते जरूरी हवय कि हमन पनमेसर के वचन ल जानन। अगर हमन पनमेसर के बचन ल जानथन तब हमन सरलता ले पहिचान जाबो कि सइतान हमर ले कब झूठ बोलत हवय। निश्चित हो जावव कि सइतान हमर ले झूठ बोल के ओ चीज ल चोरा लेथे जेला यीशु ह अपन मिरतु अउ जी उठे के दुआरा हमर बर खरीदे हवय।

संदेह अउ अविश्वास

वो निराशा मं घलो आशा रख के विश्वास करिस ये सति कि ओ बचन के अनुसार कि तोर वंश अइसे होही कि वो बहुत अकन जाति मन के बाप हो। अउ वो जोन सौ साल के रिहिस अपन मरे हुए असन शरीर अउ सारा के मरे हुए उसन गरभ के दशा जान के घलो विश्वास मं कमजोर नइ होइस। अउ न अविश्वासी होके पनमेसर के परतिज्ञा उपर संदेह करिस पर विश्वास मं मजबूत होके पनमेसर के महिमा करिस।

अउ निश्चय जानिस कि जो बात के वो परतिज्ञा करे हवय वो बोला पूरा करे मं धलो सामर्थी हवय।

रोमियों 4:18-21

जब भी मैं युद्ध मं होथंवे ये जानत हुए कि पनमेसर काय काय परतिज्ञा करे हवय अउ फिर भी संदेह अउ अविश्वास के मोर उपर हमला होथे तब मैं इही खण्ड ल पढथंवे अउ ओकर उपर मनन करथंवे।

इब्राहीम ल पनमेसर ह एक परतिज्ञा दिये रिहिस कि ओ ओला ओकरे शरीर दुआरा एक संतान दीही। इब्राहीम अउ सारा कना बहुत बरस बाद भी कोनो संतान नइ रिहिस। इब्राहीम के विश्वास अभी भी मजबूत रिहिस ओला विश्वास रिहिस कि जोन पनमेसर कहे रिहिस वइसनेहे होही संदेह के विचार अउ अविश्वास के आतमा ओकर उपर जोर डालत रिहिस कि पनमेसर के आज्ञा झन मानय।

अइसे हालत मं आज्ञा न माने के मतलब निराश हो जाना जबकि पनमेसर हमर ले हिवाय नइ छोड बर लगातारकाहत रहिथे।

आज्ञा नइ मानना पनमेसर के वाणी के अपमान करना आय या जोन भी पनमेसर हमन ल खुद बतावत हवय ओकर अपमान करना आय इब्राहीम मजबूत बने रहिस। वो पनमेसर के परशंसा करतेच रिहिस अउ ओला महिमा देतेच राहय। बाइबिल हमला बताथे कि जब ओ अइसना करिस ओ विश्वास मं अउ मजबूत बनत गिस।

तुमन देखथवे जब पनमेसर हमर ले कुछ कहिथे या करे बर कहिथे तब एकर उपर विश्वास करना या ओला पूरा करना पनमेसर के वचनले होथे ये पनमेसर बर हंसे के बात होही कि ओ हमर ले कुछ कराय के आशा करय अउ हमन ये विश्वास न देवन कि हम ओला कर सकथन। सइतान जानथे कि कि ओ ओकर बर कतना भयानक होही अगर हमर हिरदे विश्वास ले भरे होवय ये सति ओ हमर उपर संदेह अउ अविश्वास के दुआरा आक्रमण करथे।

अइसे नइहे कि हमर अंदर विश्वास नइ हे सइतान झूठ बोल के हमर विश्वास ल खतम करे के कोशिश करथे।

मैं तुमन ल एक उदाहरण देवत हंवे। ये ओ बखत के बात आय जब मोर कना परभु के सेवा करे के बुलाहट आय रिहिस अउ ओ रोजअसन एक सुबह

रिहिस एकर ती हप्ता पहिले में पवित्तर आतमा ले भरे गये रहेंव। अभी अभी में अपन पहला उपदेश वाला टेप सुने रहेंव। ये पादरी रे मास होल्डर के संदेश रिहिस शीर्षक रिहिस “दुसर कुति पार जावव।” मोर हिरदे हिल गिस में चकित रहेंव कि कोनो भी कोनो ल एक घंटा तक पवित्तर शास्तर ले सिखा सकथे अउ ओकर उपदेश रोचक घलो हो सकथे।

जब मैं अपन बिस्तर ठीक करत रहेंव मोर अंदर एक तीव्र इच्छा होइस कि मैं घलो पनमेसर के बचन सिखावंव। त मै पनमेसर के आवाज सुनेव, वो मोर ले कहिस, “तैं सब जगहा जाबे अउ मोर बचन ल सिखाबे अउ तोर एक विशाल टेप के सेवा होही।”

मोर कना कोनो सामान्य तर्क नइ रिहिस जेकर ले मैं विश्वास कर लेववं कि पनमेसर मोर ले बात चीत करे हवय या मैं ओ काम ल करहूं जेला मैं अभी सुने हंव। मोर अंदर कतनो समस्या मन रिहिन। मैं “मनपेसर के सेवा करे के वस्तु” नइ रहेंव पर पनमेसर ये संसार के कमजोर मन ल अउ मूरख मन ल चुन लिस कि गियानी मन ल निरूत्तर कर देवंव। (1 कुरिन्थिया 1:27) वो मनुष के हिरदे ल देखथे शरीर ल नइ (1 शमुएल 16:7) यदि हिरदे ठीक हवय त पनमेसर शरीर ल बदल सकथे।

मैं विश्वास ले मर गयेब कि ओ जम्मो काम मैं कर सकथंव जोन पनमेसर मोर ले करवाना चाहथे। जब पनमेसर बुलाथे वो काम करे के इच्छा, विश्वास अउ योग्यता घलो देथे। पर मैं तुमन ल बताना चाहथंव। कि ये अभ्यास अउ इतिजार के साल मं सइतान नियम पूर्वक मोर उपर संदेह अउ अविश्वास के आक्रमण करतेच रहिस।

पनमेसर अपन लोग मन के हिरदे मन मं सपना अउ दर्शन रख देथे ओ शुरू मं नानकन बीजा असन होथे। जइसे औरत के गरम मं बीजा आ जाथे त वो गरभ धारण कर लेथे, इही परकार हमन घलो पनमेसर के बात अउ परतिज्ञा मन ले “गरभवती” असन बन जाथन। ये गरम के दिन मं सइतान अपन पूरा कोशिश करथे कि हमन अपना सपना मन के गरम ल गिरा देवय। ओकर एक हथियार हे संदेह अउ दुसर हे अविश्वास के। ये दुनो हथियार दिमाग के विरुद्ध काम करथे।

विश्वास आतमा के ही उत्पाद हे, आत्मिक सामर्थ बइरी ये कभु नइ चाहय कि मैं अउ तुमन अपन दिमाग ल आतमा के अनुकूल बना लेवन वो जानथे कि

अगर कुछ करे बर हमर अंदर विश्वास होथे अउ हमन वो काम ल शुरू कर देथन अइसे विश्वास करके कि हम ये काम ल पूरा कर सकथन तब हमन राज के बहुत जादा हानि कर सकथन।

पानी उपर चलत रहन!

ओ बरबत डोंगा के बीच मं लहरा मन मं डगमगावत रिहिस, काबर कि हवा आगु के रिहिस।

अउ ओ रतिहा के चौथा पहर (3 ले 6 बजे) झील उपर चलत उंकर कना आइस।

चेला ओला झील उपर चलत देख के घबरा गिन: अउ कहन लगिन, वो भूत आय: अउ डर के मारे चिल्ला उठिन।

यीशु तुरते उंकर ले बात करिस, अउ कहिस; ढाढ़स बाधौ; मैं हंव; डरव झन।

पतरस ओला जवाब दिस, हे परभु अगर तैहीं हवस, त मोला अपन कना पानी उपर चल के आय के आज्ञा दे।

ओ ओकर ले कहिस, आ: तब पतरस डोंगा ले उतर के यीशु कना जाय बर पानी उपर चलन लगिस।

पर हवा ल देख के डरगिस, अउ जब ओ डूबन लगिस, त चिल्ला के कहिस; हे परभु, मोला बचा।

यीशु तुरते हाथ बढा के ओला थाम लिस, अउ ओकर ले कहिस हे कम विश्वासी, तै संदेह काबर करेस?

जब ओमन डोंगा मं चढ गिन, त हवा थम गिस।

मत्ती 14:24-32

ये खंड के आखरी पद उपर मैं तुंहर धियान खींचना चाहथंव कारण कि इन्हें हमन बड़री के योजना के बारे मं देखथन। यीशु के आज्ञा मं पतरस डोंगा के बाहिर ओ काम करे बर आ गिस जोन ओ पहिले कभु नइ करे रिहिस वास्तव मं यीशु के छोड़ कोनो भी ये काम कभु नइ किये रिहिन।

एमा विश्वास के जरूरत हवय।

पतरस एक गलती करे रिहिस ओ अपन जादा बरवत तूफान ल देखे मं लगा दिस। वो डर गये रिहिस। संदेह अउ अविश्वास ओकर भीतरी समा गिस, अउ ओ डूबन लगिस। वो यीशु ल चिल्ला के कहिस कि हे परभु, मोला बचा ले अउ ओ ओला बचा लिस पर धियान देवव जइसे ही पतरस डोंगा मं वापस चढ़ गिस तूफान थम गिस।

रोमियों 4:18–21 सुरता करव जिंहा इब्राहीम अपन असंभो दशा ल देख के नइ डगमगाइस। इब्राहीम जम्मो परिस्थिति मन ल समझत रिहिस पर मैं नइ सोचंव कि ओ हर बरवत ओकरे बारे मं सोचतेच राहत रहय या दुसर मन ल बतावत राहत रिहिस। मैं अउ तुमन घलो अपन परिस्थिती मन ल बने डंग ले जान सकथन पर हमला अपन दिमाग ओ चीज मन उपर लगाना हवय जेकर ले हमर अउ हमर विश्वास के बढोतरी होवय।

इही कारण इब्राहीम पनमेसर के महिमा स्तुति करे मं व्यस्त राहत रिहिस। हम घलो जब वो काम करथन जेला हमन जानथन कि ठीक हवय चाहे हालात विपरीत ही काबर न होवंय, हमन पनमेसर के महिमा करथन। इफिसियों 6:14 हमला सिखाथे कि आत्मिक युद्ध के समे हमला सच के पटुका अपन कमर मं कस के बांध लेना चाही। जब तुंहर जीनगी मं तूफान आथे त तुमन अपन दुनो गोड़ भुंझ्या उपर जमा लेवव अपन चेहरा चकमक पथरा असन बना लेवव अउ पवित्तर आत्मा मं मजबूत होके डोंगा के बाहिर मं रहव। जइसे ही तुमन सुरक्षित स्थान मं आथव तूफान थम जाथे।

सइतान तुमन ल डराय बर तुंहर जीनगी मं तूफान लाथे। तूफान के बरवत ये सुरता रखव कि दिमाग युद्ध भुंझ्या आय। तुमन अपन विचार अउ इच्छा मन दुआरा फइसला इन लेवव, पर अपन आत्मा के मदद लेवव जब तुमन अइसे करथव त तुमन उही शुरूआती दर्शन ल पाहव।

संदेह के अनुमति नइ!

अगर तुमन मं कोनो ल बुद्धि के घटी होवय, त पनमेसर ले मांगय, जोन बिन उलाहना दिये जम्मो ल उदारता ले देथे; अउ ओला घलो दिये जाही पर विश्वास ले मांगय अउ कुछ संदेह इन करय, काबर कि

संदेह करने वाला समुद्र के लहरा असन हवय जोन हवाले ळाहत अउ उछलत रहिथे।

अइसे मनुष ये ज्ञन समझय कि मोला परभु ले कुछ मिलही।

याकूब 1:5-7

मोर पादरी रिक शेल्टन एक कहानी बताथे कि जब ओ बाइबिल कालेज ले स्नातक हो गिस वो फइसला नइ कर पावत रिहिस कि अब ओ काय करय अउ ओ बहुत जादा गड़बड़ी मं पड़ गये रिहिस। पनमेसर ओकर हिरदे मं बल पूर्वक ये डालिस कि ओला सेंट लुइस, मिसूरी वापस आ जाना चाही अउ स्नातक उपाधि पाय के बाद उहां एक गिरजा के स्थापना करना चाही। ओ बखत ओकर कना केवल पचास डालर, पत्नी अउ एक बच्चा रिहिस अउ दुसर बच्चा अवइया रिहिस। हालात बने नइ रिहिस।

जबओ फइसला ले के कोशिश करत रिहिस ओला दु ठन बने प्रस्ताव मिलिस एक बहुत बड़े सेवकाई के संस्था मं काम के बुलावा मिलिस उहां तनखा बने रिहिस। सेवा के मऊका घलो बढ़िया रिहिस, अउ ये संस्था मं काम करे ले ओकर अहं घलो संतुष्ट होतिस। जतना जादा ओ सोचत रिहिस उतने ही जादा ओ विचलित होवत रिहिस। (अइसे लगथे कि संदेह महाशय ओकर ले भेंट बर आ गये रिहिस)।

एक बरवत अइसे रिहिस जब ओला मालुम रिहिस कि ओला काय करना हवय अउ अब ओ ये बुलावा मन के बीच मं डगमगावत राहय काबर कि ओकर हालात अइसे नइ रिहिस कि सेंट लुइस जावय। इहां दु में के एक बुलावा स्वीकार करे के परिक्षा मं फंसे हुए रिहिस। वो समझ नइ पावत रिहिस कि काय करय। आखरी मं ओ पादरी कहिस, “कोनो शांत वातावरण मं जां, अपन दिमाग ल आराम दे अउ अपन हिरदे मं देख के उहां काय हवय, अउ उही कर।” वो पादरी के सलाह मान लिस, ओला तुरंत पता लगगे कि ओकर हिरदे मं सेंट लुइस के गिरजा रिहिस, वो हिरदे के कहना ल मान लिस अउ ओकर परिणाम आश्चर्यजनक रिहिस।

आज रिक शेलटन मिसूरी के सेन्ट लुइस मं लाइफ किश्चियन सेटर के वरिष्ठ पादरी अउ संस्था पक हवय। आज लाइफ क्रिश्चियन सेटर गिरजा मं तीन हजार सदस्य हवय अउ एकर सेवा पूरा दुनिया भर मं हवय। ये समे मं वोकर सेवकाई दुआरा हजारों मनखे के जीनगी बदल गिस अउ बहुत लोग मन

ल आशीष मिलिस। मैं घलो पांच साल तक उहां सहायक पादरी के काम करे रहेंव, इही बरवत मोर सेवा लाइफ इन द वर्ड के जनम होइस जरा सोचव संदेह अउ अविश्वास कतना जादा चोरा लेतिस अगर पादरी शेलटन अपन हिरदे के सुने के बदला अपन दिमाग के सुन लेतिस।

संदेह एक चुनाव आय

भोर कन जब वो नगर लहुटत रिहिस, त ओला भूख लगिस अउ अंजीर के एक झाड़ एक सड़क के किनारे देख के वो ओकर पास गिस, अउ पत्ता मन ल छोड़ के ओमा अउ कुछ नइ पा के ओकर ले कहिस, अब ले तोर मं फिर कभु फर इन लगय: अउ अंजीर के झाड़ तुरते सूखा गिस।

देख के चेला मन अचंभा करिन, अउ कहिन, ये अंजीर के झाड़ काबर तुरते सूखा गिस?

यीशु ओमन ल जवाब दिस कि मैं तुमन ले सच सच कहत हंव, यदि तुमन विश्वास रखौ अउ संदेह इन करौ, त न केवल ये करहू, जोन ये अंजीर के झाड़ ले किये गिस: पर अगर ये पहाड़ ले कहिहव, कि उखड़ जा, अउ समुदर मं जा पड़ त थे हो जाही।

अउ जोन कुछ तुमन पराथना मं विश्वास ले मांगहू वो जम्मो तुमन ल मिलही।

मती 21:18-22

जब चेला मन चकित होके यीशु ले पूछिन किये अंजीर के झाड़ कइसे सूखा गिस, ओ ओमन ल जवाब दिस “यदि तुंहर अंदर विश्वास हवय” संदेह नइ “तब तुमन भी वोही कर सकथन जोन मैं ये अंजीर के झाड़ के साथ करे हंव—पर एकर ले बड़े बड़े काम करहू” (यूहन्ना 14:12)।

हमन पहली देख चुके हवन कि विश्वास पनमेसर के वरदान आय ये सति हमन जान थन कि हमर अंदर विश्वास हवय (रोमियों 12:3) पर संदेह एक चुनाव आय। हमर दिमाग मन के विरुद्ध ये सइतान के लडई के एक कला आय।

तुमन अपन विचार मन के चुनाव कर सकथव जब संदेह आथे त तुमन ल

एकला पहिचानना सीखना चाही अउ कहना चाही, “नइ तोला धन्यवाद”— अउ विश्वास म बने रहना चाही।

चुनाव तुंहर आय!

अविश्वास, आज्ञा नइ मानना आय

जब ओ भीड़ कना पहुंचितस त एक मनुष ओकर कना आइस, अउ घुटना टेक के काहन लगिस।

हे प्रभु मोर बेटा उपर दया कर; काबर कि ओला मिरगी आथे अउ वो बहुत दुःख उठाये अउ बेर बेर आगी मं अउ बेर बेर पानी मं गिर पड़थे।

अउ मैं ओला तोर चेला मन कना लाय रहेंव पर ओमन बोला बने नइ कर सकिन।

यीशु जवाब दिस, हे कम विश्वासी अउ हठी लोग मन मैं कब तक तुंहर साथ रहहूँ? कब तक तुंहर सहहूँ? ओला इहां मोर कना लावव।

त यीशु ओला घुड़क दिस अउ दुष्ट आतमा ओमा ले निकल गिस अउ लडका उही घडी बने हो गिस।

त चेला मन एकांत मं यीशु कना आके कहिन, हमन एला काबर नइ निकाल सकेन?

ओ उंकर ले कहिस, अपन विश्वास के घटी के कारण...

मत्ती 17:14–20

सुरता रखव अविश्वास आज्ञा तोड़ना आय। हो सकथे यीशु अपन चेला मन ल कुछ काम करे बर सिखाइस होही अउ अविश्वास के कारण ओमन ओकर आज्ञा नइ मानिन होही इही कारण ओमन असफल हो गिन होहीं।

खास बात ये हवय कि अविश्वास संदेह असन हमला वो सब करे ले रोकथे जेला पनमेसर हमला करे बर बुलाय हवय अउ हमर अभिषेक करे हवय। अउ हमन ओ शांति के आनंद घलो नइ ले पावन अउ हमर आत्मा मन के विश्राम घलो ये छीन ले थे (मत्ती 11:28–29)।

सब्त के विश्राम

तम हमन ओ विश्राम मं प्रवेश करे के कोशिश करन अइसेज्ञन होवय कि कोनो उंकर असन आज्ञा नइ मान के गिर पड़न।

इब्रानियों 4:11

अगर तुमन इब्रानियों के चौथा अध्याय पूरा पढ़हू त पता चलही कि ये सब्त के विश्राम के बारे मं काहत हवय जोन पनमेसर के लोग मन बर रखे हवय पुराना नियम के अनुसार सब्त के दिन विश्राम के दिन के रूप मं मनाय जाथे। नवा नियम के अनुसार सब्त के विश्राम के आत्मिक स्थान के रूप में कहे गये हवय हर विश्वासी के ये खास अधिकार हवय कि ओ दुःख अउ चिंता मन ल अस्वीकार करय। विश्वासी होय के कारण मैं अउ तुमन विश्राम मं प्रवेश कर सकथन।

इब्रानियों 4:11 के गहरा अध्ययन करे के बाद हमन ये जान जाथन कि हमन वो विश्राम मं कभु भी परमेवश नइ कर सकबो जब तक कि हमन विश्वास नइ कर लेवन, अउ हमन अविश्वास अउ आज्ञा नइ माने के दुआरा एला खो देबोन। अविश्वास हमला “जंगल के जीनगी” मं पहुंचा देथे पर यीशु हमर बर विश्राम के हमेशा रहनेवाला स्थान रखे हे जेला हमन विश्वास के जीनगी दुआरा पा सकथन।

विश्वास ले विश्वास बर जीना

काबर कि ओमा पनमेसर के धरम विश्वास ले अउ विश्वास बर परगट होथे: जइसे लिखे हवय कि विश्वास ले धर्मी जन जिन्दा रहही।

रोमियों 1:17

मोला एक घटना सुरता हवय जेकर ले तुमन ये बात सरलता ले समझ सकथव एक शाम मैं अपन घर मं घूम के काम निपटाय के कोशिश रहेंव अउ मैं बहुते दुःखी रहेंव। मोर अंदर खुशी नइ रिहिस—मोर हिरदे मं शांति नइ रिहिस। मैं पनमेसर ले पूछतेच रहेंव, “मोर साथ काय गलत होवत हवय?” मैं इही परकार सोचत रहत रहेंव अउ मैं सही मं नइ जानत रहेंव कि मोर साथ काय समस्या रिहिस। मैं जम्मो बात के अनुशरण करे के कोशिश करत रहेंव जोन मैं यीशु के साथ साथ चले बर सीखे रहेंव, पर तब ले कोनो न कोनो बात के कभी रिहिस।

उही समे फोन के घटी बजिस, अउ जब मैं बात करत रहेंव हाथ मं पवित्तर शास्तर के कारड के एक डब्बा रिहिस जेला कोनो ह मोला भेजे रिहिस। मैं अभी तक ओला देखे नइ रहेंव पर मोर हाथ मं रिहिस जब मैं फोन मं बात करत रहेव। जब बात कर चुकेव त मैं ओमा के एक कारड निकाल लिएंव अउ देखना चाहत रहेंव कि ओकर ले मैं उत्साहित हो सकथन या नइ।

मैं रोमियों 15:13 के कारड खींचे रहेंव “पनमेसर जोन आशा के दाता हे तुमन ल विश्वास करे मं जम्मो परकार आनंद अउ शांति ले भरपूर करय, कि पवित्तर आत्मा के सामर्थ ले तुंहर आशा बढ़त जावय।”

मैं ओला देखेव

मोर जम्मो समस्या अविश्वास अउ संदेश के रिहिस। के मैं सइतान के झूठ उपर विश्वास करके खुद ल दुःखी बनावत रहत रहेंव। मैं नकारात्मक हो गये रहेंव। मोर अंदर आनन्द अउ शांति नइ रिहिस काबर कि मैं विश्वास नइ करत रहेंव। अगर हमन अविश्वास मं जीयत रहे हवन त ये असंभो हवय कि हमर कना आनंद शांति होवय।

पनमेसर मं विश्वास करे के फइसला लेवव न कि सइतान मं।

विश्वास ले विश्वास बर जीना सीखव। रोमियों 1:17 के अनुसार पनमेसर के धरम परगट होय के केवल इही एक ही मारग हवय। पनमेसर मोर उपर ये परगट करिस कि विश्वास ले अउ विश्वास बर जीना हे। जबकि मैं अधिकतर विश्वास ले संदेह बर अउ संदेह ले अविश्वास बर जीये करत रहेंव। फिर थोड़ देरी बाद विश्वास मं आ जावत रहेंव अउ फिर संदेह अउ अविश्वास कुति वापस आ जावत रहेंव। इहीं कारण ले मोर जीनगी मं अतना समस्या अउ पीरा मन रिहिन।

सुरता करव याकूब 1:7,8 के अनुसार दुचिता मनखे अपन जम्मो काम मं अस्थायी होथे अउ जोन वो चाहथे ओला पनमेसर ले कभु पाय नइ सकय। तुमन निश्चय करलव कि तुमन दुचित्ता मनखे नइ बनहू। संदेह मं झन रहव।

पनमेसर कना तुंहर बर बड़े योजना हवय सइतान ल अपन झूठ दुआरा येला चोरावन झन देवय। पर हमन कल्पना मन ल अउ हर ऊंची बात जोन पनमेसर के पहिचान के विरोध मं उठथे खंडन करथन; अउ हर भावनाल कैदी बना के मसीह के आज्ञा मनइय्या बना देथन (2 कुरिन्थियों 10:5)।

प्रस्तावना

12

एक चिंतित अउ जिज्ञासु दिमाग

एक चिंतित अउ जिज्ञासु दिमाग

चिंता अउव्याकुलता दुनो मन दिमाग उपर आक्रमण करथें कि हमन पनमेसर के सेवा करे ले भटक जावन। बइरी घलो ये दुनो हथियार मन के उपयोग हमर विश्वास ल कम करे बर करथे जेकर ले हमन विजयी जीनगी नइ जी सकन।

इन कुढ़ ओकर ले बुरई ही निकल ही।

भजन संहिता 37:8

कुछ लोग मन ल चिंता करे के नशा असन होथे। अगर उंकर कना कोनो अइसे बात नइ हे जेकर उपर चिंता करंय त वोमन दुसर के हालात उपर चिंता करन लगथे। मैं घलो इही समस्या मं रहे व अउ मैं ये दशा के बने ढग ले वर्णन कर सकंथव।

काबर कि मैं कोनो बात उपर चिंतित हो जावत रहेव ये सति मैं ओ शांति के मजा कभु नइ ले पायेंव जोनल यीशु अपन मिरतु दुआरा मोइ बर रहेंव हृदय।

ये असंभो हबय कि हमन चिंता घलो करन अउ शांति ले जीनगी बिता सकन।

शांति अइसन बात नोहय जेला कोनो आदमी उपर रखे जाय सकत होवय: ये आतमा के फर आय (गलतियों 5:22) अउ ये फर दाखलता मं बने रहे के परिणाम आय (यूहन्ना 15:4) बने रहे के मतलब हे पनमेसर के विश्राम जोन इब्रानियों के चौथा अध्याय मं अउ पनमेसर के वचन मं कई स्थान मं बताय गये हवय।

बाइबिल मं कई शब्द हवंय जेमेन के अनुवाद चिंता करे गये हवय। किंग जेम्स संस्करण मं चिंता (वरी) शब्द का उपयोग नइ होय हवय। इन कुढ़ (भजन संहिता 37:8 चिंता इन करना (मत्ती 6:25) चिंता इन करव (फिलिप्पियो 4:6) जम्मो चिंता ओकरे उपर डाल दव (1 पतरस 5:7) ये कुछ संदर्भ चिंता शब्द के हवय। मैं ये जम्मो शब्द मन के स्थान मं चिंता के ही उपयोग करहूं।

चिंता के व्याख्या

वेबस्टर शब्दकोष ह चिंता वरी के व्याख्या ये परकार करे हवय 1. (क्रिया) चिंतित अथवा तनाव ले ग्रसित होना—थके हुए अनुभो करना 2. (संज्ञा) बुरा लगे के सोता।

जब मैं देखेव कि एक अउ मतलब हे विचलित कर देने वाला विचार मन के खुद उपर पीरा लाना, तब मैं उहीं, उही बखत फइसला कर लिएव कि मैं तो एमन ले काफी समझदार हवंव। अउ इही विश्वास मोला हर एक मसीही बर हवय। मैं सोचथंव कि विश्वासी मन कना काफी गियान रहित्थे ओमन बइठ के खुद उपर पीरा नइ ला संकय।

चिंता कोनो चीज ल बने नइ बनाय संकय ये सति एला तियाग काबर मइ दिये जाय?

परिभाषा के दुसर हिस्सा हं घलो मोला कुछ गियान दिस, “दांत ले गला ल चांब के हलाना अउ काटना, जइसे एक जानवर दूसर जानवर के साथ करथे या लगातार दांत मन ले काट के पीरा पहुंचाथे।”

ये परिभाषा उपर विचार केर के बाद मैं पायेंव कि सइतान चिंता के उपयोग करके हमर साथ बिल्कुल वइसने हे करथे जइसे उपर वर्णन किये गये हवय। जब हमन घलो चिंता ले घिरे हुए होथन हमन घलो वइसने अनुभो करथन जइसे कोनो हमला गला ले पकडके झिंझोड़ दिये होवय अउ हमन बुरी तरह घायल हो गये होवन। बार बार उही विचार मन मं आना उही परकार हवय जइसे परिभाषा के अनुसार दांत मनं दुआरा बेर बेर काटे जाना।

सइतान निश्चित रूप मं चिंता मन के दुआरा दिमाग उपर आक्रमण करथे। कुछ अइसे बात हवंय जेमन ले दिमाग ले करे बर विश्वासी ल निर्देश दिये गये हे; अउ बइरी निश्चित रूप से चाहथे कि अइसे ज्ञान होवय। ये सति सइतान दिमाग के ओ हिस्सा ल बुरा विचार मन दुआरा व्यस्त कर देथे कि दिमाग ओ काम ल ज्ञान कर सकय जेला पनमेसर करे बर कहे हवय।

ठीक काम जोन दिमाग दुआरा हमला करना हवय हमन ओला अगला अध्याय में देखवोन, अभी हमन चिंता के बारे मं ही धियान देबोन जब तक हमन ये बात ल समझ नइ जावन कि ये वास्तव मं कतना बेकार हवय।

मती 6:24–35 पढ़व जब तुमन महसूस करव कि तुंहर उपर चिन्ता के आक्रमण होवत हवय। हमन हर पद ल बने ढग ले देखबो कि पनमेसर हमर ले ये जरूरी विषय मं काय काहत हवय।

काय जीनगी ये जीनिस ले बढ़ के नइ हे?

ये सति मै तुमन ले कहिथं कि अपन परान बर ये चिंता झन करना कि हमन काय खाबोन? अउ काय पीबोन? अउ न अपन शरीर पर कि काय पहिनबोन? काय परान खाना ले अउ शरीर कपड़ा ले बढ़के नइ हे?

मती 6:25

जीनगी ल ऊंचा किसम के होना चाही कि येकर पूरा आंनद लिए जाय। युहन्ना 10:10 मं यीशु कहिथे, “चोर अउ कोनो काम बर नइ पर केवल चोरी करे पर अउ मारे पर अउ नाश करे बर आथे। मै ये संति आय हंव कि वो मन जीनगी पांवय अउ बहुतायत ले पांवय।” सइतान कई परकार ले ओ जीनगी हमर ले चोराय के कोशिश करथे—ओमा ले एक हवयं चिंता करना।

मती 6:25 मं हमला सिखाय गये हवय कि ये जीनगी मं अइसे कुछु भी नइ हवय जेकर ले हमन डरन। पनमेसर हमन ल जोन जीनगी दिये हवय ओमा दुसर चीज मन शामिल हवंय पर अगर हमन ओ चीज मनके बारे मं चिंता करथन त हमन ओ जम्मो चीज मन ल अउ ये जीनगी ल खो देबोन।

काय तुमन चिरई ले जादा कीमत नइ रखब?

आकाश के चिरई मन ल देखव ओमन न बोवंय, न काटंय अउ न कोठी मं बटोरंय: फिर भी तुंहर सरग के बाप ओमन ल खवाथे: काय तुमन उंकर ले जादा कीमत नइ रखव?

मती 6:26

कुछ समे चिरइ मन ल देखे मं बितावव। इही पनमेसर हमन ले करे बार कहे हवय।

अगर रोज नइ तो कभु कभु ओमन ल देख के उंकर जांच करव, हमन जान जाबोन कि पनमेसर कतका बढ़िया हमर ये पांख वाले मितान मन के चिंता

अउ सहायता करथे। वो ये बिल्कुल नइ जानंय कि उंकर अगला स्वाना कहां ले आही, फिर भी मैं अइसन कोनो चिरइ झाड़ उपर घइठे नइ देखे हंव जेकर चिंता के कारण शरीर शिथिल पड़ गये होवय।

“पनमेसर के मकसद इहां बहुते सरल हवय काय तुमन चिरइ ले जादा कीमत नइ रखव?”

चाहे तुमन कतना हीन भावना वाले काबर न होवव, तुमन निश्चित रूप में विश्वास कर सकथव कि तुंहर कीमत एक चिरई ले जादा हवय अउ देखव तुंहर सरग के बाप उंकर चिंता कतना बढ़िया ढग ले करथे।

चिंता करे ले तुमन ल काय फायदा?

तुमन में कोन हवय जोन चिंता करके अपन उमर में एक घड़ी घलो बढ़ा सकथे?

मती 6:27

एकर मकसद ये हवय कि चिंता बेकार हवय। एकर ले कोनो बने चीज नइ मिलय। अगर अइसे हवय त चिंता काबर करन?

चिंतित काबर हव?

अउ कपड़ा पर काबर चिंता करथव? जंगली सोसन मन उपर धियान देव कि ओमन कइसे बढ़थें, न तो परिश्रम करंय, न सूत कातंय फिर भी मैं तुमन ले कहिथंय कि सुलैमान घलो अपन जम्मो विभव में ओमन में के कोनो के समान कपड़ा पहिरे नइ रिहिस।

ये सति जब पनमेसर मैदान के घास ल जोन आज हवय अउ कल भाड़ में डाले जाही अइसे कपड़ा पहिराथे न हे कम विश्वास वाले तुमन ल ओ काबर नइ पहिराही?

मती 6:28–30

पनमेसर अपन सिरिरी के चीज मन में के एक के उदाहरण देके हमला ये बताना चाहथे कि एक फूल जोन कुछु नइ करय, ओकर घलो पनमेसर बढ़िया ले चिंता करथे अउ ओ अतना चमकथे कि सुलेमान घलो अपना जम्मो विभव

मं अइसे कपड़ा पहिरे हुए नइ रिहिस तब हमला घलो निश्चित हो जाना चाही कि पनमेसर हमर धलो बैइसनेहे चिंता करही।

ये सति चिंता झन करव!

ये सति तुमन चिंता करके ये मन कहिहव, कि हमन काय खाबोन या काय पीबोन, या काय पहिरबोन?

मत्ती 6:31

“मै ये पद मं एक सवाल अउ जोड़ना चाहथंव” अब हमला काय करना चाहीं?

मै सोचथंव कि सइतान अपन दूत मन ल विश्वासी मन कना ये सति भेजथे कि ओमन विश्वासी के कान मं बेर बेर ये वाक्य दुहरावत रहंय। ओमन कठिन सवाल मन के बौछार करथें अउ विश्वासी आपन समे ओकर जवाब खोजे मं बरबाद कर देथें। सइतान लगातार दिमाग के युद्ध भूइय्या मं लड़ई छेड़थे कि एक मसीही उही मं व्यस्त हो जावय।

धियान देवव कि पद 31 में पनमेसर हमला चिंता नइ करे के निर्देश थे सुरता रखव हमन मुंह मं उही बात बोलथन जोन हसर हिरदे के भंडार मं होथे (मत्ती 12:34) बइरी ये जानथे कि अगर ओ हमर दिमाग मं गलत बात डाल दीही त हमर मुंह ले घलो बाहिर आही। हमर शब्द बहुत महत्त्वपूर्ण होथे काबर कि उही हमर विश्वास ल मजबूत करथे—या हमर विश्वास के कमी ल बताथे।

पनमेसर ल खोजव, वरदान नई

काबर कि अन्य जाति ये जम्मो जीनिस के खोज म रहिथें अउ तुहर सरम के बाप जानथे, कि तुमन ल ये जम्मो जीनिस चाही।

ये सति पहिले तुमन ओकर राज अउ धरम के खोज करव त ये जम्मो जीनिस धलो तुमन ल मिल जाही।

मत्ती 6:32,33

ये साफ हवय कि पनमेसर के बच्चा मन ल ये संसार असन नइ होना हे। संसार जीनिस मन के खोज मं रहिथे पर हमला पनमेसरल खोजना हे। वो ये

परतिज्ञा करे हवय कि अगर हमन अइसे करबो त ये जम्मो जीनिस मन ल हमला दे दिये जाही जेला वो जानथे कि हमला उकरं जरूरत हवय।

हमला पनमेसर के चेहरा खोजना चाही न कि ओकर हाथ हमर सरग के बाप अपन बच्चा मन ल बने जीनिस मन ल दे ले परसन्न होथे पर केवल तभे जब हमन ओकर खोज मं झन होवन।

पनमेसर हमर मांगे के पहिली ही जानथे कि हमला कोन जीनिस मन के जरूरत हवय अगर हमन अपन निवेदन विनती के साथ ओकर आगु लाबो त वो अपन बरवत मं ओमन ल पूरा कर ही। (फिलिपियों 4:6) चिता हमर कोनो मदद नउ करइय्या हे। सच तो ये हवय कि ये हमर विकास ल रोक देथे।

एक बार मं एक दिन ही लेवव

त काली के चिंता झन करव काबर कि काली के दिन अपन चिता खुद कर लीही आज बर आजे के दुःख बहुत हवय।

मती 6:34

मैं चिता के वर्णन ये परकार ले करथंव जइसे आज के जम्मो दिन काली के दिन के बारे मं सोच के बिता देना। पनमेसर जोन हमला समे दिये हवय ओकर बढ़िया उपयोग करना हमला सीखना चाही।

जीनगी इहां अउ अभी जीना हे!

दुःख के बात हवय कि बहुत कम लोग ये जानथें कि हर दिन पूर्णता के साथ कैइसे जीये जा सकथे। हो सकथे कि तुमन घलो ओमा से एक होवव। यीशु कहिथे कि सइतान जोन हमर बइरी हे आये अउ तुंहर जीनगी चोरा ले थे (युहन्ना 10:10) ओला अब अइसे करे के अनुमति झन देवव। काली के बारे मं चिंता करके आज के दिन ल झन गंवांवव। आज तुंहर कना करे पर बहुत काम हवय ओमा अपन धियान दव आज तुमन ल जोन जीनिस के जरूरत हवय ओकर बर पनमेसर के अनुग्रह तुंहर कना हवय ओला काम करन दव, पर काली के अनुग्रह काल के साथ आही—ये सति आज के दिन घरबाद मन करव।

कुढ़व नइ अउ न चिंता करव

कोनो भी चिंता मत करव पर हर बात मं तुंहर निवेदन पराथना अउ

विनती के दुआरा धन्यवाद के साथ पनमेसर के आगु रखे जाय।

फिलिपियो 4:6

जब चिंता के हमला होथे त ओकर बर पवित्र शास्तर के एक अउ सुंदर पद हवय जेकर ले हमन कुछु सीख सकथन।

मुंह ले पनमेसर के वचन बोले बर मैं तुंहर ले आग्रह करत हंव ये दुधारी तलवार हवय जेकर उपयोग बइरी के विरुद्ध किये जाना चाही। (इब्रानियो 4:12; इफिसियों 6:17) तलवार जब तक मियान म हवय ओकर कोनो लाभ नइ हे।

पनमेसर अपन वचन हमला दिये हवय एला उपयोग मं लावव ये परकार के पद मन ल याद कर लेवव अउ जब सइतान आक्रमण करथे ओकर आक्रमण ल इही हथियार दुआरा विफल कर दव, जइसे यीशु घलो वचन के उपयोग करके सइतान के आक्रमण ल विफल कर दिये रिहिस।

कल्पना मन के खंडन करव

त हमन कल्पना मन ल अउ हर ऊंचा बात ल जोन पनमेसर के पहिचान के विरुद्ध उठथे, खंडन करथन, अउ हर भावना ल कैदी बना के मसीह आज्ञाकारी बना देथन।

2 कुरिन्थियो 10:5

जब हमर अंदर अइसन विचार आये जोन पनमेसर के अनुसार नइ हे तब सइतान ल चुप कराय के सबसे बढिया तरीका हे वचन बोलना।

एक विश्वासी के मुंह ले जोन वचन विश्वास के साथ निकलथे उही अकेले हथियार के दुआरा चिंता मन के विरुद्ध युद्ध ल जीते जा सकथे।

अपन जम्मो चिंता मन ल पनमेसर उपर डाल देव

ए सति पनमेसर के बलवान हाथ के नीचे दीनता ले रहव, जेकर ले वो तोला सही बरवत मं बढावय।

अउ अपन जम्मो चिंता ओकर उपर डाल देव काबर कि ओला तुंहर धियान हवय।

1 पतरस 5:6,7

जब बड़री हमला कोनो समस्या देखे त हमर कना खास अधिकार हवय कि हमन ओ समस्या ल परमु उपर डाल देवन। शब्द “डाल देवन” सही मतलब हे गिराना या फेंक देना। तुमन अउ मैं अपन समस्या ल पनमेसर कुती फेंक सकथन ओ ओमन ल लपक लीही। वो जानते थे कि ओला ओकर साथ काय करना हवय।

ये खंड हमला बताथे कि अगर हमन नम्र बनना चाहथन त: हमला चिंता करना छोड़ना पड़ही। चिंता दिमाग के स्थिति आय जेमा दिमाग के समस्या के हल करे बर एति ओति दउड़त रहिथे। घमंडी मनुष चिंता करथे जब कि नम्र मनुष इंतिजार करथे।

केवल पनमेसर हमला छुड़ा सकथे अउ ओ चाहथे कि हमन ये बात जानन कि चाहे कोनो भी हालत काबर नइ होवय हमला ओकर उपर सहारा लेना हे कि हमन ओकर विश्राम मं परवेश कर सकन।

पनमेसर के विश्राम

हे हमर पनमेसर, काय तै उंकर नियाय नइ करबे? ये जोन बड़े भीड़ हमर उपर चढ़ाई करत हवय, ओकर सामने तो हमर बस नइ चलय अउ हमला कुछु सुझय नइ कि काय करना चाही? पर हमर आंवी मन तोर कुती लगे हवय।

2 इतिहास 20:12

ये पद ले मै मया करथंव इहां येमन निश्चित रूप मं तीन बात मन ल समझत हवंय:

1. बड़री मन के आगु कोनो बस नइ हवय।
2. ओमन नइ जानत रिहिन कि ओमन ल काय करना हवय।
3. ओमन ल अपन आंखों मन ल पनमेसर कुती लगाय के जरूरत हवय उही खंड मं पद 15 अउ 17 मं हमन देखथन कि पनमेसर ओमन ले कहिस।

...तुमन ये बड़े भीड़ ले झन डरव तुंहर दिमाग कच्चा झन होवय, काबर कि युद्ध तुंहर नइ पनमेसर के हवय...

ये लडई मं तुमन ल लड़ना नइ पड़ही दृढ़ होके पनमेसर के अपन बचाव देखव...

हमर स्थिति काय हवय? स्थिति हवय यीशु मं बने रहना अउ पनमेसर के विश्राम मं परवेश करना। पनमेसर के इतिजार करना अउ अपन आंखी ओकरे उपर केंद्रित करना, जोन वो हमला करे बर कहय ओला पूरा करना अगर नइ तो शरीर मं हमन हमेशा भयभीत रहिबोन।

पनमेसर के विश्राम मं परवेश करे के बारे मं मै ये कहना चाहथंव कि बिन विरोध के “पनमेसर के विश्राम” नाव के कोनो बात नइ हवय।

ये बात ल समझाय पर मै ये कहानी तुमन ल सुनाना चाहथंव—दू चित्रकार मन ल शांति के चित्र बनाय बर कहे गिस। एक कलाकार पहाड़ मन ले बहुत दूरिहा एक शांत ठहरे हुए झील के चित्र बनाइस। दूसर के तेज बहइय्या झरना बनाइस ओ झरना उपर झूके जगली झाड़ बनाइस अउ ओकर डार मं आराम करत एक चिरइ बनाइस।

ये दुनो चित्र मन मं कोन से चित्र सही मतलब म शांति ल दिखाथे? दूसर चित्र काबर कि बिन विरोध के शांति नांव के कोनो चीज नइ होवय। पहली चित्र निश्चलता ल दिखाथे हो सकते कोनो हवा खोरी बर उंहां जाना चाहय काबर कि ये चित्र शांत वातावरण ल दिखाथे पर “पनमेसर के विश्राम” के सही चित्र नोहय।

यीशु कहिथे “मैं तुमन ल शांति दिये जांथव, आपन शांति तुमन ल देवत हंव; जैइसे संसार तुमन ल देथे मै तुमन ल नइ देवंव...” (यहुन्ना 14:27) ओकर शांति आत्मिक शांति आय अउ ओकर विश्राम तूफान के बीच मं काम करथे बिन तूफान के नइ। यीशु ये सति नइ आइस कि हमर जीनगी ले जम्मो विरोधी बात मन ल दूर कर देवय पर जीनगी के तूफान मन ले निपटे पर हमला एक अलग तरीका सिखाइस हमला अपन ओकर जुवा ले लेना हे अउ ओकर ले सिखना हे (मत्ती 11:29) एकर मतलब हवय हमला वैइसने हे जीनगी जीना सिखना हे। जइसे ओकर जीनगी रिहिस।

यीशु चिंता नइ करिस ये सति हमला चिंता नइ करना चाही।

अगर तुमन ये बात के इतिजार करत व कि तुमन कना चिंता करे के कोनो विषय झन होवय एकर पहिले कि तुमन चिंता करना बंद कर देवत त

मोला बताना हवय कि असना समे कभु नइ आही। मै नकारात्मक नइ हंव। मै निष्कपट हंव।

मती 6:34 हमला सलाह देथे कि हमला काली के चिंता नइ करना चाही कि हर दिन बर अपने ही काफी समस्यामन हवय। यीशु खुद ये कहे रिहिस अउ ओ निश्चय नकारात्मक नइ रिहिस। तूफान के बीच रहत हुए घलो शांत रहना, पनमेसर के विश्राम के आनन्द उठाना, ये जम्मो बात मन म पनमेसर के महिमा होथे काबर कि एकर ले सिद्ध होथे कि ओकर काम के तरीका सफल हे।

चिंता, चिंता, चिंता

मै अपन जीनगी के अधिकांश साल अइसे बात मन के चिंता करे मं गवा दिएंव जेकर मन उपर मोर कोनो बस नइ रिहिस। मै ये चाहहंव कि काश वो साल वापस लहुट आवंय अउ फिर अलग तरीका ले वो साल बितावंव। पनमेसर जोन समे हमन ल दिये हवय एक बार ओला नाश करे के बाद ये असंभो हवय कि ओ समय फिर वापिस आ जावय अउ हमन दुसर परकार ले ओला बितावन।

मोर आदमी कभु चिंता नइकरिस। कभु कभु मै ओकर ले गुस्सा हो जावत रहेंव काबर कि ओ मोर साथ ओ बात मन उपर चिंता नइ करत राहय जब मै ओ जेकर आशा नइ हे संभावना नइ हे बात करत राहंव जेमा अगर पनमेसर हमर सहायता करे पर नइ आही त काय होही। मै रसोइ म बइठ जाय करत रहेव अउ ओ जम्मो बिल अउ चेकबुक ल देख के परेशान हो जाय करत रहेंव काबर कि बिल हमर जम्मो पइसा मन ले जादा हो जाय करत राहय। अउ देव दुसर कमरा मं बच्चा मन के साथ खेलत रहे करय, टेलीविजन देखत रहे करय अउ बच्चा मन ओकर उपर चढ़ के ओकर बाल मन म रोलर चलावत रहत होवंय।

मोला सुरता हवय कि मै बहुत कड़वा भाष म ओकर ले कहे करंव, “तै खेले के बदला इहां काबर नइ आवस अउ कुछ करतेस जइसे मै अव्यवस्था ल ठीक करे के कोशिश करत हवंव” ओ कहय, “तैं काय चाहथस कि मै करंव?” मै कुछ नइ जानत रहेंव मै तो केवल ये कारण गुस्सा रहेंव कि जब मै आर्थिक बात मन ल सुलझाय के कोशिश करत हवंय अइसे बखत मं ओ मजा से खेलत हवय।

डेव मोला समझाय के कोशिश करय ये सुरता करा के कि पनमेसर हमर जरूरत मन ल हमेशा पूरा करत रहित्थे बस हमला हमर काम पूरा करत रहना चाही चाही (दसमांश देना, पराथना करना, अउ भरोसा करना) अउ पनमेसर अपन काम पूरा करत रही (मै इहां साफ कर दंव कि डेव विश्वास करत रिहिस जब कि मै चिंता करत रहेंव) मै डेव अउ बच्चा मन के साथ कमरा म आयेंव अउ थोड देर के बाद फिर उही विचार मोर दिमाग मं लहुट आइस, “अब हमन काय करबोन ये बिल मन ल कइसे पटाबोन? काय होही अगर...।”

अउ फिर मै ये जम्मो आशंका मन ल अपन कल्पना के पर्दा मं एक सिनेमा असन देखन लगेव—बंधक बनाय जाना, कार छिन जाना अपन मितान अउ रिस्तेदार मन लं अपन आर्थिक संकट बताना अगर ओमन ले आर्थिक सहायता मांगना होवय। काय तुमन घलो ये परकार के सिनेमा देखे हव या ये परकार के विचार तुहर दिमाग मं घूमे हवय? जरूर ये होय होही, नइ तो तुमन ये पुस्तक नइ पढ रहे होतेव।

मै फिर रसोइघर मं गर्येंव, जम्मो रसीद निकारेंव केलकुलेटर अउ चेक बुक उठा के फिर उही काम करना शुरू कर देंव। जतना जादा मै ये करंव उतना जादा परेशान मै हो जावंव। मै डेव अउ बच्चा मन उपर चिल्लालेंव कि ओमन मजा करत हवंय जबकि मै जम्मो “जिम्मेदारी” उठावत हवंव।

वास्तव मं मै जोन अनुभव करत रहेंव वो जिम्मेदारी मन नइ रिहिन पर ओ चिंता रिहिस जेकर बर पनमेसर कहे हवय कि जम्मो चिंता मोर उपर फेंक देवव।

अब मै ये बात ल समझथंव कि हमर शुरू के बिहाव के जीनगी के शाम मन ल जोन पनमेसर मोला दिये रिहिस मै ओमन ल बेकार मं गंवा दिये रहेंव, समे कीमती वरदान आय। पर मै ये सइतान ल दे दियें रहेंव। तुंहर समे तुंहर आय बुद्धिमान्नी एला एकर उपयोग करव फिर तुमन ल अइसन समे नइ मिलहीं।

पनमेसर हमर जम्मो जरूरत ल पूरा करथे, अउ ओ अइसे कई तरीका ले करथे। वो कभु हमला निराश नइ करय—एक बार घलो नइ। पनमेसर विश्वास योग्य।

चिंता झन करव—पनमेसर उपर भरोसा रखव

तुंहर स्वभाव लोभरहित होवय, जोन तुंहर कमा हवय हवय, ओकरे उपर संतोष करव; काबर कि ओ खुद कहे हवय, मै तोला कभुनइ छोड़ हूं अउ न कभु त्याग हूं।

जब हमन ये सोच मं पड़ जाथन कि पता नइ हे पनमेसर हमर जरूरत मन ल पूरा करही या नइ तब पक्तिर शास्तर के ये गौरवशाली बचन हमन ल उत्साहित करथे।

ये खंड म पनमेसर ये चाहथे कि हमन ये बात जान लेवन कि हमला अपन दिमाग धन उपर नइ लगाना हवय ये बात मं अचरज नइ करना हवय कि हमन कोन परकार अपन देखभाल करबो काबर कि ओ हमर देखभाल करही। ओकर ये परतिज्ञा हवय कि न वो हमला छोडही न त्याग ही।

अपन हिस्सा के काम करत रहन पर पनमेसर के हिस्सा के काम करे के कोशिश इन करन। ये बहुत भारी हवय—अगर तुमन सावधानी नइ रखहू न तुमन ये बोझ ले टूट जाहव।

चिता इन करव। **यहीवा उपर भरोसा रखव अउ भला करव देश म बसे रहव अउ सचाई मं दिमाग लगाय रहव।** (भजन संहिता 37:3)

ये परतिज्ञा आय।

प्रस्तावना

13

एक दोषी ठहरइया छिद्रान्वेशी
अउ शंकालु दिमाग

एक दोषी ठहरइया छिद्रान्वेशी अउ शंकालु दिमाग

प्रस्तावना
13

दोषी ठहरइय्या, समालोचक, अउ शंकालु व्यवहार के कारण मनखे मन के जीनगी कई कष्ट मन आ जाथे। ये शत्रु मन के कारण हमर एक दुसर के साथ रिस्ता बरबाद हो जाथे। एक बार अउ दिमाग युद्ध भूइया हवय।

दोष झन लगावव कि तुंहर उपर
धलो दोष झन लगाय जावय।

मती 7:1

विचार—“मैं सोचथंव”—एक मनखे ला अकेला रहइय्या बना देय बर सइतान ये हथियार के उपयोग कर सकथे। अइसे मनखे के साथ रहना कोनो पसंद नइ करय जो हर बात में अपन सलाह देना चाहथें।

उदाहरण पर मैं एक अइसे औरत ल जानत रहेंव जेकर मरद एक बहुत धनी व्यापारी रिहिस ओ शांत सुभाव के रिहिस, अउ औरत चाहत रिहिस कि ओ जादा किये करय। ओ बहुत अकन चीज मन के बारे में बहुत कुछ जानत रिहिस। औरत ओकर उपर तब बहुत गुस्सा हो जाय करय जब ओ कोनो समुह में होवत राहय अउ बातचीत कोनो अइसे विषय में शुरू हो जावत रिहिस जेकर बारे में ओकर मरद ल बढ़िया गियान राहत रहय, अउ वो बढ़िया ढंग ले दुसर मन ल ये बारे में बता सकत रिहिस पर वो नइ बतावत रिहिस।

एक शाम वो अउ ओकर औरत कोनो पार्टी के बाद जब घर लौट के आइन ल औरत ताड़ना देवत कहिस “तैं उहां ओ लोग मन ल ओ सब काबर नइ बतायेस जेला तैं बढ़िया ढंग ले जानथस अउ ओ लोग मन उही विषय में बात करत रिहिन? तैं केवल उहां बइठे रहेस अउ ये परकार व्यवहार करत रहेस जइसे तैं कुछ भी नइ जानत हवस।”

“मैं जोन जानथंव वो तो मैं जानथव ही” वो कहिस, “मैं शांत होके सुनत रहेंव जेकर ले पता लगा सकंव कि दुसर काय जानथें।”

मैं कल्पना कर सकथंव कि इही कारण वो धनी मनखे रिहिस। वो बुद्धिमान भी रिहिस। बहुत कम मनखे बिन बुद्धि के धन पाथें। जोन लोग रिस्ता बनाय में बुद्धी ल काम में नइ लावंय अइसे लोग मन के मितान घलो कम होथें।

दोष लगाना, अपन सलाह थोपना अउ गलती ढूँढना ये तीन बातमन हंवय जेकर ले रिस्ता खतम हो जाथे। शक नइ हवय कि सइतान मोर अउ तुंहर ले इही चाहथे कि हमन अकेला पड जावन हमला अस्वीकार किये जावय कि वो हमर दिमाग के ये क्षेत्र मं हमला करदेवय। मै आशा करथंव किये अध्याय मं हमन वो गलत विचार मन ल पहिचानना सीखबोन अउ शंका के कइसे निपटे जावय ये छलो सीखबोन।

दोष लगाय के व्याख्या

यूनानी शब्द जेकर अनुवाद दोष लगाना अनुवाद किये गये हवय पुराना अउ नवा नियम के शब्द मन के “वाइन” शब्दकोष मं ओकर व्याख्या ये परकार करथे दुसर मनके उपर फइसला देना अउ एकर संदर्भ एक दुसर शब्द “बुरा अपराधी बताना” ले घलो। दिये गये हवय।

ये परकार “दोष” के व्याख्या हवय। “एक धारणा बना लेना” अउ एकर संदर्भ दण्ड ले घलो दिये गये हवय।

केवल पनमेसर कमा ही ये अधिकार हवय कि ओ कोनो ल बुरा अपराधी या दण्ड के फइसला सुना सकय ये सति जब हमन कोनो उपर दोष लगाथन त हमन खुद अपन ल पनमेसर के बरोबर ठहराथंन।

मै तुंहर बारे मं तो नइ जानव पर मोर अंदर थोडकन “पनमेसर के भय” जाग जाथे। मै पनमेसर बने के कोशिश मं इच्छुक नइ हंव। कोनो समे मोर सुभाव मं ये विषय बड़े समस्या असन रिहिस अउ मोला विश्वास हवय कि कुछ बात मन ल परमेसर मोला दिखाय हे ओला अगर तुंहर साथ बांटहूं त तुमन ल ओकर ले कुछ सहायता मिलही गलती खोजना अपन सलाह थोपना अउ दोष लगाना ये जम्मो मन के एक दुसर ले रिस्ता हवय ये सति हमन ये जम्मो के अध्ययन एक बड़े समस्या के रूप मं करबोन मै एक गलती ढूँढने वाला (छिद्रान्वेशी) या समालोचक रहेंव मै सही चीज ल देखे के बदले हमेशा गलती ही। देखे करंव। कुछ लोग मन मं ये दोष दुसर मन ले जादा रहिथे। कुछ परसन्न स्वभाव वाले लोग जीनगी मं केवल “खुशी अउ हंसी ल छोड़ कुछ देखना नइ चाहंय कि उंकर आनंद बने रहय।” निराशा वादी अउ शासन करने वाला सुभाव वाले लोग जादाकर गलती ल ही देखथें ये परकार के लोग मन अपन नकारात्मक सलाह दे मं बहुत उदार होथें।

हमला समझ लेना चाही कि हमन सब अपन ढग ले बात मन ल देखथन हमन लोग मन ल बताना चाहथन कि हमन काय सोचथन, जोन हमन सोचथन वो हो सकथे हमर बर ठीक होवय पर ये जरूरी नइ हे कि ओ तुंहर पर घलो ठीक होवय पर ये जरूरी नइ हे कि ओ तुंहर पर घलो ठीक होवय। बिन शक के हमन जानथन “तै चोरी झन करबे” सब बर ठीक हे पर मै इंहां ओ हजारो बात मन उपर बात करत हंव जेकर रोज सामना होथे वे नतो गलत हवय न ठीक पर केवल खुद के चुनाव मं निर्भर रहिथे। बिना कोनो बाहरी दखलदांजी के दुआरा चुनाव करना।

मोर मरद बहुत बात मन मं बहुत अधिक अलग हवय। ओमा के एक बात हवय घर ल कइसे सजाय जाय। अइसे नइ हवय कि ओ चीज हमला पसंद नइ आवय जेला दुसर चुन लेथें पर जब हमन घर के चीज खरीदे बर बजार जाथन त हमेशा अइसे होथे कि डेव ल कोनो अउ चीज पसंद आथे अउ मोला कुछ अउ, काबर? अइसे ये सति काबर कि हमर दुनो के सुभाव अलग हवय। ओकर सलाह उतना ही बने होथे जितना मोर अउ मोर उतना ही बने होथे जितना ओकर, पर दुनो सलाह अलग हवय।

ये समझे मं मोला सालों लग मिस कि डेव एक गलत मनखे नइ रिहिस अगर मोर विचार ले सहमत नइ रिहिस। अउ मोर ये व्योहार के कारण हमर रिस्ता मं एक तनाव आ गये रिहिस।

घमंड: अहं समस्या

...मै तुम जम्मो ले काहत हंव, जइसे समझना चाही, ओकर ले बढ़के कोनो भी अपन आप ल झन समझय पर जइसे पनमेसर हर एक ल परिमाण के अनुसार बांट दिये हवय, वइसे ही बने बुद्धि के अनुसार अपन ल समझय।

रोमियो 12:3

दोष लगाना आलोचना करना ये दुनो एक गहरा समस्या घमंड के फर आय। जब हमर घमंड जतना बड़े होना चाही ओकर ले भी बड़े हो जाथे तब ये हमर सामने कई समस्या मन ल ले आथे बाइबिल लगातार एकर बारे मं चेतावनी देथे।

जब हमन कोनो क्षेत्र मं दुसर मन ले बहुत बने होथन वो ये सति काबर कि पनमेसर हमला ओकर बर अनुग्रह के वरदान दिये हवय अगर हमन खुद के बारे मं बहुत ऊंचा विचार रखथन त हमन दुसर मन ल अपन ले कम देखना शुरु कर देथन ये परकार के विचार या व्योहार पनमेसर के नजर मं धिनौना हवय अउ ये शत्रु बर हमर जीनगी मं कई दुआरी खोल देथे।

पवित्तर डर

हे भाई मन, अगर कोनो मनुष अपराध मं पकड़े जावय त तुमन जोन आत्मिक हव, नम्रता के साथ अइसना मन ल संभालव, अड अपन घलो चौकसी करव कि तुमन घलो परिसा मं झन गिरव।

एंक दुसर के बोझा उठावव, अउ ये परकार मसीह के व्यवस्था ल पूरा करव।

अगर कोनो कुछ नइ होय पर भी अपन खुद ल कुछ समझथे त अपन खुद ल धोखा देथे।

गलतियो 6:1-3

धियान ले पवितर शास्तर के ये पद मन ल जांचे ले हमला सफा पता चलथे कि हमन कोन परकार दुसर के कमजोरी ल दूर कर सकथन। हमर अंदर एक परकार के दिमागी व्योहार जगा देथे जेला हमला बनाय रखना हे। ये हमर अंदर “पवितर डर” होना चाही। अउ दुसर मन उपर दोष लगाय अउ उंकर आलोचना ले सावधान रहना चाही।

हमन कोन हवन जोन दुसर मन उपर दोष लगांथन?

तैं कोन हवस जोन दुसर के सेवक उपर दोष लगाथस? ओकर स्थिर रहना या गिर जाना ओकर मालिक ही ले संबंध रखथे, वरन वो स्थिर ही कर दिये जाही; काबर कि परमु ओला स्थिर रख सकथे।

रोमियो 14:4

येला ये परकार ले सोचव, मान लव तुंहर पड़ोसिन तुहर दुआर मं आय हे अउ तोला निर्देश देवन लगथे कि तोर बच्चा मन ल कोन से कपड़ा पाहिर के स्कूल जाना चाही या कोन विषय ल स्कूल म चुनना चाही त तोर काय जवाब

होही? या तोर पड़ोसिन तोर ले कहिथे कि तोर नौकरानी जइसे तोर घर के सफाई करथे ओला पसंद नइ हे (जबकि तै नौकरानी के काम ले पूरा संतुष्ट हंव) तै पड़ोसिन ल काय बोलबे?

इही बात ये पद मन मं कहे गये हवय। हम जम्मो पनमेसर के हवन चाहे हमर भीतर कमजोरी काबर न होवय, वो हमला स्थिर करथे अउ धर्मी ठहराथे। हमन पनमेसर के जवाब दार हवन एक दुसर के नइ; इही कारण हमला आलोचना करे के दुआरा एक दुसर उपर दोष नइ लगाना हे।

लोग मन के दिमाग मन मं दोष लगइय्या अउ आलोचना भरे विचार मन ल भरे मं सइतान बहुते व्यस्त रहिथे। मै वो बात सुरता करथंव जब मै कोनो पार्क मं बइठ के या मॉल मं लोग मन ल देख के उंकर बारे मं अपन दिमाग मं विचार धारणा बना लेवत रहेव, उंकर बाल मन ल देख के उंकर पहिरावन ल देख के उंकर साथी मनल देख के बहुत परसन्न हुए करत रहेंव। अभी धलो हमन दुसर मन पर विचार धारणा बना लेथन पर ओला परगट नइ करन। मोला विश्वास हवय कि हमन ओ स्थान तक पहुँच सकथन जिंहा हमर कना बहुत जादा विचार धारण मन होवय अगर तो भी त आलोचना करइय्या इन होवय।

मैं प्रायः खुद ले कहिथंव, “जॉयस तोला एकर ले कुछ लेना देना नइ हे” जब तुमन के विचार धारणा के सोच गुण दोष बतइय्या बन जाथे तब ये एक समस्या के रूप ले लेथे। जतना जादा तुमन ये बारे मं सोचथव उतने बड़े समस्या ये बनत जाथे जब तक तुमन एला दुसर मन उपर परगट नइ करव या ओ मनखे बर जेकर बारे म तुमन धारणा बनाय हवव। तब ये विस्फोट करने वाला बन जाये अउ हमर आत्मिक रिस्ता मन ल बहुते नुकसान पहुंचाये। तुमन खुदल ये समस्या ले बचा सकथव अगर से कहना सीख लेवव “एकर ले मोला कोनो लेना देना नइ हे।”

दोषी बतलाना अउ गलती छांटना मोर घराना मं बस के बाहिर रिहिस इही कारण मैं “उंकर साथ साथ” बड़े होएंव हो सकथे तुहर साथ घलो अइसे हो होही; ये वइसने ही हवय जइसे टुटहा गोड़ ले गेंद खेले के कोशिश करना। मै पनमेसर के साथ “गेंद खेले के” कोशिश करत रहेंव अउ मै ओकरे असन करना चाहत रहेंव ओकर असन सोचना चाहत रहेंव पर मै अइसे भइ कर सकेंव। एकर पहिले कि मैं अपन दिमाग के गढ़ मन ल जान पातेंव अउ ओकर ले निपटतेंव कि मोर व्योहार बदल सकय, मै कई साल तक दुःख मं बिताएंव।

सुरता रखव तुंहर काम तब तक नइ बदल सकय जब तक तुंहर दिमाग नई बदल जावय।

मती 7:1-6 हमला दोष लगाय अउ आलोचना करे के बारे मं बहुत कुछ सिखाथे। जब तुंहर दिमाग मं ये परकार के समस्या होवय त तुमन ये खंड पढ़व। चिल्ला के पढ़व अउ साइतन जोन तुंहर मन मं गढ़ बनाय के कोशिश करत हवय ओकर विरुद्ध एला हथियार बना के उपयोग करव हो सकथे ओ उही गढ़ ले अपन काम करत होही जोन वो सालों ले बना के उहां रखे हवय।

हमन ये खंड ल देखबोन अउ हर हिस्सा के मै व्याख्या करहूँ।

बोय अउ काटे के नियाय

दोष झन लगावव—कि तुंहर उपर घलो दोष न लगाय जावय।

काबर कि जइसे तुमन दोष लगाथव उही परकार तुंहर उपर छलो दोष लगाय जाही, अउ जोन माप ले तुमन नापथव ओकरे से तुंहर बर घलो नापे जाही।

मती 7:1-2

ये पद हमला सफा सफा बताथे कि हमन जोन बोबोन उही काटबोन (गलतियो 6:7) बोना अउ काटना केवल किसानी मं ही नइ होवय येकर उपयोग दिमागी क्षेत्र मं घलो होथे। जइसे फसल अउ धन मं बोना अउ काटना होथे उही परकार व्योहार ल घलो हमन बो अउ काट सकथन।

एक पादरी जेला मै जानथंव अक्सर कहिथे कि जब वो ये सुनथे कि कोनो ओकर बारे मं गंदा या दोष लगइय्या बात काहत हवय त ओ खुद ले पूछथे “काम ओमन बोवत हवय या मै काटत हवव?” बहुत बार हमन अपन जीनगी म उही काटथन जोन हमन बहुत पहिले कोनो दुसर के जीनगी मं बोय रहेन।

वैद्य अपन इलाज कर

तैं काबर अपन माई के आंखी के तिनका ल देखथस, अउ अपन आंखी के लड्डा तोला नइ दिखय? जब तोर ही आंखी मं लड्डा हवय त तैं अपन भाई ले काबर कहे सकथस कि ला मै तोर आंखी ले तिनका हेर देवंव।

हे ढोगी पहिले अपन आंखी ले लह्वा निकाल ले तब तैं अपन भाई के आंखी के तिनका बने देख के निकाल सकबे।

मती 7:3-5

सइतान ल ये बने लगथे कि हमन दुसर मन के दोष निकालेनमं खुद ल बझाय रखन। ये परकार हमन अपन ल कभु नइ देख पाबोन कि हमन मं काय गलत हवय जेकर ले हमन निपट सकन।

हमन दुसर मन ल नइ बदल सकन केवल पनमेसर दुसर मन ल बदल सकथे। हमन खुद ल घलो नइ बदल सकन पर हमन केवल पवित्तर आत्मा के साथ सहयोग कर सकथन अउ ओला काम करे के रस्ता दे सकथन। स्वतंत्रता के ये पहला कदम आय कि हमन ओ सच के सामना करन, जोन पनमेसर हमला दिखाय के कोशिश करथे।

जब हमन एक मनखे के अवगुण उपर ही अपन विचार अउ बातचीत ल केंद्रित करथन तब हमन अपन व्योहार ले ही धोखा करथन। इही कारण यीशु आज्ञा दिये हवय कि हमला ये बात नइ देखना हवय कि दुसर म काय बुरई हवय जबकि हमर अंदर की बहुत जादा बुरई हवय। पनमेसर ल पहिले अपन खुद के उपर काम करन देवव अउ तब तुमन अपन भाई ल मसीही मारग म चले मं ओकर मदद करना सीख जाहू। इही पवित्तर शास्तर के शिक्षा आय।

एक दुसर ले परेम रखव

पवित्तर वस्तु कुत्ता मन ल झन देवव, अउ अपन मोती सुअर मन के आगु झन डालव, अइसे झन होवय कि वो ओमन ल अपन गोड़ के नीचे रौदंय अउ पलट के तोला फाड़ डालय।

मती 7:6

मोर विश्वास हवय की पवित्तर शास्तर के ये बचन हमला एक दुसर ले परेम करे के योग्यता कुती इशारा करथे जोन पनमेसर हमला दिये हवय।

अगर तुमन अउ मैं एक दुसर ले परेम करे के बदला हमन ओकर आलोचना करन या उंकर उपर दोष लगावन त हमन पवित्र वस्तु (परेम) कुत्ता अउ सुअर मन के (सइतानी आत्मा मन) के आगु डाल दियेन) हमन उंकर बर दुआरी खोल दियेन कि ओमन पवित्र वस्तु मन ल अपन गोड़ ले रौंद डालै अउ हमला फाड़ डालय।

हमला ये बात ल समझे के जरूरत हवय कि हमन “परेम के साथ चलन” के दुआरा खुदल सइतान के आक्रमण ले बचा सकथन। मै ये विश्वास नइ करंब कि जोन मनखे सही मं परेम म चलत हवय ओकर सइतान कुछ भी हानि कर सकही।

जब चौथा बच्चा मोर गरभ मं रिहिस, मै मसीही रहेंव पवित्तर आतया मं बपतिस्मा पाय हुए रहेंव, सेवा बर बुलाय जा चुके रहेंव अउ मेहनती बाइबिल के छात्रा रहेंव। मै अपना विश्वास दुआरा चंगाई देना घलो सीख गये रहेंन। फिर भी गरभ के तीन महीना तक मै बहुत अस्वस्थ रहेंव। मोर अउ ताकत घलो घर गये रिहिस। मै अपन जादा बखत सोफा मं लेटे बितावत रहेंव। मोला चक्कर आवत रिहिस मै बड़ थके राहत रहेव जेकर ले मै चल घलो नई पावत रहेंव।

ये दशा ल मै समझे मं असमर्थ रहेंव काबर कि पहिले के तीन गरभ के अनुमो मोर पर अदभुत राहय। ओ समे मै पनमेसर के बचन बने नइ जानत रहेंव यद्यपि मै गिरजा जावत रहेंव पर मै अपन विश्वास के उपयोग कोनो काम पर अभी तक नइ करे रहेंव। अब मै पनमेसर के परतिज्ञा बने ढग ले जानत रहेंव तब ले मै अस्वस्थ रहेंव... पराथना करे के बाद अउ सइतान ल झिड़के के बाद घलो मोर समस्या दूर नइ होइस।

एक दिन जब मै अपन विस्तर मं लेटे हुए अपन मरद अउ बच्चा मन के खेले के आवाज पिछवाड़े ले आवत सुनत रहेंव, मै आक्रमणकारी ढंग ले पनमेसर ले पूछेंव, “मोर साथ अइसे काबर होवत हवय? मै अतना अस्वस्थ काबर हंव? मै बने काबर नइ होवत हवं?”

पवित्तर आतमा मोला मत्ती 7 पढ़े बर कहिस। मै पनमेसर ले पूछेव कि ये अध्याय के मोर ले अउ मोर स्वास्थ्य ले काय संबंध। मै ये अनुमो करेंव कि मोला ये अध्याय ल पढ़ना चाही। आखरी मं पनमेसर मोला एक घटना के सुरता दिलाइस जोन कई साल पहली घटे रिहिस।

मै घर मं बाइबिल अध्ययन कराय करत रहेंव ओमा एक जवान महिला जेकर नांव जेन रिहिस आय करत रिहित। जेन बरोबर पाठ्यक्रम मं आय करत रिहिस, पर जब ओ गरभवती हो गिस त ओला बरोबर आय म कठिनाइ होवन लगिस काबर कि ओ हमेशा थके हुए राहत रिहिस।

मै अपन विस्तर म लेटे वो “मसीही बहन” ल सुरता करेंव, तब मै ओकर उपर दोष लगाय रहेंव ओकर ले बात करे रहेव ओकर आलोचना करे रहेंव

काबर कि जेन अपन परिस्थिति मन के सामना नइ करत रिहिस अउ बाइबिल अध्ययन मं आय पर परिश्रम नइ करत रिहिस। हमन तब ओकर मदद नइ करेन पर हमन ये विचार धारणा बना लिये रहेन कि ओ कमजोर रिहिस अपन आलस के कारण अपन गरभ के अवस्था ल बतावत रिहिस।

अब मै घलो बिलकुल उही परिस्थिति मं रहेंव जेमा दूसाल पहली जेन रिहिस पनमेसर मोला बताइस कि मै अपन पहली तीन गरभ के बखत बने रहेंव, पर मै छिद्रान्वेशी अउ दोष लगाय के कारण सइतान बर एक बड़े दुआरी खोले दिये रहेंव। मै अपन मोती पवित्तर वस्तु (जेन ले परेम करे के योग्यता) कुत्ता अउ सुअर मन के आगु डाल दिये रहेंव अउ ओमन मोला फाड़ के टुकड़ा टुकड़ा करत हवय। मै तुमन ल बता सकंथव कि मै तुरते पश्चाताप करेंव। जइसे ही मै ये करेंव मै बने हो गयेंव अउ फिर पूरा गरभ अवस्था मं मैं बने रहेंव।

ये घटना ले मैं दुसर मन उपर दोष लगाना अउ छिद्रान्वेशी के बारे मं एक भारी बात सीखेंव। ये अनुभव के बाद अब फिर कभु मैं ये दुहरावंब नइ, पर मोला ये काहत दुःख होथे कि तब ले आज तक मैं बहुत अकन गलती करे हंव। हर बार पनमेसर मोर मदद करथे जेकर बर मै अभारी हंव।

हम जम्मो गलती करथन। जम्मो मं कमजोरी हवय। बाइबिल बताथे, कि एक दुसर घर कठोर हिरदे या आलोचक आतमा नइ रखना चाही, पर एक दुसर ल माफी करना हे अउ एक दुसर घर दया रखना हवय जइसे पनमेसर हमर साथ यीशु मसीह दुआरा करिस हवय (इफिसियो 4:32)।

दोष लगाय ले दण्ड आथे

त हे दोष लगइय्या तै कोनो काबर न होवस, तै बिना जवाब के हवस! काबर कि जोन बात मं तै दुसर उपर दोष लगाथस, उही बात म अपन ल धलो दोषी ठहराथस, ये सति कि तै दोष लगाथस, खुद ही उही काम करथस।

रोमियो 2:1

दुसर शब्द मं जोन बात म हमन दुसर उपर दोष लगाथन उही बात हम खुद करथन पनमेसर मोला ये सिद्धांत समझाय बर एक बहुत बढ़िया उदाहरण दीस।

मै ये बात उपर बिचार करत रहेंव कि हमन कोनो काम करथन अउ सोचथन कि ये बिलकुल ठीक हवय पर अगर कोनो दुसर मनखे उही काम ल करथे त

हमन ओला दोषी ठहराथन अइसे काबर? ओ कहिस जायस तै खुद ल रंगीन चस्मा ले देखथस पर दुसर मन ल “मेग्नीफाइंग ग्लास” ले देखथस।

हमन अपन खुद के व्यवहार पर बहाना ढूढं लेथन पर जब दुसर कोनो उही काम ल करथे त हमन कठोर हो जाथन। अइसे हमन चाहथन कि लोग हमर साथ करंथ हमन ल भी दुसरमन के साथ वइसे ही करना चाही (मत्ती 7:12) अगर इही सिद्धांत ल हमन अपना लेवन त दोष लगाय ले अउ आलोचना करे ले हमन बच सकथन।

एक दोष लगाने वाला दिमाग नकारात्मक दिमाग के ही थांघा आय... कोनो मनखे मं काय अच्छाई हवय ये कर बदले मं केवल ये सोचना कि काय बुरई हे।

सकारात्मक रहव नकारात्मक नइ।

दुसर मन ल तो लाभ मिलही पर तुमन ल दुसर मन ले जादा लाभ मिलही।

दिमाग के रक्षा करव

सबसे जादा अपन दिमाग के रक्षा; काबर कि जीनगी के मूल सोता वोही आय।

नीतिवचन 4:23

अगर तुम चाहथव कि जीनगी तोर कुती अउ तोर मे से बहय त अपन दिमाग के रक्षा करव।

कुछ खास परकार के विचार जंइसे दोष लगाना अउ गलती ढूढना एक विश्वासी के जीनगी मं कभु नइ होना चाही। जम्मो बात जोन पनमेसर हमला सिखाय के कोशिश करत हवय, हमर भलई पर अउ हमला परसन्न रखे बर करत हवय। ओकर मारग मं चलना फर देवइय्या हे सइतान के मारग मं चले ले सड़न हवय।

शंका बर शंकालु बनव

परेम जम्मो स्थिति सहथे, जम्मो स्थिती मं पतियाथे जम्मो स्थिति मं आशा करथे, जम्मो स्थिति मं धीरज धरथे।

1 कुरिन्थियो 13:7

मै विश्वास के साथ बोल सकथंव कि ये पद उपर चलना मोर बर हमेशा एक चुनौती रहे हवय। मै शंका करे बर ही बड़े होय हंव। मोला इही सिखाय गये रिहिस, कोनो उपर भरोसा झन करंव खास ओ लोग मन उपर जोन बने बने रहिथे, काबर कि ओमन कुछ न कुछ चाहथें।

मोला ये सिखाय गये रिहिस कि दुसर मन बर संहेदी नजर रखंव, अइसे करके मोला लोग मन के साथ बहुत निराश करने वाला अनुभव होइस मोर मसीही बने के पहिले घलो अउ बाद मं भी। परेम के गुण मन के अध्ययन करे ले मोला पता चलिस कि परेम हमेशा सबले बढिया स्थिति मन उपर विश्वास करथे अउ एक नवा दिमाग उत्पन्न करे मं मदद करथे।

जब तुंहर दिमाग मं जहर मर दिये गये होवय या जब सइतान तुहर दिमाग मं गढ़ बना लिए होवय, पनमेसर के बचन दुआरा दिमाग ल नवा कर लेवव। पनमेसर के बचन ल सुरता करके तुमन ये कर सकथव।

हमर कना अद्भुत पवित्तर आत्मा हवय जोन हमला ये बात ल बता देथे कि कब हमर विचार गलत होवत हवय। जब मोर अंदर परेम के विचार मन के बदला मं शका भरे विचार आथे त पनमेसर मोला बता देथे। शरीरिक मनुष्य सोचथे “अगर मै मनुष्य मन उपर भरोसा करहूं त लोग मन मोर फायदा लीही।” संभवतः एकर लाभ नकारात्मक अनुमो ले बहुत जादा हवय।

विश्वास अउ भरोसा जीनगी मं आनंद लाथे अउ रिस्ता मन ल मजबूत करथे।

शंका जम्मो रिस्ता मन ल विकलांग बना देथे अउ बरबाद कर देथे।

मुख्य बात ये हवय कि पनमेसर के मारग काम करथे मनुष के नइ। पनमेसर दोष लगाना अउ शंका ल धिक्कारथे हमन छलो अइसने करन। पनमेसर जेकर ले परेम करथे ओकर ले परेम करन अउ जेकर ले घिना करथे ओकर ले घिना करन।

संतुलन म व्योहार करना। सबले बढिया सिद्धांत हवय। एकर मतलब ये नइ होवय कि हमन बुद्धि के उपयोग झन करन। हमला हर एक के आगु अपन जीनगी अइसने ही खोल के नइ फेंक देना चाही अउ न कोनो ल ये मउका देना चाही वो हमला दबा के कुचल डालय। पर हमला नकारात्मक ढंग अउ शंका ले दुसर मन ल नइ देखना हें अउ ये आशा नइ करना हे कि दुसर मन हमर फायदा उठायके कोशिश करही।

पनमेसर उपर पूरा अउ मनुष्य सावधानी ले

भरोसा रखव जब यीशु यरुशलेम मं फसह के समे तिहार मं रिहिस त बहुत मन ओ चिन्हा मन ल जोओ दिखावत रिहिस देख के ओकर नांव मं विश्वास करिन।

पर यीशु अपन आप ल उंकर भरोसा उपर नइ छोड़िस काबर कि ओ सब जानत रिहिस।

अउ ओला जरूरत नइ रिहिस कि मनुष के बारे म गवाही देवय काबर कि ओ खुद जानत रिहिस कि मनुष के मन मं काय हवय?

युहन्ना 2:23-25

एक बार मैं गिरजा मं निराशा उत्पन्न होने वाला स्थिति म फस गये रहेव, पनमेसर मोर धियान युहन्ना 2:23-25 लगाइस।

ये खंड मं यीशु अउ ओकर चेला के संबंध के बारे म बताथे। ये सफा कहिथे कि यीशु उंकर उपर अपने खुद बर भरोसा नइ करिस ये अइसे नइ काहय कि वो उंकर प्रति शंका करिस था ओला उंकर उपर भरोसा नइ रिहिस:

ये केवल अतना बताथे कि ओ मनुष के सुभाव ल समझ सकत रिहिस (जोन हमर जम्मो के होथे) ओ अपन खुद ल उंकर भरोसा म असंतुलित रूप मं भरोसा नइ करिस।

एकर ले मोला एक बने सीख मिलिस गिरजा के एक घटना ले मोला बहुत पीरा रिहिस काबर कि मै कुछ औरत मन के साथ बहुत जादा जुड़ गये रहेंव अउ मै अपना संतुलन खो दिये रहेंव। जब भी हमन अपन संतुलन खो देथन हमन सइतान बर एक दुआरी खोल देथन 1 पतरस 5:8 कहिथे, सचेत रहव, अउ जागत रहव, काबर कि तुंहर विरोधो सइतान गरजने वाला सिंह असन खोज म रहिथे कि कोनल फाड़ खावय।

मै सीखेव कि मै ओ औरत मन के अंदर ओ भरोसा रखे के कोशिश करत रहेव जेला केवल पनमेसर ही कर सकथे। हमन एक सीमा तक ही मनुष मन के साथ रिस्ता रख सकथन। अगर हमन बुद्धी के बाहर जाथन त समस्या मन आवन लगही अउ हमला चोट लग ही।

अपन आखरी भरोसा केवल पनमेसर पर रखव अस्से करे ले पवित्तर आतमा बर दुआर खुला जाही अउ हमला बता दीही कि हमन कहां संतुलन रेखा पार करत हवन ।

कुछ लोग मन सोचथे कि ओमन ल भला बुरा के गियान हवय जबकि ओमन सही मं संकालु हवय । आतमा के एक सच्चा वरदान—“आतमा मन के पहिचान” (1 कुरिन्थियो 12:10) ये अच्छा बुरा ल बताथे केवल बुरई ल ही नई । जोन दिमाग नवा नइ होय हवय वो शंका ल जनम देथे, अच्छा बुरा ल पहिचाने बर गियान नवा आतमा ले मिलथे ।

सच्चा वरदान मन बर पराथना करव, शरीर पर नइ जोन आतमा के वरदान मन के कपड़ा पहिरने वाला आय । सच्चा आत्मिक गियान पराथना ल उत्साहित करथे गपशप ल नइ । अगर कोनो समस्या के हल करना हवय त पवित्तर शास्तर के तरीका ले करव शरीर के तरीका ले नइ जोन समस्या ल अउ बढ़ा देथे ।

मनभावना बचन मीठा होथे अउ चंगाई देथे ।

बुद्धिमान के दिमाग ओकर मुंह उपर घलो बुद्धिमानी परगट करथे, अउ ओकर बचन मं विद्या रहिथे ।

मनभावना बचन मधुभरे छत्ता असन परान ल मीठा लगथे अउ हड्डी मन ल हरा भरा करथे ।

नीतिवचन 16:23–24

बचन अउ विचार हड्डी अउ गुदा असन हवय—अतना नजदीक कि ओमन ल अलग करना कठिन हवय (इब्रानियो 4:12) ।

हमर बिचार शांत बचन आय जेमन ल केवल हमन अउ पनमेसर ही सुनथें पर ओ बचन हमर भीतर के मनुष्य उपर, हमर स्वास्थ्य उपर हमर आनंद उपर हमर असर डालथे । जोन हमन सोचथन वो अक्सर हमर मुंह ले बाहर आथे । अउ ये बात के दुःख हवय कि कभुकभु ओकर कारण हमन मूरख लगन लगथन । दोष लगाय ले, गलती दूढ़े ले हमर शंका करे ले हमन कमु आनन्द नइ पा सकन ।

यीशु कहे हवय कि ओ ये सति आय हवय कि हमन जीनगी पावन अउ जीनगी के आनंद लेवन (यहुन्ना 10:10) मसीह के दिमाग रखव अउ तुमन एक बदले हुए जीनगी मं परवेश कर लेहव ।

प्रस्तावना

14

एक निठल्ला दिमाग

एक निठल्ला दिमाग

ये बात निठल्लापन के क्षेत्र मं एकदम सच हवय। जादा मसीही ये शब्द ले परिचित नइ हवंय अउ न एकर चिन्हा मन ल चिन्हंय।

मोर गियान के नइ होय ले मोर परजा नाश हो गिस...

होशे 4:6

निठल्लापन, कार्यशील के विरोधी हवय। ये एक भंयकर समस्या हवय काबर कि पनमेसर के बचन हमला सफा बोलथे कि हमला सचेत, काम करना अउ जागत रहना हे (1 पतरस 5:8) हमर अंदर के बरदान ल चमका देना हे (2 तिमथियुस 1:6)।

मैं निठल्लापन के कतनो परिभाषा पढ़े हव अउ मैं एकर वर्णन ये परकार करथंव—इच्छा के कमी, चेतना के कमी, उदासीनता असाहहीन अउ गुन गुना पन, आलस। निठल्लापन के पीछे दुष्ट आतमा होथे। सइतान जानथे कि निठल्लापन इच्छा ल कार्य रूप करे मं असफल करथे अउ एकर ले आखरी मं विश्वासी के हार होथे। जब तक एक मनखे अपन इच्छा ले सइतान के विरुद्ध काम करत रहिथे तब तक बइरी युद्ध ल नइ जीत सकय पर अगर ओ निठल्ला हो जाथे त एक गंभीर समस्या मं फंस जाथे।

बहुत विश्वासी मन भावना दुआरा चलाय जाथे कि जोन काम पनमेसर ओमन ल करे बर सिखाय हवय ओला नइ कर पावंय ये कारण नइ कर पावय काबर कि ओमन ल संवेदना नइ होवय कि करना चाही। जब ओमन ल लगथे कि परशंसा करना चाही तब ओमन परसंसा करथे जब ओमनल लगथे कि देना चाही तब ओमन देथे जब ओमन महसूस करथे कि ओमन ल अपन बचन के पालन करना चाही तब ओमन बचन के पालन करथे अउ अगर नइ महसूस करंय त पालन नइ करंय।

खाली स्थान एक स्थान आय

अउ न सइतान ल स्थान देवव।

इफिसियों 4:27

सइतान ल जोन स्थान हमन देथन ओ जादाकर खाली जगहा होथे। एक खाली, निठल्ला दिमाग ह आसानी ले हर किसम के बुरा बिचार मन ले भर सकथे।

एक विश्वासी जेकर दिमाग जड़ हवय या काम नइ करत हवय ओ बुरा बिचार मन के विरोध या सामना नइ करय अउ ओ खराब बिचार मन ल अपन बिचार समझ लेथे। वो ये बात ल नइ समझ सकय कि दुष्ट आतमा ह ये विचार मन ल ये सति ओकर दिमाग मं भर दिये हवय काबर कि उहां भरे बर एक खाली जगहा रिहिस। रिसतोन है खाली दिमाग सइतान के घर।

बुरा बिचार मन ल अपन दिमाग ले बाहर रखे के एके तरीका हवय कि अपन दिमाग ल ठीक बिचार मन ले पूरा भरके रखव। सइतान ल तो बाहिर निकाले जा सकथे, पर ओ जाके सूखा स्थान म फिरत रहिथे, लूका 11:24–26 मं बाइबिल बताथे कि जब ओ वापस आथे त अपन साथ दुसर मन ल घलो ले आथे अउ ओ मनखे के हालत पहिले ले भी जादा खराब हो जाथे। इही कारण हमला कोनो मनखे के भीतर ले दुष्ट आत्मा ल तब तक नइ निकालना चाही जब तक ओ मनखे बने परकार न सीख लेवय कि कोन किसम ले ओ खाली स्थान ल भरना हवय।

मोर कहना ये नइ हवय कि जोन मनखे के अंदर बुरा बिचार हवय ओमा दुष्ट आतमा हवय पर बुरा बिचार मन के पाछू दुष्ट आतमा के हाथ रहिथे। एक आदमी अपन दिमाग ले अपन कल्पना मन ल लगातार बाहर निकाल सकथे पर ओ।

हमेशा वापस आ जाथे जब तक ओ ओ खाली स्थान ल पनमेसर के बचन ले भरना नइ सीख लेवय। जब बइरी वापिस आथे त ओ मनखे मं खाली जगहा नइ पावय।

कुछ आक्रमण करइय्या पाप या अधिकारिक कि पाप होथे अउ कुछ निष्कृत्य या नइ करे के पाप होथे जोन छोड़ देके या भूल जाय के पाप होथे। यानी जइसे बुरा काम जोन हमन करथन अउ कुछ सही काम हे जेला हमन नइ करन। उदाहरण बर सोचे हुए शब्द ले रिस्ता खराब हो जाथे पर तब घलो खराब होथे जब सराहनीय शब्द मन के उपयोग नइ करन जोन हमला बोलना चाही पर नइ बोलन।

एक निठल्ला मनखे सोचथे कि ओ कोनो गलत काम नइ करत हवय काबर कि ओ कुछ करतच नइ हवय। ओ अपन गलती के सामना करके बोलही, “मैं कुछ करे नइ हंव।” ओकर कहना ठीके हवय पर ओकर ब्योहार ठीक नइ हे। समस्या ये सति आइस कि ओ कुछु नइ करिस।

निठला पन उपर जय पावव

कुछ साल पहली मोर मरद देव ल निठल्ला पन के समस्या रिहिस कुछ बात अइसे घलो रिहिस जेमा वो सक्रिय रिहिसं ओ रोज काम मं जावत रिहिस शनिवार को गोल्फ खेलय अउ रविवार के फुटबाल मैच देखय। एमन ल छोड के दुसर काम कराना कठिन रिहिस। अगर दीवाल म फोटो टंगवा होवय त त ओला एला करे मं तीन चार हप्ता लगा देवत रिहिस। ये कारण हमर बीच मं तनाव हो गये रिहिस। मोला अइसे लगथे कि ओ उही करय जोन ओ करना चाहय ओकर छोड़ वो कुछु भी नइ करत रिहिस।

डेव पनमेसर ले परेम करत रिहिस अउ जब ओ ये समस्या ल परभु कना रखिस त पनमेसर ओला निष्कृत्यता अउ ओकर खतरा के बारे मं सिखाइस ओ जानिस कि ओ काम नइ करे के पीछू दुष्ट आतमा हवय। कुछ बात मं ओला कोनो समस्या नइ रिहिस पर दुसर बात मन मं अपन इच्छा निठल्लापन दुआरा सइतान ल दे दिये रिहिस। ये बात मन मं ओ अतना दुःखी रिहिस कि ओकर अंदर कोनो इच्छा ही नइ रिहिस कि ओ काम ल पूरा करय।

पनमेसर के बचन अध्ययन करना अउ पराथना करना ये दूसर दू बात रिहिस जेमन मन म ओ निष्कृत्य रिहिस। काबर कि मैं जानथंव कि पनमेशर के निर्देश मन बर ओ पराथना नइ करत रिहिस ये सति ओकर बात मं धियान देना मोर बर बहुत कठिन रिहिस। मोर अंदर विरोध करे के समस्या रिहिस अउ तुमन देख सकथव कि सइतान हमर कमजोरी ल एक दुसर के विरुद्ध उपयोग करिस ये समस्या के कारण बहुत लोग मन के तलाक हो जाथे। गलत काय हवय ओमन समझ ही नइ पावंय।

मैं वास्तव मं बहुते आक्रमणकारी हो गये रहेंव। मैं शरीर मं हमेशा पनमेसर ले आगु दऊड़ पड़त रहेंव, अउ अपन ढंग ले काम करत रहेंव अउ आशा करंव कि पनमेसर मोला आशीष देवय। डेव केवल पनमेसर के इतिजार करे के अलावा कुछ नइ करत रिहिस। ये कारण मैं बहुत गुस्सा हो जावत रहेंव। अब

हमन दुनो ये सोच के हंसथन कि पहले हमन कइसे रहेन पर तब हमन ल हंसी नइ आवत रिहिस अउ अगर पनमेसर हमर कुति अपन धियान नइ लगातिस त हमर घलो तलाक हो गये होतिस।

डेव मोला बताय करय कि मैं हमेशा पनमेसर ले आगु निकल जाय करत रहिथंव मैं जबाव दंव कि तहूँ तो पनमेसर ले दसमील पीछु रहिथस। मैं आक्रामक रहेव डेव निष्क्रय रिहिस।

जब कोनो विश्वासी कोनो बात मं निष्क्रय होथे जेमा ओकर कना योग्यता अउ कुशलता रहिथे त ओ क्षेत्र जड़ अउ बेकार हो जाथे जितना जादा समे तक ओ कुछ नइ करय उतना जादा ओ कुछ नइ करना चाहय। एकर सबले बढ़िया उदाहरण शारिरिक कसरत हवय।

मैं आजकल कसरत उपर जादा धियान देवत हवव जतना जादा मैं कसरत करथंव उतना ही मोला आसान लगथे। जब मैं ये शुरू करेवं त ये बहुत कठिन लगत रिहिस। जब भी मैं ये शुरू करेवं मोला बहुत दरद होवय काबर कि मैं बहुत समे ले कसरत करे मं आलसी अउ निष्क्रिय रहेवं। कसरत नइ करे के कारण मोर शारिरिक दशा बने नइ रिहिस मसल मन कमजोर पड़त जावत रिहिन काबर कि उंकर उपयोग नइ होवत रिहिस।

डेव समस्या ल समझना शुरू कर दिये रिहिस ओ दुष्ट आतमा मन के सामना करत जावत रिहिस काबर कि लम्बा समे ले आलसी होय के कारण ओमन अपन काबू ओकर उपर बढ़ावत जावत रिहिन। जब पवित्तर आतमा ये सचाई ओकर उपर परगट करिस त डेव ये निश्चय करिस कि आगु ले आले धीमा पन बर सक्रिय अउ आक्रामक बनही।

ठान लेना सरल बात रिहिस हवय पर ओला अभ्यास मं लाना कठिन रिहिस। ये कठिन रिहिस काबर कि ओ हर बात मं जेमा ओ आलसी अउ धीमा रिहिस कसरत करके के दुआरा ओ बात मं फिर बलवान बनना रिहिस।

ओ सवेरे पांच बचे उठ जावत रिहिस, बचन पढ़त रिहिस अउ अपन काम मं जाय के पहली पराथना करत रिहिस। युद्ध शुरू हो गये रिहिस। सइतान ये नइ चाहय कि कोनो ओकर उपर जीत पा लेवय ओ बिन लड़े हार नइ मानय। डेव पनमेसर के साथ समे बिताय बर उठ जावत रिहिस पर फिर सोफा उपर सो जावत रिहिस। कई सबेरे अइसने होइस जेमा डेव फिर सो जावत रिहिस तब

ले डेव उन्नति करत रिहिस काबर कि ओ अब अपन बिस्तर छोड के पराथना के जीनगी बनाय के कोशिश करत रिहिस।

कभु कभु वो ऊब जावत रिहिस अउ कभु कभु सोचय कि ओ उन्नति नइ करत हवय, ओ जोन पढत हवय ओला समझ नइ पावत हवय अउ ओकर पराथना मन सुने नइजावत हवय। पर ओ लगे रहे राहत रिहिस काबर कि पवित्तर आत्मा ओला ओकर निठल्लापन के बारे मं बता दिये रिहिस।

मैं ये सब देख सकत रहेंव कि अगर मैं देव ले फोटो टांगे बर काहव या घर के कोनो दुसर काम मन बर कहिथंव वो तुरते करन लगत हवय। अब ओ अपन ढंग ले सोचना अउ काम करना शुरू कर दिये रिहिस। कई बार ओ काम करना चाहत नइ रिहिस पर फिर ओ अपन इच्छा अउ शारिरिक इच्छा विरुद्ध चले जावत रिहिस। जोन बात ल ओ बने मानत रिहिस अउ जतना जादा ओ काम ल करय उतने ही जादा ओ स्वतंत्रता के मजा उठावत रिहिस।

मैं तुंहर ले सिरतोन काहत हवं ये ओकर बर आसान नइ रिहिस। वो कुछ दिन या कुछ हप्ता स्वतंत्र नइ रिहिस। (पर काम मन के निठल्लापन उपर काबू) एक कठिन दशा होथे काबर कि समर्थन करे बर हमर अंदर महसूसिय या संवेदना नइ रहय।

पनमेसर के सहायता ले डेव ये कर दिखाइस अब ओ बिलकुल निष्क्रिय नइ हे। रेडियो अउ टेलीविजन दुआरा “लाइफ इन द वर्ड” के सेवा के वो प्रबंधक हवय अउ ये सेवा, धन संबंधी काम मन के जवाबदारी घलो ओकर उपर हवय वो हमर साथ यात्रा करथे अउ हमर यात्रा के कार्यक्रम मन के फइसला घलो उही करथे। वो अति उत्तम परिवार वाला मनखे। वो पराथना करथे अउ परमेसर के बचन बर समे घलो देथे। सारांश मं वो अइसे मनुष हवय जेकर आदर अउ परशंसा करना चाही।

वो अभी भी गोल्फ खेलथे अउ खेलकूद कार्यक्रम देखथे पर जोन काम ओला करना हवय ओला घलो करथे। ओला देखके कोनो ल अइसे नइ लगय कि ये उहीं निठल्ला मनखे आय जोन पहिले रिहिस।

निष्क्रियता के दशा मं काबू पाय जाय सकथे पर काम मन के निष्क्रियता उपर काबू पाय के पहला कदम दिमाग के निठल्लापन उपर काबू पाना। डेव तब तक प्रगति नइ पाय रिहिस जब तक ओअपन सोचे के ढंग ल बदले के फइसला नइले लिए।

सही सोचे ले सही काम होथे

ये संसार असन झन बनव, पर तुंहर दिमाग के नवा हो जाय ले तुंहर चाल चलन घलो बदलत जावय, जेकर ले तुमन पनमेसर के बने अउ पसंद अवइय्या अउ सिद्ध इच्छा अनुभव ले मालुम करते रहव।

रोमियों 12:2

एक शक्तिशाली सिद्धांत पनमेसर के जम्मो बचन म बताय गये हवय कि कोनो मनखे कभु भी विजय के रस्ता मं नइ चल सकही जब तक वो ये बात ल न समझ लेवय अउ अपन जीनगी म न उतार लेवय कि सही सोच सही काम कराथे।

दुसर शब्द मं तुमन अपन व्योहार नइ बदल पाहव जब तक तुमन अपन बिचार ल नइ बदल लेवव।

पनमेसर के काम के नियम के अनुसार पहला सही सोचना अउ ओकर बाद सही काम के स्थान आथे। मोर विश्वास हवय कि सही काम अउ बने व्योहार सही सोचे के ही “फर” आय। जादा विश्वासी मन सही काम करे के कोशिश करथे पर कोशिश ले “फर” नइ आवय। फर तो अगूर के नार मं बने रहे ले आथे (युहन्ना 15:4) अउ हमन आज्ञा माने दुआरा अंगूर के नार मं बने रहिथन (युहन्ना 15:9)।

ये सिद्धात ल सिवाय बर मैं हमेशा इफिसियो 4:22–24 के उपयोग करथंव 22 पद मं कहिथे, तुमन अपन चाल चलन के पुराना मनुष ल जोन भटकाने वाली इच्छा मन के अनुसार बरबाद होवत जाथे, उतार डालव। पद 24 इही बिचार बताथे अउ नवा मनुष ल पहिर लव जोन पनमेसर के अनुसार सच के धार्मिकता अउ पवित्रता मं सिरजे गये हवय।

ये सति हमन देखथन कि पद 22 मूल रूप मं ये बताथे कि गलत काम झन करव अउ पद 24 कहिथे कि ठीक काम करना शुरू करव। पर पद 23 ल मैं कहिथंव दुनो पदल “मिलाने वाला शास्तर।” ये हमला बताथे कि कइसे पद 22 अउ 24 तक पहुचना हवय: “अउ अपन दिमाग के आत्मिक स्वभाव मं नवा बनत जावब।”

बिना बिचार मनल बदले ये असंभो बात हवय कि गलत व्योहार ल सही व्योहार मं बदल लेवन। एक निठल्ला मनखे सही काम करना चाहही पर वो

अइसे नइ कर सकही जब तक ओ अपन दिमाग ल पनमेसर के बचन अउ ओकर इच्छा के अनुसार सक्रिय न कर लेवय।

एक मनखे के उदहारण मोर मन मं आवत हवय जोन सेमिनार मं मोर पराथना के सूची मं रिहिस। ओकर समस्या व्यभिचार ले संबंधित रिहिस। वो सिरतोन अपन औरत ले परेम करत रिहिस अउ अपन बिहाव ल खराब होवन नइ देना चाहत रिहिस पर ओकर समस्या के हल जरूरी रिहिस नइ तो उंकर विहाव जरूर खराब हो जातिस।

“जॉयस मोर समस्या व्यभिचार ले संबंधित हवय” ओ कहिस, मै दुसर औरत मन ले अलग नइ हो सकंव। काय तैं मोर छुटकारा बर पराथना करबे? “मोर बर कइ बार पराथना होय हवय पर मोला परतीत नइ होवय कि मैं कोनो उन्नति करे हवंव।”

ओला बताय बर पवित्तर आतमा मोला अगुवाई करिस “हव मैं तोर बर पराथना करहूं पर अपन दिमाग के पर्दा मं जोन चित्र देखे के सहमति देथस ओकर जवाबदारी तोला उठाना होही। अगर तैं स्वतंत्र होय के मजा उठाना चाहथस, तोला अपन दिमाग मं गंदा चित्र मन ल नइ लाना हवय अउ ये दुसर औरत मन साथ कल्पना घलो नइ करना है।”

ये मनुष असन दुसर घलो समझत हवंय कि वोमन काबर स्वतंत्रता के अनुभो नइ करत हवंय: ओमन अपन व्योहार तो बदलना चाहथें पर अपन सोच नइ।

मन एक अइसन क्षेत्र आय जिंहा मनुष “पाप के साथ खेलत रहिथें” मत्ती 5:27,28 यीशुह कहिथे, तुमन सुन चुके जवव कि कहे गये रिहिस, कि व्यभिचार इन करना। पर मै तुमन ल ये काहत हंव कि जोन कोनो कोनो औरत उपर खराब नजर डालय ओ अपन दिमाग ले व्यभिचार कर चुकिस। पाप बिचार पापी ल जनम देथें।

एक औरत जोन मोर घर मं बाइबिल अब्ययन मं आवत रिहिस अपन जीनगी परभु ल दे चुके रिहिस अउ ओ ये चाहत रिहिस कि ओकर घर अउ ओकर विहाव के दशा ठीक हो जावय। ओकर जीनगी के हर बात गड़बड़ रिहिस – घर, बच्चे, विहाव, आमदनी शारिरिक दशा आदि। वो सबके सामने कहे करत रिहिस कि ओ अपन पति ले परमे नइ करय पर सच तो ये हवय कि सही मं ओकर ले घिना करत रिहिस वो ये जानत कि ओकर ये बरताव धार्मिक नइ

रिहिस ये सति वो ओकर ले परेम करना चाहत रिहिस पर वो ओला सहन नइ कर पावत रिहिस।

हमन पराथना करेन, ओ पराथना करिस, अउ हर कोनो पराथना करिन। हमन ओकर साथ पवित्तर शास्तर बांटेन अउ ओला सुने बर कुछ टेप दियेन। हमन कोला ओ हर चीज दियेन अउ सब करेन ये जान के कि ओ हमर सलाह ल समझत हवय पर तब ले ओकर जीनगी मं उन्नति दिखई नइ पड़िस। गलती कहां रिहिस? एक परामर्श सत्र के बरवत ये मालुम होइस कि ओ दिन मं सपना देखे करत रिहिस। ओ सपना म देखय कि वो एक परी मन के रानी आय अउ एक सुन्दर राजकुमार काम ले वापस लहुट के फूल अउ कैण्डी ओकर कना आथे अउ ओला गोदी मं परेम ले उठा लेथे।

ओ अपन पूरा दिन अइसे ही सोचत बितावत रिहिस अउ जब ओकर थके हारे मरद पसीना मं तर बतर गंदा (एक दांत टूटे हुए) काम के लहुट के घर आवत रिहिस, तब ओला ओकर ले घिना आवत रिहिस।

ओ पनमेसर के आज्ञा मानना चाहत रिहिस अउ ओकर बर जीना चाहत रिहिस ओ अपन मरद ले परेम करना चाहत रिहिस काबर कि ओ जानत रिहिस कि ये पनमेसर के इच्छा रिहिस वो चाहत रिहिस कि ओकर जीनगी अउ विहाव दुनो विजयी होवयं, पर ओ अपन दिमाग ले ही हार जावत रिहिस। अइसे कोनो तरीका नजर नइ आवत रिहिस जेकर ले वो अपन मरद बर घिना उपर काबू पा सकय, जब तक ओ “स्वस्थ दिमाग” ले बिचार करना शुरू नइ कर देवय।

वो दिमागी रूप मं एक सपना के संसार मं जीनगी बितावत रिहिस। ये सति वो सचाई के सामना करे बर तइयार नइ रिहिस ओकर निठल्ला दिमाग रिहिस काबर कि ओ पनमेसर के बचन के अनुसार सोचत नइ रिहिस, इही कारण दुष्ट आत्मा मन ओकर दिमाग मं विचार बो दिये रिहिन।

जब तक ओ अइसन सोच करत रिहिस कि ये विचार ओकर खुद के आय अउ ओकर मजा उठावत रिहिस तब तक विजय के अनुभव नइ कर सकिस। ओ अपन सोच बदलिस अउ ओकर जीनगी बदलन लगिस। ओ अपन मरद बर अपन दिमागी स्वभाव बदल लिस अउ ओकर मरद के व्योहार ओकर बर बदलन लगिस अउ ओकर चेहरा घलो बदलन लगिस।

सरग के जीनिस मन उपर धियान लगावव

त जब तुमन मसीह के साथ जिलाय गये हव, त सरग के जीनिस मन के खोज मं रहव, जिंहा मसीह उपस्थित हवय अउ पनमेसर के जेवनी कुति बइठे हवय।

पिरथी के नइ पर सरग के जीनिस मन उपर धियान लगावव।

कुलिस्सियो 3:1,2

हमन फिर उही सिद्धांत देखथन: अगर तुमन जी उठे जीनगी, जोन यीशु हमला दिये हवय, जीना चाहथव त तुमन अपन दिमाग ल सरग के जीनिस मन कुति लगावव।

बहुत अकन विश्वासी मन बने जीनगी चाहथे, पर ओमन निठल्ला बइठे रहिथें अउ इच्छा करथें कि उंकर साथ कुछ बने ही घटही। ओमन जादाकर ओ लोग मन ले घिना करथे जोन मन विजयी जीनगी जीयत हवंय काबर कि उंकर खुद के जीनगी कठिनाई मन ले भरे होथे।

अगर तुमन अपन समस्या मन उपर विजय पाना चाहथव अगर तुमन सच मं जी उठे हुए जीनगी जीना चाहथव त तुंहर कना रीढ़ होना चाही केवल इच्छा वाला हड्डी नइ। तुमन ल सक्रिय होना चाही आलसी नइ। सही काम सही विचार ले ही शुरू होथे। तुमन अपन दिमाग मं निठल्ला झन रहव। आज ले ही सही विचार मन के चुनाव शुरू कर देवव।

प्रस्तावना

15

मसीह के दिमाग

मैं विश्वास करत हंव कि तुमन अभी तक सही बिचार मन के चुनाव के बारे में फइसला ले लिए होहव, त अब हमन ओ बिचार मनल देखबोन जोन पनमेसर के अनुसार सही हवय बहुत से बिचार मन निश्चित रूप ले अइसे होथे जेला यीशुह गलत ठहराय रिहिस अगर हमन ओकर पद चिन्हा में चलना चाहथन त हमला धलो उही परकार सोचना होही जेइसे वो सोचत रिहिस।

काबर कि परभु के दिमाग (सलाह अउ मकसद) कोन जाने हंवय कि ओला सिखावय? पर हमन में मसीह के दिमाग हवय।

1 कुरिन्थियों 2:16

हो सकत हवय अभी तुमन सोचत होहू, “जॉयस ये असंभो हे यीशु महान रिहिस। मैं अपन सोचल बने तो कर सकथंव पर मैं ओकर उसन कभु नइ सोच पाहूं।”

बाइबिल बताथे कि हमन में मसीह के दिमाग हवय—एक नवा हिरदे अउ आत्मा।

एक नवा हिरदे अउ नवा आत्मा

मैं तुमन ल नवा मन देहूँ, अउ तुंहर भीतर नवा आत्मा उत्पन्न करहूँ; अउ तुंहर देह ले पथरा के हिरदे निकाल के तुमनल मांस के हिरदे दे हूँ।

अउ मैं अपन आत्मा तुंहर भीतर देके अइसे करहूँ कि तुमन मोर विधिमन उपर चलहूँ अउ मोर नियम मन ल मान के उकर अनुसार करहूँ।

यहेजकेल 36:26,27

मसीह के होय के कारण तुंहर अउ मोर कना एक नवा सुभाव हे, जोन वास्तव में पनमेसर के सुभाव आय जेला ओ नवा जनम के समे हमर अंदर डाल दिये हवय।

ये पद मन मं हमन देख सकथन कि पनमेसर जानत रिहिस कि हमन ओकर नियम मन के पालन करबोन अउ ओकर बताय हुए मार्ग मं चलबो त ओला अपन आतमा अउ नवा हिरदे (दिमाग) देना पड़ही। रोमियो 8:6 शरीर के दिमाग अउ आतमा के दिमाग के बारे मं कहिथे, “शरीर मं दिमाग लगाना मिरतु हे अउ आतमा म दिमाग लगाना जीनगी हवय।”

जीनगी अउ मिरतु के भेद ल अगर हमन समझ जावन त बहुत जादा उन्नति कर सकथन।

अगर कोनो अइसे काम करत हवन जेकर अंत मिरतु हवय त इही समे वो काम ल छोड़ देवव। जब अइसे विचार तुंहर दिमाग मं भर जावय जेकर अंत मिरतु हवय त तुमन तुरते जान लेथव कि ये आतमा के दिमाग नइ हवय।

येला समझे बर मान लेवव कि कोनो अन्याय के बारे मं सोचत हवय जोन मोला कोनो दुसर के दुआरा मोर उपर होय हवय अउ मैं गुस्सा होवत हवं। मैं ये सोचना शुरू कर दूँ कि मैं ओ मनखेल कतना नापसंद करथं। अगर मैं तेज बुद्धि वाला हवव त जान जाहूँ कि मैं मिरतु ले भर गये हंव। मैं गड़बड़ी, व्याकुल, अउ तनाव के हालत मं आ जाहूँ मैं शरीर मं तकलीफ के अनुभा घलो कर सकथं सिर दरद, पेट दरत या थकावट मोर गलत ढंग ले सोचे ले हो सकथे। दुसर कुति अगर मैं ये परकार सोच हूँ कि कतना आशीषित हंव मैं, पनमेसर मोर बर कतना भला हवय तब मैं पता लगा लूँ कि मैं जीनगी ले भरे हुए हवं।

एक विश्वासी बर अपन अंदर जीनगी अउ मिरतु के बारे मं सीखना ओकर बर बहुत सहायक होथे। यीशु अपन दिमाग हमला देके जीनगी ले भर दिये हवय अउ हमन मसीह के दिमाग मं बोहाना ल चुन सकथं।

मसीह के दिमाग म बोहाय बर कुछ बात जोन हमला करना इहा नीचे दिय हवय।

1. सकारात्मक विचार सोचव

अगर दू मनखे आपस मं सहमत नइ होवय त काय ओमन एक साथ चल सकही?

आमोस 3:3

अगर कोनो मनखे मसीह के दिमाग के अनुसार सोचत हवय ओकर विचार कोन परकार के होही? वो सकारात्मक होही, ये तो निश्चित हवय। एकर ले

पहिले हमन देख चुके हवन कि सकारात्मक ढंग ले सोचना कतना जरूरी हवय। तुमन अध्याय 5 मं वापिस जाके सकारात्मक होय के महत्व ल फिर सुरता मं ला सकथव। मै घलो एला फिर पढे हंव अउ मोला एकर ले आशीष मिलिस हवय हालांकि एला मही लिखे रहेंव।

सकारात्मकता के सामर्थ के बारे मं जादा कभु नइ बोले जाय सकय। पनमेसर सकारात्मक हवय अगर मै अउ तुमन ओकर साथ बोहाना चाहथन त हमला उही धारा म आना होही अउ सकारात्मक ढंग ले सोचना शुरू करना होही मै अपन दिमाग ल काबू मं करे बर नइ कहत हवंव पर मै एक पूरा सकारात्मक मनखे बने बर काहत हवंव।

अपन नजरिया अउ ब्योहार सकारात्मक बनाव, सकारात्मक बिचार अउ इच्छा बनाय रखव। सकारात्मक गोठ बात मं व्यस्त रहव।

यीशु हमेशा एक सकारात्मक नजरिया अउ ब्योहार दिखाय रिहिस। वो बहुत अकन कठिनाई मन के सामना करिस जइसे अपन उपर आक्रमण, ओला झूठा समझे जाना, चेला मन के अइसे बरवत मं भाग जाना जब ओला उंकर जादा जरूरत रिहिस, ओकर मजाक उड़ाय जाना, अकेला छोड़ दिये जाना गलत समझे जाना आदि बगैर बगैर। तब भी ओ नकारात्मक के बीच मं सकारात्मक बने रहिस। ओ हमेशा दुसर मन ल उत्साहित करने वाला शब्द मन के उपयोग करिस जोन भी ओकर कना आइस आशा दिस।

मसीह के दिमाग हमर अंदर सकारात्मक हवय: ये सति अगर हमर कभु नकारात्मक हो जाथन त हमन मसीह के दिमाग दुआरा काम नइ करत हवन। लाखों लोग मन निराशा म हवंय अउ मै अइसे नइ सोचंव कि बिन नकारात्मकता के कोनो मनखे निराश हो जावय, जब तक ओकर अंदर कोनो शारिरिक रोग न होवय। अइसे दशा मं नकारात्मकता समस्या मन ल अउ ओकर लक्षण मन ल बढ़ा देथे।

भजन संहिता 3:3 के अनुसार, पनमेसर हमर महिमा आय हमर विचारमन ल ऊंचा करइया आय। वो हर बात ल ऊंचा करथे हमर आशा हमर व्योहार हमर मिजाज हमर मुड़ी, हाथ अउ हिरदे—हमर पूरा जीनगी। वो हमर दैवीय उठईया आय।

पनमेसर हमला ऊंचा उठाना चाहथे अउ सइतान हमला नीचे दबाथे सइतान हमर जीनगी के नकारात्मक हालत अउ घटना मनल उपयोग करके हमला

नीचे दबाथे। दबाना शब्द के मतलब आत्मा म नीचे उतर जाना; “दुखी” वेण्टर शब्दकोष के अनुसार आस पास के स्तर ले नीचे चले जाना: “खाली स्थान” भ्वस्ददबाना के मतलब नीचे दबाना या स्तर ले नीचे दबाना हमर कना नकारात्मक विचार मन ल सोचे के मऊका आथे पर वो हमला नीचे ढकेल देथे नकारात्मकता हमर समस्या मन ल सुलझा नइ सकय पर ओला अउ बढ़ा देथे।

उदासी अउ दुःख उपर विजय

भजन संहिता 143:3–10 उदासी अउ दुःख के जिकर करथे कि कइसे ओकर उपर विजयी हो सकथन ये बताथे। बइरी के ये आक्रमण उपर हमन कइसे जीत पा सकथन ये खंड हम विस्तार ले देखबोन।

1. समस्या के सुझाव अउ कारण के पता लगावव।

शत्रु मोर पीछू पड़े हवय ओ मोर जी नगी ल चकना चूर कर धूरा मं मिलाइस मोला अधियारा मं ढकेलत हवय ओ मनखे मन असन जोन बहुत पहिले मर चुके हवय।

भजन संहिता 143:3

“मोला मरे हुए असन अधियारा म ढकेल दिये हवय” वे वो मनखे के चित्र आय जोन उदासी अउ दुःख मं होवय।

धियान देव कि इहां उदासी अउ दुःख के कारण हे – सइतान के परान उपर हमला करना।

2. ये बात ल चिन्हव कि उदासी जीनगी अउ अंजोर ल चोरा लेथे।

मोर आत्मा भीतर ले व्याकुल होवत हे मोर दिमाग व्याकुल हवय।

भजन संहिता 143:4

एक मनखे के आत्मिक स्वतंत्रता अउ समर्थ उपर उदासी कठोरता के साथ राज करथे।

हमर आतमा (जोन परमेसर के आतमा ले सामर्थ पाथे अउ उत्साहित होथे) शक्ति भरे अउ स्वतंत्र हवय। इही कारण सइतान हमर दिमाग मन मं अधियारा अउ दुःख भर के आत्मा के शक्ति अउ स्वतंत्रता ल नाश करना चाहथे जइसे ही तुमन ये समझथव कि उदासी के हमर अंदर आगमन होवत हवय तुरंत

ओकर विरोध करव। जतना जादा देरी तुमन लगाहू उतना ही कठिन ओकर विरोध करना हो जाही।

3. बने दिन मन ल सुरता मं लावव

मोला प्राचीनकाल के दिन सुरता आथे; मै तोर अद्भुत काम मन उपर धियान करथंव अउ तोर काम ल सोचथंव।

भजन संहिता 143:5

ये पद मं हमन, अपन दशा ल देखत दाऊद के जवाब ल देखरथन। सुरता करना, मनन करना अउ बिचार करना ये जम्मो दिमाग के काम आय। ये वो बने ढंग ले जानथे कि ओकर बिचार ओकर इच्छा मन उपर असर डालही ये सति वो अइसे बात मन उपर बिचार करे मं लग जाथे जेकर ल वो अपन दिमाग उपर हुए आक्रमण उपर विजय पावय।

4. समस्या मन मं पनमेसर के परशंसा करव।

मैं तोर कुति अपन हाथ फइलाके सूक्खा भूंइयां असन प्यासा हवंव।

भजन संहिता 143:6

दाऊद परशंसा के महत्व ल जानत रिहस; वो आराधना मं अपन हाथ ल उठाथे। ओ अपन जरूरत के घोषण करथे—ओकर जरूरत हवय पनमेसर। केवल वो ही ओला संतुष्ट कर सकथे।

जब लोग मनल कोनो चीज के जरूरत होथे अउ ओला वो गलत जगह मं खोजथे तब वोमन उदास हो जाथे अउ उंकर समस्या मन अउ बढ़ जाथें।

यर्मियाह 2:13 मं पनमेसर हम कहे हवय, “काबर कि मोर परजा ह दु बुरई करे हवय वो मन मोला बोहावत पानी के सोता ल तियाग दिये हवंय; अउ वोमन अपन बर टंकी बना लिन अइसे टंकी जोन टूटे हुए हवय, अउ जेमा पानी नइ रह सकय।”

केवल पनमेसर ही एक प्यासे आतमाल पानी पिला सकथे, ये योच के धोखा झन खावव कि कोनो भी चीज पूरा संतुष्ट कर सकथे। गलत चीज मन के पीछू भागे ले तुमन हमेशा निराश होहव अउ निराशा उत्साह हीनता बर दुआरी खोल देथे।

5. पनमेसर ले सहायता मांगव ।

हे यहोवा जल्दी करके मोल सुन ले, काबर कि मोर परान निकलने वाला हवय । मोरले अपन मुंह झन छिपा, अइसे झन होवय कि मैं कबर मं पडे हुए असन हो जावंष ।

भजन संहिता 143:7

दाऊद सहायता मागथे । वो काहत हवय, “पनमेसर जल्दी कर, काबर कि तोर बिन मैं आदा दिन तक जिंदा नइ रह सकहूं।”

6. पनमेसर के सुनव ।

अपन करुणा के बात मोला जल्दी सुना, काबर कि मैं तोरे उपर भरोसा रखे हंव । जोन मारग मं मोला चलना हे, वो मोला बता दे, काबर कि मैं अपन दिमाग तोर कुति ही लगावत हंव ।

भजन संहिता 143:8

दाऊद ये जानथे कि ओला पनमेसर के कहे उपर धियान करना हवय । ओला पनमेसर के परेम अउ करुणा के निश्चय हवय । ओला पनमेसर के अगुवाई ओकर धियान के जरूरत हवय ।

7. छुटकारा बर पराथना करव ।

हे यहोवा मोला बइरी मन ले बचा ले, मैं तोर ही आड मं आ छिपे हंव ।

भजन संहिता 143:9

एक बार अउ दाऊद ये घोषणा करथे कि केवल पनमेसर ही ओकर मदद कर सकथे ।

ये बात उपर खास धियान देव कि ये पूरा गोठ बात मं दाऊद अपन दिमाग समस्या उपर नइ रखके पनमेसर उपर रखत हवय ।

8. पनमेसर के गियान, बुद्धि अउ अगुवाई के खोज करव ।

मोला ये सिखा, कि मैं तोर इच्छा पूरा कर सकंव, काबर कि मोर पनमेसर तैं ही हवस । तोर भला आतमा मोला धरम के रास्ता मं ले चलय ।

भजन संहिता 143:10

शायद ये लगथे कि दाऊद पनमेसर के इच्छा ले बाहर चले गये हवय अउ अपन आतमा उपर सइतान के आक्रमण के दुआरी खोल दिये हवय। वो पनमेसर के ही इच्छा मं रहना चाहथे काबर कि ओ जान गये हवय किसबले सुरक्षित स्थान इही हवय।

तब वो निवेदन करथे कि पनमेसर मजबूत करे मं ओकर मदद करय। मोर विश्वास है कि ये वाक्य "मोला धरमे रस्ता मं ले चल ओकर गड़बड़ भावना मन ल दिखाये। वो सपाट भूँइयां म रहना चाहथे अबड़ खाबड़ भूँइयां मं नइ।

अपन हथियार मन के उपयोग करव

काबर कि हमर लड़ई के हथियार शारिरिक (शरीर अउ खून के हथियार) नइ हवय पर गढ़मन ल तहसनहस करे बर पनमेसर दुआरा सामर्थ पाथे।

त हमन कल्पना मनल अउ हर ऊंचा बात जोन पनमेसर के पहिचान के विरोध मं उठथे, बरबाद करथन अउ हर भावना ल कैदी बना के मसीह के आज्ञा मनइय्या बना देथन।

2 कुरिन्थियों 10:4,5

सइतान निराशा के उपयोग करके लाखों मनुष मन लं अंधियारा अउ हताशी के गड़ढा म डाल देथे। निराशा के परिणाम आत्म हत्या होथे। आत्म हत्या करने वाला वो मनखे होथे जोन अतना जादा नकारात्मक बन गये होथे कि ओला भविष्य बर कोनो भी आशा नइ दिखइ देवय।

सुरता रखव: *नकारात्मक भावनामन नकारात्मक बिचार मन ले आथे।*

दिमाग ही वो युद्ध भूँइया आय जिंहा लड़ाई जीते या हारे जाथे आज ही सकारात्मक बने के चुनाव करव — नकारात्मक कल्पना मन ल छोड़ देवव — अपन बिचार मन ल मसीह के आज्ञा मानने वाला बना देवव (2 कुरिन्थियो 10:5)।

2. पनमेसर के दिमाग रखव।

जेकर दिमाग तोर उपर धीरज रखे हुए हवय ओकर तैं पूरा शांति के साथ रक्षा करथस काबर कि ओ तोर उपर भरोसा रखे हवय।

यीशु के संगति अपन सरग के पिता ले लगातार राहत रिहिस। कोनो के साथ पूरा संगति रखना असंभो हवय जब तक तुमन अपन दिमाग ओ मनखे उपर न रखव। अगर मैं अउ मोर मरद एक मोटरकार मं हवन अउ वो मोर ले बात करत होवय अउ मोर दिमाग कोनो दुसर बात उपर लगे होवय त हमन निश्चित रूपमं संगति मं नइ हवन काबर कि मैं अपन पूरा धियान ओला नइ देवत हंव ये सति मैं ये विश्वास के साथ कहि सकथंव कि अगर कोनो मनखे के बिचार मसीह के दिमाग असन हवय त ओकर दिमाग पनमेसर अउ ओकर सामर्थ भरे काम मन उपर होही।

पनमेसर अउ ओकर काम मन उपर धियान देवब

मोर जीवन मानो चरबी अउ चिकना खाना ले संतुष्ट होही, अउ मे जयजयकार करके तोर स्तुति करहू।

जब बिस्तर मं पड़े मैं तोर सुरता करहू त रात के एक एक पहर मं तोर उपर धियान करहू।

भजन संहिता 63:5,6

मैं तोर जम्मो काम मन उपर धियान करहू अउ तोर बड़े बड़े काम मन ल सोचहू।

भजन संहिता 77:12

मैं तोर उपदेश मन उपरधियान करहू अउ तोर रस्ता मन उपर नजर रखहू।

भजन संहिता 119:15

मोला प्राचीन काल के दिन सुरता आथे, मैं तोर जम्मो काम मन उपर धियान करथंव अउ तोर काम ल सोचथंव।

भजन संहिता 143:5

दाऊद जादा कर पनमेसर के उपर ओकर अच्छई उपर ओकर काम मन उपर अउ मारग मन उपर धियान लगाय बर कहे हवय। पनमेसर के अच्छई अउ ओकर हाथ मन अद्भुत काम मन उपर सोचे ले हमर अद्भुत रूप ले ऊचा उठना होथे।

मैं टेलीविजन में प्रकृति, जानवर, अउ समुंदर के जीवन जंतु मन के कार्यक्रम ल देखना पसंद करथं, काबर कि येमन पनमेसर के महानता अउ ओकर बेहद काम करे के क्षमता ल बताथे अउ ओ जम्मो कुछल अपन सामथे ले संभालथे (इब्रानियों 1:3)।

पनमेसर अउ ओकर मारग अउ ओकर काम मन उपर धियान देना तुंहर जीनगी के एक खास हिस्सा बन जाना चाही तब ही तुमन विजयी जीनगी के अनुभो करे पाहू।

भजन संहिता 17:15 मोर मयारू पद आय एमा दाऊद मनमेसर ले कहिथे, मैं तो धरमी होके तोर मुंह के दर्शन करहूं जब मैं जागहूं त तोर स्वरूप ले संतुष्ट होहूं।

मैं जादा दिन दुःख में बिताय हंव काबर कि जइसे ही मैं सवेरे जागत रहेव त गलत बात मन उपर सोचना शुरू कर देवत रहेव। मैं पक्का कहि सकथंव कि अब मैं पूरा संतुष्ट हंव जब ले मैं मसीह के दिमाग (आत्मा के दिमाग) जोन मोर अंदर हवय, ले काम करना शुरू करे हवंव अउ मोर सहायता पवित्तर आतमा करथे। हर सुबह पनमेसर के संगति करे ले जीनगी में आनन्द भर जाथे।

पनमेसर के साथ संगति

...अगर मैं नइ जाहंव त सहायक तुंहर कना नइ आही पर अगर मैं जाहूं त ओला तुंहर कना भेज दूहूं।

युहन्ना 16:7

ये शब्द ल यीशु सरग जाय के कुछ पहिले कहे रिहिस जिंहा ओ अपन जम्मो महिमा के साथ पिता के जेवनी हाथ में बइठे हवय। ये पद ले ये सफा हवय कि ये पनमेसर के इच्छा आय कि हमन ओकर संगति म रहन।

हमर अपन बिचार हमर सबले नजदीक होथे। ये सति अगर हमन अपन दिमाग ल पनमेसर ले भर लेबो त ओ हमर विवेक में आ जाही अउ हमन ओकर संगति के आनन्द उठावन लगबो, जेकर ले हमर जीनगी में विजय, आनन्द, अउ शांति आही।

वो हमेशा हमर साथ हवय जइसे कि वो परतिज्ञा करे रिहिस कि वो हमेशा हमर साथ रहही (मत्ती 28:20, इब्रानियों 13:5) पर हमन ओकर मौजूदगी के बारे

जब तक नइ जान पावन जब तक हमन ओकर मौजूदगी के बारे में सोचन नइ। मैं कोनो के साथ एक कमरा में रह सकथंव अउ अगर मोर दिमाग बहुत अकन बात मन में लगे हुए हवय मैं उहां ले ओकर मौजूदगी ल बिन जाने उठ के आ सकथंव कि वो उहां रिहिस। इही बात ओकर संगति के बारे में घलो होथे। वो हमेशा हमर साथ हवय पर हमला ओकर बारे में सोचना हवय ओकर मौजूदगी के बारे में सोचत रहना चाही।

3. पनमेसर मोर ले परेम करथे ये दिमाग में बइठाय रखन

अउ जोन पनमेसर हमर ले परेम रखथे ओला हमन जान गयेन, अउ हमला ओकर परतीत हवय; पनमेसर परेम हे; अउ जोन परेम में बने रहिथे वो पनमेसर में बने रहिथे; अउ पनमेसर ओमा बने रहिथे।

1 युहन्ना 4:16

मै ये सीखे हंव कि जोन बात ओकर मौजूदगी बर सच हवय उही ओकर परेम के बारे में घलो सच हवय। अगर हमन ओ परेम उपर जोन ओ हमर ले करथे कभु धियान नइ देबोन त हमन एला अनुभा घलो नइ करबोन।

इफिसियों 3 में पौलुस पराथना करथे कि लोग मन पनमेसर के परेम के अनुभा करंय जोन वो उंकर ले करथे। बाइबिल कहिथे कि ओ हमन ले परेम करथे पर पनमेसर के संतान मन मे से कतना मन पनमेसर के परेम के अनुभा करे हवंय।

मोला सुरता हवय जब मै लाइफ इन द वर्ड सेवा शुरू करे रहेंव। पहिला हप्ता मोला सभा चलाना रिहिस, मैं पनमेसर ले पूछेंव कि ओ मोर ले कोन संदेश देवाना चाहथे अउ ओ जवाब दिस. “मोर लोग मन ले कहिबे कि मैं उंकर ले परेम करथंव।”

“ओमन ये जानथें मैं कहेंव।” मै कुछ अइसे बात सिखाना चाहथंव जो सही में सामर्थी होवय; युहन्ना 3:16 वाला लइका मन के पाठ नइ।”

पनमेसर मोर ले कहिस, “बहुते कमती मनुष अइसे हवंय जेमन सच में ये जानथें कि मैं ओमन ल कतना परेम करथंव। अगर ओमन ये जान लेवेथ त उंकर व्योहार बदल जाही।”

जब मैं पनमेसर के परेम गरहन करइया विषय के अध्ययन करन लगेंव तब मैं ये पहिचानेव कि मोला घलो एकर बहुते जरूरत रिहिस। पनमेसर मोला

अध्ययन बर 1 युहन्ना 4:16 मं लेगिस जिहां ये लिखे हवय कि हमला पनमेसर के परेम बर चेतना होना चाही। एकर मतलब ये हवय कि हमला कार्यशील रूप मं चेतना रहना चाही।

मोर कना एक धुंधला अउ अचेत किसम के समझ रिहिस कि पनमेसर मोला परेम करथे, पर पनमेसर के ये परेम हमर जीनगी मं एक सामर्थ भरे जोर रखथे जोन हमला समस्या मनले निकाल के विजयी बना देथे।

रोमियों 8:35 मं पौलुस हमला प्रेरित करथे, कोन हमला मसीह के परेम ले अलग कर सकही? काय कलेश या संकट, या उपद्रव या अकाल, या नंगाई, या जोखिम या तलवार फिर पद 37 मं कहिथे, पर ये जम्मो बात मं हमन ओकर दुआरा जोन हमला परेम करिस, विजय ले बढ़के हवन।

मै एकर विषय मं बहुत समे तक अध्ययन करे हववं अउ मै पनमेसर के परेम बर जोन वो मोर ले करिस हवय सेचत हो गये हंव। काबर कि मै ओकर परेम के बारे मं सोचथंव अउ चिल्ला के ओला मान लेथंव। पवित्तर शास्त्रा ले मै पनमेसर के परेम के बारे म सीखे हंव उअ मै ओकर उपर धियान लगाथंव अउ मुंह ले मान लेथंव। अइसे मै बहुत महीना तक करंव अउ हर बार ओकर परेम मोर कुति जादा से जादा वास्तविक बनत जावत गिस।

ओकर परेम मोर बर अतना वास्तविक हवय कि कठिन बरवत मं मोर विवेक जब मोला ये बताथे कि ओ मोला परेम करथे त मोला तसल्ली होथे अउ मोर डर खतम हो जाथे।

उख झन

परमे म डर नइ होवय पर सिद्ध परेम डर ल दूर कर देथे...

1 युहन्ना 4:18

पनमेसर हमन ल पूरा परेम करथे चाहे जइसे भी हमन काबर न होवन। रोमियो 5:8 हमन ल बताथे ...पनमेसर हमर उपर अपन परेम के भलाई ये परकार परगट करथे, कि जब हमन पापी ही रहेन तभे मसीह हमर बर मर गिस।

विश्वासी जोन मसीह के दिमाग के उपयोग नइ करंय ओमन ये बात ल जान ही नइ पाही कि उकर दशा कतना भंयकर हवय। उंकर बिचार धरम उपर

आधारित होथे। तुमन के बिचार धरम अउ विवेक दुनो उपर होना चाही अउ तुमन ल नियम पूर्वक ये बात ल सुरता रखना चाही कि तुमन “मसीह मं” कोन हव।

धरम चेतना मं जीयव न कि पाप चेतना मं

जोन पाप नइ जानत रिहिस, ओला ही ओ हमर बर पाप ठहराइस कि हमन ओमा होके पनमेसर के धरम बन जावन।

2 कुरिन्थियों 5:21

जादातर विश्वासी अपन नकारात्मक सोच के कारण बहुत कष्ट पाथें। वो सोचथे कि पनमेसर उंकर ले बहुते नराज हवय काबर कि उंकर कमजोरी मन अउ उंकर हार बहुते जादा हवय।

अपराध भावना अउ अपराध के अनुभो करत हमन कतना जादा समे हमन अइसेही खराब कर देथन। धियान देवव कि मैं कहे हव कि कतना जादा समे तुमन खराब कर देथव काबर कि अइसे बिचार मन ल सोचना समे बरबाद करना ही आय।

इन सोचव कि यीशु मसीह कना आय के पहिली तुमन कतना भंयकर दशा मं रहे हव एकर बदला मं ये सोचव कि कइसे ओमा होके तुमन पनमेसर के धरम बन गये हवव सुरता रखव; सोच काम मं बदल आथे अगर तुमन बने बनना चाहथव त पहिले तुमन ल अपन सोच बदलना पडही। अगर तुमन ये सोचते रहिहव कि तुमन कतना भंयकर दशा मं रहे रहेव त वइसने हे काम गलो करत रहिहव। हर बार जब नकारात्मक अउ अपराधी होय के बिचार तुहर दिमाग मं करतथे सुरता करव कि पनमेसर तुंहर ले परेम करतथे अउ मसीह मं होके तुमन पनमेसर के धरम बन गये हव।

हर बार तुमन जादा बढिया बनत जाहू हर दिन तुमन आत्मिकता मं बढत जाहव। तुहर बर पनमेसर कना एक सुध्दर योजना हवय। ये वो सच आय जेला तुमन ल सोचत रहना हवय।

इही तुमन ल दिमाग मं करते रहिना चाही।

पनमेसर के बचन के अनुसार सावधानी ले विचार करव, अइसन कोनो भी विचार इन करव जोन तुंहर दिमाग मं आवत रहिथे, जेला तुमन अपन बिचार समझन लगथव सइतान ल घुड़क देवव अउ सही विचार करना शुरू करदेवव।

4. उत्साहित करइय्या दिमाग रखव

जोन उपदेशक हवय वो सिखाय मं लगे रहय

रोमियो 12:8

एक मनखे जेकर कना मसीह के दिमाग हवय ओ दुसर लोग मन बर सकारात्मक बिचार रखथे, दुसर मन के अउ अपन उन्नति और निर्माण करथे।

आजकल के संसार मं प्रेरित के सेवा के बहुत जरूरत हवय तुमन अपन शब्द मन दुआरा कोनो ल प्रेरित नइ करे सकहू, जब तक तुंहर कना ओ मनखे बर दयालु बिचार न होवय। सुरता रखव कि जोन तुहर हिरदे मं हवय उंही तुंहर मुंह ले बाहिर आथे। मकसद ल पूरा करे बर परेम ले भरे सोच के उपयोग करव।

परेम के विचार दुसर लोग मन ल भेजव उकर बर उत्साह देवइया बचन मन के उपयोग लावव।

जुन्ना नियम अउ नवा नियम के शब्द मन के “वाइन” शब्द कोश यूनानी भाषा के शब्द “पाराकालियो” के अनुवार प्रेरित के व्याख्या ये परकार ले करथे, “कोनो मनखे ल बुलाना” (पारा-पास मं कालिओ-बुलाना) ... सावधान करना प्रेरित करना, 1 कोनो ल खास व्योहार करे बर आग्रह करना...। ये व्याख्या ल मै ये परकार समझाथंव “कोना मनखे ल, कोनो काम बर ओकर कना जाके प्रेरना देना।” रोमियों 12:8 मं बताय प्रेरित के वरदान ल मनुष मन मं देखे जा सकथे। वो हमेशा एक दुसर ल उत्साहित अउ उन्नति करत हवंय जेकर ले ओ लोग मन जादा बढिया बनत जावत हवय।

हो सकथे हम जम्मो कना प्रेरित के वरदान के सेवा न होवय पर हर मनखे एक दुसर के उत्साह बढाना तो सीख सकथें। ये एक सरल नियम आय: अगर ये बने नइ हे त न तो एला सोचन अउ बोलन।

जम्मो कना पहिले ले ही बहुत समस्या मन हंवय, हमन ओला हताश करके ओकर समस्या मन ल अउ नइ बढाना चाहन। हमला एक दुसर ल परेम मं उठाना हवय। (इफिसियों 4:29) ये इन भूलन: परेम हमेशा हरेक बर बढिया ले बढिया जीनिस के इच्छा रखथे (1 कुरिन्थियों 13:7)।

जब तुमन दुसर लोग मन बर सुंदर विचार मन ल सोचना शुरू कर देथव त तुमन पाहू कि तुमन बढिया व्योहार करना घलो लगथि। बिचार शब्द डब्बा

अउ हथियार असन हवय जेमेन मं सिरजे के या नाश करे के ताकत पाय जाथे इंकर उपयोग या तो सइतान अउ ओकर काम के विरुद्ध कर सकथव या ओकर नाश करे के योजना मं ओकर मदद करे मं कर सकथव।

मन लव कि तुंहर कना एक बच्चा हवय जेमा व्योहार करे के समस्या हवय तुमन ओला बदलना चाहथव। तुमन ओकर बर पराथना करथव अउ पनमेसर ले ओकर जीनगी मं बदलाव बर पराथना करथव। अब तुमन इही बीच मं अपन विचार अउ शब्द मन के साथ काय करथव? जादा कर लोग मन ल उंकर पराथना मन के जवाब कभु नइ मिलय काबर कि जोन ओमन मांगथे ओला ओमन अपन बिचार अउ शब्द मन दुआरा नाश कर देथें एकर पहिले कि पनमेसर बच्चा के जीनगी मं काम करय।

काय तुमन घलो ये बच्चा के बदलाव बर पराथना करथव अउ फिर हर किसम के नकारात्मक विचार ओ बच्चा बर अपन दिमाग मं बढन देथव? या फिर तुमन बदलाव बर पराथना करथव अउ सोचथव कि अउ दुसर मन ले कहिथव, “ये बच्चा कभु नइ सुधरने वाला हवय।” विजयी जीनगी जीये बर तुमन ल अपन विचार मन ल पनमेसर के बचन के अनुसार बनाय रखना होही।

हमन बचन मं नइ चलत हवन अगर हमर बिचार बचन के विरुद्ध हवय हमन बचन मं नइ चलत हवन अगर हमन बचन के अनुसार नइ सोचत हवन।

जब तुमन काकरो बर पराथना करथव त अपन बिचार अउ शब्द मन ल वइसने ही रखव जइसे तुमन पराथना करे हवव त तुमन एक बदलाव देखना शुरू करहूं।

मैं ये नइ काहत हंवकि तुमन असंतुलित हो जाथव। अगर तुंहर बच्चा ल स्कूल मं कोनो व्योहार के बारे मं समस्या हवय अउ कोनो संगी पूछथे कि ओ कइसे करत हवय, त तुमन काय करहूँ, अगर वास्तव मं ओमा कोना बदलाव नइ आय होवय? तुम कहि सकथव, “हमन अभी तक तो कोनो बदलाव नइ देखें हवन फिर भी मैं विश्वास करथंव कि पनमेसर अपन काम करत हवय अउ ये बच्चा पनमेसर बर एक शक्ति भवन आय अउ हमन ओला थोर थोर करके हरेकदिन महिमा मं बदलत देखे बोन।”

5. धन्यावादी दिमाग बनावंव

ओकर फइरका मन ले धन्यवाद अउ अउ ओकर अगंन मं स्तुति करत परवेश करव, ओकर धन्यवाद करव अउ ओकर नांव ल धन्य कहव।

एक मनखे जोन मसीह के दिमाग में बोहावत हवय ओकर विचार परशंसा अउ धन्यवाद ले भरे हुए होही।

असंतोष परगट करे के दुआरा सइतान बर कइ दुआरी खुल जाथे। कुछ लोग मन के अंदर में असंतोष परगट करे के रोग होथे जेकर ले ओमन शरीर में बयमार हो जाथे उंकर जीनगी कमजोर या शक्तिहीन बन जाथे फिर उंकर बिचार अउ बोलचाल में हमला होथे।

धन्यवाद बिन शक्तिशाली जीनगी नइ जीए जाय सकय। बाइबिल हमला धन्यवाद के सिद्धांत के बारे में सिखाथे बिचार अउ शब्द में असतोष परगट करना मिरतु के सिद्धांत आय पर धन्यवाद देना जीनगी के सिद्धांत आय।

कोनो आदमी कना धन्यवाद देवइया हिरदे नइ हवय त ओकर मुंह ले धन्यवाद नइ निकलही जब हमन धन्यवादित होथन त वइसन हमन कहिथन घलो।

हर समे धन्यवाद देवन

ये सति हमन ओकर दुआरा स्तुति के बलि, याने ओ होठ मन के फर जोन ओकर नांव ल स्वीकारथें, पनमेसर ल हमेशा चढ़ाय करन।

इब्रानियों 13:15

हमन कब धन्यवाद देथन? हर बखत—हर हालत में हर जीनिस में अउ अइसे करे ले हमन विजयी जीनगी में परवेश पा जाथन जिंहा सइतान के हमर उपर कोना बस नइ रह जावय।

वो हमर उपर कइसे काबू कर सकथे अगर हमन परसन्न अउ धन्यवादित हवन चाहे कइसनो भी परिस्थिती होवय ये परकार के जीनगी बर परशंसा अउ धन्यवाद के बलि के जरूरत पड़थे। पर मैं तो पनमेसर बर धन्यवाद तो कर सकथंव पर सइतान बर अपन आनंद के बलिदान नइ कर संकव। मैं बड़ कठिनाई ले ये सीखे हंव कि जब मैं गलत मांग करथंव अउ धन्यवाद देना नइ चाहंव त मोर आनंद खतम हो जाथे याने असंतोष परगट करइया आत्मा के दुआरा मै एला खो देथंव।

भजन संहिता 34:1 में दाऊद कहिथे, **मै हर बखत यहोवा ल धन्यवाद कहत रहिहंव, ओकर स्तुति लगातार मोर मुंह ले होवत रहही।** हमन पनमेसर ल कइसे धन्यवाद दे सकथन? ओकर परशंसा हमर वियार मन ले अउ मुह ले लगातार

अगर होवत रहय त हमन ये परकार धन्यवाद दे सकथन।

अहसान मनइय्या बनव। तब जोनो तुंहर साथ कुछ भी भला करय त तुमन वोला बतावव कि तोला ये बने लगिस।

अपन परिवार के लोग मन के साक्ष आदर परगट करव हमन अक्सर ओ चीज मन उपर धियान देथन जेला पनमेसर हमला आशीष के रूप मं दिये हवय उकरं उपर कोना धियान नइ दे के कारण हमन ओला खो देथन।

मैं अपन मरद के परशंसा करथव हमर बिहाव ल कई साल हो गये हवय पर मैं अभी भी ओकर ले बोलथं कि मैं ओकर परशंसा करथंब। वो कइ परकार ले एक धीरज वाला मनखे हवय ओकर अंदर अउ बहुत गुण हवय। मैं जान जाथं कि लोग ये जान लेथें कि हमन ओकर परशंसा करथन त एकर ले हमर बीच मं एक बने रिस्ता बने रहिथे अउ एक दुसर के उन्नति होथे।

अबड़ अकन लोग मन ले मोर पाला पड़थे अउ मोला अचरज होथे कि कुछ लोग मन छोटे छोटे बात मं घलो धन्यवाद परगट करथे जोन ओकर बर किये जाथे पर कुछ लोग मन कभु संतुष्ट नइ होवय चाहे तुमन ओकर बर कतना भी करव। ओमन सोचथें कि ओमन तो ओकर लायक हवंय ओमन कभु परशंसा परगट नइ करंय आदर परगट करना न केवल दुसर मन बर बने हवय पर हमर बर घलो बने हवय काबर कि एकर ले हमला आनंद मिलथे।

हर दिन वो जम्मो चीज मन उपर धियान देवन जेकर बर तुमन धन्यवादित हव। पनमेसर के आगु वोला पराथना मं दोहरावव तब तुमन पाहव कि तुंहर हिरदे जीनगी अउ परकाश ले भर गये हवय।

हर चीज मन बर हमेशा धन्यवाद देव

अउ दाखरस ले मतबार झन होवव काबर कि एकर ले कामुकता पइदा होथे पर आतमा ले भरपूर होवत जावव।

अउ आपस मं भजन अउ स्तुति के गीत अउ आत्मिक गीत आपस गावव अउ अपन दिमाग मं परभु के आगु गावत अउ कीर्तन करत रहव।

अउ हमेशा जम्मो बात मन बर हमर परभु यीशु मसीह के नांव ले पनमेसर पिता के धन्यवाद करत रहव।

कतना सामर्थ वाला वचन हवय ।

मै अउ तुमन कइसे पवित्तर आत्मा ले भरे रहे सकथन? खुद ले बात करके (बिचार मन दुआरा) या दुसर मन ले (अपन शब्द मन दुआरा) भजन कीर्तन आत्मिक गीत गा के । याने अपन बिचार मन अउ अपन शब्द मनल एकदम पनमेसर के बचन अनुसार रख के हर बखत हर चीज जर परशंसा बर के अउ धन्यवाद देके हमन पवित्तर आत्मा ले भरे रहे सकथन ।

6. बचन के दिमाग रखव

अउ ओकर बचन ल अपन दिमाग मं स्थिर नइ रखव काबर कि जोन ओला भेजे हवय ओकर परतीत नइ करव ।

यूहन्ना 5:38

पनमेसर के बचन अउ ओकर बिचार जोन हमर अध्ययन बर अउ सोचे बर कागज उपर लिखे हवय । हर हालत अउ विषय के बारे मं जोन पनमेसर सोचथे उही ओकर बचन आय ।

युहन्ना 5:38 म यीशु कुछ अविश्वासी मन ल फटकार लगाथे इहां हमम देखथन कि पनमेसर के वचन ओकर विचार मन के लिखे हुए रूप मं हवय अउ ओ लोम जेमन विश्वास करना चाहथें अउ विश्वास के बढिया फर के अनुभव करना चाहथें ओमन ल ओकर बचन ल अपन हिरदे मन मं एक जिन्दा संदेश के रूप मं मान लेना चाही । पनमेसर के बचन उपर मनन करके अइसे किये जा सकथे । तब ओकर विचार हमर विचार बन जाथे – मसीह के दिमाग ल अपन अंदर बढाय या बनाय के इही एक रस्ता हवय ।

युहन्ना 1:14 मं बाइबिल कहिथे कि यीशु बचन रिहिस जोन देह धारण करिस । त अइसन असंभो हवय कि ओकर दिमाग पनमेसर के बचन ले भरे न रहय ।

जीनगी के एक महान सिद्धांत हवय जेला हमन सीख सकथन वो हवय पनमेसर के बचन के अध्ययन अउ मनन करना । जुन्ना अउ नवा नियम के शब्द मन के “वाइन शब्द कोष यूनानी भाषा के शब्द जेकर अनुवाद “अध्ययन” आय ओकर ये परकार वर्णन करथे “चिंता करना” “अभ्यास करना” “परिश्रमी होना” “विचार करना” “कल्पना करना” “चिंतन करना” एक दुस सोत वर्णन करथे “फुसफुसाना”अस्पष्ट बोलाना ।

मै जादा जोर देके ये नइ बोल संकव कि ये सिद्धांत कतना महान हवय। मै एला जीनगी के सिद्धांत कहिथं, काबर कि पनमेसर के बचन के अध्ययन बारे ले तुमन ल अउ तुंहर आस पास के लोग मन ल जीनगी मिलथे।

बवइ आकन मसीही मन “अध्ययन” शब्द ले डर गये हवय। काबर कि ओमन दुसर देवी देवता अउ दुसर अलौकिक धरम मन के अध्ययन पद्यति ले एकर तुला करन लगथे पर मै तुमन ता बताना चाहत हवं कि सइतान कना कभु मूल बिचार ये बारे मं नइ रिहिस ओ अंजोर के राज ले कुछ लेके ओला तोड़ मरोड़ के अधियारा के राज के बना देथे। हमला ये समझ रखना चाही कि अध्ययन ले बुरइ ल शक्ति मिल सकथे त भलई बर घलो शक्ति मिल सकथे। अध्ययन के बिचार सोभझे पनमेसर के बचन ले आय हवय। आवव हमन देखन कि ये बारे मं बाइबिल काय कहे हवय।

धियान लगावव अउ मालामाल होव

नियम के ये पुस्तक तोर दिमाग ले कभु झन उतरन पावय; इही मं दिन रात धियान लगाय रहिहव ये सति कि जोन कुछ ओमा लिखे हवय ओकर अनुसार करे के तैं चौकसी करबे; काबर कि अइसने ही करे ले तोर जम्मो काम सफल होही अउ तैं असरदार बनबे।

यहोशु 1:8

ये पद मं पनमेसर हमला सफा बताय हवय कि हमन बचन ल जीनगी मं कभु उपयोग नइ कर सकबोन अगर हमन ओला दिमाग मं नइ बइठा लोबोन।

भजन संहिता 1:2,3 एक धार्मिक मनुष के बारे मं कहिथे: पर वो तो यहोवा के नियम ले खुश रहिथे अउ ओकर व्यवस्था मं रात दिन धियान करत रहिथे। वो वो झाड़ु असन हवय जोन बोहावत नदिया के तीर मं लगाय गये हवय अउ अपन मौसम मं फरथे जेकर पाना कभु नइ मुरझावयं ये सति जोन कुछ वो मनुष करे वो सफल होही।

धियान कर अउ चंगाई पाव

हे मोर बेटा मोर बात धियान ले सुन अउ अपन कान मोर बात मन उपर लगा। येमन ल अपन आंखी ले छिपन मत दे पर अपन गला मं धारण

कर। कावर कि जेमन ल वो मिलथे, वो उकरं जिदा रहे के, अउ ओकर जम्मो तन के चंगा रहे के कारण होथे।

नीतिवचन 4:20–22

सुरता रखव कि “धियान” शब्द के मतलब रिहिस सुनना, अब ये पद उपर बिचार करन जोन कहिथे कि पनमेसर के बचन तन बर स्वास्थ अउ चंगाई के सोत आय। अपन दिमाग मं पनमेसर के बचन उपर मनन करे ले सिरतोन मं तन उपर असर होथे। ये अट्टारह साल मं मोरतन के रूप बदल गये हवय कि मै अब करीवन 15 साल छोटी दिखन लगे हंव, पहिले के बनिस्बत जब ले मै पनमेसर के बचन के सावधानी ले अध्ययन करना शुरू करे रहेंव अउ अपन जीनगी के खास बात बना लिए हंव।

सुनव अउ फसल लुवव

फिर वो उंकर ल कहिस; चौकस रहव, कि काय सुनथव? जोन नाप (बिचार अउ अध्ययन) ले तुमन नापथव (सचाई ल सुनथव) ओकरे ले तुंहर बर घलो नापे (सदगुण अउ समझ) जाही, अउ तुमन ल जादा दिये जाही।

मरकुस 4:24

ये बोय अउ लुये के सिद्धांत असन हवय। जतना जादा हमना बोबो त समे आय म उतने जादा हमन लुबोन। पनमेसर मरकुस 4:24 म कहिथे कि जतना जादा देरी तक हमन बचन के अध्ययन अउ बिचार मं लगाबोन उतने ही जादा हमला ओकर ले फायदा मिलही।

पढ़व अउ काटव (लुवव)

काबर कि कोनो जीनिस छिपे नइ हवय पर ये सति कि परगट होवय।

मरकुस 4:22

ये दुनो पद हमल साफ बताथे कि बचन मं अपार धन छिपे हवय, सामर्थी अउ जीनगी देवइया रहस्य छिपे हवय जेला पनमेसर हमर उपर परगट करना चाहथे। ये उंकर उपर परगट होथे जेमन पनमेसर के बचन उपर धियान

देथें ओकर अध्ययन अउ विचार करथें अउ दिमागी रूप म ओला अभ्यास मं लाथें ।

पनमेसर के बचन के सिखइया होय के कारण मै ये सिद्धांत के सचाई ल खुद जानथव । अइसे लगथे ये पद ले पनमेसर जोन मोला दिखा सकथे ओकर कोनो छोर नइ हवय । जब मै एक बार येला पढथंव त एक बात अगु आथे अउ जब दुसर बार ओकर अध्ययन करथंव त कुहु नवा बात देखथंव जेला मै पहिले देखे नइ रहेंव ।

पनमेसर अपन बचन के रहस्य उकर उपर परगट करथे जेमन परमेसर के बचन ल मान के ओकर पालन करथें । तुमन अइसे मनखे झन रहव जोन दुसर के बताय रस्ता उपर चलथें । वचन के अध्ययन तुमन खुद करव अउ पवितर आतमा दुआरा अपन जीनगी मं सचाई ल भरन देवव ।

पनमेसर के बचन उपर धियान करे के बारे मं मै बहुत जादा लिख सकथंव जइसे मै लिखे हंव कि ये सबले जरूरी बात हे जेला मै अउ तुमन सीख सकथन । जब तुमन दिन भर के काम ल करे बर निकलथव त पवितर आत्मा ल बोलव कि ओ तोला पवितर शास्तर के कुछ बचन सुरता दिलावय कि तुमन ओकर उपर धियान लगा सकव । तुमन अचरज करहू ये देख के कि ये अभ्यास दुआरा तुहर जीनगी मं कतना आ गये हवय । जतने जादा तुमन पनमेसर के बचन उपर धियान करथव उतने ही जादा सामर्थ समस्या मन के बखत पाथव । सुरना रखवः बचन उपर धियान लगाय ले ही बचनल पूरा करे के सामर्थ मिलथे ।

बचन के स्वागत करव अउ गरहन करव

ये सति जम्मो गंदगी अउ बैर के बढ़ती ल दूर करके, ओ बचन ल नम्रता के साथ गरहन कर लव, जोन हिरदे मं बोये गये हवय अउ जोन तुंहर परान मन के उद्धार कर सकथे ।

याकूब 1:21

ये पद मं बताय हवय कि पाप के जीनगी ले हमर उद्धार करे के शक्ति बचन मं हवय, पर तभे जब हमन एला गरहन करथन; एकर स्वागत करथन अउ एला अपन दिमाग म बो लेथन जब अपन दिमाग मं सबसे जादा पनमेसर के बचन उपर धियान देथन तभे ये बचन हमर दिमाग म जरी पकड़त जाथे ।

अगर मैं अउ तै हर बखत अपन समस्या मन उपर धियान लगाये रहित्थन त त ओमा ही गहराई ले जरी पकड़त जाबोन। हमर अंदर या दुसर के अंर जोन गलत गलत बात होवत अगर उंकरे उपर हमन धियान धरबो त हमन ओ गलती मन ले गाढ़ा बनत जाबोन अउ उकर हल कभी नइ कर सकबोन। ये ओकरे असन हवय जइसे जीनगी ले भरे पूरा समुंदर हमर आगु धरे हवय अउ जोन बरतन हमला पानी हेरे बर दिये गये हवय ओ आय पनमेसर के बचन के अध्ययन करना अउ ओकर उपर धियान लगाना।

हमर सेवा के नाव हे लाइफ इन द वर्ड (वचनमं जीनगी) अउ मैं कह सकथं कि पनमेसर के बचन मं जीनगी सिरतोन हवय।

जीनगी ल चुन लेवव

जुन्ना मनुष के सुभाव मं दिमाग लगाना मिरतु हवय पर आत्मिक मनुष के सुभाव मं दिमाग लगाना जीनगी अउ शांति हवय।

रोमियों 8:6

पुस्तक के ये हिस्सा ल खतम करे के बर मैं एक बेर अउ तुंहर धियान फिलिप्पियों 4:8 कुति लेजाना चाहथंव... जोन जोन बात सच हवंय अउ जोन जोन बात मन आदर लइक हवंय; अउ जोन जोन बात मन ठीक हवय अउ जोन जोन बात मन पवित्तर हवंय अउ जोन जोन बात मन परेम करे लइक अउ मयारू हवंय अउ जोन जोन बात मन पसंद आने वाला हवंय ये सति सदगुण अउ परशंसा के बात मन उपर धियान दिये करण।

तुंहर दिमाग के दशा कइसे होना चाही ये पद मं ओकर बारे मं बताथे। तोर कना मसीह के दिमाग हवय ओकर उपयोग करव। जोन बात वो नइ सोचय तोला घलो वो बात ल नइ सोचना चाही।

अपन विचार मन उपर लगातार नजर बनाय रखव, अउ हर भावना ल कैदी बना के मसीह के आज्ञा मानने वाला बन जावव। (2 कुरिन्थियों 10:5)

अगर तुंहर मन तोला गलत रस्ता मं ले जावत हवय त पवित्तर आतमा तुरंत सुरता दिलाथे अउ तब चुनाव तुमन ल करना हे। काय तुमन जुन्ना मनुष के स्वभाव के दिमाग मं बहिहव या आतमा के दिमाग म? एक मिरतु कुति ले जाथे अउ दुसर जीनगी कुति। चुनाव तुंहर हवय।

जीनगी ल चुन लेवव।

भाग III

बंजर दिमाग के
विचार धारा

प्रस्तावना

ये यात्रा केवल ग्यारह दिन के रिहिस। काबर? अइसन कोन बाधा रिहिस जोन ओमन के यात्रा ल खतम नइ होवन देवत रिहिस, उंकर बइरी, उंकर परिस्थिति मन उंकर तकलीफ मा कोनो अउ ही बात?

होरेब (सीनै) ले कादेशबर्ने (कनान) तक सेइर के रस्ता ग्यारह दिन के हवय, तबले इस्राएली मन चालीस साल मं पंहुचिन।

व्यवस्था विवरण 1:2,3

जब मैं ये बात उवर विचार करत रहेंव, पनमेसर मोला एक जोरदार रहस्य बताइस जेकर ले मोला अउ दुसर हजारों लोग मन ल मदद मिलिस। पनमेसर मोल कहिस, इस्राएली मन ग्यारह दिन के यात्रा पूरा करे मं चालीस साल लगा दिन काबर कि उंकर “मानसिकता रसहीन” रिहिसया बंजर दिमाग रिहिस।

तुमन ल इहां रहत बहुते दिन हो गिस हे

हमर पनमेसर यहोवा होरेब कना हमला कहिस, कि तुमन ल ये पहाड़ कना रहन बहुते दिन हो गये हवंय।

व्यवस्था विवरण 1:6

हमला अचरज ले इस्राएली मन कुति नइ देखना चाही काबर कि हमर मे के अधिकतर लोग मन घलो उही करबोन जइसे ओमन करे रिहिन। हमन घलो बिन आगु बढे उही पहाड़ मन के आसपास चक्कर काटत रहिथन। फर ये होथे कि कोनो समस्या उपर जय पाय मं हमला सालो लग जाथे जब कि जल्दी जीत पाय जा सकथे।

मैं सोचथंव कि पनमेसर आज मोर ले अउ तुन ले उही बात काहत हवय जोन वो इस्राएली मन ले ओ बखत मं कहे रिहिस:

“तुमन ल ये पहाड़ कना रहत बहुते दिन हो गये हवय।”

दिमाग लगाव व अउ लगाय रहव

पिरथी उपर के नइ पर सरग के चीज मन उपर धियान लगावव ।

कुलिसयों 3:2

पनमेसर मोला दस “नीरस दिमाग” दिखाइस जोन इस्त्राएली मन के रिहिस जेकर कारण ओमन चालिस साल तक मरुस्थल में भटकत रिहिन। नीरस दिमाग एक गलत किसम के दिमाग आय।

हमर दिमाग गलत अउ ठीक हो सकथे। ठीक ले हमला फायदा होथे अउ गलत हमला चोट लगाथे अउ हमर उन्नति में बाधा डालथे कुलिसयों 3:2 हमला सिखाथे कि हमला धियान लगाना हवय अउ लगाय रखना हवय। हमला अपन दिमाग सही दिशा में लगाना हे गलत दिमाग न केवल हमर परिस्थिती मन उपर असर डालथें पर हमर भीतर के जीनगी में घलो असर करथें।

कुछ लोग मन मरुस्थल में ही रहिथे अउ कुछ लोग मन के दिमाग नीरस ही रहिथे।

एक बखत राहय जब मोर हालात अतना खराब नइ राहय पर मोर जीनगी में आनंद नइ राहय काबर कि मैं भीतरी ले नीरस रहेंव। डेव अउ मोर एक सुधर घर रिहिस, तीन ल सुधर लइका रिहिन बढ़िया नौकरी रिहिस बढ़िया जीनगी बर बस पइसा रिहिस मैं ओ आशीष मन के आनंद नइ ले सकेंव काबर कि मोर कना नीरस दिमाग रिहिस मोर जीनगी मोला एक नीरस जीनगी मालुम होवत रहय काबर कि मैं उही परकार हर बात ल देखे करत रहेंव।

कुछ लोग मन हर बात मनल नकारात्मक ढंग ले ही देखथें में काबर कि ओमन अपन जीनगी में दुःखी परिस्थिती मन के ही अनुभों करथें हवय अउ ओमन कोनो बने बात के कल्पना नइ कर सकयं। कुछ लोग मन अइसे होथे जोन हर बात में बुरई अउ नकारात्मकता देखथें, काबर कि ओमन भीतरी ले वइसने ही रहिथें। एकर कारण चाहे कुछ भी काबर न होवय, एक नकारात्मक दिमाग एक मनखे ल दुःखी बना देथे अउ ओला परतिज्ञा के देश में जाय ले रोक देथे।

पनमेसर इस्त्राएली मन ल मिसर के गुलामी ले छुड़ा के परतिज्ञा के देश में ले जाय बर बुलाय रिहिस, एक अइसन देश जोन हमेशा बर उंकर रहही, जिहा गोरस अउ मदरस के धारा बोहात रिहिस, अउ हर बढ़िया बात जेकर ओमन

कल्पना कर सकत रिहिन उहां रिहिस। अइसे देश जिंहा कोनो बात के कमी नइ रिहिस, जीनगी के हर एक क्षेत्र के वस्तुमन के भरमार र रिहिस।

ओ पीढ़ी के अधिकतर लोग, जेमन ल पनमेसर मिसर ले हेर के लाय रिहिस ओ परतिक्षा के देश मं दाखिल नइ हो सकिन: अउ ओमन मरूस्थल मं ही मर गिन। मोर बर ये बहुते दुःख के बात आय कि पनमेसर के संतान जेकर बर जम्मो कुछ भरमार रखे होवय अउ फिर भी ओकर मजा नइ ले सकिन।

मैं घलो अपन मसीही जीनगी मं बहुते साल तक उही लोग मन असन रहे रहेंव। मैं परतिज्ञा के देश मं सरग) के मारग मं उपर रहेंव। पर मैं यात्रा के मजा नइ लेवत रहेंव। मैं मरूस्थल मं मरत रहेंव। पर पनमेसर के करुणा बर धन्यवाद, मोर अंधियार जीनगी मं एक अंजोर के किरण आइस, अउ वो मोला रस्ता दिखाके मोला बाहिर हेर लिस।

मै पराथना करत हंव कि ये पुस्तक के ये अध्याय तुंहर बर अंजोर करही अउ तुमन ल अंधियार ले हेर के पनमेसर के मयारु बेटा के राजके महिमा भरे अंजोर मं ले जाही।

प्रस्तावना

16

“मोर भविष्य ह; मोर बीते समे
अउ मोर आज के बरवत ले
निश्चित होथे ।”

बंजर दिमाग के विचार धारा #1

“मोर भविष्य ह; मोर बीते समे अउ मोर आज के बरवत ले निश्चित होथे”

बंजर दिमाग के विचार धारा #1

प्रस्तावना
16

इस्त्राएली मन कना अपन जीनगी बर कोनो सकारात्मक दर्शन या सपना नइ रिहिस। वोमन ये तो जानत रिहिन कि कहां ले आय हवंय पर ओमन ये नइ जानत रिहिन कि ओमन जावत कहां हवंय। वोमन जोन

देखत रिहिन या देख सकत रिहिन हर बात एकरे उपर आधारित राहय। “विश्वास के आंखी” ले कइसे देखे जाथे वोमन ये बात नइ जानत रहंय।

जिंहा दर्शन के बात नइ होवय,
उहां लोग निरंकुश हो जाथे।

नीतिवचन 29:18

छुटकारा दिलाय बर अभिषेक

परभु के आत्मा मोर उपर हवय ये सति कि वो कंगाल मन ल सुसमाचार सुनाय बर मोर अभिषेक करे हवय अउ मोला ये सति भेजे हवय कि गुलाम मनल छुटकारा के अउ अंधवा मन ल नजर पाय के सुसमाचार परचार करंव अउ कुचरे हुए मनल छुड़ाव।

अउ परभु के खुश रहे के साल के परचार करंव।

लूका 4:18,19

मैं गाली गलौच वाले महौल ले आय हववं एक गडबडी वाले परिवार मं मोर पालन पोषण होय हवय। बचपन डर अउ कष्ट ले भरे हवय। जानकार मन के कहना हवय कि बच्चा के स्वभाव ओकर जीनगी के पहली पांच साल मं बन जाथे। मोर सुभाव गड़बड़ रिहिस। मैं अपन चारों मुड़ा सुरक्षा दिवाल बना लिए रहेव किलोग मन मोला कष्ट झन पहुंच सकंय। मैं दुसर मन ल बाहिर मं बंद करत रहेंव, पर अइसे करके मैं खुदल बंद करत रहेंव। मैं बहुत जादा डर ले भरे रहेंव अउ जीनगी के सामना करे बर मैं सोचत रहेंव कि सब मन उपर मोर नियंत्रण हवय ये सति कोनो मोला कष्ट नइ दे सकंय।

सियान होय के बाद मसीही जीनगी के शैलीअपनावन लगेंव अउ मसीह बर जीए के कोशिश करन लगेंव; मै ये जानत रहेंव कि मैं कहां ले आय हवंव पर ये नइ जानत रहेंव कि मैं कहां जावत हवंव। मै सोचे करंव कि मोर भविष्य मोर बीते बखत के कारण अंधियार भरे हवय। मैं सोचत रहेंव “कि कइसे कोनो के भविष्य बने हो सकथे जबकि ओकर बीते बखत अइसन होवय? ये असंभो हवय।” तब ले यीशु मसीह ह कहिस मै रोगी मन ल चंगा करे, टूटे हिरदे मन ल जोड़े घायल मन ल छुड़ाव बर आय हंव।

यीशु गुलाम मन ल स्वतंत्र करे बर आइस जब तक मोला ये विश्वास नइ हो गिस कि मैं स्वतंत्र हो सकथंव तब तक मोर कोनो उन्नति नइ होइस। मोला अपन जीनगी बर सकारात्मक दर्शन पाना रिहिस। मोला ये विश्वास करना रिहिस कि मोर भविष्य मोर बीते बखत अउ आज के उपर आधारित नइ राहय।

तुहर बीते बखत कतनो कष्ट में काबर न रहे होवय हालात मन कतना भी नकरारत्मक अउ दुःख भरे काबर न होवय, तुमन निराश हो गये हव तब पर मैं तुमन ले साहस ले काहत हंव कि तुहर भविष्य तुंहर बीते समे अउ आज के समे ले ठहराय नइ जावय।

एक नवा दिमाग रखव। विश्वास रखव कि पनमेसर मं जम्मो बात समभो हवय (लूका 18:27) मनुष बर कुछ बात संभो हो सकथे, पर हमन अइसे पनमेसर के सेवा करथन जोन शुन्य ले दिखने वाला वस्तु मन ल बना दिस (इब्रानियों 11:3) तुमन अपन शुन्य ओला दे देवव अउ ओला अपन काम करन देवव। वो सिरिफ तुंहर विश्वास चाहथे। वो चाहते कि तुमन ओकर उपर विश्वास करव अउ बाकी काम ल ओ कर दीही।

आंखी देखे बर कान सुने बर

त यिशै के तुड़गा ले एक डार फूटही अउ ओकर जरी ले एक थांगहा निकर के फर फरही:

अउ यहोवा के आत्मा, बुद्धि अउ समझ के आत्मा जुगत अउ सामर्थ के आत्मा गियान अउ यहोवा के डर माने के आत्मा ओकर उपर ठहर ही।

अउ ओला यहोवा के डर खुशबू असन भाही। ओ मुंहदेखी नियाय नइ करही अउ न अपन कान मन ले सुने के अनुसार फइसला करही।

हमन सिरिफ अपन तन के आंखी मन ले देख के कोनो बात ठीक होय के फइसला नइ कर सकन। हमर कना देखे बर “आतमा के आंखी” अउ सुने आतमा के कान हवय हमला आतमा के बात सुनना चाही। तुंहर भविष्य बर पनमेसर ल अपन ले बात करन दव हर कोनो ल संसार ले नइ।

इस्त्राएली मन बात मनल लगातार जइसे हवय बइसने हे देखत रिहिन अउ गोठियावंय। परमेसर ओमनल मूसा दुआरा मिसर ले बाहिर हेरिस, ओकर दुआरा परतिज्ञा के देश के बारे मं गोठियाइस। वो चाहत रिहिस कि वोमन अपन आंखी उहें लगाय रखव जिंहा ओमन जावत हवंय अउ जिंआ ओमन पहली रिहिन उहां ले अपन आंखी हटालेवंय। आवव पवित्रशास्तर के कुछ पद ल देखन जोन उकरं गलत व्योहार ल सफा दिखाथे।

समस्या काय हे?

जम्मो इस्त्राएली मूसा अउ हारून उपर बुड़बुड़ावन लगिन अउ जम्मो मण्डली उंकर ले कहन लगिन कि बने रहितिस कि हमन मिसर मं ही मर गये होतेन। या ये मरूस्थन मं ही मर जातेन।

यहोवा हमन ल ओ देश मं ले जाके काबर तलवार ले मरवाना चाहथे? हमन औरत अउ बाल बच्चा मन तो लूट मं चले जाहीं; काय हमर बर बने नइ हे कि हमन मिसर देश लहुट जावन?

गिनती 14:2:3

ये हिस्सा ल धियान देके देखे बर मै तुमन ल उत्साहित करत हंव। ये लोग मन कतना नकारात्मक रिहिन—दोष निकालइया, जल्दी हिम्मत हरइया, परतिज्ञा के देश मं जाय के बदले गुलामी म जाना पसंद करइया लोग।

सिरतोन मं अंकर कना समस्या नइ रिहिस, वोमन खुदे समस्या रिहिन।

बुरा विचार बुरा सुभाव ल पइदा करथें

उहां मंडली के लोग मन बर पानी नइ मिलिस; त ओमन मूसा अउ हारून के विरुद्ध जमा हो गिन।

अउ ये बोल के मूसा ले झगड़न लगिन बने होतिस हमन उही बखत ही मर गये होते जब हमर भाई यहोवा के सामने मर गिन! (फलेग के

कारण) अउ तैं यहोवा के मंडली ल ये मरुस्थल मं काबर ले आयेस कि हमन अपन पशु मन समेत इहां मर जावन?

गिनती 20:2-4

इंकर शब्द मन ल हमन देखथन कि इस्त्राएली पनमेसर उपर थोकन घलो भरोसा नइ करत रिहिन। उंकर नकारात्मक अउ असफल सुभाव रिहिस वोमन काम ल शुरू करे के पहिली ही फइसला ले लेवत रिहिन कि ओमन असफल हो जांही काबर कि हर परिस्थिती सिद्ध नइ रिहिस गलत बिचार के कारण उकर व्योहार अइसे बन गये रिहिस।

बुरा सुभाव बुरा बिचार के ही फर आय। भलई ल भूले के सुभाव

फिर ओमन होर पहाड़ ले आगु बढके लाल समुंदर के रस्ता लिन, कि एदोम देश ले बाहिर बाहिर घूम के जावंय, अउ लोग मन के दिमाग रस्ता के कारण व्याकुल हो गिस।

त ओमन पनमेसर के विरुद्ध बोळियावन लगिन, अउ मूसा ले कहिन तुमन हमन ल मिसर ले मरुस्थल मं मरे बर काबर लाय हव? इहां न तो रोटी, अउ न पानी हवय अउ हमर परान ये बेकार रोटी ले दुखित हवय।

गिनती 21:4,5

ये हिस्सा मं हमन इस्त्राएली मन के सुभाव मं आभार माने के कमी ल देखथन। इस्त्राएली मन ये बात ल भुला नइ पावत रिहिन कि वो कहां ले आय हवंय।

अगर वोमन अपन पुरखा इब्राहीम ल धियान देतिन त एकर ले ओमन ल मदद मिल सकत रिहिस। ओला घलो अपन जीनगी मं कुछ निराशा भरे अनुभा होय रिहिस पर ओ अपन भविष्य ल नकारात्मक नइ होवन दिस।

झगरा के साथ जीनगी नइ

त आब्राम अउ लूत के भेड़-बकरी अउ गाय बइला के चरवाहा मं झगरा होइस; अउ ओ बखत कनानी अउ परिज्जी लोग ओ देश मं राहत रिहिन

त अब्राम लूत ले कहन लगिस मोर अउ तोर बीच अउ मोर अउ तोर चरवाहा मन के बीच मं झगरा झन होवन पावय; काबर कि हमन भाई बन्धु हवन।

काय जम्मो देश तोर आगु नइ हे? त मोर ले अलग हो, अगर तैं डेरी कुति जाबे मै जेवनी कुति जाहूं; अउ अगर तैं जेवनी कुति जाबे त मै डेरी कुति जाहूं।

त लूत आंखी उठाके यरदन नदिया के पास वाले जम्मो तराई ल देखिस, कि ओ सिंचइ वाला हवय। जब तक यहोवा ह सदोम अउ अमोरा ल नाश नइ करे रिहिस तब तक सोअर के रस्ता तक वो तराई यहोवा के बगइचा अउ मिसर असन उपजाऊ रिहिस।

त लूत अपन बर यरदन के जम्मो तराई ल चुन के पूरब कुति गिस अउ एक दुसर ले अलग हो गिन।

उत्पत्ति 13:7-11

झगरा मं जीनगी जीए के खतरा ल इब्राहिम जानत रिहिस, ये सति ओ लूत ले कहिस कि ओमन ल अलग हो जाना चाही। कि आगु उकरं बीच मं झगरा झन होवय अउ अइसे ही परेम बने रहय ये सति इब्राहीम अपन भतीजा घाटी मं क्षेत्र चुने के अनुमति दे दिस। लूत यरदन नदियां वाला क्षेत्र चुन के अलग हो गिस।

हमला सुरता रखना चाही कि लूत कना तब तक कुछु नइ रिहिस जब तक इब्राहीम ओला आशीष नइ दे देइस। इब्राहीम के सुझाव के बारे मं सोचव, जोन ओकर हो सकत रिहिस पर ओ अइसन नइ चुनिस। वो जानत रिहिस कि अगर वो ठीक काम करहीं त पनमेसर ओकर खुदे चिंता करही।

अपन आंखी उठा के देखव

नव लूत अब्राम ले अलग हो गिस त ओकर बाद यहोवा अब्राम लेकहिस आंखी उठा के जोन स्थान मं तैं हवस उहां ले उत्तर-दक्षिण, पूरब-पश्चिम चारों खूंट नजर कर।

काबर कि जतना भूइयां तोला दिखाई देवत हवय, ओ जम्मो ल मै तोला अउ तोर वंश ल जुग-जुग बर दूहूं।

उत्पत्ति 13:14-15

ये खण्ड हमला सफा बताथे कि जब इब्राहीन अउ लूत अलग-अलग हो गिन तब इब्राहीन कना उतना बने परिस्थिती मन नइ रिहिन, पर पनमेसर चाहत रिहिस कि ओ अपन आंखी उठा के ओ स्थान ल देखय जिंहा पनमेसर ओला ले जाना चाहत रिहिस।

इब्राहीम के सुभाव अपन परिस्थिती मन के साथ बने रिहिस ये सति सइतान पनमेसर के आशीष मन ल नइ रोक सकिस, जेला पनमेसर इब्राहीम ल देना चाहत रिहिस। पनमेसर अब ओला अउ भी जादा चीज मन के मालिक बना दिये रिहिस अउ क्षेत्र मं ओला भरमार आशीष दिस।

अपन भविष्य के संभावना मन कुति सकारात्मक नजर ल देखे बर मै तुमन ल उत्साहित करत हंव अउ “जोन बात मन हवंय ही नइ ओला ए परकार लेव कि जइसे ओमन हवंय” (रोमियों 4:17)। अपन भविष्य के बारे मं सकारात्मक ढग ले सोचव अउ बोलव, जेला पनमेसर तुहंर हिरदे मं रखे हवय, अउ जोन तुमन अपन बीते बखत मं या वर्तमान मं देखे हव ओला भूल जावब।

प्रस्तावना

17

“मोर बदलामं कोनो अउ करय
मैं जवाबदारी लेना नइ चाहंव।”

बंजर दिमाग के विचार धारा #2

“मोर बदलामं कोनो अउ करय मैं जवाबदारी लेना नइ चाहंव।”

प्रस्तावना

बंजर दिमाग के विचार धारा #2

17

जवाबदारी ल अक्सर कहे जाथे “पनमेसर के योग्यता बर हमर जवाब।” पनमेसर हमर आगु जोन मऊका रखे हवय ओकर पालन करना ही हम जवाबदारी आय।

पनमेसर अब्राम के बाप ल एक जवाबदारी संउपे रिहिस ओकर योग्य होय के जवाब दे बर एक मऊका ओकर आगु रखे रिहिस पर पनमेसर के साथ यात्रा पूरा करे के बदला वो हारान मं रहना चुन लिस अउ उंहे रहन लगिस।

अउ तेरह अपन बेटा अब्राम अउ अपन पोता लूत जोन हारान के बेटा रिहिस अउ अपन बहू, सारै जोन ओकर बेटा अब्राम के औरत रिहिस ये जम्मो ल लेके कसदी मन के ऊर नगर ले निकल कनान देश जाय बर चलिस, पर हारान नांव देश मं पहुच के उंहे रहन लगिस।

उत्पत्ति 11:31

पनमेसर जब हमर ले पहल करके गोठियाथे अउ हमला कुछ करे के मऊका देथे त जोश मं आ जाना सरल होथे। पर तेरह असन हमन जोन काम शुरू करथन ओला खतम/पूरा नइ कर पावन काबर कि जब हमन एला शुरू करथन त हमला मालूम होथे कि येमा अउ बहुते जादा बात मन जुरे हवंय केवल जोश मं काम नइ होवय।

अधिकतर नवा साहस के काम जोश ले भरे रहिथे काबर कि नवा पन होथे पर जोश मं कोनो मनखे थोरकन दूर तो जा सकथे पर वो काम के आखिरी तक नइ पहुंच सकय।

अधिकतर विश्वासी मन उही करथें जोन बाइबिल बताय हवय कि तेरह जोन करिस। वोमन एक स्थान जाय बर शुरू करथें अउ रस्ता मं दुसर स्थान मं रूक जाथे। वोमन थक जाथे अउ रूक जाथें, वोमन अपन काम ल पुरा करना तो चाहथें पर ओकर साथ जुरे जवाबदारी हवय ओला नइ उठाना चाहंय। अगर ओकर बदला मं कोनो दुसर मनखे ओ काम ल कर देवय तब वो वो महिमा के श्रेय खुद लेना चाहथें, पर ये ये परकार ले पूरा नइ होवय।

खुद के जवाबदारी दुसर नइल दिये जाय सकय

दुसर दिन मूसा लोग मन के कहिस, तुमन बड़े पाप करे हव अब मै यहोवा कना चढ़ जाहू; समभो हवय कि मै तुंहर पाप के प्रायश्चित कर सकव।

त मूसा यहोवा कना जाके कहन लगिस, कि हाय हाय ओ लोग मन सोना के देवता बनवा के बड़ पाप करे हवय।

फिर भी तै उकरं पाप क्षमा कर—नइ तो अपन लिखे पुस्तक ले मोर नांव ल काट दे।

निर्गमन 32:30—32

मै पढ़े हंव अउ अध्ययन करे हंव त मै ये जाने हंव कि इस्त्राएली मन कोनो बात के जवाबदारी नइ लेवत रिहिन मूसा ल उंकर बदला मं पराथना करना पड़त रिहिस वो उंकर बर पनमेसर ल खोजय अउ इहां तक कि जब वोमन कोनो समस्या मं फंस जावत रिहिन त उंकर बर पराथना घलो करत रिहिस (निर्गमन 33:1—4)।

एक बच्चा कोनो बात के जवाबदार नइ होवय पर जब बच्चा बाढ जाथे त ओकर ले ये आशा रखे जाथे कि ओ जादा ल जादा जवाबदारी ल संभालय। माता पिता के ये कर्तव्य हवय कि अपन बड़े बच्चा मन ल जवाबदारी लेना सिखावयं पनमेसर के अपन बच्चा मन बर इही इच्छा हवय।

पनमेसर मोला ये मऊका दिस कि मै पनमेसर के सेवा मं हंव ओकर वचन ल मै जम्मो अमेरिका अउ दीगर देश मं रेडियो अउ टेलीविजन दुआरा सिखावत हंव। पर मै तुमन ल निश्चय दिलाना चाहत हंव कि ये बुलाहट मं एक बात जवाबदारी के घलो हवय जेला जादातर लोग मन नइ जानयं। अधिकतर लोग मन कहिथे कि वोमन सेवा मं जाना चाहथे काबर कि ओमन सोचथें कि ये एक लगातार चलने वाला घटना आय।

बहुत लोग मन हमर संस्था मं नौकरी बर आवेदन देथें ये सोच के कि सबले बड़े बात जोन उंकर साथ हो सकथे वो हवय मसीही सेवा के एक हिस्सा बन जाना। बाद मं ओमन ल ये पता चलथे कि इहां भी ओमनल उही काम करना पड़ही जोन दुसर स्थान म करना पड़थे ओमन ल सवरे उटना होही सही बखत म आफिस पहुंचना होही कोनो के अधिकार मं रहना पड़ही नियम अनुसार रोज

के कार्यक्रम के पालन करना पड़ही जब लोग कहिथे कि वोमन हमर बर काम करना चाहथे, त मै ओमन ल कहिथव कि हमन जम्मो दिन बादर मं उड़त "हालेलुय्याह गान" नइ गावन—हमन काम करथन अउ कठिन काम करथन। हमन सचाई मं चलथन जोन भी करथन बहुत बढ़िया काम करथन।

सेवा मं काम करना एक खास अधिकार आय, पर मै नवा आवेदन देवइया मन ल ये बात सफा सफा बता देथंव कि जब जोश खतम हो जाथे त ओमन जान जाही कि हमन उंकर ले ऊचा दर्जा के जवाबदारी के आशा रखथन।

चांटी मन कना जावव!

हे आलसी, चांटी कना जा, उंकरं उपर धियान दे अउ बुद्धिमान होजा।

उंकर कोनो नियाय करइया नइ होवय, न परधान, अउ न प्रभुता करइया तब ले ओमन गर्मी के मौसम मं जमा करथें अउ कटनी के बखत अपन खाना बटोरथें हे आलसी तैं कब तक सोवत रहिबे? तोर नींद कब टूटही?

कुछ अउ सोले, थोरकन नींद, एक अउ झपकी, थोरकन अउ छाती उपर हाथ रखे लेटे रह त तोर कंगाली बटमार असन, तोर कभी हथियार बंद असन आ पड़ही।

नीतिवचन 6:6-11

इस्त्राएली मन के इही आलसी दिमाग रिहिस जेकर कारण ग्यारह दिन के यात्रा के बदला ओमन चालीस साल तक मरुस्थल मं भटकना पड़िस।

मोला नीतिवचन के ये खंड बने लगथे जेमा हमर धियान चांटी कुति खींचे गये हवय, उंकर उपर कोनो अधिकारी नइ हे जोन उंकरं अउ उंकर परिवार बर खाना के बन्दोबस्त करय।

अइसे लोग, जेमन ल कुछ करे बर दुसर मन ल धक्का लगाना पड़थे ओमन कभु कोनो बडे काम नइ कर पांही। कुछ लोग तभे सही काम करथें जब ओमन ल कोनो देखत होवय, अइसन लोग मन घलो सफल नइ होहीं। हमर अंदर काम करे के इच्छा होना चाही। हमला पनमेसर के आगु अपन जीनगी अइसे जीना चाही ये जानत हुए कि हमला वो देखत हवय अउ हमर इनाम ओकर कुति ले आही जब हमन सिरिफ उही करबो जेला करेबर ओ कहे होवय।

बुलाय गये बहुत हवंय, चुने हुए थोरकन हवंय

बुलाय गये बहुत हवंय, चुने हुए थोरकन हवंय...

मती 20:16

बाइबिल के एक शिक्षक ल मैं एक बेर ये कहत सुनेव कि ये पद के मतलब बुलाय हुए बहुत हवंय या बहुत मन ल एक मरुका दिये हवय कि पनमेसर बर कुछ काम करंय, पर बहुत थोडकन ओ जवाबदारी ल उठाय के इच्छा रखथें।

जइसन मैं एकर पहिली वाले अध्याय मं बताय हंव कि बहुत मन कना इच्छा हड्डी (विशबोन) होथे पर रीढ़ के हड्डी नइ होवय। बंजर दिमाग वाले लोग चाहथें तो सब कुछ पर करंय कुछ नइ उकर मानो रीढ़ नइ हवय।

उइ अउजा!

यहोवा के दास मूसा के मिरतु के बाद यहोवा अपन सेवक यहोशु ले जोन नून के बेटा रिहिस, कहिस,

मोर दास मूसा मर गये हवय त अब उठ कमर कस अउ ये जम्मो परजा समेत यरदन पार होके ओ देश मं जा जेला मै आमन ल याने इस्त्राएली ल देवत हंव।

ओ बचन के अनुसार जोन मै मूसा ले कहे हंव, याने जोन जोन स्थान मं गोड़ धरहू वो जम्मो मै तुमन ल देवत हवं।

यहोशु 1:1-3

जब पनमेसर यहोशु ले कहिस कि मूसा मर गये हवय अउ अब यहोशु ल ओकर स्थान लेना हवय अउ लोग मन ल यरदन के पार परतिज्ञा के देश मं ले जाय के अगुवाई करना हवय एकर मतलब रिहिस कि पनमेसर यहोशु ल एक नवा जवाबदारी सऊंपत हवय।

इही बात हमर बार घलो सच हवय जब हमन अपन आत्मिक जवाबदारी मांगथन। तुमन अउ मै कभुभी पनमेसर के अभिषेक किये हुए सेवा ल नइ कर पाबोन अगर हमन गंभीर होके अपन जवाबदारी मनल उठाय के इच्छा नइ रखन।

देखव इही ठीक बखत हे

जोन हवा ल ताकत रहही वो बीजा बोअन नइ पाही अउ जोन बादर ल देखत रहही, वो लूवन नइ पाही।

समोपदेशक 11:4

1993 में जब पनमेसर मोला अउ डेव ल दिखाईस कि वो चाहथे कि हमन ज्ण्टण में जावन, वो कहिस, “मैं तुमन ल टी. वी. मंजाय के एक उऊका देवत हंव पर अगर तुमन ये मऊका ल अभी नइ लेहव त ये तुंहर कना दुबारा कभु नइ आही।” अगर पनमेसर हमला नइ बतातिस कि ये मऊका उही खास बखत बर हवय त हमन शायद देरी कर देतेन। आखिर में हमन अइसे स्थिति में रहेन जिहा हमन सुख के अनुभो कर सकत रहेन।

नौ साल तक हमन बचन के सेवा (लाइफ इन द वर्ड) ल एक बच्चा असन पालेन। अब हमला पनमेसर एकाएक जादा मनखे मन तक पहुंच बनाय के मऊका देवत रिहिस जेला हमन अपन हिरदे ले करना चाहत रहेन। ये करे बर हमला अपन अराम वाले स्थिति ल छोड़ना होही अउ नवा जवाबदारी ल समालना होही।

जब पनमेसर अपन लोग मन ल कुछ करे बर कहिथे, त एक ठीक बखत के इतिजार करे के परिक्षा हमर आगु आ जाथे (प्रेरितों के काम 24:25)। काम ल रोके रखे के एक प्रवृति होथे, जब तक ओकर कुछ कीमत चुकाना न पड़ जाय।

मैं तुमन ल उत्साहित करत हंव अइसे मनखे बने बर जोन जवाबदारी उठाय ले डरत झन होवय। जब तुमन विरोध के सामना करथव त तुंहर अंदर शक्ति के विकास होथे। अगर तुमन सिरिफ सरल काम ही करथव त तुमन हमेशा कमजोर बने रहिहव।

पनमेसर तुंहर ले अउ मोर लेइही चाहथे कि हमन हर बात ल जोन ओ हमला देखे जवाबदार रहन—ओ काम मन ल करन जेकर ले हमर जीनगी में फर आवय। ओ जोन हमला वरदान अउ कुशलता दिये हवय यदि हमन ओकर उपयोग नइ करन त हमन ओकर प्रति अपन जवाबदारी नइ निभावत हवन।

तइयार रहन

ये सति जागत रहव, काबर कि तुमन न ओ दिन ल जानत हव न ओ घड़ील।

मत्ती 25:13

बाइबिल के मती 25 अध्याय हमला सिखाथे जब हमन यीशु के दुबारा आय के इतिजार करत हवन त हमला काय करना चाही ।

पहिला बारह पद मं दस कुंवारी मन के जिकर हवय जेमा पांच मूरख रिहिन अउ पांच बुद्धिमान। मूरख मन ओकर ले मिले बर कुछ खास काम नइ करे रिहिन। ओमन जितना कम काम हो सकत रिहिस करिन इहां तक कि अपन कुप्पी बर भी बस मात्रा मं तेल नइ लिन। बुद्धिमान कुंवारी मन जरूरत ले जादा काम करिन ओमन जरूरत ले जादा तेल ले लिन कि अगर दुल्हा के आय मं देरी भी हो जावय त उकरं मशाल जलत रहय।

जब दुल्हा आइस त मूरख कुंवारी मन के मशाल बुझावत रिहिस ओ चाहत रिहिन कि बुद्धिमान कुंवारी मन ओमन ल जरा से तेल दे देवय। अधिकतर इही होथे। जोन लोग आलसी होथे बोमन हमेशा काम ल टालत रहियें वो चाहथे कि ओ लोग जोन मेहनती हवय, उकरं जवाबदारी ल पूरा करत रहंय।

तुमन ल जोन दिये गये हवय ओकर उपयोग करव

हे दुष्ट अउ आलसी दास...।

मती 25:26

मती 25 अध्याय मं हमन एक दृष्टांत पाथन जेमा यीशु तीन दास मन के जिकर करथे जेमा ओकर मालिक कुछ तोडा दिये रिहिस। फिर उंकर स्वामी दूर देश चले गिस। अउ ओ चाहत रिहतस कि ओकर गैर हाजरी मं ओकर दास ओकर सामान के देखभाल बने ढग ले करंय।

जोन दास ल पांच तोड़ा दिये गये रिहिस ओ उंकर उपयोग करके पांच तोडा अउ कमाइस। जेला दू तोड़ा दिये गये रिहिस वो घलो वइसने हे करिस पर जेला एक तोड़ा दिये गये रिहिस ओ ओला भुंझ्यां मं गड़िया दिए रिहिस काबर कि ओ डरले भरे राहय वो बाहर जाके कुछ करे ले घबरावत राहय वो जवाबदारी ले डरावत रिहिस।

जब मालिक लहुट के आइस त ओ अपन दु दास मन ल सराहिस जेमन अपन तोडा के उपयोग करिन। पर जोन दास अपन तोड़ा भुंझ्यां मं गड़िया दिये रिहिस ओकर ले कहिस, “हे दुष्ट अउ आलसी दास।” अउ ओ आज्ञा दइइस कि ओ एक तोड़ा ओकर ले ले लिये जावय अउ ओ दासल दे दिये जाय जेकर कना अउ दस तोड़ा हवय अउ ये दुष्ट अउ आलसी दास ल सजा दिये जावय।

पनमेसर तुमन ल योग्यता दिये हवय ओकर उपयोग करे बर मैं तुमन ल उत्साहित करत हंव कि जब मालिक लहुट के आवय त न सिरिफ तुमन ओला वो ही देवव जो ओ तुमन ल दिये हवय पर ओकर ले अउ जादा दे सकव।

बाइबिल सफा सफा हमला बताथे कि पनमेसर के हमर बर इही इच्छा हवय कि हमन बने फर लावन (युहन्ना 15:16)।

चिंता न कि जवाबदारी ओकर उपर डाल देवन

ये सति पनमेसर के बलवान हाथ के नीचे दीन बन के रहव जेकर ले वो तुमन ल ठीक समे मं बढावय।

अउ अपन जम्मो चिंता ओकर उपर डाल देवव काबर कि ओला तुंहर धियान है।

1 पतरस 5:6,7

जवाबदारी ले झन डरव। जवाबदारी नइ पर चिंता ल ओकर उपर डालना सीखव कुछ लोग मन कोनो बात के परवाह नइ करंय ओमन अपन चिंता डाले म अतना विशेषज्ञ हो जाथे कि चिंता के साथ अपन जवाबदारी ल घलो डाल देथे अउ संतुष्ट हो जाथें।

तुहम सामने जोन कुछ हवय ओकरे उपर अपन दिमाग लगावव ओकर ले ये कारण दूर झन भागव काबर कि ओ तुंहर बर चुनौती भरे लगत हवय।

हमेशा सुरता रखव कि जोन कुछ तुमन पनमेसर ले मांगथव अगर वो जम्मो कुछ तुमन ल पनमेसर दे देथे त ये आशीष के साथ साथ ए जवाबदारी घलो जुड़े हवय। अगर तुंहर कना अपन घर अउ मोटर कार हवय त पनमेसर चाहथे कि तुमन ओकर देख माल बने ढंग ले करव। आलसी सइतान तुंहर दिमाग अउ तुंहर भावना मन उपर हमला करथे सकथे। पर तुंहर कना मसीह के दिमाग हवय। अउ तुमन निश्चित ही सइतान के ये धोखा ल चिन्हे सकथव अउ जोन ठीक हवय वो कर सकथव। कोनो बात ल मांगना तो सरल हवय पर ओकर प्रति जवाबदारी ल निभाय ले ही चरित्र के निर्माण होथे।

मोला एक घटना सुरता हवय जब मैं अपन मरद ले झील के किनारे वाले घर ल खरीदे बर आग्रह करत रहेंव, जिंहा हमन पराथना करे बर आराम करे बर अउ अध्ययन करे बर जा सकन। एक अइसे स्थान जोन ये वातावरण ले

जरा अलग होवय। मै बताय करंव कि ये कतना अदभुत होही, हमर बच्चा मन नाती पोता मन उहां मजा कर सकही अउ हमन अपन अगुवाई के सेवा ल घलो उहें ले जा सकबोन। अपन सभा मन ल अउ पराथना मन ल उंहे कर सकबोन वो समे कतना महिमा भरे होही।

सुने मं येमन बने लगत रिहिस पर डेव मोला लगातार बतावत रिहिस कि ये जम्मो बात के देखरेख बर हमला काय काय करत रहना होही। ओ मोला सुरता कराइस कि हमन पहिले ही कतना व्यस्त हवन अउ एक दुसर घर के जवाबदारी उठाय बर हमर कना बखत नइ होही, बगीचा के देख रेख घर के देख रेख, खर्चा आदि के बारे मं ओ पहली मोला बताइस। ओ कहिस अगर हमन कुछ बाहिर जाना चाहथन त बने होही कि हमन एक किराया के मकान ले लेवन कि हमन ओ जवाबदारी ले बचे रहन जोन घर खरीदे के बाद हमर उपर आही।

मैं अभी तक केवल भावना के नजर ले ही देखत रहेंव पर वो व्यवहारिक नजर ले देखत रिहिस। जब भी हमन कोना निर्णय करथन त हमला दुनो पहलु देखना चाही, केवल मजा के ही नइ पर जवाबदारी ल घलो विचार करना चाही जोन ओकर साथ जुड़े हवंय। झील के किनारे के घर बहुत सुध्दर तो होही पर उंकर मन बर जेंकर कना देख रेख करे बर पर्याप्त बखत होवय, पर सच मं हमर कना समे नइ हे। हिरदे के गहराइ ले मैं एला समझत रहेंव फिर भी एक साल तक डेवल वो घर खरीदे बर कहतेच रहेंव।

मैं खुश हंव कि वो दृढ़ रहिस। अगर वो दृढ़ नइ होतिस त मै निश्चित हव कि हमन ओ घर खरीद लिए होतेन थोड़ा समे अपन कना रखे होतेन अउ बहुत काम बढ जाय के कारण आखरी मं हमन बेच दिये होतेन। फिर अइसे होइस कि हमर एक मितान झील के किनारे के एक घर खरीद लिस अउ ओकर अनुमति ले हमन कभु कभु उंहा जाके ओकर उपयोग करथन।

अगर तुमन बुद्धि के उपयोग करथव त पनमेसर तुंहर जरूरत मन ल पूरा करथे। हर एक मनखे जोन मसीह के दिमाग ले काम करथे, वो बुद्धि के दुआरा चलथे भावना दुआरा नइ चलाय जावय।

जवाबदेह बनव!

प्रस्तावना

18

“कृपया हर बात न सरल बना
दीजिए कठिन बात मोर ले
नइ हो सकय।”

बंजर दिमाग के विचार धारा #3

“कृपया हर बात न सरल बना दीजिए कठिन बात मोर ले नइ हो सकय।”

बंजर दिमाग के विचार धारा #3

प्रस्तावना
18

दिमाग के ये गलत स्थिति पनमेसर के लोग मन बर एक समस्या बन गये हवय अउ मैं ये विश्वास करथंव कि पुस्तक मं एला एक अध्याय के रूप में रखना बने होही।

देखव, ये जोन आज्ञा तुमन ल सुनावत हंवं ओ न तो तोर बार अनोखा अउ न दूरिहा हे।

व्यवस्था विवरण 30:11

ये सबले जादा चलइया बहाना हवय जेला मैं पराथना मं अक्सर लोग मन ले सुनथंव। सलाह अउ पराथना बर जब कोनो मोर कना आथे त मैं ओला कहिथंव कि पनमेसर के बचन काय कहिथे या पवित्तर शास्तर काय बताथे त ओकर जवाब होथे, “मैं जानथंव कि ये ठीक हे। पनमेसर घलो मोर ले इही काहत हवय। पर जॉसस, ये बहुत कठिन हवय।”

पनमेसर मोला बताय हवय कि बइरी लोग मन के दिमाग मं इही वाक्य डाल देथे कि ओमन हिम्मत हार जावंय। कुछ साल पहिली जब पनमेसर मोर उपर ये सचत परगट करे रिहिस, वो मोला कहिस कि ये कभु झन कहव हर बात बहुत कठिन हवय, अगर तै काम शुरू कर देथस त बात मन खुद सरल हो जाहीं।

फिर जब हमन काम करे के ठान लेथन त घला अपन जादा समे ये सोचे या बात करे मं बिता देथन कि “ये कतना कठिन हवय” अउ तब काम ह अउ भी कठिन हो जाथे काबर कि हमन सकारात्मक होय के बदला नकारात्मक हो जाथन।

जब मैं पनमेसर के बचन मं दूढन लगेंव कि मोला कोन परकार के जीनगी जीना हे अउ व्योहार रखना हवय अउ तब मैं ओकर तुलना अपन खुद के व्योहार ले अउजीनगी ले करेंव, त पनमेसर ले मैं कहेंव, “पनमेसर मैं तोर ढंग ले व्योहार अउजीनगी रखना चाहथंव पर ये बहुत कठिन हवय।” पनमेसर मोला व्यवस्था विवरण 30:11 लेगिस जिंहा वो कहिथे कि ओकर आज्ञा मन न कठिन हवंय न दूर हवंय।

पनमेसर के आज्ञा मन बहुत कठिन नइ हवयं येकर कारण ये हवय कि वो हमला पवित्तर आतमा देथे जोन सामर्थ के साथ हमर जीनगी मं काम करथे अउ ये आज्ञा मन ल पालन करे बर हमर मदद करथे।

एक सहायक

अउ मै बाप ले विनती करहूँ, अउ ओ तुमन ल एक अउ सहायक दीही, कि ओ हमेशा तुंहर साथ रहय।

युहन्ना 14:16

जब हमन पनमेसर के अनुग्रह उपर भरो नइ करन ओकर मदद नइ लेवन अउ अपन ओर ले कोनो काम ल करे के कोशिश करथन तब ओ काम अउ जादा कठिन हो जाथे अगर ये जीनगी मं जम्मो कुछ सरल होतिस त हमला पवित्तर आतमा के सामर्थ के जरूरत ही नइ होतिस। बाइबिल ओला एक “सहायक” के रूप मं बताय हवय वो हमर मदद बर हमेशा हमर संग हवय अउ हमर अंदर हवय कि हमन वो सब कर सकन जेला हमन नइ कर सकन अउ मै इहां कहना चाहथं कि ओ जम्मो काम सरलता ले करथन जोन ओकर बिना कठिन होथे।

सरल रस्ता अउ कठिन रस्ता

जब फिरोन लोग मन ल जाय के आज्ञा दे दिस तब पलिशती मन के देश ले होके जोन रस्ता जाथे वो छोटे रिहिस फिर भी पनमेसर ये सोच के ओमन ल ओ रस्ता ले नइ ले गयिस, कि कहूँ ये झन होवय कि जब ये लोग लड़ई देखंय तब पछता के मिसर मं लहुट आवय।

निर्गमन 13:17

तुमन निश्चित हो सकथव कि जिहां कहूं पनमेसर तुमन ल ले जाथे ओ तुमनल सुरक्षित रखथे। वो हमला कोनो अइसन परिक्षा मं नइ पड़न देवय जोन सहे के बाहर होवय। (1 कुरिन्थियों 10:13) ओ जोन भी आज्ञा देथे ओकर कीमत भी पटाथे अगर हमन ओकर उपर पूरा निर्भर रहन त ओ हमला अइसन ताकत देथे जेकर दुआरा हमन जीनगी के संघर्ष मन ले निपट सकथन।

अगर तुमन ये जानथव कि पनमेसर तुमन ल कुछ करे बर कहे हवय त सिरिफ इही कारण पाछू झन हट जावव कि ये बहुत कठिन हवय। अगर बात मन कठिन हो जाथें त ओकर साथ अउ जादा बखत देवव अउ ओकर उपर भरोसा रखव अउ ओकर ले अउ जादा अनुग्रह पा लेवव (इब्रानियों 4:16) जादा।

बिना कोनो कीमत के पनमेसर के ताकत जो हमर कना आथे वो पनमेसर के अनुग्रह आय जेकर दुआरा हमन जम्मो काम कर सकथन जेला हमन अपन खुद के ताकत ले नइ कर सकन। ये बिचार ले घलो सावधान रहन जोन ये कहिथे कि “मैं ये नइ कर सकंव, ये बहुते कठिन हवय।”

कभु कभु पनमेसर हमला सरल के बदला कठिन रस्ता ले ले जाथे काबर कि वो हमर अंदर काम करथे। अगर हमर जीनगी मं जम्मो सरल हो जावय कि हमन खुद ही ओला संभाल लेवन त ओकर उपर निर्भर होना कइसे सीख पाबोन्स?

पनमेसर इस्त्राएली मन ल लंबा अउ कठिन रस्ता ले ले गइस काबर कि ओमन कायर रिहिन अउ पनमेसर ओमन ल ओ लड़ई मन ले लड़े बर तइयार करत रिहिस जोन ओमन ल परतिज्ञा के देश मं लडना होही।

अधिक लोग मन ये सोचथें कि परतिज्ञा के देश मं दाखिल होय के ये मतलब हवय कि अब जम्मो लड़ई खतम हो गइस पर अइसे सोचना गलतफहमी आय अगर तुमन वो पढ़व जब इस्त्राएली यरदन नदिया पार कर चुकिन अउ परतिज्ञा के देश अधिकार जमाने वाला रिहिन त तुमन देखहू कि ओमन एक के बाद एक युद्ध लड़िन। पर पनमेसर के ताकत अउ निर्देश मन दुआरा जम्मो युद्ध जीतत गिन।

पनमेसर ओमन ल एक लंबा अउ कठिन रस्ता ले ले गये रिहिस जबकि एक छोट कन अउ सरल रस्ता घलो रिहिस काबर कि ओ जानत रिहिस कि ओमन ओ युद्ध मनल लड़े बरतइयार नइ हवंय जोन ओमन ल परतिज्ञा के देश मं अधिकार जमाय बर लड़ना होहीं वोला ये चिंता रिहिस अपन बइरी मनल देखे के बाद वोमन मिसर वापस न भाग जावंय, ये सति वो ओमन ल लबा रस्ता ले लेगइस ये सिखाय बर कि ओ कोन आय अउ ओ अपन खुद उपर निर्भर रहि के कुछु नइ कर सकंय।

जब एक मनखे कठिन बखत ले गुजरथे त ओकर दिमाग हिम्मत हार जाथे। सइतान जानथे कि अगर वो हमर दिमाग मं हमला हरा सकथे त वो हमला हमर

अनुभो मे घलो हरा सकथे ये कारण ये बहुत जरूरी हवय कि हमन उत्साह हीन इन ओवन अउ न थकन अउ न होश खोवन।

दृढ़ अउ अटूट बनव

हमन भला काम करे मं हिम्मत न हारन, काबर कि अगर हमन ढीला नइ पड़बोन, त ठीक बखत मं कटनी काटबोन।

गलतियों 6:9

हिम्मत हारे के, ढीला होय के मतलब हवय दिमाग मं उत्साह हीन हो जाना। पवित्तर आत्मा हमला बताथे कि हमला अपन मन मं हताश नइ होना चाही काबर कि अगर हमन लगे रहिबाने त कटनी जरूर काटबोन।

यीशु के बारे मं सोचव बपतिस्मा के तुरंत बाद ही वो पवित्तर आत्मा ले भरगिस अउ आत्मा ओला जंगल मं ले गइस कि सइतान ले ओकर परिक्षा हो सकय। ओ असंतोष परगट नइ करिस वो निराश अउ उत्साह हीन नइ होइस। वो नकारात्मक ढंग ले सोचना अउ बोलना शुरू नइ करिस। वो ये नइ सोचिस कि अइसे काबर होवत हवय वो हर बात के परिक्षा मं विजय पाइस।

अपन परिक्षा के बखत मं हमर पनमेसर चालीस दिन अउ रात ये काहत जंगल म नइ फिरिस कि ओह ये कतना कठिन हवय। ओ अपन सरग के बाप ले ताकत लेवत रहिस अउ आखरी मं विजय पाइस (लूका 4:1-13)।

काय तुमन ये कल्पना कर सकथव कि यीशु अपन चेला मन के साथ देश घूमत समे ये कहत जावत रिहिस कि हर बात कतना कठिन हवय? कुरुस उठाना कतना कठिन हवय अवइय्या बात मन कतना भंयकर हवय हर दिन के परिस्थिती मन ल देखत ये जीनगी कतना निराशा भरे हवय, अइसे कानो स्थान नइ हे जेला ओ अपन कह सकय सिर उपर कोनो छानी नइ, रात मं सुते बर कोनो पलंग नइ।

जब मै सुसमाचार परचार करे बर अलग अलग जगहा मं जाथंव त मोला ये सीखना पड़िस कि मै कभु ओ कठिनाइ मन के बारे मं बात इन करंव जोन मोर ये सेवा के काम म मोर सामने आथे। हर बार एक अपरिचित होटल मं ठहरना कतना कठिन हवय ये बारे मं कभु अपन असंतोष परगट इन करंव घर ले दूर बाहिर के खाना, नवा नवा लोग मन ले मिलना।

मोर कना अउ तुंहर कना मसीह के दिमाग हवय, अउ हमन ये बात मन के सामना उही परकार कर सकथन जइसे वो करे रिहिस: “हिम्मत हार जाने वाली सोच” नइ पर “विजयी सोच” के दुआरा अपन दिमागल तइयार करना हे।

दुःख के बाद सफलता

त जब मसीह ह तन मं होके दुःख उठाइस त तुमन घलो ओकर दिमाग ल धर के अपन हथियार बांध लव काबर कि जोन तन मं दुःख उठाइस वो पाप ले छूट गिस।

कि भविष्य मं अपन बाकी तन के जीनगी मनुष मन के अभिलाषा मन के अनुसार नइ पर पनमेसर की इच्छा के अनुसार बितावव।

1 पतरस 4:1,2

कठिन बात मन के अउ बखत उपर विजयी होय के बारे म ये खंड हमला एक रहस्य बताथे। ये दू पद मन के बारे मं मोर ये व्याख्या हे:

ओ जम्मो बात अउ घटना मन उपर विचार करव जेकर सामना यीशु ह करे रिहिस कि कोन परकार तन म होके वो दुःख उठाय रिहिस, एकर ले तुमन ल अपन कठिनाई मन ले सामना करेमं मदद मिलही। युद्ध के बखत मं हथियार बांधलवन विजय पाय के तइयारी करव जइसे यीशु ह करिस... “पनमेसर ल परसन्न करे मं असफल हो जाय के बदलामं मै धीरज के साथ दुःख सह लेहव।” ... काबर कि अगर मै दुःख उठाथंव अउ मोर कना मसीह के दिमाग हवय, त सिरिफ खुद ल परसन्न करे बर ही नइ जीहंव, सिरिफ सरल काम ही नइ करहूं अउ जोन कठिन हवय ओकर ले नइ भागहूं। पर मै पनमेसर के इच्छा ल पूरा करे बर जिंदा रहहूं अपन भावन, इच्छा, अउ विचार मन ले दूर रहिहंव।

पनमेसर के इच्छा पूरा करे बर तन म होके दुःख उठाना जरूरी है।

मोर सेवा मं मोला बहुत यात्रा करना होथे, जोन मोर तन ल पंसद नइ हे पर मैं जानथंव कि पनमेसर के मोर बर इही इच्छा हे पीछु मोला चलना हे। ये सति मोला ये विषयमं सही सोचना हे इही मोर हथियार आय नइ तो शुरू करे के पहिली मैं हार जाहूं।

तुंहर जीगी मं हो सकथे कोनो अइसन मनखे होवय जेकर साथ तुमन एक पल भी बिताना कठिन समझत होहव अउ फिर भी तुमन जानथव कि पनमेसर

तुंहर ले चाहथे कि तुमन ओ मनखे ले रिस्ता बनाय रखव अउ ओकर ले दूर झन भागव। ये स्थिति मं ओ मनखे ले रिस्ता बनाय रखना सरल काम नइ हे अउ तुंहर तन दुःख उरठाही पर ये स्थिति के बारे मं सही किसम के सोच रख के खुद ल तुमन तइयार कर सकथव।

मसीह के योग्यता मं हमर योग्यता

मैं दीन होना घलो जानथव अउ बढना घलो जानथंव: हर एक बात मं जम्मो दशा मन मं मैं संतुष्ट होना भूखा रहना अउ बढना-घटना सीखें हंव। जोन मोला सामर्थ देखे ओमा मैं जम्मो कुछ कर सकथंव।

फिलिपियों 4:12,13

सही सोच हमर बर युद्ध के “हथियार” आय। गलत सोच के साथ युद्ध मं जाना उही परकार हवय जइसे बिन हथियार के युद्ध मं जाना अगर हमन अइसे करथन त हमन विजय नइ पा सकन। इस्त्राएली मन कुड़कुड़ाने वाला रिहिन इही एक कारण रिहिस कि ओमन चालीस साल तक मरुस्थल मं भटकत रिहिन जो ह सिरिफ ग्यारह दिन के यात्रा रिहिस। हर एक कठिनाई के आवत ही ओमन चिल्लाना शुरू कर देवत रिहिन, हर नवा चुनौती के प्रति वोमन असंतुष्टी परगट करत रिहिन, हमेशा कहंय कि इहां के हर बात बहुते कठिन हवंय। उंकर दिमाग रिहिस, “कृप्या कर हर बात ल सरल बना देवव, मैं कठिनाई मन के सामना नइ कर सकंव।”

मैं कुछ ही दिन पहले जानेव कि अधिकांश विश्वासी मन इतवार के अच्छा योद्धा होथें अउ सम्मार के चिल्लाइया अउ असंतुष्ट मनखे बन जाथे इतवार के गिरजा मं अपन मितान ले मन ले बहुत बढ़िया बढ़िया बात करथें, पर सम्मार के जब ओ जम्मो बात मन के व्योहार करना होथे अउ अपन असर डाले बर जब आस पास कोनो नइ रहंय, वोमन छोटे छोटे परिक्षा मं घलो मूरछा खा जाथें।

अगर तुमन चिल्लाने वाला अउ कुड़कुड़ाने वाला मनखे हव त अपन दिमाग नवा बना लव जोन ये कहिथे मैं मसीह के दुआरा जम्मो कुछ कर सकथंव जोन मोला सामर्थ देखे। (फिलिपियों 4:13)

प्रस्तावना

19

“मोर बस नइ चलय मोला कुड़कुडाय
के दोष लगाय के अउ असंतोष
जताय के आदत हवय।”

बंजर दिमाग के विचार धारा #4

“मोर बस नइ चलय मोला कुड़कुडाय के दोष लगाय के अउ असंतोष जताय के आदत हवय।”

बंजर दिमाग के विचार धारा #4

प्रस्तावना
19

काबर कि अगर कोना पनमेसर के विचार करके अन्याय ले दुःख उठावत कष्ट सहित्थे त ये सुहाना हवय।

कठिन बखत के दौर मं अपन व्योहार ले जब तक हमन पनमेसर के महिमा करना नइ सीख जावन तब तक हमर समस्या मन ले छुटकारा नइ हे। हमर दुःख अउ कष्ट उठाय ले पनमेसर के महिमा नइ होवय पर ये दुःख मन मं हमर ईश्वरीय सुभाव के दुआरा ही पनमेसर के महिमा होथे अउ हमन ओला परसन्न कर सकथन।

काबर कि अगर तुमन अपराध करके घूंसा खाएव अउ धीरज रखेव त एमा काय बड़ई के बात हे? पर अगर भला काम करके दुःख उठाथव अउ धीरज रखथव त ये पनमेसर ल माथे।

1 पतरस 2:19,20

ये वचन मन ल सावधानी के साथ समझत पढ़व कि पनमेसर हमला काय देना चाहथे। मै ये मानथंव कि मैं ये पद मन के सालों अध्ययन करेव ये समझे बर कि मोर दुःख उठाय ले पनमेसर अतना परसन्न काबर होथे जब कि बाइबिल सफा बताथे कि यीशु मोर दण्ड के पीरा अउ कष्ट मन ल अपन उपर ले लेइस। (यशायाह 53:3-6)

बहुत साल के बाद मैं ये सफा जानेव कि 1 पतरस के ये पद मन के मुख्य विषय कष्ट नइ हे पर कष्ट मं कोन परकार के व्योहार रखना हे येही मुख्य बात हे।

ये खंड मं “धीरज” शब्द उपर धियान देवव जोन ये कहित्थे जोन हम साथ गलत व्योहार करथे अउ हम धीरज के साथ ओला सह लेथन त ये पनमेसर माथे। जोन बात ओला माथे वो कष्ट नइ पर व्योहार के धीरज आय। हमर कष्ट मन मं हमला यीशु के व्योहार देखे बर कहे गये हवय जेमा वो अन्याय के आक्रमण ल घलो धीरज के साथ सह लिस।

यीशु हमर नमूना

अउ तुमन एकरे बर बुलाय घलो गये हव काबर कि मसीह घलो तुंहर बर दुःख उठा के, तुमन ल एक नमूना दे गये हवय, कि तुमन घलो ओकर चिन्हा उपर चलव।

न तो ओ पाप करिस न ओकर मुह ले छल के कोनो बात निकलिस।

वो गाली सुनके गाली नइ देवत रिहिस, अउ दुःख उठाके कोनो ल भी धमकी नइ देवत रिहिस, पर अपन आप ल सच्चा नियायी के हाथ मं सरुपत रिहिस।

1 पतरस 2:21-23

यीशु सम्मान के साथ दुख उठाइस चुपचाप बिन दोष लगाय हर बात मं मनमेसर उपर भरोसा रखत चाहे परिस्थिती मन कइनो भी काबर नइ होंवय। हर दशा मं एक समान ही रहिस। अइसे नइ कि जब जम्मो बात सरल रिहिस त वो धीरज धरिस अउ जब बात मन कठिन हो गिन त ओ अपन धीरज खो दिस।

ये पद हमला बताथे कि यीशु हमर नमूना आय अउ हमला ये सिखाय बर आइस के कोन किसम के जीनगी जीना हे। दुसर मन बर अपन व्योहार कोन परकार रखना हवय। ये ओमन ल सिखाथे कि ओमन ल घलो कोन परकार के जीवन जीना चाही। हमन अपन बच्चा मन ल शब्द मन ले जादा अपन नमूना दुआ सिखा सकथन हमन ओ जिंदा पत्री हवन जेमन ल जम्मो लोग पढथें (2 कुरिन्थियों 3:2,3) – ये अधकार ले डूबे संसार बर हमन तेज परकाश हवन (फिलिप्पियों 2:15)।

दीनता, नम्रता अउ धीरज बर बुलाहट

त मै जोन प्रभु मं कैदी हंव तुमन ले विनती करत हंव कि जोन बुलाहट ले तुम बुलाय गये रहेव ओकर लायक चाल चलव।

याने जम्मो दीनता अउ नम्रता सहित अउ धीरज धर के परेम ले एक दुसर के सह लेवव।

इफिसियों 4:1,2

कुछ समे पहिले हमर परिवार के जीनगी मं एक अइसे स्थिति आ गये रिहिस

जोन एक श्रेष्ठ उदाहरण के काम करही, जब हमन ये बात उपर बिचार करबो कि हमला नम्रता, दीनता अउ धीरज के साथ कष्ट उठाना हे।

हमर बेटा डेनियल डोमिनिकन रिपब्लिक ले लहुट के आय रिहिस। ओकर बांह मन उपर फफोला पड़ गये रिहिस अउ बहुत अकन घांव घलो रिहिस। डोमिनिकन रिपब्लिक मं एला आइवी विष के नांव ले जाने जावत रिहिस। ये अतना खराब दिखई पड़त रिहिस कि हमन निश्चित होना चाहत रहेन कि वास्तव मं ये काय रिहिस। हमर परिवार के डाक्टर ओ दिन छुट्टी मं रिहिस ये सति हमन दुसर डाक्टर ले समे ले लियेन।

हमर बेटी सैन्ड्रा फोन ले डाक्टर ले समे ले लिये रिहिस अउ ओ डेनियल के उमर घलो बता दिये रिहिस अउ ये घलो बता दिये रिहिस कि मै ओकर बहिनी आंव अउ मै ओला लेके आवत हंव। वो दिन हमन बहुते जादा व्यस्त रहेन। पैतालिस मिनट मं वो डाक्टर के क्लीनिक पहुंच गिस। नर्स ओकरले कहिस, “मोला माफी करब, पर ये हमर नियम हवय कि हमन बच्चा मन के इलाज तब तक नइ करन जब तक उकरं दाई ददा साथ मं नइ होवंग।”

सैन्ड्रा समझाय के कोशिश करिस कि ओ फोन मं खासमखास ये बता दिये रिहिस कि ओ अपन भाई ल लेके आवत हवय अउ ओ अक्सर अइसे करथे काबर कि ओकर दाई—ददा मन अक्सर यात्रा मं रहिथें। नर्स ये बात मं अड़ गये रिहिस कि ओकर दाई—दादा ल साथ मं होना ही चाही।

सैन्ड्रा कना गुस्सा होय के पूरा मऊका रिहिस ओ बहुते जादा व्यस्त होय के बावजूद समे निकाले रिहिस मगर ओकर जम्मो योजना वेकार गिस। येमा ओकर बहुते जादा बखत खराब हो गये रिहिस।

ओकर शांत अउ मयारू बने रहे मं पनमेसर ओकर मदद करिस ओ अपन ददा ल फोन करिस जोन अपन दाई कना गये रिहिस ओ कहिस कि वो आवत हवय अउ सब ठीक ठाक हो जाही। डेव ल ओ सबेरे अइसे लगिस कि ओला हमर आफिस जाके मोर कुछ पुस्तक अउ टेप ल पहिले ले लेना चाही जब कि डेव ल ये बात के पता नइ रिहिस कि ओ येकर साथ काय करही ओला अइसे लगिस कि ओला जाना हे अउ ये चीज मन ल उठा लेना हे।

जब ओ डाक्टर के क्लीनिक मं पहुंचिस त एक औरत जोन बिमार मन के नांव लिखत रिहिस ओ डेव ल कहिस कि काम वो एक पादरी आय अउ काय ओ जॉमस मेयर के मरद आय। ओ कहिस, हां, औरत ह कहिस कि वो मोला

टी वी उपर देखथे अउ हमर नाव काफी सुन रखे हवय अउ अब ओ आश्चर्य चकित हवय कि काय ये उही मनखे आय। डेव ओकर ले थोड देर बात करिस अउ मोर एक पुस्तक जोन 'भावनात्मक चंगाई' उपर हवय ओला देइस।

तुमन ल ये घटना बताय के मोर मकसद ये हवय: अगर सैन्झा गुस्सा हो गये होतिस या अपन धीरज खो दिये होतिस त काय होतिस। ओकर गवाही अगर नष्ट नइ होतिस त बिगड़ जरूर गये होतिस। एकर ले वो औरत ल कतना आत्मिक हानि हो होतिस जोन मोला टी वी उपर देखे करत रिहिस अउ फिर मोर परिवार के बुरा व्योहार देखतिस।

बहुत अकन लोग मन आज ये संसार मं पनमेसर ल ढूढे के कोशिश करत हवयं, हमन ओमन ल काय बताथन एकर ले जादा महत्व रखथे कि हमन ओमन ल काय दिखावत हवन। सुसमाचार सुनाना घलो जरूरी हवय पर अगर हमर व्योहार ओ सुसमाचार के शब्द मन के अनुसार नइ हवय त सुसमाचार नइ सुनाय ले भी खराब होही।

सेन्झा ह ये स्थिति के कष्ट मनल धीरज के साथ सहलिस अउ पनमेसर के बचन कहिथे कि अइसे ही व्योहार अउ सुभाव रखे बर हमर बुलाहट हवय।

यूसुफ के धीरज के साथ कष्ट उठाना

ओ यूसुफ नाव के एक आदमी ल उंकर ले पहिली भेजे रिहिस जोन गुलाम होय बर बेचे गये रिहिस।

लोग मन ओकर गोड़ मन मं बेड़ी मन ल डाल के ओला दुःख दिन: ओ लोहा के सांकर ले जकड़े गइस।

जब तक ओकर बात पूरा नइ होइस तब तक यहोवा के बचन ओला कसौआ म कसत रहिस।

भजन संहिता 105:17-19

जुन्ना नियम के से एक उदाहरण यूसुफ के हवय जेकर भाई मन ओकर साथ अन्याय के व्योहार करे रिहिन ओला ओमन गुलाम के रूप मं बेच दिये रिहिन अउ अपन बाप ले कहि दिये रिहिन कि ओला कोनो जगली जानवर ह मार डाले हवय एक धनी आदमी जेकर नांव पोतीफर राहय वो वोला खरीद लेइस अउ अपन घर मं गुलाम के रूप मं रख लिए राहय। जिहां कहुं भी यूसुफ

गइस पनमेसर के दया ओकर उपर रहिए अउ जल्दी अपन नवा मालिक के दया के पात्र बन गइस।

यूसुफ के पद मं उन्नति होवत गइस, पर एक अन्याय घलो ओकर साथ होइस। पोतीफर के औरत ओकर उपर अपन बुरा नजर डालिस अउ ओला अपन कुति खीचे के कोशिश करिस, पर काबर कि ओ अच्छा आचरण वाला अउ पवित्र मनखे रिहिस ये सति ओ ओकर कुति कोनो धियान नइ देइस ओ अपन मरदले झूठ बोल के कहिस कि यूसूफ ओकर उपर हमला करे हवय ये कारण युसूफ ल जेल मे डाल दिये गइस।

यूसुफ जेल मं घलो दुसर मन के मदद करत रिहिस। वो कमु असंतोष परगट नइ करिस अउ कष्ट मं घलो ओकर व्योहार ठीक रिहिस इहीकारण पनमेसर ओला उहां ले छुड़ाइस अउ ओकर पद मं उन्नति देइस। फिर फिरोन ओला मिसर देश के प्रधान अधिकारी बनाइस।

पनमेसर घलो ओला ओकर भाई मन के आगु निर्दोष सबूत करिस जब जम्मो मिसर म अकाल पड़े रहिस त यूसुफ के भाई ओकर कना भोजन खरीदे बर आइन। अपन भाइ मन ले यूसुफ बुरा व्योहार नइ करिस जेकर लायक ओमन रिहिन पर एक बेर अउ यूसुफ बुरा व्याहार नइ करिस जेकर लायक ओमन रिहिन पर एक बेर अउ युसूफ अपन ईश्वरीय सुझाव दिखाइस। ओ ओमन ल बताइस कि ओमन जोन ओकर साथ बुरा करे रिहिन ओला पनमेसर भलाई मं बदल दिस—अब ओमन पनमेसर के हाथ मं हवय ओकर हाथ म नइ अउ अब ओकर कना उंकर विरुद्ध कुछ भी करे के अधिकार नइ हे पर अब वो ओमन ल आशीष ही देथे (उत्पति 39—50)।

बुड़बुड़ाय के खतरा

हमला पनमेसर के परिक्षा नइ करना चाही जइसे कि ओमा के बहुत मन करिन अउ ओमन विष वाले सांप के डसे ले मारे गिन; अउ न असंतुष्ट होके बुड बुड़ावन जइसे कि ओमा के कुछ लोगमन करिन अउ ओ जम्मो मरी मं मारे गिन।

पर ये जम्मो बात मन, जोन उंकर उपर पड़िस दृष्टांत के रिति मं रिहिस; पर ओमन हमर चेतावनी बर जोन मन जगत के आखरी समे मं रहिथन लिखे गये हे।

ये पद मन में हमन यूसुफ अउ इस्त्राएली मन के अंतर ल तुरत चिन्ह सकथन। ओ थोडा भी नइ बुड़बुड़ाय रिहिस अउ ये लोग मन छोटे छोटे बात मन ल लेके बुड़बुड़ावयं। बाइबिल हमला बुड़बुड़ाना, दोष लगाना अउ असंतोष जताय के खतरा मन ले परिचय कराय हे।

संदेश बिल्कुल सरल हे। इस्त्राएली मन के बुड़बुड़ाय ले सइतान बर दुआर खुल गये रिहिस जोन आके ओमन ल नाश कर दिस। ओमन ल तो पनमेसर के भलाई के परशंसा करना रिहिस—पर ओमन अइसे नइ करिन—अउ एकर कीमत चुकाना पड़िस।

उकर जम्मो कष्ट अउ मिरतु के वर्णन केवल ये सति किये गये हवय कि हमन ये जान लेवन कि अगर हमन घलो अइसे करथन त हमर साथ काय होही। मैं अउ तुमन पहिली अपन विचारमन में बुड़बुड़ाथन अउ बाद में मुह ले बाहर आ जाथे। बुड़बुड़ाना निश्चित ही बंजर दिमाग आय। जो हमला परतिज्ञा के देश में दाखिल करे ले रोकथे।

यीशु हमर आदर्श आय अउ हमला उही करना चाही जोन ओ करिस।

इस्त्राएली बुड़बुड़ाइन अउ मरुस्थल म ही मर गिन।

यीशु परशंसा करिस अउ मुरदा ले जिलाए गिस।

एमा हमन परशंसा अउ धन्यवाद के शक्ति अउ बुड़बुड़ाय के शक्ति के अंतर देखथन। हां बुड़बुड़ाना, दोष लगाना, असंतोष जताना ये जम्मो में एक शक्ति हवय पर ओ नकारात्मक शक्ति आय। जब भी हमन एमा के कोनो एक ल अपन दिमाग या मुंह म लाथन त हमन एक शक्ति सइतान ल दे देथन जेकर उपयोग वो हमर उपर करथे। पनमेसर ओला ये अधिकार नइ दिये हवय पर हमन ही ओला ये शक्ति दिये हवन।

न दोष लगावन, न बुड़बुड़ावन अउ न असंतोष जतावन

जम्मो काम बिन कुड़कुड़ाय अउ बिन बहस के करे करव।

कि तुमन निर्दोष अउ भोला होके टेढ़ा अउ हठीला लोग मन के बीच में पनमेसर के निष्कलंक संतान बने रहव (जेकर बीच में तुमन जीनगी के बचन लिए हुए जगत में जलत दिया असन दिखई देथव।)

कभु कभु अइसे लगथे कि जम्मो संसार बुड़बुडावत हवय। ये संसार म अतना जादा बुड़बुडाना अउ दोष लगाना हवय कि लगथे कि इहां अभारी होय के अउ परशंसा बर कोनो स्थान नइ हवय। लोग अपन नौकरी अउ अपन अधिकारी उपर बुड़बुडार्थें जबकि ओमन ल धन्यवादित होना चाही कि ओमन बेघर लोग मन असन नइ हवंय अउ परशंसा करना चाही कि ओमन मुफत मिलइय्या खाना के कतार मं नइ खड़े हवंय।

ये गरीब लोग मन मे के अधिकांश लोग मन नौकरी पाके खुशी ले खिल उठही, चाहे ओमा कोनो दोष काबर न होवय, चाहे मालिक कइसे काबरन होवय बराबर वेतन पाके खुद के मकान म रहि के अउ अपन खाना खुद बना के उंकर खुशी के ठिकाना नइ रहही।

हो सकथे तुमन ल एक बने नौकरी के जरूरत होवय या तुंहर अधिकारी के व्यवहार तुंहर बर बने न होवय। ये बने नइ हे, पर बुड़बुडाना एकर हल नइ हे।

चिंता झन करव –

पराथना करव अउ धन्यवाद करव

कोनो मी बात के चिंता झन करव, पर हरेक बात मं तुंहर निवेदन पराथना अउ बिनती दुआरा धन्यवाद के साथ पनमेसर के सामने रखे जावय।

फिलिप्पियो 4:6

ये पद के दुआरा पौलुस प्रेरित हमला सिखावत हे कि हम अपन समस्या मन के समाधान कइसे कर सकथन। वो हमला निर्देश देथे कि हमन हरेक परिस्थिती मं धन्यवाद के साथ पराथना करन।

पनमेसर ह मोला इही सिद्धांत ये तरीका ले बताइस, “जॉयर मै तोला दुसर चीज काबर देववं अगर तैं जोन भी तोर कना हवय ओकर बर धन्यवादित नइ हवस? मै तोला बुड़बुडाय बर दुसर चीज काबर देववं?”

अगर हमर पराथना मं जीनगी के नीव ले लेके अब तक मिले हुए वस्तु मन बर धन्यवादित नइ हवन त हमर पराथना के जवाब अनुग्रह ले नइ मिलही। वचन ये नइ काहय कि बुड़बुडाय के साथ पराथना करव, पर ये कहे हे कि धन्यवाद के साथ पराथना करव।

जब हमर इच्छा के अनुसार काम नइ होवय तब हमन बड़बड़ाथन अउ दोष लगावन लगथन या कोनो बात बर बहुते जादा इतिजार करना पड़थे तब घलो हमन बड़बड़ाना शुरू कर देथन। पनमेसर के बचन हमला सिखाथे कि अइसे सभे म हमला धीरज ले काम लेना चाही।

मै ये जाने हंव कि धीरज इतिजार करे के क्षमता ल नइ कहे जावय पर इतिजार के सभे एक अच्छा व्योहार रखे के क्षमता ल ही धीरज कहे जाथे।

ये बहुत जरूरी हवय कि हर किसम के नकारात्मक गोठ अउ सोचल हमन गंभीरता ले लेवन। मोला विश्वास हवय कि पनमेसर मोला ये दिखाय हवय कि अपन मुंह अउ मन येला देना कतना भंयकर हवय।

व्यवस्था विवरण 1:6 म पनमेसर ह इस्त्राएली मन ले ये कहे रिहिस, **तुम लोग मनल ये पहाड़ कना रहत बहुते दिन हो गये हवय।** तुमन घलो वो पहाड़ कना शायद कई बेर गये हव अउ उहा ले निकले के कोशिश करत हव अगर अइसे हवय त ये तुंहर बर भला होही अगर तुमन ये सुरता रखव कि तुमन सकारात्मक तरीका ले आगु नइ बढ पाहव अगर तुंहर विचार अउ गोठ मं बड़बड़ाना भरे हुए हवय।

मै ये नइ कहे हवं कि ये बहुत सरल हवय कि न बड़बड़ावन पर तुंहर कना मसीह के दिमाग हवय। त काबर नइ ओकर उपयोग जादा ले जादा करब।

प्रस्तावना

20

“मोला इतिहार झन कराव,
मैं जम्मो चीज तुरते पाय के
लायक हंव।”

बंजर दिमाग के विचार धारा #5

“मोला इतिहार इन कराव, मैं जम्मो चीज तुरते पाय के लायक हंव।”

प्रस्तावना

बंजर दिमाग के विचार धारा #5

20

व्याकुलता घमण्ड के फर आय एक घमण्डी मनखे ठीक सुभाव के साथ कोनो भी बात के इतिहार नइ कर सकय जइसे हमन पहिले के अध्याय मन मं देखे हवन धीरज इतिहार करे के योग्यता नइ पर इतिहार के दौरान अच्छा सुभाव बनाय रखे के योग्यता आय।

व हे भाई मन, परभु के आवत तक धीरज धरव, देखव गृहस्थ पिरथी के कीमती फर के आशा रखत पहिला अउ आखरी बारिस होवत तक धीरज धरथे।

याकूब 5:7

ये पद ये नइ कहय “अगर तुमन इतिहार करथव त धीरज धरव” ये कहिथे “इतिहार के दौरान धीरज धरव।” इतिहार करना जीनगी के एक हिस्सा आय। बहुत अकन मनखे “बने ढगले इतिहार” नइ करय तब ले सही मं हमन अपन जीनगी मं जतना समे कुछ पाय बर लगाथनत ओकर ले जादा इतिहार मं लगाथन।

मोर मतलब हवय: हमन पनमेसर ले विश्वास के साथ पराथना दुआरा कुछ मांगथन अउ फिर हमन ओकर मिलत तक इतिहार करन लगथन। जब ओ हमला मिल जाथे हमन खुश हो जाथन काबर कि जेकर हमन इतिहार करत रहेन वो आखरी मं हमला मिल जाथे।

काबर कि हम लोग मन निशाना ठहराने वाला मनुष हवन येसति हमन हमेशाले मिशाना कुति ही देखथन—अउ फिर उही काम दोहराथन पनमेसर ले कोना अउ बात के विनती करथन अउ ओकर उपर विश्वास करथन अउ इतिहार शुरू कर देथन जब तक ओ बात मिलन जावय।

ये दशा के बारे मं मै सोचथंव त मोला ये लगथे कि जतना समे मोला कुछ पाय बर मं लगथे ओकर ले कहु जादा मोर जीनगी के समे इतिहार करे म खरच हो जाथे। ये सति मै ये फइसला ले लिएंव कि अब मै सिरिफ पाय के समे म ही नइ पर इतिहार के समे मं खुश रहहूं। जिहां भी हमन जावत होवन पूरा रस्ता म हमला परसन्न रहना हवय।

घमण्ड धीरज के साथ इतिजार ले रोकथे

काबर कि मै ओ अनुग्रह के कारण जोन मोला मिले हवय तुमन मे के हरेक ले कहिथं कि जइसे समझना चाही, ओकर ले बढ के कोनो भी अपन आप ल इन समझय पर जइसे पनमेसर ह हरेक ल परिणाम के अनुसार विश्वास दिये हवय, वइसे ही सुबुद्धि के साथ अपन ल समझय ।

रोमियों 12:3

इतिजार के दौरान खुश रहना असंभव हे अगर तुमन धीरज के साथ इतिजार करना नइ जानव । घमण्ड धीरज के साथ इतिजार करे मं बाधा डालथे काबर कि घमंडी मनखे अपन ल बहुते श्रेष्ठ समझथे अउ इही कारण ओ अइसे विश्वास करथे कि ओला कोनो किसम ले कोनो असुविधा नइ होना चाही ।

हालांकि हमला अपन बारे मं खराब नइ सोचना चाही फिर भी हमला अपनल श्रेष्ठ घलो नइ समझना चाही । हमला खुद ल अतना ऊंचा घलो नइ उठा लेना चाही जेकर ले हमन दुसर मन ल नीचा नजर ले देखना शुरू कर देवन येकर फर बहुत भयकर होही । अगर वोमन ओ ढंग ले काम नइ करंय जोन ढग ले हमन चाहथन यह उतना जल्दी से नइ कर सकंय जइसे हमन चाहथन त हमर व्योहार व्यग्र हो जाथे ।

एक नम्र मनखे व्यग्रता भरे व्योहार परगट नइ करय ।

यथार्थवादी बनव!

...संसार मं तुमन ल कलेश होथे, पर हिम्मत बांधव, मै ह संसार ल जीत लिए हंव ।

युहन्ना 16:33

हमर व्योहार ल व्यग्र बनाय बर सइतान कना एक दुसर तरीका ये हवय कि ओ हमर सोच ल यथार्थवादी के बदला आदर्शवादी बना देथे ।

अगर हमर दिमांग मं ये विचार आथे हरेक वो बात जेकर रिस्ता हमर ले या हमर परिस्थिती मन ले हवय या हमर रिस्ता मन ले हवय—ओ बढ़िया होना चाही—कोनो असुविधा या बाधा न आवय कोनो दुष्ट मनखे के सामना इन होवय—तब हमन जरूर ही अपन खुद ल गड्ढा मं गिरावत हवन । या मोला

सिरतोन मं ये बोलना चाही कि सइतान तोला गलत सोच के दुआरा गडडा मं गिरावत हवय।

मोर ये सलाह नइ हवय कि हमन नकारात्मक बन जावन सकारात्मक विचार अउ आचरण म मोर दृढ़ विश्वास हवय पर मै ये कहत हंव कि हमला यथार्थवादी बन के आगु के समेल पहिचानना चाही कि वास्तविक जीनगी मं अइसे बहुत कम बात मन हवंय जोन सिद्ध अउ श्रेष्ठ हवय।

मै अउ मोर मरद अधिकतर हप्ता के आखरी म सेमीनार आयोजन करे बर दुसर शहर जाथन। बहुत बेर हमन कोनो होटल या कन्वेशन सेंटर मं ठहिरथन। शुरु मं तो मै व्यग्र अउ हताश हो जावत रहेंव जब भी मै कोनो खराब बात ल देखत रहेव जइसे, एसी के ठीक काम नइ करना, (या बिल्कुल काम नइ करना) कान्फ्रेन्स रूप मं बस अंजोर नइ होना गदा कुर्सी मन, पिछला शत के पार्टी के केक के टुकड़ा फरस उपर पड़े रहना।

मै ये सोचंव कि काबर कि हमन कमरा के उपयोग बर बने किराया पटाय हवन त कमरा हमला अच्छा दशा मं मिलना चाही पर अगर अइसे नइ होवत रिहिस त मै झुंझला जावत रहेव। जोन स्थान हमन किराया मं लेवत रहेन ओला सफा अउ आराम लायक बनाय बर हमन ल जतना कोशिश हो सकत रिहिस हमन करत रहेन पर फिरभी 75 प्रतिशत हमर मांग अनुसार नइ होवत रिहिस।

कभु कभु अइसे भी होवत रिहिस कि हमला बोल दिये जावत रिहिस तुंहर कमरा रिजर्व हो गये हवय। अउ जब हमर टीम पहुंचाय तब कहे जावत रिहिस कि हमर कमरा खाली नइ हे अउ हमला कई घंटा इतिजार करना पड़य होटल कर्मचारी मन हमर सभा के समेके गलत सूचना दे देवत रिहिन जब कि हमन पहिले ही छपे हुए टाइम टेबल भेज देवत रहेन जेमा समे अउ दिनांक सफा लिखे हुए रहय। होटल के अधिकतर कर्मचारी मन आलसी अउ नीरस सुभाव के होवत रहंय। जोन खाना हमन सेमीनार बर मांगत रहेन ओमा कुछ न कुछ कसर रहि जावय एक बार के घटना के मोला सुरता हवय जब हमर मसीही महिला मन (करीब 800) ल खाना के बाद मीठा हलवा जो दिये गये रिहिस ओमा रम पड़े रिहिस। उही समे होटल मे एक शादी रिहिस ओकर खाना चलत रिहिस अउये हलवा वो शादी के रिहिस जोन गलती के कारण हमला मिल गिस। ये बताय के जरूरत नइ हवय कि हमन शरम ले भर गयेन जब महिला मन हमला बतावन लगिन कि हलवा मं रम मिले हवय।

अइसे बहुत अकन घटना मन हमर साथ घटे हवय पर मुख्य बात ये हवय कि अइसे शायद कभु होय होही कि हमला श्रेष्ठ स्थान, श्रेष्ठ लोग, श्रेष्ठ सेमीनार मिले होवय। आखरी मं मै ये बात घलो जानेव कि ये दशा मन मं मै जोन व्यर्ग हो जावत रहेंव ओ बुरा सुभाव ल दिखावत रिहिस ओकर कारण ये रिहिस कि मै आदर्शवादी रहेंव यथार्थवादी नइ।

मै असफल होय के योजना नइ बनावं पर मोला ये सुरता हवय कि यीशु कहे रिहिस कि ये संसार म हमला परिक्षा मन के, कष्टमन के, असफलता मन के सामना करना पडही। ये बात मन विश्वासी अउ अविश्वासी दुनो के संसारिक जीनगी के एक हिस्सा आय। पर संसार के ये जम्मो घटना मन हमला हानि नइ पहुँचा सकंय अगर हमन पनमेसर के परेम मं बने रहन अउ आत्मा के फर ल दिखावत रहन।

धीरज: सहन करे के शक्ति

ये सति पनमेसर के चुने हुए मन असन जोन पवित्र अउ मयारू हवय, बड करुणा अउ मलई अउ दीनता अउ नम्रता अउ सहनशीलता धारण करव।

कुलुसियों 3:12

ये परिस्थिती मन मं मै कोन परकार के व्योहार दिखावत हंव ये पद मोला इही सुरता कराथे। मै अपन ल सुरता दिलाथंव कि इतिजार करे के मोर योग्यता के नांव धीरज नइ हे पर जब मैं इतिजार करथंव ओ दौरान मोर अच्छा सुभाव बनाय रखे के योग्यता ल ही धीरज कहिथें।

परिक्षा ले ही धीरज मिलथे

हे मोर भाई मन, जब तुमन कई परकार के परिक्षा मन मं पडथव त ये बात ल पूरा आनंद के बात समझव ये जान के कि तुंहर विश्वास के परखे जाय ले धीरज पड्दा होथे। पर धीरज ल अपन पूरा काम करन दव, कितुमन पूरा अउ सिद्ध हो जावय अउ तुमन मं कोनो बात के कमी झन रहय।

याकूब 1:2-4

धीरज, आत्मा के एक फर आय (गलतियों 5:22) अउ नवा जनम पाय हर

मनखे के आतमा मं बसे होथे। पनमेसर बर ये बहुते जरूरी हवय कि ओकर लोग एला दिखावंय। वो चाहथे कि लोग ओकर बच्चा मन दुआरा ओकर चरित्र देखंय।

याकूब के पुस्तक के पहला अध्याय हमला सिखाथे जब हमन सिद्ध हो जाथन त हमर कना कोनो घटी नइ होही। एक धैर्यवादी मनुषल सइतान अपन काबू मं नइ कर सकय।

याकूब 1 ये घलो सिखाथे कि हमला आनंद करना चाही जब हमन अपन आपल कठिन हालात मं पाथन काबर कि परखे जाय से पनमेसर हमन मं धीरज पइदा करथे।

अलग अलग परीक्षा मन मं पडे ले मोर अंदर सिरतोन धीरज पइदा हो गये हवय, ये बात मै अपन जीनगी मं पाय हंव। पर धीरज पइदा होय ले पहिले अउ भी दुसर बात अंदर आ जाथे जेकर लक्षण ईश्वरीय नइ हे जइसे घमंड, क्रोध विरोध, असतोष, स्वार्थ आदि। अइसे लगथे धीरज आय ले पहिले हमला ये दूसर बात मन के सामना करके इंकर उपर काबू पाना होही।

परीक्षा या असुविधा

फिर ओमन होर पहाड ले कूच करके लाल समुंदर के मारग लेइन कि एदोम देश ले बाहिर बाहिर घूम के जावंय; अउ लोग मन के दिमाग मारग के कारण व्याकुल होइस

गिनती 21:4

अगर तुमन ल सुरता होहय, ये व्याकुल सुझाव बंजर दिमाग मे के एक रिहिस जेकर कारण इस्त्राएली मरुस्थल मं चालीस साल तक भटकत रिहिन।

ये लोग ओ परतिज्ञा के देश मं कइसे जा सकत रिहिन अउ उहां के लोग मनल खदेड़ के कइसे निकाल सकत रिहिन काबर कि ओमन एक नानकुल असुविधा मं घलो धीरज नइ धरत रिहिन अउ दृढ़ नइ रहत रिहिन?

पवित्तर आतमा जब तुहर जीनगी मं धीरज के फर पइदा करथे त तुमन ल पवितर आतमा के साथ काम करे बर उत्साहित करत हंव। जतना जादा तुमन ओकर विरोध करहू उतने जादा ये प्रक्रिया मं बखत लगही। हर किसम के परिक्षा मं धीरज धरना सीखव तब तुमन एक ऊंचा अउ आनंद भरे जीनगी बिता सकहू।

धीरज अउ सहनशीलता के महत्व

काबर कि तुमन ल धीरज धरना जरूरी हवय कि पनमेसर के इच्छा पूरा करके तुमन परतिज्ञा के फर पावव

इब्रानियों 10:36

ये पद हमला बताथे कि बिन धीरज अउ सहनशीलता के पनमेसर के परतिज्ञा मन ल नइ पाय सकहू। अउ इब्रानियों 6:12 हमला बताथे कि परतिज्ञा मन ल हमन सिरिफ विश्वास अउ धीरज के दुआरा ही पा सकथन। घमडी मनखे अपन ताकत ले ही दौड़थे अउ खुद दुआरा ठहराय बखत मं ही काम पूरा करे के कोशिश करथे। घमंड बोलथे, “अब मैं तइयार हव नम्रता कहिथे,” “पनमेसर बने जानथे अउ ओ कभु देरी नइ करय।”

एक नम्र मनखे धीरज सहित इंतजार करथे; सिरतोन ओकर कना “ईश्वरीय भय” हवय जेकर दुआरा वो अपन शरीर के ताकत के दुआरा काम करथे। पर एक घमंडी मनखे एक के बाद एक काम करे के कोशिश करथे पर फर ये होथे कि ओ कुछ भी नइ कर पावय।

लक्ष्य पाय बर एक सीधा रेखा हमेशा सबले कम दूरी नइ होवय

अइसे भी मारग हवय जोन मनुष ल सीधा दिखथे पर ओकर आखरी मं मिरतु ही मिलथे।

नीति वचन 16:25

हमला ये सीखना चाही कि आत्मिक राज मं कभु कभु एक सीधा रेखा सबले छोटे दूरी (जिंहा हमन हवन अउ जिहा हमन जाना चाहत हवन) नइ होवय हो सकथे ये छोटे दूरी विनाश मं ले जावत होवय। हमला पनमेसर उपर भरोसा रखना सीखना चाही चाहे हमन ल अइसे काबर नइ लगय कि वो हमला घुमा के बड़े रस्ता ले हमर जाय के स्थान तक लेगत हवय।

ये संसार मं दुःखी अउ असंतुष्ट मसीही बहुत अकन हवंय काबर कि ओमन कुछ घटत देखना चाहथें, ओमन पनमेसर उपर भरोसा नइ करंय कि ओ अपन सभे मं ही काम पूरा करथे, ओमन धीरज नइ धरंय। जब तुमन पनमेसर उपर

भरोसा रखे के कोशिश करथव त सइतान तुंहर दिमाग मं लगातार हमला करके कहिथे, “तैं कुछ कर।” ओ तुमन ल शारिरिक उत्साह म चलाना चाहथे काबर कि ओ जानथे कि शरीर ले कोनो भी लाभ नइ होवय (युहन्ना 6:63, रोमियों 13:14)।

जइसे हमन देखे हवन व्यग्रता घमंड के चिन्हा आय अउ घमंड के जवाब केवल नम्रता मं हवय।

दीन बनव अउ पनमेसर मं भरोसा रखव

ये सति पनमेसर के बलवान हाथ के नीचे दीनता ले रहव जेकर ले वो तुमन ल ठीक बखत मं बढ़ावय।

1 पतरस 5:6

ये कथन “खुद के गणना म खुद ल नीचे करना” के मतलब ये नइ हवय कि अपन बारे मं खराब विचार रखन। एकर सरल मतलब ये हवय कि “ये इन सोचव कि तुमन खुद अपन जम्मो समस्या मन ल खुद से सुलझा सकथव।” घमंड के कारण जम्मो बात मन ल अपन हाथ मं ले लेय के बदला मं हमला दीनता के साथ अपन आप ल पनमेसर के बलवान हाथ मं संरूप देना चाही ठीक समे मं वो हमला उठाही अउ हमर पदवी ल बढ़ाही।

जब हमन पनमेसर उपर भरोसा करथन अउ शरीर के अनुसार नइ चलन त हमन अपन खुदी ल मार देथन। हमन अपन ढग ले जीना अउ अपन बखत ल मार देथन अउ पनमेसर के इच्छा अउ ओकर बखत, ओ ढग ले जीये बर जिंदा रहिथन।

पनमेसर हमर ले जोन भी करे बर कहिथे ओकर हमला हमेशा पालन करना चाही पर हमर अंदर शरीर के घमंड के बारे मं “ईश्वरीय भय” रखना चाही। सुरता रखव व्यग्रता के मूल घमंड। घमंडी मनखे कहिथे “मोला इतिजार इन कराव मै हर बात तुरते चाहथंव।”

जब तुमन व्याकुलता अउ निराशा के परिक्षा मं पड़ जावव त मै तुमन ले आग्रह करत हंव कि तुमन ये कहव “पनमेसर मै तोर इच्छा तोर बखत मं चाहथंव। मै तोर ले आगु नइ जाना चाहंव न पीछू रहना चाहंव। हे पिता धीरज ले इतिजार करे मं मोर सहायता कर।”

प्रस्तावना

21

“मारे बरताव गलत हो सकथे
पर एमा मोर गलती नइ हे।”

बंजर दिमाग के विचार धारा #6

“मारे बरताव गलत हो सकथे पर एमा मोर गलती नइ हे।”

प्रस्तावना
21

आदम ह कहिस जोन औरत ल मोर संग रहे बर दिये हवस उही अपन काम मन के जवाब देही लेना हर बात जोन गलत हो गये हो ओकर दोष दुसर मन उपर लगाना बंजर दिमाग के ही मुख्य कारण आय।

...औरत ह कहिस, सांप ह मोला
बहका देइस तब मैं खाएवं।

उत्पत्ति 3:12,13

आदि ले हमन ये समस्या ल देखत चले आवत हवन अदन के बारी मं पाप ले उंकर सामना होइस तब आदम अउ हवा एक दुसर उपर दोष मढ़न लगिन, पनमेसर अउ सइतान उपर कि अपन काम के जवाब देही ओमन ल झन लेना पड़य।

जम्मो दोष तोर हे

अब्राम के औरत सारै के कोनो संतान नइ रिहिस अउ ओकर हाजिरा नांव के एक मिसरी लौंडी रिहिस।

त सारै ह अब्राम ले कहिस, देख, यहोवा ह तो मोर कोख बंद कर रखे हवय त मैं तोर ले बिनती करत हवं कि तैं मोर लौंडी कना जा, समभो हे कि मोर घर ओकर दुआरा बस जावय।

त सारै के ये बात अब्राम ह मान लेइस त जब अब्राम ल कनान देश मं रहत दस साल बीत चुकिस तब ओकर औरत सारै ह अपन मिसरी लौंडी हाजिरा ल लेके अपन मरद अब्राम ल देइस, किओ ओकर औरत बनय।

अउ ओ हाजिरा कना गइस अउ ओ गरभवती होइस: अउ जब ओ जानिस कि ओ गरभवती हे त ओ अपन मालकिन ल अपन नजर मं तुच्छ समझन लगिस।

तब सारै अब्राम ले कहिस, जोन मोर उपर उपद्रव होय हवय वो तोर ही मुड़ी उपर होवय; मै ह तो अपन लौंडी ल तोर औरत कर दियेवं,

पर जब ओ जानिस कि ओ गरभवती हवय त ओ मोला तुच्छ समझन लगिस, त यहोवा मोर अउ तोर बीच नियाय करय ।

अब्राम ह सारै ले कहिस, देख तोर लौंडी तोर काबू मं हवय; जइसे तोला बने लगय वइसे ही ओकर साथ कर । त सारै ओला दुःख देवन लगिस अउ वो ओकर आगु ले भाग गइस ।

उत्तपत्ती 16:1-6

आदम हवा के बीच मं जोन झगड़ा रिहिस उही झगड़ा अब्राम अउ सारै के बीच रिहिस । ओकर संतान होय के पनमेसर के परतिज्ञा के इतिजाार करत करत ओमन थक गये रिहिन ए सति ओमन शरीर के काम मन कुति फिर गिन अउ “अपन तरीकाले” ओमन काम करिन । जब एकर फर खराब निकलिस अउ समस्या मन ओमन ल घेर लेइन तब ओमन एक दुसर उपर दोष मढ़न लगिन ।

बीते बखत मं अपन ही घरमं डेव अउ अपन बीच अइसे बात बहुत बार मैं देखे हंवन अइसे लगथे कि जीनगी के सही मुद्दा मन ले हमन भागत रहेन, ओकर सामना करे ले कतरावत रहेन । मोला बने किसम ले सुरता हवय कि मैं डेव के बदलाव पर पराथना किये करंव मैं अपन बाइबिल पढ़े करंव अउ मोला डेव मं जादा अवगुण दिखई देवत जावत रहिस । अउ मैं सोचे करंव कि डेव ल बदले के कतना जरूरत हवय । जब मैं पराथना करत रहेंव, पनमेसर मोर ले कहिस, “जायस, डेव समस्या नइ हवय, पर तैं हवस ।”

मैं चूर चूर हो गये रहेंव । मैं तीन दिन तक रोतेच रहेंव काबर कि पनमेसर मोला ये दिखावत रिहिस कि एक ही घर मं कोनो के मोर साथ मं जीनगी काटे के काय मतलब हवय कोन परकार हर बात ल मैं अपन काबू मं रखे के कोशिश करेंव अउ कोन परकार मैं असंतोष परगट करेंव अउ बुरा शब्द कहत रहेंव मोला खुश करना कतना कठिन रिहिस कतना नकारात्मक रहेंव मैं । मोर घंमड ल कतना धक्का लगे रिहिस, पर पनमेसर मं एक नवा जनम पाय के ये शुरूआत रिहिस ।

अधिकांश लोग मन असन मैं घलो हरेक बात या हालत के दोष जेकर उपर मोर कोनो काबू नइ रिहिस दुसर उपर लगा देवत रहेंव । मैं सोचे करंव कि मोर ये बुरा व्योहार ये सति रिहिस काबर कि मोर गलत उपयोग किये गये रिहिस, पर पनमेसर मोला बताइस “हो सकते तोर बुरा बर्ताव के कारण गलत उपयोग ही होवय पर एला अपना बुरा बर्ताव के बहाना झन बनन दे ।”

सइतान हमर दिमाग मं कठिन काम करथे—गढ बना देथे जेकर कारण हमन सच के सामना करे मं असमर्थ हो जाथन। सच हमला स्वतंत्र करही, वो ये जानथे हमर बर्ताव अउ हमर विषय म सच सामना करना भावनात्मक तरीका ले कतना दुखद होथे, मै सोचथं एकर ले दुःखदाई अउ कोनो बात नइ हे। काबर कि ये कष्ट देवइय्या हवय ये सति बहुत लोग एकर ले भागथें। दुसर के बारे मं सच के सामना करना सरल हवय ... पर जब हमन अपन बारे मं ही सच के सामना करना होथे त हमला ये कठिन लगथे।

अगर...

त ओमन पनमेसर के विरुद्ध बात करन लगिन अउ मूसाल कहिस, तुमन हमला मिसर ले मरुस्थल मं मरे बर काबर लाय हवव? इहां न तो रोटी हवय अउ न पानी, अउ हमर जी ये बेकार रोटी ले दुःखी हवय।

गिनती 21:5

तुमन ल सुरता होही कि इस्त्राएली अपन जम्मो समस्या मन के दोष पनमेसर अउ मूसा के उपर लगा देथे। मरुस्थल मं अतना जादा बखत ओमन ल काबर लगिस एकर खुद के जवावदेही ले ओमन कतरावत रिहिन। पनमेसर मोला ये दिखाइस कि ये एक मुख्य बंजर दिमाग रिहिस जेकर कारण वो मन चालीस साल तक मरुस्थल मं भटकत रिहिन।

इही मोर घलो मुख्य कारण रिहिस कि मैं घलो अपन जीनगी मं एके पहाड़ के चारो मुड़ा सालो तक घूमेंव। मोर बुरा बर्ताव के सूची न खतम होवइया हे।

“बचपन मं अगर मोर साथ बुरा बर्ताव नइ हुए होतिस त मोर सुभाव बुरा नइ होतिस।”

“अगर मोर बच्चा मन मोर मदद अउ जादा करे होतिन त मैं घलो बने बर्ताव करतेंव।”

“अगर डेव शनिवार के गोल्फ खेले बर नइ जाय करतिस त मैं अतना अकेली नइ होतेंव।”

“अगर डेव मोला अउ जादा इनाम खरीद के देतिस त मैं अतना नकारात्मक नइ होतेंव।”

“अगर मोला काम करना नइ पड़तिस त मैं अतना चिड़चिड़िन नइ होंतें व अउ थकतेंव नइ।” (ये सति मैं काम छोड़ दियेव फिर...)

“अगर मोला घर ले बाहिर जाय बर जादा मिलतिस त मैं अतना निराश नइ होतेंव।”

“अगर हमर कना अउ जादा पइसा होतिस...।”

“अगर मोर कना अपन घर होतिस (ए सति हमन एक घर खरीद लियेन अउ फिर...)”

“अगर हमर कना पक्षय बर अतना जादा बिल नइ आतीस...।”

“अगर हमर पड़ोसी मन बने होतिन अउ हमर मितान दुसर होतिन...।”

अगर! अगर! अगर! अगर! अगर! अगर!

पर...

फिर यहोवा मूसा ले कहिस, कनान देश जेला मैं इस्त्राएली मन ल देवत हंव, ओकर भेद लेबर पुरुष मन ल भेज, वो उंकर पुररवा मन के हर गोत्र के एक प्रधान पुरुष होवयं।

यहोवा ले ये आज्ञा पाके मूसा अइसे पुरुष मन ल पारान मरुस्थल मं भेज देइस जोन सब के सब इस्त्राएली मन के परधान रिहिन।

चालीस दिन के बाद ओमन ओ देश के भेद ले के लहुट आइन अउ पारान मरुस्थल के कादेश नांव के स्थान मं मूसा अउ हारुन अइ इस्त्राएली मन के जम्मो मंडली कना पहुंचिन, अउ ओमन ल अउ जम्मो मंडली ल संदेशा देइन अउ ओ देश के फर ओमन ल दिखाइन।

ओमन मूसा ले ये बर्णन करिन के जोन देश मं तै ह हमला भेजे रहेस ओमा हमन गयेन, ओमा सिरतोन दूध अउ मधू की धारामन बहत हवय, अउ ओकर उपज मे के इही हवय।

पर ओ देश के निवासी बलवान हवयं, अउ उंकर नगर किला वाले हे अउ बहुते बड़े हवयं; अउ हमन उंहां अनाक वंश वाले मन ल घलो देखेन।

“अगर” अउ “पर” ये दुनो बहुत धोखा वाले शब्द आंय जेमन ल सइतान हम दिमाग मं बो देथे। ओ बारह भेदिया मन जोनमन ल परातिज्ञा वाले देश के भेद ले बर भेजे गये रिहिस जब लहुट के आइन त साथ मं अंगूर के गुच्छा लाइन जोन अतना बड़े रिहिन कि दू लोग मन ल बांस मं लटका के लाना पड़िस, पर मूसा अउ दुसर लोग ल वोमन उहां के जोन बर्णन करिन वो एकदम नकारात्मक रिहिस।

वो “परंतु” ही रिहिस जेहा ओमन ल हरा देइस। ओमन ल अपन नजर मुख्य समस्या के बदला पनमेसर उपर ही रखना चाहिए रिहिस।

हमर समस्या जब हमन ल हरा देथे त ओकर एक ही कारण हवय कि हमन ओला पनमेसर ले बड़े समझन लगथन। सच का सामना करे मं घलो हमला जोन कठिनाई के सामना करना पड़थे ओकर घलो इही कारण हवय। हमला निश्चय नइ हे कि पनमेसर हमला बदल सकथे ये सति हमन जइसे भी हवन ओकर सामना करे के बदले हमन खुद ले अपन ल छिपा देथन।

जब पनमेसर मोर साथ हवय त खुद के बारे मं सच के सामना करना मोर बर अब कठिन नइ हे, काबर कि मै जानथंव कि ओ मोला बदल सकथे मै ह ओला देखे हंव कि ओ काय कर सकथे अउ मै ओकर उपर भरोसा करथंव। हालांकि शुरू मं ओकर साथ साथ चलना मोर बर कठिन रिहिस। मै अपने जीनगी के एक बड़े हिस्सा कोनो न कोनो बात ले दूर भागत बिताय रहेंव। मै अंधियार मं अतना जादा बखत विताय रहेंव कि अंजोर मं आना सरल नइ रिहिस।

भीतरी मनुष मं सचाई

हे पनमेसर, अपना करुणा के अनुसार मोर उपर अनुग्रह कर अपन बड़े दया के अनुसार मोर अपराध मनल मिटा दे।

मोला पूरा पूरा धोके मोर अधरम दूर कर अउ मोर पाप छुड़ा के मोला शुद्ध कर मै अपन अपराध मन ल जानथंव मोर पाप लगातार मोर नजर मं रहिथे।

मै सिरिफ तोर विरुद्ध पाप करे हंव अउ जोन तोर नजर मं बुराहे उही करे हंव, कि तैं बोले मं धरमी अउ नियाय करे मं निश्कलंक ठहिरस।

देख मै अधरम के साथ पड़दा हुए हंव अउ पाप के साथ अपन दाई के गरभ मं पड़े हंव।

देख तै हिरदे के सचाई ले खुश होथस, अउ मोर दिमाग ही मं गियान सिखाबे।

भजन संहिता 51:1-6

भजन 51 मं दाऊद राजा पनमेसर ले करुणा अउ क्षमा याचना करत हवय काबर कि पनमेसर ओकर पाप के फइसला करत रिहिस जोन ओ बेत्तशेबा के साथ अउ ओकर मरद के हत्या कर के किये रिहिस।

विश्वास करव या झन करव, दाउद ये पाप ये भजन लिखे के एकसाल पहिले करे रिहिस पर ओकर सामना नइ करे रिहिस न ही ओ स्वीकार करे रिहिस। वो सच के सामना नइ करत रिहिस अउ जब तक ओ ये सचाई ल अस्वीकार करते रिहिस, वो सिरतोन म पश्चाताप नइ कर सकिस पनमेसर ओला क्षमा नइ कर सकिस।

ये खंड मं पद 6 एक ताकतवर बचन हे वो कहिथे कि पनमेसर हमर भीतरी मनुष्य मं सच्चाई चाहथे। येकर मतलब ये हवय कि अगर हमन पनमेसर के आशीष पाना चाहथन, तब हमला अपन बारे मं, हमर पाप के बारे मं पनमेसर के प्रति विश्वास योग्य बनना हो ही।

क्षमा ले पहली पाप मन के स्वीकारना होथे

अगर हम कहन कि हमन मं कुछ भी पाप नइ हवय (अस्वीकार करना कि हमन पापी हवन)।

त अपन आप ल धोखा देथन: अउ हम मं सच (जोन सुसमाचार बताथे) (हमर हिरदे मन मं वास नइ करय) नइ हे।

अगर हमन (स्वतंत्र रूप मं) अपन पाप मन ल मान लेवन त वो हमर पाप मन ल माफी करे मं अउ हमला जम्मो अधरभ ले शुद्ध करे मं विश्वास करे लायक अउ धरमी हे (अपन सुभाव अउ परतिज्ञा मन के प्रति सच्चा हवय)।

अगर हमन कहन कि हमन पाप नइ करे हवन त ओका लबरा ठहिराथन अइ ओकर बचन हमन मं नइ हे।

अगर हमन सच्चा हिरदे पश्चाताप करथन त पनमेसर हमला तुरते क्षमा करथे, पर हमन सच्चा हिरदे ले पश्चाताप नइ कर सकन अगर जीवन कुछु भी हमन करे हवन ओकर सच्चाई के सामना अउ स्वीकार नइ कर लेवन।

ये स्वीकार करना कि हमन कुछु गलत करे हवन, पर फिर बहाना बनाना ये सच का सामना करे के पनमेसर के तरीका नइ हे। स्वाभाविक रूप मं हमन अपन ल अउ अपन काम मन ल ठीक ठहिराना चाहथन पर बाइबिल बताथे कि हमर धरमी ठहिराया जाना सिरिफ यीशु मसीह ले हवय (रोमियो 3:20-24) तुम अउ मैं पाप करके बाद पनमेसर दुआरा केवल यीशु के खून ले शुद्ध हो सकथन—बहाना बनाय ले नइ।

मोला सुरता हवय एक बेर पड़ोसिन मोला फोन करिस अउ कहन लगिस कि बैंक बंद होय ले पहिली मै ओला बैंक ले जावंव काबर कि ओकर कार चालु नइ हो राहय। मै अपन कोनो काम में व्यस्त रहेंव अउ ओ कामल छोड़ना नइ चाहत रहेंव ये सति मै अपन सूखा अउ व्यग्र सुभाव दिखायेव। जइसे ही मैं अपन फोन रखेंव, मैं सोचेव कि कतना भयानक तरीका ले मै ह ओकर ले बात करे हंव अब मोला फिर से फोन करना चाही। मोर दिमाग मं बहुते अकन बहाना भरे हुए राहय जोन मोला ओला देना राहय कि मैं काबर ओकर साथ अतना बुरा बर्ताव करे रहेंव: “मैं बीमार रहेंव...” “मै व्यस्त रहेंव...” “मोर दिन खराब चलत राहय...”।”

पर मैं अपन आतमा के गहिराई मं ये अनुभव करेंव कि पवित्तर आतमा, मोला कोनो भी बहाना बनाय बर मना करत हवय।

“सिरिफ फोन कर अउ ओला बता कि तै गलत रहेस।” ओकर ले बोल, “कृपया मोला माफी कर अउ मैं तोला बैंक ले जाय पर तइयार हंव।”

मै बताय सकथंव कि ये करना मोर पर कठिन रहिस। मोर शरीर ल जइसे कोनो रोग लग गये रिहिस जोन मोर आत्मा मं घूमत रिहिस अउ छिपे के स्थान दूढत रिहिसी पर सचाई ले कोनो छिपे नइ सकय काबर कि सचाई अंजोर आय।

सत अंजोर आय

आदि मं वचन रिहिस, अउ बचन पनमेसर के साथ रिहिस अउ बचन (यीशु) पनमेसर रिहिस।

इही आदि मं पनमेसर के साथ रिहिस ।

जम्मो कुछ ओकरे दुआरा पइदा होइस अउ जोन कुछ पइदा होय हवय, ओमा के कोनो भी वस्तु ओकर विन पइदा नइ होइस ।

ओमा जीनगी रिहिस ओ जीनगी मनष मन के अंजोर रिहिस । अउ अंजोर अंधियारा मं चमकथे: अउ अंधयारा ओला गरहन नइ करिस ।

यहुन्ना 1:1-5

अंधियारा के राज के विरुद्ध सबसे शक्तिशाली हथियार सत आय । सत अंजोर आय, अउ बाइबिल बताथे कि अंधियार अंजोर उपर कभु जय नइ पाइस न कभु पा सकही ।

सइतन बात मन ल अंधियार मं छिपा के रखना चाहथे, पर पवित्र आत्मा ओला अंजोर मं लाना चाहथे अउ ओकर फइसला करथे कि मैं अउ तैं सप्रमाण स्वतंत्र हो सकन ।

यीशु कहे हवय कि सत हमन ल स्वतंत्र करथे (यहुन्ना 8:32) ये सच ल सत के आत्मा परगट करथे ।

सत के आत्मा

ओला तुमन ल बहुत अकन बात कहना हवय पर अभी तुमन ओला सहन (स्वीकार) नइ कर सकव ।

पर जब वो याने सत के आत्मा आही तब जम्मो सत के मारग बताही, काबर कि ओ अपन कुति ले नइ कहही, पर जोन कुछ सुनही, उही कहही अउ अवइय्या बात मन ल तुमन ल बताही ।

यहुन्ना 16:12-13

यीशु अपन चेला मन ल जम्मो सत दिखा सकत रिहिस पर ओ जानत रिहिस कि ओमन अभी एकर बर तइयार नइ रिहिन, वो वोमन ल बताइस कि ओमन ल इंतजार करना होही जब तक पवित्र आत्मा सरग ले उतर के उंकर साथ अउ ओ मन मं रहे बर न आ जावय ।

जब यीशु सरग चलेगिस, वो पवित्र आत्मा भेज देइस जोन हमर साथ काम करथे हमला तइयार करथे जेकर ले हमर दुआरा पनमेसर के महिमा दिखय ।

पवितर आतमा हमर जीनगी मं कोन परकार काम करथे अगर हमन ये सत के सामना नइ करबो? वो “सत के आतमा” कहाथे। मोर अउ तोर बर ओकर सेवा के मुख्य काम हवय कि वो हमला सत के सामना करे बर हमर मदद करथे, सत के स्थान मं हमला ले जाथे काबर कि सिरिफ सत ही हमला स्वतंत्र करही।

हो सकते कि हमर बीते सभे मं कोनो अइसे मनखे या घटना या हालात अइसे होवय जोन हमला चोट पहुंचावत होवय जेकर कारण हमर बरताव या सुभाव गलत होवय, पर एला एक बहाना बना के अपन साथ नइ रहन देवन।

निश्चित रूप मं मोर बरताव के समस्या मन इही कारण रिहिस काबर कि अनेक सालों तक शब्द मन के अउ लैगिकता के अउ भावना मन के दुआरा मोर गलत उपयोग किये गिस। मैं तब तक ये गलत बरताव मं फंसे रहेंव जब तक मैं ये गलत उपयोग मन ल गलत आचरण के बहाना बनाय रहे रहेंव। ये उही परकार हवय जइसे हमन अपन बइरी ल ये बोल के बचा लेवन “मैं ये बात ल घिना करथं, पर इही कारण एला मैं अपनाय हवं।”

तुमन हरेक गुलामी ले अलौकिक स्वतंत्रता के अनुभो निश्चय ही कर सकथव। तुमन ल मरुस्थल मं चालीस साल तक भटकना नइ होही या अगर तुमन चालीस साल या जादा इही परकार बिता चुके हव, काबर कि तुमन नइ जानत रहेव कि “बंजर दिमाग” तुमन ल उहां रखे हवय, आज ही तोर फइसला करे के दिन हे।

पनमेसर ले कहव कि ओ तोला तोर बारे मं सत दिखाना शुरू कर देवय। जब ओ अइसे करथे त इतिजार करव। ये सरल नइ होही पर सुरता रखव, वो परतिज्ञा करे हवय, “मैं तोला न कभु छोडहूँ न त्याग हूँ” (इब्रानियो 13:5)।

तुमन मरुस्थल ले बाहिर अवइय्या मारग उपर हवव, परतिज्ञा के देश के आनंद लेवव।

प्रस्तावना

22

“मैं बहुत दुःखी हंव मोला
उपर उपर तरस आथे काबर
कि मोर जीनगी घिनौना हे।”

बंजर दिमाग के विचार धारा #7

“मैं बहुत दुःखी हंव मोला उपर उपर
तरस आथे काबर कि मोर
जीनगी धिनौना हे।”

प्रस्तावना
22

बंजर दिमाग के विचार धारा #7

इस्त्राएली मन ल अपन उपर बहुत तरस आवत रिहिस। हरेक असुविधा अपन उपर दुःख जताए के एक बहाना बन जावत रिहिस।

मोला सुरता हवय जब पनमेसर मोला कहे रिहिस काबर कि मैं घलो वो बखत अइसने ही “दुःखी दल” मं रहेंव। वो कहिस, “जॉयस तै दुःखी या ताकत वर हो सकत हवस, पर दुनो एके साथ मं नइ।”

ये एक अइसे अध्याय आय जेला मैं जल्दी नइ करना चाहत हंव। ये बात ल समझ जाना बहुत भारी बात हवय कि ये दुनो काम ल हमन एक संघरा नइ कर सकन—दुःखी करइय्या सइतान ल खुश करना अउ पनमेसर के सामर्थ मं चलाना।

तजम्मो मंडली चिल्लावन लगिन
अउ ओमन रात भर रोतेच रहिन।

अउ जम्मो इस्त्राएली मूसा अउ
हारुन उपर बुडबुडावन लगिन;
अउ जम्मो मंडली उंकर ले कहन
लगिन कि बने होतिस कि हमन
मिसर मं ही मर जातेन...

गिनती 14:1-2

एक दुसर ल शांती देव अउ एक दुसर के उन्नति के कारण बनव

ये सति एक दुसर ल शांती देव अउ एक दुसर के उन्नति के कारण बनव, तुमन अइसे करत घलो हवव।

1 थिस्सलुनीकियो 5:11

दुःखी होना छोड़ना मोर बर कठिन रिहिस, मैं एला कई सालले बापरे रहेंव जब मोला कोनो पीरा होवय त मोला एकर ले संतोष मिलत रिहिस।

जोन बखत कोनो हमला चोट पहुंचाथे उहिच बखत हमला निराशा के अनुभो होथे, सइतान अपन एक दूत ल ठहरा देथे अउ ओ आके हमर कानमन मं

फुसफुसा के ये झूठ बोलथे कतना कठोरता अउ अनियाय के साथ तोर संग बरताव किये गये हवय ।

उही घनी तुंहर दिमाग मं जोन विचार दऊड़न लगथे तुमन ल ओला सुनना हे अउ तुमन तुरते ये जान लेहव कि साइतन कोन परकार ले हमर लचारी के उपयोग करके हमन ल कैदी बना लेथे ।

हालांकि बाइबिल हमन ल ये बात के आजादी नइ देवय कि हमन अपन खुद ले दुखी हो जावन । पर हमन ल एक दुसर ल उत्साहित करना हे अउ एक दुसर के उन्नति के कारण होना हे ।

तरस एक सच्चा दान आय ये दैवीय तरस के हमन ओ लोग मन उपर उपयोग करथन जेमन हमला चोट पहुंचाथे अपन जम्मो जीनगी हमन उंकर कष्ट मन ल दूर करे मं बिता देथन । पर खुद उपर तरस खाना एक विकार आय काबर कि पनमेसर हमन ल तरस ये सति दिये हवय कि ओकर इस्तेमाल हमन दुसर मन उपर करन न कि अपन उपर ।

परेम के साथ घलो इही परकार ले हवय । रोमियो 5:5 बताथे कि पनमेसर के परेम पवितर आतमा दुआरा हमर हिरदे मन मं बहा दिये गये हवय । वो अइसे ये सति करे हवय कि हमन ये जान जावन कि पनमेसर हमन ले कतना परेम करे हवय अउ उही परकार हमन घलो एक दुसर ले परेम कर सकन ।

जोन परेम पनमेसर हमला दुसर मन ल बांटे पर दिये हवय अगर हमन ओ परेम ल अपन तक ही रखथन न ये स्वार्थी अपन उपर केंद्रित हो जाथे जोन हमला सिरतो न नाश कर देथे । खुद उपर तरस दिखाना मूरती पूजा आय—खुद कुति मुड़ जाना, अपन खुद उपर अउ अपन भावना मन उपर एकाग्र हो (धियान देना) जाना आय । एकर ले हमन खुद बर अपन जरूरत मन पर अपन परवाह अउ चिंता मन बर जाग जाथन—ये बड़ भारी मूरती पूजा आय अउ सकरा विचार रखत जीनगी बिताय के एक ढग आय ।

दुसर मन के चिंता रखव

हर कोनो अपन ही हित (भलई) के नइ पर दुसर मन के हित के परवाह करय ।

अभी कुछ ही दिन पहिली हमर प्रवचन के काम बिना सूचना दिये रद्द कर दिये गये रिहिस। मै ये कार्यक्रम के बहुते उत्सुक होके इतिजार करत रहेंव, शुरु मं तो मैं जरा निराश हो गये रहेंव। एक बखत रिहिस जब मैं ये परकार के घटना मन ले मैं दुःखी अउ दोष लगइय्या अउ आलोचक बन जावत रहेंव अउ हर किसम के नकारात्मक विचार अउ काम हो जावत रिहिन। तब ले मैं ये सीख लियें कि अइसे हालत आथे त कलेचुप रहंव, गलत बात बोले ल बने हे कि कुछु झन कहंव।

जब मैं शांत बइठ गयेंव त पनमेसर मोला बताइस किये हालत ल दुसर मन के नजर ले देखंव जेमन एकर ले जुड़े हवंय। जोन मकान मं ये सभा होवत रिहिस ओ मकान ल पाय मं ओमन असफल होगिन अउ पनमेसर मोला दिखइस ओ जम्मो मन कतना निराश अउ दुःखी रिहिन। वो मन घलो कतना लालसा के साथ ये कार्यक्रम के इतिजार करत रिहिन अउ अब ओमन ए ये आयोजन नइ कर सकिन।

खुद उपर तरस दिखाके अइसे हालत ले अलग होना कतना सरल हवय अगर हमन सिरिफ अपन नजर ले नइ पर जब दुसर के नजर ले देखथन। अगर हमन सिरिफ अपन बारे मं ही सोचथन त एकर ले खुद उपर तरस दिखाय के समर्थन मिल जाथे।

दुसर मन के तरस पाय पर हमन बहुते कोशिश करथन। हव, स्व-दया एक मुख्य फंदा आय अउ हमला मरुस्थल मं रखे के सइतान के सबसे लोकप्रिय हथियार आय। अगर हमन हुशियार नइ हवन त जरूर येकर नशा मं फंस सकथन।

खुद उपर तरस खाय मं तुमन कतना बखत गंवा देथव? निराशा के सामना तुमन कइसे करथव?

जब हमन निराशा अनुभो करथन त एक मसीही होय के कारण हमर कना ये खास अधिकार हवय कि हमला फिर आशा मिल सकथे। पनमेसर के साथ हमेशा एक नवा शुरुआत हवय। हालांकि खुद उपर तरस दिखाके हमन बीते बखत मं ही फंसे रहिथन।

पुराना बात मन ल जान दव अउ पनमेसर ल आनदव

अब बीते घटना मन ल सुरता झन करव, न पुराना जमाना के बात मन उपर दिमाग लगावव।

देखव, मैं एक नवा बात करत हंव, वो अभी परगट होही, काय तुमन ओकर ले अनजान रहिहव? मैं मरुस्थल मं एक रास्ता बनाहू अउ सूखा देश मं नदिया मन ल बहा हूं।

यशायह 43:18,19

अपन उपर दुःख मनाके मैं अपन जीनगी के बहुत बरस नष्ट कर दियेंव। मोला घलो ओ नशा के लत लगे रिहिस। हर किसम के निराशा बर स्व-दया दिखाना मोर जवाब होवत रिहिस। सइतान तुरते मोर दिमाग मं गलत विचार भर देवत रिहिस अउ मैं ये जान नइ पावत रहेंव कि “मैं काय सोच करत रहेंव मैं ओ हर बात सोचन लगत रहेंव जोन भी मोर दिमाग मं आ जावत रिहिस। जतना जादा मैं सोचंव उतने जादा मोर हालत दयनीय हो जावत रिहिस।”

मैं अपन बिहाव के सात मन के बारे मं अकसर कहानी सुनाय करंव। फुटबाल के मौसम मं ह इतवार के दुपहर मं डेव टी वी मं खेल देखना चाहय। अउ अगर फुटबाल के मौसम नइ होवय त ओ कोनो दुसर “बाल-मौसम” देखे करत रिहिस। डेव ल येमा बहुत मजा आवत राहय। ओला ओ हर खेल जेमा उछलत बाल दिखय बने लगत रिहिस अउ ओ ओमा अतना रम जावय जाव कि ओला पता ही चलत राहय कि उंहां मैं घलो हवंव।

एक बेर मैं ओकर ठीक सामने मं खड़े हो गयेंव अउ साफ कहेंव “डेव, आज मोर तबियत खराब हवय, मोला अइसे लगत हवय कि मैं मरु जाहूं।”

टी वी उपर ले विन आरंवी हवय ओ कहिस, “वाह, ये तो बहुत बढ़िया हवय फूल-बासन।”

बहुत अकन इतवार मैं गुस्सा मं अउ दयनीय दशा मं बिताय हंव। जब भी मैं डेव उपर गुस्सा होवत रहेंव मैं घर के सफाई करना शुरू कर देवत रहेंव। अब मैं जानेंव कि मैं ये जताय के कोशिश किये करंव कि मैं तो कतना दुःखी हंव अउ ओ खुश हवय। मैं चाहत रहेंव कि वो ये महसूस करय कि ओ दोषी हवय मैं तुफान मेल असन घंटों घर मं एति वोती दऊड़तेच राहंव, फइरका अउ दराज ल धड़ाम ले खोलंव अउ बंद करंव, वैक्यूम क्लीनर हाथ मं लेके उही कमरा मं पहुंच जावत रहेंव जिंहा ओ बइठे राहय अउ शोर करके ये बात ल जताय करंव कि मैं कतना जादा काम करत हंव।

सिरतोन मैं ओकर धियान अपन डहर खींचे चाहंव, पर ओ मोर कुति देवत तक नइ रिहिस। मैं निराशा हो जावंव अउ घर के पीछू जाके नहानी के फरस

उपर बड़ठ के रोवन लगंव। जतना जादा मैं रोवं उतने जादा मोर दशा दयनीय हो जावत रिहिस। कुछ बरिस बाद पनमेसर मोला ये जताइस कि एक औरत नहानी मं जाके काबर रोथे। वो कहिस, काबर कि उहां एक बड़े अकन आइना जोन होथे बहुत देरी तक रोय के बाद वो खड़े होके खुद ल रेख के जान जाथे कि वो कतना दयनीय दिखत हवय।

कभु कभु तो मैं अतना भयानक दिखे लगंव कि जब मैं खुदल आइना मं देखंव त फिर रोना शुरू कर देवत रहेंव। आखरी मं दुःखी होके उही कमरा मं जावंव धीरे धीरे जिंहा डेव बड़ठे होवत राहय। देर तक मोला धूरे के बाद वो मोला बोलय कि अगर मैं रसोई कुति कुति जावत हवंव त किरपा कर ओकर पर बरफ वाला चाय बना के ला देवंव।

खास बात ये कि येकर ले समस्या के हल नइ निकलिस। भावना अउ शरीर मं मैं एकदम थक गये रहेंव। जम्मो दिन गलत भावना मनके अनुभो करे के कारण मोला लगन लगय कि मैं बयमार हो गये हंव।

पनमेसर तुमन ल तुंहर हाथ दुआरा नइ पर अपन हाथ दुआरा छुड़ाही। सिरिफ पनमेसर ही लोग मन ल बदल सकथे। पनमेसर के छोड़ कोनो भी दूसर मनखे डेव ल मैच देखे पर निरुत्साहित नइ कर सकिस। जब मैं पनमेसर उपर भरोसा करना सीख लियेंव अउ अपन तरीका ले काम नई होयले जब मोर दशा दयनीय हो जावत रिहिस ओकर उपर काबू मैं पा गये रहेंव, तब डेव घलो हर एक खेल के कार्यक्रम मन ल देखे मं जादा संतुलित हो गइस।

अभी घलो ओला खेल मन ल देखे में मजा आथे पर अब मोला बुरानइ लगय अब मैं घलो ओ बखत काम करथंव पर आंनद के साथ। मैं तो मीठा जुबान के उपयोग करथंव अउ बहुत बेर ओ अपन योजना मन ल बदल देथे। कतनो बेर अइसे मउका घलो आथे जब काम मोर इच्छानुसार नइ होवय। जइसे ही मोर भावना मन उठन लगथे, मैं पराथना शुरू करथंव, हे पनमेसर ये परिक्षा मं सफल हो जाय पर मोर सहायता कर। मैं ये पहाड़ के चारो मुड़ा अब एक बेर घलो चक्कर लगान नइ चाहंव।

प्रस्तावना

23

“मैं पनमेसर के आशीष मन के
अधिकारी नइ हंव काबर
कि मैं लायक नइ हंव।”

बंजर दिमाग के विचार धारा #8

“मैं पनमेसर के आशीष मन के अधिकारी नइ हंव काबर कि मैं लायक नइ हंव।”

बंजर दिमाग के विचार धारा #8

प्रस्तावना
23

यहोशु के अगुवानी मं जब इस्त्राएली यरदन नदिया पार के परतिज्ञा के देश मं पहुंच इया रिहिन त एकर ले पहिली कि वो उंहा के पहिली शहर यरीहो उपर जीत पावंय पनमेसर कुछ करना चाहत रिहिस।

पनमेसर ह आज्ञा देइस कि जम्मो इस्त्राएली मरद मन के खतना किये जावय काबर कि ये चालीस सालमन मं ये नइ किये गये रिहिन। जब ये हो गइस त पनमेसर ह यहोशु ले कहिस कि ओ मिसर के निरादर ल अपन लोग मन के बीच ले “दुला” दिये हवय।

अध्याय 6 मं जम्मो जिकर होय हवय कि कोन परकार पनमेसर के अगुवानी मं इस्त्राएल के संतान ह यरीहो उपर कब्जा जमाइस। पर सबसे पहिली ओ निरादर ल उंकर उपर ले काबर हटाना पड़िस? ये निरादर काय हवय?

निरादर के मतलब

निरादर शब्द के मतलब हे “दोषी बताना... बुरइ करना, लाज।” जब पनमेसर ह कहिस कि ओ इस्त्राएली मन के ओ निरादर ल जोन मिसर उंकर साथ हुये रिहिस, दुला दीही, वो एक बात बताना चाहत रिहिस। मिसर जम्मो संसार ल दिखात हवय। कुछ साल ये संसार मं रहे के बाद अउ संसारी बन जाय के बाद, हम जम्मो ल ये निरादर ल दुला दे के जरूरत हवय।

जोन जोन काम करे रहेंव या मोर साथ किये गये रिहिस ओकरे कारण सुभाव लाज उपर टिके रिहिस। मोर साथ जोन भी होय रिहिस ओकर दोषी मैं खुद हंव (जबकि एमा के बहुत कुछ मोर बचपना मं होय रिहिस, अउ येमनल रोके बर मैं कुछु कर नइ सकत रहेंव)।

तब यहोवा यहोशु ले कहिस तुंहर नांव के निरादर जोन मिसरी मन मं होइस हवय ओला आज मैं दूर करे हंव। ये कारण ओ स्थान के नांव गिलगाल (दुलना) पड़े हवय।
यहोशु 5:9

हमन पहिली देखे हवन कि अनुग्रह पनमेसर के सामर्थ आय जो हमला मुफत मं ओकर ले मिलथे अउ ओकर मदद ले हमन ये जम्मा काम आसानी ले करथन जेला हमन खुद नइ कर सकन। पनमेसर हमन ल अनुग्रह देना चाहथे अउ सइतान हमन ल निरादर देना चाहथे जोन दुसर शब्द मं अपमान घलो आय।

अपमान मोर ले कहिथे कि मैं बने नइ हंव—पनमेसर के परेम अउ ओकर मदद के लायक नइ हंव। लाज मोर भीतर के मनुष ल गंदा कर दिये रिहिस। जोन कुछ मोर साथ होय रिहिस न सिरिफ मैं ओकर ले लजावत रहेंव पर मैं खुद ले घलो लजावत रहेंव। हिरदे के गहराई ले मैं खुद ल पसंद नइ करत रहेव।

पनमेसर दुआरा ओ अपमान ल दुला दे के मतलब हे कि हमन मेके हरेक ल अपन बीते बखत के पाप मन ले माफी पाय के जरूरत हवय जेला पनमेसर हमन ल दे बर इच्छा रखथे।

तुमन ल ये सच ल समझ लेना चाही कि तुमन पनमेसर के आशीष मन के लायक कभु नइ हो सकव तुमन सिरिफ दीन बन के ओला गरहन कर सकथव ओकर परशंसा कर सकथव अउ अचरज कर सकथव कि पनमेसर कतना भला हवय अउ ओ तुमन ल कतना परेमकरथे।

अपन ले घिनाना, अपन ल रद्द करना, पनमेसर के माफी ल गहरन नइ करना यीशु के खून दुआरा मिले धरम ल नइ समझना अउ इही परकार के दुसर समस्या तुमन ल सिरतोन ही मरुस्थल (बंजर जीनगी) मं भटकाथें। यीशु के दुआरा पनमेसर के साथ सही रिस्ता बनाय ले तुंहर दिमाग नवा हो सकथे न कि तुंहर काम मन दुआरा।

अपन में सेवा मं आय के कतनो सालों बाद आज मैं पूरा कायल हंव कि 85 प्रतिशत हमर समस्या मन इही कारण आये कि हमन अपन बारे मं कोन परकार ले सोचयन अउ. अनुभो करथन। कोनो भी मनखे जेला तुमन जानथव अगर ओ विजयी जीनगी जीयत हवयत ओ पनमेसर के साथ सही रिस्ता (धरम) मं धलो चलत होही।

मैं जानथव कि मैं पनमेसर के आशीष मन के लायक नइ हंव पर तब भी मैं ओला पाथंव काबर कि मैं मसीह के साथी उत्तराधिकारी हववं (रोगी 8:17) ओ ओला कमाय हवय अउ ओकर उपर विश्वास करके मैं ओमन ल पाय हंव।

उत्तराधिकारी या मजदूर

ये सति तैं अब गुलाम नइ, पर बेटा हवस; अउ जब बेरा हो गयेस त पनमेसर दुआरा उत्तराधिकारी घलो होइस।

गलतियों 4:7

काय तुमन बेटा हव या गुलाम—उत्तराधिकारी (वारिस) हव या बंधुवा मजदूर? वारिस ओ होथे जोन बिन कुछ के लायक होय कुछ पाथे, जइसे कि वसीयतनामा दुआरा एक मनेख ले दुसर मनखे ल जमीन जायजाद मिलथे। बाइबिल सिखाथे कि एक गुलाम या मजदूर वो होथे जोन नियम पालन करे के कोशिश मं थक जाथे ये कठिन काम अउ कठिनाई मन ल दिखात हवय।

पनमेसर जोन मुफत मं मोला अनुग्रह देखे अउ मै ओकर लायक बने पर गुलाम या मजदूर असन कतना साल तक बंजर मरुस्थल मं भटकत रहेंव। मै अपन ल भला बनाय के कोशिश करत रहेंव कि मै ओकर अनुग्रह पाय के लायक अपन ल बना संभव ये मोर गलत दिमागी स्थिति रिहिस।

पहिली मैं सोचत रहेंव हर चीज ल कमाय जा सकथे अउ ओकर लायक बने जा सकथे: “कोनो भी तुंहर बर मोफत मं कुछु नइ करय।” कई बरस ले मोला ये नियम सिखाय गये रिहिस। जब मै बाढत रहेव त ये बात मैं कतनो बेर सुन चुके रहेंव। मोला बताय गये रिहिस अगर कोनो अइसे बरताव करय जइसे कि ओ मोर पर कुछु करना चाहथे अउ ओ भी मुफत मं त वो झूठ बोलत हवय अउ आखरी मं मोर ले फायदा पाना चाहत हवय।

संसारी अनुभो हमला ये सिखाथे कि हर चीज ल पाय पर हमला ओकर लायक बनना होही। अगर हमन ल मितान चाही त हमला ओमन ल हर बखत खुश रखना होही नइ तो हमला तियाग (अस्वीकार) कर दीही। अगर हमन ल नौकरी म उन्नति चाही त हमला सही आदमी मन ल जानना होही अउ उकरं साथ खास बरताव करना होही तब एक दिन हमला आगे बढ़े के मउका मिल जाही। ये संसार ल छोड़े के जब हमर बखत आथे तब हमर उपर ये निरादार के बोझा बहुत जादा बढ़ गये होथे जेला दुलाना बहुत जरूरी हवय।

तुमन अपन ल कइसना देखथव

फिर हमन उहां नपीली (दानव) मन ल याने नपीली जात वाले अनाकवंशी

**मन ल देखेन; अउ हमन अपन नजर मं तो उंकर आगु टिङ्डी असन
दिखई देवत रहेन, अउ अइसे ही उंकर नजर मं मालूम होवत रहेन।**

गिनती 13:33

इस्त्राएली मन उपर ये अपमान रिहिस। ये पद मं हमन ये सच ल देखथन जोन अपन खुद के बारे मं उंकर नकारात्मक विचार रिहिस। बारह मं के दस भेदिया मन जेला परतिज्ञा के देश मं भेद पता लगाय पर भेजे गये रिहिस, एकर पहिली कि जम्मो इस्त्राएली यरदन नदिया पार करके ओदेश मं पहुंचिन वापस लहुट के बताथे कि ओ देश मं दानव लोग मन बसथें अउ उंकर नजर मं हमन टिङ्डी मन असन हवन अउ अपन नजर मं धलो।

एकर ले हमला साफ पता चलथे कि उंकर विचार अपन बारे मं काय रिहिस।

कृपया ये जान लेवन कि सइतान इही परकार के नकारात्मक विचार तुंहर बारे मं सोचथे, तुंहर दिमाग मं (अगर तुमन ओला जगह देखव) भर देथे। तुंहर दिमाग मं गढ़ बनाना वो बहुत पहिले ले ही शुरू कर दिये रिहिस तुंहर बारे मं नकारात्मक विचार अउ दुसर लोग जोन तुंहर बारे मं सोचथे, ये जम्मो विचार वो तुंहर दिमाग मं भर देथे। वो हमेशा अइसे हालत पइदा कर देथे जेमा तुमन अपन मं लाज अनुभो करन लगथव कि वो ये पीरा ल ओ बखत ला सकय जब तुमन उन्नति करे के कोशिश करत होवव।

असफल या रद्द हो जाय के डर बहुत लोग मन ल मरुस्थल मं भटकात रहिथे। इस्त्राएली बहुत बरस तक मिसर म गुलाम बन के रहत रिहिन ओ निरादर रिहिस जोन उंकर उपर रिहिस। रोचक बात ये हवय कि मूसा के साथ जोन पीढ़ी मिसर ले बाहिर निकले रिहिन ओमा के कोनो भी मनखे परतिज्ञा के देश मं दाखिल नइ हो सकिन। जोन मन परवेश करिन ओमन उंकर संतान रिहिन। तब ले पनमेसर उंकर ले कहिस कि ओला उंकर उपर ले निरादर दुलाना हवय।

ओमा के जादा के जनम मरुस्थल मं होय रिहिस जब उंकर दाई दादा मन मिसर छोड़ दिये रिहिन। जब ओमन मिसर मं रहिन ही नइ त मिसर के अपमान उंकर उपर कइसे आ गइस?

जोन चीज तुंहर दाई-दादा के हवय ओ तुमन ल मिल सकथे। चाल-चलन विचार अउ बरताव तुंहर पुरखौती रीत ले मिल सकथे। तुंहर दाई दादा के

गलत दिमागी स्थिति तुंहर घलो दिमागी स्थिति बन सकथे जोन तुमन ल पता ही नइ होही कि तुमन ये परकार काबर सोचथव।

दाई—दादा जिंकर धारणा अपन बर बने नइ हवय जोन अपन खुद ल लायक नइ समझत होवय अउ “मैं पनमेसर के आशीष मन के लायक नइ हव” ये परकार के दिमागी स्थिति रखत होवय त सिरतोन ही ये दिमागी स्थिति बच्चा मन तक पहुंच जाही।

तुंहर दिमाग मं तुंहर बारे मं काय चलत हवय एकर बर सावधानी बरते के तुमन ल बहुत जरूरत हवय। तुंहर असफलता मन बर पनमेसर अपन दया करे के इच्छा रखथें अगर तुमन ओला गरहन करे के इच्छा रखव। ओ ओला दान नइ देवय जोन भला अउ श्रेष्ठ होवय अउ कोनो झन होवय या कभु कोनो गलती न करत होवय, पर जोन ओकर उपर विश्वास करथे अउ भरोसा रखथे वो ओही मन ल दान देथे।

पनमेसर विश्वास रखे ले परसन्न होथे

अउ बिन विश्वास ओला परसन्न करना अंसभो हवय काबर कि पनमेसर कना अवइय्या ल विश्वास करना चाही, कि अपन खोजइय्या मन ल इनाम देथे।

इब्रानियो 11:6

धियान रखव कि बिन विश्वास के तुमन पनमेसर ल परसन्न नइ कर सकव, चाहे तुमन कतना भी भला काम ओकर अनुग्रह पाय पर कर लिए होहव एकर ले ओ परसन्न नइ हो सकय।

हमन जोन कुछु भी पनमेसर बर करथन वो ये सति नइ कि हमन ओकर ले कुछु पाय के कोशिश करत हवन पर ये सति कि हमन ओकर ले परेम करथन।

पनमेसर के सामर्थी बचन बताथे कि पनमेसर ओमन ल इनाम देथे जोन परिश्रम के साथ ओला खोजथे। मैं बहुत खुश होएवं जब मैं एला पूरी तरह ले देख लियेंव। मैं जानथंव कि बीते समे मं मैं बहुते गलती करे हंव पर मैं ये थलो जानथंव कि मैं ह अपन जम्मो हिरदे के साथ ओला खोजेहंव।

एकर मतलब हवय कि मैं ओ इनाम के लायक हंव। बहुत साल पहिली

मै ये फइसला कर लिए रहेंव कि जोन भी आशीष पनमेसर मोला देना चाहथे ओला गरहन कर लिए कर हूं।

पनमेसर इस्त्राएली मन ल परतिज्ञा के देश मं ले जाना चाहत रिहिस अउ ओमन ल आशीष देना चाहत रिहिस जेकर ओमन अंदाज धलो नइ करे रिहिन, पर पहिली ओला ओ लोग मन के उपर ले अपमान दुलाना रिहिस। ओमन ओला ठीक ढंग ले गरहन नइ कर सकत रिहिन, जब तक ओमन लाज, दोष भावना, अउ अपमान ले दबे हुए रिहिन।

निरदोष

जइसे ओ हमला जगत के पइदाइस ले पहिले ओमा (मसीहंम) चुन लेइस कि हमन ओकर कना परेम मं पवितर अउ निरदोष होवन।

इफिसियो 1:4

ये पद अचरज भरे हवय। एमा पनमेसर हमला बताथे कि हमन ओकर हवन अउ ओ हमर पर काय चाहथे—कि हमन ये जानन कि हमन खास, कीमती अउ मयारु हवन अउ हमला परेम मं पवितर अउ निरदोष होना चाही।

पवितर जीनगी बिताय पर हमला ओ सब करना चाही जोन हमन कर सकथन पनमेसर के धन्यवाद होवय कि जब हमन गलती करथन त हमला माफी मिल सकथे। अउ फिर से हमन पनमेसर मं पवितर अउ निरदोष बन सकथन।

बिन दोष लगाय या बिन उलाहना दिये

अगर तुमन मे के कोनो ल बुद्धी के कमी होवय, त पनमेसर ले मांगय जोन बिन उलाहना दिये जम्मो ल उदारता से देखे, अउ ओला दिये जाही।

याकूब 1:5

ये एक दुसर महत्वपूर्ण पद आय जोन हमला सिखाथे कि बिना कोनो उलाहना के हमन पनमेसर ले बुद्धि पा सकथन।

याकूब ओमन ले बात करत हवय जेमन कष्ट मन ले अउ परिक्षा मन ले धिरे रिहिन अउ अब ओ वोमन ल बतावत रिहिस कि अइसे दशा मं अगर

ओमन बुद्धि चाहथे त ओमन ल पनमेसर ले मांगना होही। ओ ओमन ल निश्चय दिलाथे कि ओ बिन दोष लगाय उंकर मदद जरूर करही।

तुमन पनमेसर के सहायता के बिना ये मरुस्थल ले कभु नइ निकल सकव। पर अगर तुमन के अपन बारे मं नकारात्मक सुभाव हवय त पनमेसर अगर तुंहर मदद करथे भी त तुमन ओकर सहायता ल गरहन नइ कर पाहव।

अगर तुमन एक विजयी सामर्थी सकारात्मक जीनगी चाह थव त तुमन अपन बारे मं नकारात्मक नइ हो सकव। सिरिफ ये झन देखव कि तुमन ल कतना दूर जाना हवय पर ये देखव कि तुमन कतना दूर आ गये हव अपन उन्नति उपर विचार करव अउ फिलिप्पियो 1:6 ल सुरता करव... **मोला ये बात के भरोसा हवय कि जेहा तुमन मं बने काम शुरू कर दिये हवय वोही ओला यीशु मसीह के दिन तक पूरा करही।**

अपन बारे मं सकारात्मक सोचव अउ बोलव।

प्रस्तावना

24

“जब हर मनखे मोर ले बढिया
हालत मं हंवय त मै जलस
अउ इरषा कावर न करव?”

बंजर दिमाग के विचार धारा #9

“जब हर मनखे मोर ले बढिया हालत मं हंवय त मैं जलस अउ इरषा कावर न करव?”

प्रस्तावना
24

बंजर दिमाग के विचार धारा #9

ओला (युहन्ना) ल देख के पतरस हा यीशु ले कहिस; हे परभु, एकर काय हाल होही? युहन्ना 21 मं यीशु पतरस ले गोठियावत हवय अउ कहत हवय कि अगर पतरस यीशु के सेवा अउ ओकर महिमा करना चाहथे त ओला कठिनाई मन के सामना

यीशु ह ओकर ले कहिस, अगर मैं चाहंव कि वो मोर आवत तक ठहरे (जिंदा) रहय, त तोला काय? तैं मोर पीछू चल।

युहन्ना 21:21,22

करना होही। जब यीशु ये कह चुकिस त तुरते पतरस ह मुरक के युहन्ना ल देखिस अउ यीशु ले कहिस, कि ओकर बर यीशु के काय मरजी हवय। पतरस ये बात पक्का जानत रिहिस कि अगर ओला कठिन बखत के सामना करना होही त युहन्ना ल घलो करना होही।

एकर जवाब मं यीशु ह नम्रता के साथ पतरस ले कहिस कि ओ सिरिफ अपन काम ले मतलब रखय।

अपन दिमाग सिरिफ दुसर के बारे मं सोचे ले हमन मरुस्थल मं ही भटकत रहिबोन। जलस इरषा अउ दिमागी रूप मं अपन खुद अउ अपन परिस्थिती मन ल दुसर मन ले मिलान करना, एक बंजर दिमाग आय।

इरषा अउ जलस ले सावधान रहव

शांत दिमाग तन के जीनगी आय, पर दिमाग म जलसे ले हड्डी घलो जल जाथे।

नीतिवचन 14:30

ईरषा ले एक मनखे के सुभाव दुष्ट अउ निरदयी हो जाथे अउ कभु कभु तो जानवर असन हो जाथे। ईरषा ले यूसुफ के भाई मन ओला गुलाम के रूप मं

बेच दिये रिहिम। वोमन ओकर ले धिनावय काबर कि उकरं ददा ओला बहुत जादा मया करत रिहिस।

अगर तुंहर परिवार मं कोनो अइसन मनखे हो जेकर उपर तोर ले जादा किरपा किये जावत होवय त तुमन ओकर ले धिनावव इन। पनमेसर उपर भरोसा रखव। वोही करव जोन ओ तुमन ल करे बर कहिथे, किरपा पाय बर ओकर उपर विश्वास करव—आखरी मं तुमन यूसुफ असन भरमार आशीष पाहू।

जुन्ना अउ नवा नियम के वाइन शब्दकोष यूनानी भाषा के शब्द जेकर अनुवाद जलस किये गये हवय ओकर व्याख्या ये परकार करथे, “दुसर मन के उन्नति देखके अप्रसन्नता के भावना पइदा होना” शब्द के वेस्टर के शब्द कोष कहिथे “जलस, डर अउ कड़वाहट के भावना” ये व्याख्या मन ल मैं ये परकार कहिथव कि जोन तुंहर कना हवय ओकर खो जाय के भय कि कहुं ओ दुसर कना न चले जाय; दुसर मन के सफलता देख के गुस्सा होना।

मिलान अउ होड़ इन कख करव

ओमन मं ये विवाद घलो होइस, कि हमन मं कोन बड़े समझे जाथे? यीशु हा उंकर ले कहिस, दुसर जात के राजा उंकर उपर शासन करथे अउ जोन उंकर उपर अधिकर रखथें, वोमन उपकार करइय्या कहिलार्थें। पर तुमन अइसन इन होहव, पर जोन तुमन मं बड़े हवय, वो छोटे असन अउ जोन परधान हे, वो नौकर असन बनय।

लूका 22:24–26

मोर शुरुआती जीनगी मं मोर अंदर घलो इरषा, जलस, अउ मिलान करे के आदत रिहिस। ये असुरक्षित होय के सामान्य चिन्हा आय। अगर हमन अपन कीमत के बारे मं अपन अलग मनखे होय के महानता के बारे मं असुरक्षित महसूस करथन त हमन अपन खुद के मिलान दुसर मन के साथ करन लगथन जेमन ल हमन सफल समझथन।

मोला सीखना हवय कि मोला पनमेसर एक अलग मनखे के रूप बनाय रिहिस (पनमेसर कना मोर जीनगी बर एक खास व्यक्तिगत योजना हवय) अउ इही ओ कीमती स्वतंत्रता आय जोन पनमेसर मोला दिये हवयं मोला अपन खुद के या मोर सेवा के मिलान करे के जरूरत नइ हवय।

जब मैं यीशु के चेला मनल देखथं त मैं जान जाथं कि ओमन घलो अपन जीनगी मं ओ चीज मन बर बहुत संघर्ष करे रिहिन जोन चीज मन बर मैं संघर्ष करथं अउ तब कि चेला मन आपस मं ये बहस करत रिहिन कि ओमन मं सब ले बड़े कोन हवय। यीशु ह उंकर ले कहिस कि सिरतोन म सबले बड़े वो हवय जोन खुदल सबले छोटे समझत होवय या अपन ल गुलाम समझत होवय। हमर परभु अपन बहुत जादा बखत चेला मन ल ये समझाय मं बिताइस कि पनमेसर के राज के जीनगी ये संसार के जीनगी ले उल्टा हवय।

यीशु हा ओमन ल सिखाइस “बहुत मन जेमन पहिले हंवय पिछला होहीं; अउ जोन पिछला हंवंय वो पहिला होही” (मरकुस 10:31), जोन धन्य हंवंय ओकर साथ आनंद मनावव (लूका 15:6, 9); “अपन बइरी मन ले परेम रखव अउ अपन सतइय्या मन बर पराथना करव” (मत्ती 5:44) संसार बोलही कि ये मुखता आय—पर यीशु बोलथे इही सच्चा सामर्थ आय।

संसार के होड़ ल अलग रहर

हमन घंमडी होके न एक दुसर ल चिढ़ावन अउ न एक दुसर ले इरषा करन।

गलतियों 5:26

संसार के रीत अनुसार हरेक ले आगु रहे के स्थान ही जम्मो ले बढ़िया माने जाथे लोकप्रिय सोच इही कहही कि हमन ल चोटी मं पंहुचे के कोशिश करना चाही चाहे ये मारग म हमन दुसर मन ल चोट ही काबर न पहुचावत होवन पर बाइबिल हमन ल सिखाथे कि सच्ची शांति नांव के कोनो चीज नइ हे जब तक कि हमन दुसर मन ले होड़ करना न छोड़ देवन।

“अचरज (मनोरजक) खेल मन मं” अक्सर ये देखे गये हवय कि लोग मन होड़ के भावना के लत मं फंस जाथें अउ असंतुलित होके एक दुसर ले झगरा अउ घिनावन लगथें जब कि खेल मन हे सिरिफ मनोरजन अउ आराम बर होथें। सिरतोन मं लोग मन हारे बर नइ खेलथं, हर मनखे ल अपन पूरा ताकत लगा के खेलथे। पर अगर कोनो मनखे कोनो खेल के आनंद जब तक नइ लेवत होवय जब तक वो जीतत न होवय त पक्का ओकर कना एक समस्या हवय—एक गंभीर समस्या, जोन ओकर जीनगी के अलग अलग क्षेत्र मन मं अउ भी दुसर समस्या मन ल पइदा करत हवय।

हमला कोनो भी काम ल बने किसम ले करना चाही, अउ अपन धंधा मं बने काम करके आगु बढे मं कोनो बुरई नइ हवय। पर मै तुमन ल सुरता करा के तुमनल उत्साहित करना चाहथं कि एक विश्वासी के पदवी मं उन्नति पनमेसर कुति ले आये मनुष कुति ले नइ। मोला अउ तुमन ल आगु बढे बर संसारिक खेल खेले के जरूरत नइ हवय। पनमेसर हमला अपन अउ मनुष दुनो के अनुग्रह दीही (नीतिवचन 3:3,4)।

इरषा अउ जलस नरक के कष्ट आय। जोन भी मनखे मोर ले जादा बढ़िया दशा मं रहिथे या ओकर कना अइसे कौशल होवत रिहिस जोन मोर कना नइ रिहिस त ओला देखके मै घलो इरषा अउ जलस ले भर जावत रहेंव अउ अपन जीनगी के कतना साल इही मं गंवा दियेंव। मै अपन सेवा मं घलो दुसर मन के साथ होइ रखत रहेंव पर मै एला लुका के रखत रहेंव। ये मोर बर बहुत महत्व के रिहिस “मोर” सेवा आकार मं विशाल अउ जादा लोग मन ले भरे हुए, बढ़िया अउ मालामाल होवय। अगर कोनो दुसर मनखे के सेवा मोर सेवा ले आगु निकल जावय त मै ओ मनखे बर खुश तो होवत रहेव कि ये पनमेसर काम अउ मरजी हवय, पर मोर आत्मा एला गरहन नइ कर पावय रिहिस।

मसीह मं मै कोन हंव जब मैं ये गियान मं बढ़त गयेंव त मै जानेव कि सही स्वतंत्रता इही मं हवय जब मै खुद के मिलान या अपन काम के मिलान दुसर मन ले झन करंव। जतना जादा मै पनमेसर मं विश्वास करत गयेंव उतना ही जादा मै खुदला ओ विषय मन मं स्वतंत्र अनुभो करत गयेंव अउ इंकर मजा लेवत गयेंव। मैं सीखेंव कि मोर सरग के बाप मोला परमे करथे। अउ हमेशा मोर भला चाहथे।

मोर अउ तोर बर पनमेसर जोन करथे वो हो सकथे कोनो दुसर बर नइ करत होवय, पर सुरता रखना चाही जोन यीशु पतरस ले कहे रिहिस, “दुसर के साथ मै कुछु भी करंव, तोला एकर ले काय तै तो मोर पीछेआ।”

एक बेर मोर एक मितानिन ल पनमेसर कुति ले एक इनाम मिलस जेला मैं बहुत समे ले पाना चाहत रहेंव। मै ओ मितानित ल ऊतना आत्मिक नइ समझत रहेंव जतना मै हव अउ ये सति मैं इरषा अउ जलस ले भर गये रहेंव,

ओ उत्साहित होके मोर दरवाजा मं आइस अउ मोला बताइस कि पनमेसर हा ओकर बर काय करिस हवय। ओकर आगु तो मै खुश होय के बहाना करेंव पर अपन हिरदे म खुश नइ रहेव।

जब वो चले गिस त मोर व्योहार बदलन लगिस अउ अइसे हो गइस जोन मैं कभु सोचे घलो नइ रहंव। पनमेसर के ओला आशीष देना मोर गुस्सा के कारण रिहिस काबर कि मैं सोचत रहेंव कि वो एकर लायक नइ हे। मैं घर म ही रहेंव अउ उपवास रखेंव, पराथना करेंव जब कि ओहा अपन जम्मो संगवारी मन संग खुशी मनावत रिहिस मैं “फरीसी” रहेंव एक धरमी सभ्य मनखे अउ ये मैं जानत भी नइ रिहिस रहेंव।

कभु कभु पनमेसर अइसे घटना मन के परबंध कर देथे जेकर चुनाव हमन नइ करन काबर कि ओ जानथे कि हमला कोन बात के जरूरत हवय मैं अपन बुरा बरताव ल छोड़ना चाहत रहेंव। पनमेसर हमर परिस्थिती मन के अइसे परबंध करथे कि आखरी मं हमला अपन सामना खुद करना पड़य नइ तो हमन अपन स्वतंत्रता के अनुभो कभु नइ करसकबोन।

जब तक बइरी हमर आतमा म लुका सकथे ओ हमर उपर अपन काबू हमेशा रखही। पर अगर पनमेसर ओकर सही रूप हमला दिखा देथे त अगर हमन स्वतंत्रता के मारग मं आना चाहथन त हमला अपन खुद ल पनमेसर के हाथ मं रखना होही। अउ ओला अनुमति देना पड़ही कि ओ जोन चाहथे तुरते करय।

पनमेसर के मोर जीनगी बर इही योजना रिहिस कि मैं ये सेवा मं रहंव अउ लाखों लोग मन के सेवा टी.वी., रेडियो टेप, सेमिनार अउ पुस्तक मन के दुआरा करंव। पर ओ मोला पूर्णता नइ दीही सिवाय एकर की मैं थोड़ा थोड़ा करके ओमा बढ़त जावंव।

नवा दिमाग तइयार करव

हे मयारू, मोर पराथना ये हवय; कि जइसे तैं उन्नति करत हवस, बइसे ही तैं जम्मो बात मं उन्नति करस, अउ भला चंगा रहस।

3 युहन्ना 2

सावधानी ले ये पद मं धियान दव हमन पनमेसर ले कतना आशीष चाहथन ओकर ले कहूं जादा आशीष वो हमला देना चाहथे। पर ओ हमर ले परेम करथे अतना जादा करथे कि ओ हमला ओकर ले जादा आशीष नइ देवय जतना आशीष मनल गरहन करे के हमर क्षमता हवय।

इरषा जलस अउ दुसर मन साथ अपन तुलना करना हंसी लायकहे। ये बिलकुल शरीर के हवय अउ आत्मिक बात मन ले एकर कोनो संबंध नइ हे।

पर नीरसता के जीनगी बिताय बर ये अडबड़ अकन कारण मन मे के एक कारण हवय।

ये बारे मं अपन बिचार मन उपर धियान दव। जब गलत विचार तुंहर दिमाग मं आवन लगथे त तुमन खुद ले थोड़ा गोठियावव। खुद ल कहव, दुसर मन ले इरषा रखे मं हमर काय भला होही? एकर ले मोला आशीष तो मिल ही नइ। पनमेसर कना हर मनखे बर अलग योजना हवय अउ मोला विश्वास हवय कि ओ मोर बर बड़ बढ़िया काम ही करथे। वो दुसर मन के साथ काय करथे ओकर ले मोरले कोनो मतलब नइ हे “फिर सावधानी के साथ ओ लोग मन बर उद्देश्य पूर्ण पराथना करन कि ओमनल अउजादा आशीष मिलय।”

अपन भावना मन मं पनमेसर के साथ ईमान दार रहम, डरव ज्ञान। वो जानथे कि भावना मन काय हवंय, ये सति इंकर बारे मं ओकर ले गोठियावव वब।

मैं पनमेसर ले ये कहेंव, “परभु, मै – बर पराथना करत हंव कि ओला अउ जादा आशीष मिलय। ओला मालामाल कर, हर बात मं आशीष दे। परभु, मैं विश्वास के साथ ये पराथना करत हंव। अपन आत्मा ले मैं ओकर ले इरषा करथंव अउ ओकर ले अपन ल कमती पाथंव, पर मैं तोर इच्छा चाहथंव चाहे मोला बने लगय या बुरा।”

अभी हाले मं मैं कोनोल ये बोलत सुनेंव चाहे तुमन कतना बढ़िया काम करव कोनो न कोनो जरूर होही जोन तोर ले घलो बढ़िया काम करत होही। ये कथन ले मोला चोट पहुंचिस काबर कि मै जानत रहेंव कि ये सिरतोन हवय। अउ अगर ये सच बात हवय त दुसर लोग मनले आगु निकले बर संघर्ष जोन हमन अपन जम्मो जीनगी मं करथन ओकर ले काय फायदा? जइसे ही हमन पहिला नम्बर बन जाथन कोनो हमर ले होड रखत होही अउ ओ मनखे हमर ले बढ़िया काम करके दिखा देथे।

खेल के बारे मं सोचव, एक खिलाड़ी रिकार्ड बनाथे ओला दुसर खिलाडी आके तोड़ देथे। मनोरंजन के बारे मं काय होथे। कोनो कलाकार कुछ बखत बर चोटी मं रहिथे अउ फिर कोनो नवा कलाकार आके ओकर जगहा मं आ जाथे। अइसे सोचना कि हमन हमेशा हर कोनो ले आगु रहन अउ उंहे बने रहन कतना भंयकर धोखा आय।

बहुत सभे पहिले पनमेसर ह मोला ये बात सुरता रखे बर कहे रिहिस कि एक “टूटत तारा” जल्दी उपर आथे अउ सबके धियान ओकर कुति खिंच जाथे

पर अइसे कुछ क्षण बर होथे, जतना जल्दी ओ उपर आथे उतने ही जल्दी वो नीचे गिर जाथे। ओ मोला कहिस कि बने होही कि हमन जादा बखत तक उहां रहन अउ अपन पूरा योग्यता के साथ काम करन जेला वो हमला करे बर कहे हवय। ओ मोला निश्चय दिलाइस कि ओ मोर आदर बनाय रखही। मै ये फइसला लियेव कि जोन भी ओ मोर ले चाहथे जइसे ओ मोला बनाना चाहथे ओ मोर बर ठीके हवय। काबर? काबर कि ओ बने ले जानथे कि मै काय काम बने ढग ले संभाले सकथंव।

हो सकत हवय तुंहर दिमाग मं ये बात मं सालों ले गढ बने हुए होवय। हर बेर जब तुमन कोनो अइसे मनखे के सम्पर्क मं आवत होहव जोन तोला अपन ले आगु देखत होवय, तुंहर अंदर ईरषा अउ जलस के भावना आ जाथे अउ तुमन ओ मनखे ले होड़ रखन लगथव। अगर अइसे हवय त मै तुमन ल प्रेरित करत हंव कि तुमन एक नवा दिमागी स्थिती बना लव।

ये परकार के दिमाग रखव कि दुसर तुंहर ले आनंद पावय अउ पनमेसर उपर भरोसा करंय, एमा थोड़ा बखत लगही पर जब ओ जुन्ना गढ टूट जाथे अउ पनमेसर के बचन ओकर जगहा ले लेथे त तुमन मरुरथल ले निकल के परतिज्ञा वाले देश मं पहुंच जाथव।

प्रस्तावना

25

“मैं एला अपन ढ़ग ले करहूं
या बिलकुल नइ करंव।”

बंजर दिमाग के विचार धारा #10

“मैं एला अपन ढंग ले करहूँ या बिलकुल नइ करंव।”

बंजर दिमाग के विचार धारा #10

प्रस्तावना

25

इस्त्राएली जब मरुस्थल म रिहिन त वोमन भी हठी अउ झगराहा सुभाव के रिहिन अउ इहि सति वोमन उहां मर गिन। पनमेसर ओमन ल जोन करे बर कहत रिहिस वोमन को नइ करत रिहिन। जब वोमन कोनो समस्या मं पड़ जावत रिहिन त वोमन चिचिया के पनमेसर ल कहत रिहिन कि वोमन ल ये समस्या ले निकालय। वोमन तभे तक ओकर निर्देश मन के पालन करत रिहिन जब तक समस्या मन ठीक नइ हो जावत रिहिन। अउ फिर तुरते विद्रोही हो जावत रिहिन।

अउ परमेसर के बड़े काम मन ल भूला इन जावब पर ओकर आज्ञा मन के पालन करत रहव।

अउ अपन पुरखा मन के असन इन होवन, काबर कि ओ पीढ़ी लोग मन तो हठीला अउ झगराहा रिहिन, अउ ओमन अपन दिमाग स्थिर नइ करे रिहिन, अउ न उंकर आतमा ईश्वर कुती सच्चा रिहिस।

भजन संहिता 78:7,8

येही बेर बेर होवत रिहिस अउ एकर जिकर हमन जुन्ना नियम मं कतनो बेर पाथन कि एकर विश्वास नइ होवय। हम घलो अगर बुद्धि के साथ नइ चलत हवन त हमन घलो अपन जीनगी मं उही काम करत हवन।

मैं जानथं कि हमन मं के कुछ लोग सुभाव ही ले दुसरमन ले जादा हठी अउ विद्रोही होथें। अउ फिर हमला अपन जरी मन उपर धियान देना होही अउ ये बात ल सोचना होही कि जीनगी के शुरुआत हमन कोन परकार करे रहेन काबर कि इही हमर मन ऊपर परभाव ल डालथे।

मैं मजबूत सुभाव लेके जनम लिए रहेंव अउ हर काम ल अपन ढंग ले ही करत रहेंव पर कुछ साल तक जोन मोर साथ खराब बरताव किये गइस अउ मोला कठोरता ले बस मं करे गिस एकर ले मोर मनुष्यत्व अउ भी मजबूत हो गिस अउ मोर अंदर अइसे दिमाग तइयार हो गिस कि मोला लगन लगिस कि कोनो भी मोला ये नइ बताही कि मोला काय करना हवय।

एकर पहिली कि पनमेसर अपन काम बर मोला उपयोग करय ओला मोर ये खराब बरताव (सुभाव) के (कुछु) कांही परबंध करना रिहिस।

पनमेसर चाहथे कि हमन अपन ढग ले काम करना छोड़ देवन अउ लचीला बन के अपन ल ओकर हाथ मं संरूप देवन। जब तक हमन हठी अउ विद्रोही रहिबो वो हमला उपयोग नइ कर सकय।

हठीला के मतलब मोर समझ मं: कोनो के साथ काम करे मं कठिनाई के सामना करना, अउ विद्रोही के मतलब: नियंत्रण के विरोध करना, नियम के विरोध करना, शासन मं नइ रहना। मोर अंदर ये जम्मो बात मन रिहिन।

शुरूआती जीनगी मं मोर साथ जोन बुरा बरताव होय रिहिस, ओकर ले मोर सुझाव अधिकार बर असंतुलित हो गये रिहिस। पर जइसे मै पहिले घलो कहे रहेंव कि मोला ये विद्रोही सुझाव के बहाना अपन बीते बखत ल नइ बना देना हे। विजयी जीनगी चाहथे कि हमन पनमेसर के आज्ञा के पालन तुरते करन। अपन मरजी ल अलग रख देवन अउ ओकर इच्छा पूरा करन। ये बात मं उन्नति करना बहुते जरूरी हवय।

ऊंचा जगहा मं पहुंच के ये सोचना काफी नइ हवय, “मोला जिहां जाना रिहिस उहां मै पहुंच गये हंव।” हमला हर बात मं आज्ञा मनइया होना हे अपन जीनगी मं परभु बर कोनो फइरका ल बंदनइ रखना हे। हम सबो के जीनगी मं कुछ अइसे बात जरूर होथे जेला हमन छोडना नइ चाहन, पर मै तुमन ल ये सुरता करवा के उत्साहित करना चाहथंव कि थोड़ कन खमीर जम्मो गुथे हुए आटा ल खमीर कर देथे (1 कुरिन्थियों 5:6)।

पनमेसर आज्ञा मनइय्या चाहथे बलि नइ

शमुएल ह कहिस (शाऊल राजा ले) काय यहोवा होम बलि मन अउ मेल बलि मन ले उतना खुश होथे, जतना अपन बात माने जाय ले खुश होथे? सुन, मानना तो बलि चढाय ले अउ कान घरना बोकरा मन के चरबी ले बढिया हवय।

देख बलवा करना अउ भावी बताने वाला मन ले पूछना एक ही समान पाप हे, अउ हठ करना मूरती मन के अउ घरू देवता के पूजा

समान हवय। तैं जोन यहोवा के बात ल बेकार जाने हवस, ये क्षति ओ तोला राजा होय बर बेकार जाने हवय।

1 शमुएल 15:22,23

शाऊल के जीनगी ल जांच करे ले हमला सफा सफा पता चल जाथे। जरा एला सोचवः अगर इस्त्राएली पनमेसर के आज्ञा मान लेतिन त उकरं जीनगी के महतव कतना होतिस। ओमा के बहुत लोग अउ उकरं बच्चा मन मरुस्थलमं मरगिन काबर कि ओमन पनमेसर के आज्ञा नइ मानिन कि ओला राजा बने के पहिला मऊका दिये गये रिहिस। पर ओ अपन हठीला अउ विद्रोही सुझाव के कारण जादा दिन तक राजा नइ रहे सकिस। ओ अपन ढग ले हर बात ल सोचे करत रिहिस।

एक बेर जब भविष्यवक्ता शमुएल शाऊल ल समझावत रिहिस काबर कि शाऊल निर्देश अनुसार काम नइ करत रिहिस, त शाऊल के जवाब रिहिस, “मैं सोचेंव।” अउ फिर ओ अपन भावना बताइस कि वो कोन परकार सोचथे कि काम कइसे होना चाही (1 शमुएल 10:6–8; 13:8–14) शमुएल ह राजा शाऊल ल जवाब देइस कि पनमेसर आज्ञा मनइय्या चाहथे न कि बलि।

पनमेसर हमन ले जोन कहिथे अक्सर हमन ओला नइ करना चाहन, अउ फिर आज्ञा नइ माने के बदला मं कुछ अउ दुसर काम करे के कोशिश करन लगथन।

कतना अइसे पनमेसर के संतान हवंय जेमन “राजा मन असन जीनगी” जीये मं असफल हो जाथे (रोमियों 5:17; प्रकाशित वाक्य 1:6 काबर कि ओमन हठी अउ झगराहा होथें।)

एम्पलीफाइड बाइबिल मं समोपदेशक के पुस्तक के प्रस्तावना मं लिखे हवय, “ये पुस्तक के मकसद जीनगी के खोज करना आय अउ आखरी मं विश्लेषण के बाद ये सिखाना हे कि पनमेसर के आदर अउ भक्ति के बिना ये जीनगी बेमतलब हवय।”

हमनल समझ लेना चाही कि बिन आज्ञा माने सही आदर अउ भक्ति नइ होवय। बहुत अकन लइकामन जोन आज विद्रोही सुझाव दिखाथे ओकर कारण ये हवय कि उंकर हिरदे मं अपन दाई ददा बर सही आदर संमान अउ भक्ति नइ होवय। एकर दोषी उकरं दाई—ददा ही हवंय काबर कि अपन लइका मन के

आगु आदर्श भरे जीनगी नइ बिताय हवंय जेकर ले बच्चा मन के अंदर उकंर बर आदर अउ भक्ति नइ उत्पन्न हो सकिस।

बहुत कन ज्ञानी मन के ये मानना हवय कि समोपदेशक के पुस्तक के लिखइय्या राजा सुलेमान रिहिस जेला पनमेसर ह सब मानुष मन ले जादा बुद्धि दिये रिहिस। अगर सुलेमान अतना बुद्धिमान रिहिस त ओ अपन जीनगी मं अतना जादा दुःख भरे गलती मन ल काबर करिस? जवाब बहुते सरल हवय: ये सम्भो हवय कि हमर कना जोन हवय ओकर उपयोग हमन न करन। हमर कना मसीह के दिमाग हवय पर काय हमन हमेशा ओकर उपयोग करथन? पनमेसर कुति ले यीशु मसीह ल हमर बर बुद्धि बनाय गिस, पर काय हमन हमेशा बुद्धि के उपयोग करथन?

सुलैमान हर काम ल अपन ढंग ले करना चाहत रिहिस ओला अपन जम्मो जीनगी कभु ये काम त कभु वो काम करे मं बिता देइस। ओकर कना हर चीज राहय जेला खरीदे जा सकता होवय – बढ़िया संसारिक वैभव अउ आनंद – अउ फिर पुस्तक के आखरी मं ओ अपन ये फइसला देइस।

जम्मो बात सुने गइस; आखरी के बात ये हवय कि पनमेसर के भय अउ ओकर आज्ञा मन के पालन कर, काबर कि मनुष के जम्मो करतव्य इही हवय।

समोपदेशक 12:13

ये पद ले जोन मैं समझेव बोला मैं अपन शब्द मनमं बतावत हंव मनुष के बनाय के मकसद ये हवय कि पनमेसर के आज्ञा माने के दुआरा ओकर भक्ति अउ संमान करय। ईश्वरीय सुभाव के जरी आज्ञा माने मं होना चाही जम्मो खुशी के नीव इही आय। पनमेसर के आज्ञा माने बिन कोनो भी मनुष खुश नइ रहे सकय। हमर जीनगी मं कोनो चीज जोन गड़बडी म हवय ओ आज्ञा माने के दुआरा व्यवस्थित हो जाथे। आज्ञा मानना ही मनुष के करतव्य आय।

मोर बर ये अदभुत पद आय, अउ मैं तुमन ल उत्साहित करत हंव कि तुमन एला पढ़तेचंरहव अउ एकर उपर मनन करत रहव।

आज्ञा माने अउ आज्ञा नइ माने दुनो के फर हवय

काबर कि एक मनुष के आज्ञा नइ माने ले बहुत लोग पापी ठहरिन

वइसने हे एक मनुष के आज्ञा माने ले बहुत लोग धरमी ठहरहीं।

रोमियों 5:19

हमर आज्ञा माने या नइ माने ले न सिरिफ हमन उपर ही असर पडथे, पर बहुत से दुसर लोग मन धलो ओकर ले परभावित होथे उंकर निर्णय के असर उकरं बच्चा मन उपर आइस अउ इही हमर साथ धलो हवय।

कुछ दिन पहिली मोर सबले बड़े बेटा ह कहिस, “दाई मै तोला कुछ बताना चाहथं हो सकथे मोला रोना धलो आ जावय, पर तैं मोर बात ल सुनले।” फिर ओ कहिस, “मैं तोर अउ ददा के बारे मं सोचत हंव अउ ओ साल मन के बारे मं जोन तुम लोगन मन सेवा के काम मं बिताय हव, अउ हर बखत तुमन पनमेसर के आज्ञा मानथव अउ कभु कभु ये तुमन बर सरल नइ होवय। मोला लगत हवय कि तुम दुनो अइसे बात मन ले गुजरे हव जेला कोनो मन नइ जानय अउ पनमेसर ह ये सुबहा मोला येही बात के जानकारी देइस हवय कि तुमन के आज्ञा माने के कारण मोला फायदा पंहुचित अउ मैं एकर बर धन्यवाद देवत हंव।”

वो जोन कुछ कहिस मोर बर बहुत मतलब रखथे अउ एकर ले मोला रोमियों 5:19 सुरता आ गिस।

पनमेसर के आज्ञा माने के फइसला ले दुसर लोग मन उपर ओकर असर पडथे। जब तुमन पनमेसर के आज्ञा माने के फइसला लेथव त एकर दुसर लोग मन उपर धलो असर पडथे। तुमन पनमेसर के आज्ञा नइ मान के मरुस्थल मं ही रहना ल चुन लेथव, पर किरपा करके दिमाग मं ये बइठा लेवव कि अगर तुंहर कना बच्चा हंवय या भविष मं होही, तुंहर ये फइसला ओमन ल धलो जगल मं रखही। हो सकथे बड़े होके वो, वो मरुस्थल (बंजर) ले निकले मं सफल हो जावय पर मैं तुमन तुंहर जीनगी अब एक बढिया दशा मं हो सकथे अगर तुंहर बीते बखत मं कोनो पनमेसर के आज्ञा नइ माने होइहव।

आज्ञा पालन करे के एक एक दूरिहा तक जाने वाला फर हे; ये नरक के फइरका ल बंद करके सरग के खिड़की ल खोल देथे।

मै आज्ञा माने के बारे मं एक पूरा पुस्तक लिख सकथं पर अभी मै सिरिफ अतने ही कहत हंव कि आज्ञा नइ माने के जीनगी गलत सोच के फर आय।

हर बिचार ल मसीह के कैदी बनाव

काबर कि हमर लड़ई के हथियार शरीर के नइ परगढ़ मनलं तहस नहस करे बर पनमेसर के दुआरा सामर्थ पाथे ।

त हमन कल्पना मनल अउ हर ऊंचा बात ल जोन पनमेसर के पहचान के विरोध मं उठथे, खंडन करथन अउ हर भावना ल कैदी करके मसीह के आज्ञा मनइया बना देथन ।

2 कुरिन्थियों 10:4,5

अउ हमर बिचार ही हमला जादा कर समस्या मं डाल देथे । यशायाह 55:8 मं पनमेसर कहिथे, **मोर बिचार अउ तुंहर विचार एक समान नइ हवय, न तुंहर गति अउ मोर गति एक समान हवय ...** आप अउ मै चाहे जतना भी सोचन, पनमेसर अपन विचार मन ल अपन पुस्तक म लिख दिये हवय जेला हमन बाइबिल बोलथन । पनमेसर के वचन के अंजोर मं हमन अपन विचार मन के परख करना चाही अउ अपन विचार ल ओकर विचार के मन के बस मं कर देना चाही काबर कि ओकर विचार श्रेष्ठ हवय ।

इही विचार 2 कुरिन्थियों 10:4,5 म बताय गये हवय अगर हमन पनमेसर के बिचार मन (बाइबिल) के अनुसार नइ हवन त हमन अपन विचार मन ल छोड़ देवन अउ ओकर विचार मन ल अपन बना लेवन ।

लोग जोन अपन दिमाग के झूठा गरूर मं होथे न सिरिफ अपन ल नाश करथे पर जोन लोग उकरं चारो खूंट रहिथे उकरं घलो नाश करथे ।

दिमाग एक युद्ध भूँझ्या आय

सइतान जोन एक लड़ई छेड़ रखे हवय ओला अपन दिमाग के युद्ध भूँझ्या मं ही लड़ के हराना हवय । मोर हिरदे ले पराथना हवय कि ये पुस्तक तुमन ल अपन कल्पना मन ल खतम करेमं, हर ऊंचा बात ल जोन पनमेसर के गियान ले श्रेष्ठ समझके ओला हटाय मं अउ हर बिचार ल मसीह के कैदी बना के ओकर आज्ञा मनइया बना दे मं तुंहर सहायता करही ।

Notes

Chapter 7

1. W. E. Vine, Merrill Unger, and William White Jr., eds., *Vine's Expository Dictionary of Biblical Words* (Nashville: Thomas Nelson, 1985), 662.
2. James Strong, *Strong's New Exhaustive Concordance of the Bible* (Nashville: Thomas Nelson, 1984), "Greek Dictionary of the New Testament," 24.
3. *Webster's II New Riverside University Dictionary*, s.v. "meditate."
4. Vine, Unger, and White, *Vine's Expository Dictionary of Biblical Words*, 400.

Chapter 9

1. *Webster's II New Riverside University Dictionary*, s.v. "reason."
2. *Ibid.*, s.v. "wonder."

Chapter 11

1. W. E. Vine, *Vine's Expository Dictionary of Old and New Testament Words* (Old Tappan, NJ: Fleming H. Revell, 1981), Vol. A. A-Dys, 335.
2. *Ibid.*, Vol. 4: Set-Z, 165.

Chapter 12

1. *Webster's II New Riverside Dictionary*, s.v. "worry."
2. *Random House Dictionary*, s.v. "worry."

Chapter 13

1. Vine, *Vine's Expository Dictionary of Old and New Testament Words*, Vol. 2: E-Li, 281.
2. *Ibid.*, 280.

Chapter 15

1. *Webster's II New Riverside University Dictionary*, s.v. “depress.”
2. *Ibid.*, s.v. “depressed.”
3. Vine, *Vine's Expository Dictionary of Old and New Testament Words*, Vol. 2: E-li, 60.
4. *Ibid.*, Vol. 3: Lo-Ser, 55.
5. Strong, *Strong's New Exhaustive Concordance of the Bible*, “Hebrew and Chaldee Dictionary,” 32.

Chapter 23

1. *Webster's II New Riverside Dictionary*, s.v. “reproach.”

Chapter 24

1. Vine, *Vine's Expository Dictionary of Old and New Testament Words*, Vol. 2: E-Li, 37.
2. *Webster's II New Riverside University Dictionary*, s.v. “jealousy.”

सन्दर्भ सूची

स्ट्रोंग, जेम्स, *न्यू स्ट्रोंग्स एक्सहोसिटिव कोनकोर्ड्स आफ द बाइबल*, नेशविले: थॉमस नेल्सन प्रकाशन, 1984

वाइन, डब्लू.ई.उंगर, मेरिल; व्हाईट, विलियम जूनियर, एडिशन, *वाइन्स एक्सपोजिट्री डिक्शनेरी आफ बिबलिकल वर्ड्स*, नेशविले: थॉमस नेल्सन, इंक, प्रकाशन 1985

वाइन, डब्लू.ई. *वाइन्स एक्सपोजिट्री डिक्शनेरी आफ ओल्ड एण्ड न्यू टेस्टामेन्ट वर्ड्स*। ओल्ड टप्पन: फ्लेमिंग एच. रेवेल कम्पनी, 1981

वेब्सटर्स II न्यू रिवरसाइड यूनिवर्सिटी डिक्शनेरी, बोस्टन : हाऊटन मिफ्लिन कम्पनी, 1984

लेखिका के विषय में

जॉयस मेयर 1976 से परमेश्वर का वचन सिखाती रहीं हैं और 1980 से पूर्णकालिक सेवा में हैं। पूर्व में सेंट लुईस, मिसौरी स्थित लाईफ क्रिश्चियन चर्च, मिसौरी में सहायक पास्टर रहते हुए आपने “लाईफ इन द वर्ड” नामक एक साप्ताहिक सभा विकसित, संयोजित किया है। पाँच से अधिक वर्षों के पश्चात् उन्हें अपनी स्वयं की सेवा स्थापित करने हेतु परमेश्वर ने एक निष्कर्ष पर पहुँचाया और इसे “**लाईफ इन द वर्ड, इंक**” के नाम से जाना जाता है।

अब उनका **लाईफ इन द वर्ड** नामक रेडियो और टी वी कार्यक्रम संयुक्त राज्य और संसार भर में करोड़ों लोगों द्वारा देखा जाता है। जॉयस की शिक्षाओं के टेप अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुने जाते हैं और वह **लाईफ इन द वर्ड** सम्मेलनों का आयोजन करते हुए बहुत सी यात्रायें करती हैं।

जॉयस और उनके पति, डेव, जो लाईफ इन द वर्ड में व्यवसायिक प्रशासक हैं, पैंतीस से अधिक वर्षों से विवाहित हैं। वे सेंट लुईस, मिसौरी में रहते हैं और चार बच्चों के माता पिता हैं। सभी चार बच्चे विवाहित हैं और अपने जीवनसाथियों सहित सेवकाई में जॉयस और डेव के साथ कार्य करते हैं।

यह विश्वास करते हुए कि अपने जीवन में परमेश्वर की बुलाहट विश्वासियों को वचन में स्थापित करने की है, जॉयस कहती हैं, “यीशु बन्दियों को छुड़ाने के लिये मरा, और अब भी बहुत से मसीही अपने प्रतिदिन के जीवन में बहुत कम या बिल्कुल भी विजय नहीं रखते हैं।” बहुत वर्षों पूर्व अपने आप को समान स्थिति में पाते हुए और परमेश्वर के वचन को लागू करने के द्वारा विजय में जीने की स्वतंत्रता पाते हुये जॉयस बन्दियों को छुड़ाने और राख को सुंदरता से उभरने के लिये सुसज्जित है। वह विश्वास करती है कि विजय में चलने वाला प्रत्येक व्यक्ति विजय की ओर बहुतों की अगुवाई करता है। उनका जीवन पारदर्शक है और उनकी शिक्षायें व्यवहारिक है और प्रतिदिन के जीवन में प्रयोग किया जा सकता है।

To contact the author in the United States, please write:

Joyce Meyer Ministries

P.O. Box 655,

Fenton, Missouri 63026

or call: (636) 349-0303

or log on to: www.joycemeyer.org

To contact the author in India, please write:

Joyce Meyer Ministries

Nanakramguda,

Hyderabad - 500 008

or call: 2300 6777

or log on to: www.jmmindia.org

एक युद्ध चलन हवय

तोर दिमाग एक युद्ध भूइया आय

चिंता, शक, गड़बड़ी तनाव करोध अउ दोष भावना...ये जम्मो के हमला दिमाग उपर होथे। अगर तुमन नकारात्मक बिचार मन ले परेशान हवव, हिम्मत इन हारव। जॉयस मेयर ह लाखों लोग मन के ये महत्व भरे युद्ध मं विजय पाय मं सहायता करे हदय – अउ ओ तुंहर घलो (मदद) कर सकथे। ओकर सबले जादा बिकइय्या पुस्तक मं जन प्रिय लेखिका अउ सेविका तुमन ल दिखाए हवय कि अपन सोच ल बदले के दुआरा तुमन कइसे अपन जीनगी ल बदल सकथव। ओ तुमन ल सिखाये कि रोज हजारों बिचार मन ले जोन तुंहर कना होथे कइसे निपटना हे अर कइसे अपन दिमाग मं वइसने ही सोचना हे जइसे पनमेसर ह सोचथे। अउ ओ अपन खुद के विहाव, परिवार अउ अपन सेवा के परिक्षा अउ भुख भरे घटना मन के बारे में बताथे अउ आखरी मं विजय पाके, अद्भुत अउ बदले हुए जीनगी के सचाई कुति ले जाये अउ रस्ता मं अवइया जम्मो कदम के बारे मं अपन सोच अउ भावना मन ले परगट करथे।

तुमन ये घलो जान सकथव

- अपन दिमाग ल काबू मं करके दिमागी परेशानी अउ आंधी ले शांति अउ स्वतंत्रता पा सकथव
- हानि पहुंचइय्या बिचार मन ल चिन्ह सकथव अउ जीनगी मं असर डाले ले रोक सकथव
- सही सोचे के दुआरा सचाई ल देख सकथव
- असर दार ढंग ले पनमेसर के बचन, परशांसा, पराथना अउ दुसर आत्मिक हथियार मन ल पहिर सकथव
- बजर दिमाग के दस ठन विचारधारा उपर विजय पा सकथव अउ अपन ल हानि पहुंचइय्या स्थिति ले बचाय रख सकथव

अउ एक दिन अपन ल दुःख म इन रखव। आजे जान जावव कि “दिमाग के युद्ध भूइया” मं विजय के विश्वास कइसे पा सकथव।

